आषाढ़ कृष्ण पक्ष 10, संवत 2081 | डालटनगंज (मेदिनीनगर) सोमवार, 01 जुलाई 2024, वर्ष-30, अंक- 253, पृष्ठ-16 ₹3.00 रजिस्ट्रेशन नंः आरएनआई. 61316/94 | www.rashtriyanaveenmail.com

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

कानून के प्रकार : भारतीय कानूनी प्रणाली भारत में विभिन्न प्रकार के कानूनों पर प्रकाश डालती है, जिनमें आपराधिक कानून, सिविल कानून, संवैधानिक कानून, पारिवारिक कानून और कॉर्पोरेट और वाणिज्यिक कानून शामिल हैं।

1248 कानून हैं भारतीय कानून व्यवस्था में **हमारे पास**

नए कानून में कितनी धाराएं

नए कानून के तहत 177 प्रावधान बदले गए हैं जबकि नौ नई धाराएं और 39 उपधाराएं जोड़ी हैं। इसके अलावा 35 धाराओं में समय सीमा तय की गई है। वहीं, नए भारतीय साक्ष्य अधिनियम में 170 प्रावधान हैं। इससे पहले वाले कानून में 167 प्रावधान थे।

कानून के प्रमुख स्रोत

भारत में कानून के मुख्य स्रोत संविधान, विधान, विधेयक, परंपरागत कानून और अदालतों के निर्णय पर आधारित कानून हैं। संसद, राज्यों के विधान मंडल और केंद्र शासित प्रदेशों की विधानसभा द्वारा विधान बनाए जाते हैं। इसके अतिरिक्त भारत में कई कानून ऐसे हैं जिन्हें 'उपकानून' माना जाता है।

देश में अमृत महोत्सव काल चल रहा है समुद्र मंथन के विषय में सभी जानते हैं कि इस मंथन में कई दिव्य शक्तियां और वस्तुएं जनकल्याण के लिए निकली थीं किंतु इसी क्रम में वर्ष 2023 में हुए कानून मंथन में जनकल्याण के लिए बहुत कुछ अपेक्षित सुधार नहीं हो पाया था लेकिन इस बात पर कुछ तो संतोष करना पड़ रहा है कि कानूनी परिपेक्ष्य में हुआ बदलाव आगामी वर्षों में मील का पत्थर सिद्ध होगा। तीन नए कानून संहिता में भारतीय शब्द जुड़ा है यह हमें गौरवान्वित करता है। कानून में हुआ थोड़ा बदलाव न्यायिक पदाधिकारी पुलिस जांच अधिकारियों और अधिवक्ताओं की कार्य प्रणाली को और अधिक गतिशील कर देगा शायद इस वाक्य से निजात मिलेगा कि कोर्ट में तारीख पर तारीख ही मिलती है। केस-मुकदमे जल्द निष्पादित नहीं होते, कानून संहिता में बदलाव से जनता जनार्दन को थोड़ी राहत जरूर मिलेगी कि कोर्ट का ज्यादा चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा। सजा के प्रावधानों में मनोवैज्ञानिक स्वरूप की कमी है इन कानून के संचालित होने से न्यायिक प्रक्रिया से जुड़े सभी लोगों में सक्रियता बढ़ जाएगी, अफसरशाही से थोड़ी राहत मिलेगी। रिश्वतखोरी में भी कमी आएगी, गवाह और साक्ष्य कुछ सीमा तक सुरक्षित हो सकते हैं, दोषी व्यक्ति बेचैन और प्रताड़ित होंगे इस बदलाव से।

आज से बदलेगा कानून, हत्या पर नई धारा-नई सजा

क्यों नहीं मिलेगी अब तारीख पर तारीख

कैसा है इन बड़े कानूनों में बदलाव

ये तीन कानून भारत की पुलिस और न्याय व्यवस्था की धुरी है। अपराध संबंधी विवेचना से लेकर कानूनी प्रक्रिया तक इनका उपयोग होता है। सामान्य नागरिक भी इन कानूनों की धाराओं से परिचित है और प्रमुख अपराधों से संबंधित धाराओं के बारे में जागरुक है। लेकिन इस बड़े बदलाव के बाद पूरी न्यायिक प्रक्रिया में बड़ा बदलाव देखने मिलेगा। इन तीन प्रमुख कानूनों में बदलाव कुछ इस तरह होगा।

1. **भारतीय न्याय संहिता 2023 :** भारतीय न्याय संहिता 2023 जो नया कानून है, ये भारतीय दंड संहिता 1860 (Indian Penal Code) की जगह लेगा। खास बात ये है कि Indian Penal Code -1860 में 511 धाराएं थी, लेकिन नए कानून भारतीय न्याय संहिता में सिर्फ 358 धाराएं हैं। भारतीय न्याय संहिता में राजद्रोह की धारा हटा दी गयी है, लेकिन भारत की संप्रभुता,एकता और अखंडता के खिलाफ अलगावाद या विद्रोह फैलाने की कोशिश के लिए राष्ट्रद्रोह के अंतर्गत परिभाषित किया गया है। नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म और मॉब लिंचिंग जैसे अपराध में मौत की सजा का प्रावधान है।

2. **भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 :** भारतीय दंड प्रक्रिया संहिता- 1973 Criminal Procedure Code (CrPC) की जगह भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता- 2023 ले लेगी। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता में Criminal Procedure Code (CrPC) की 484 धाराओं के मुकाबले 531 धाराएं हैं। कानून में किए गए बदलाव अपराध की विवेचना से लेकर न्यायिक प्रक्रिया में तेजी लाएंगे। इसमें मामलों की तय समय में जांच और सुनवाई का प्रावधान किया गया है। खास बात ये है कि जांच और सुनवाई पूरी होने के बाद 30 दिन के भीतर फैसला देने का प्रावधान भी है। यौन अपराध से जुड़े मामलों में पीड़ितों के बयान की वीडियोग्राफी अनिवार्य कर दी गयी है। अपराध में संलिप्तता पाए जाने पर संपत्ति कुर्क करने के लिए इस कानून में नया प्रावधान किया गया है।

3. **भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 :** ये नया कानून भारतीय साक्ष्य अधिनियम (Indian Evidence Act) 1872 की जगह पर लागू होगा। नए कानून में 170 धाराएं हैं। जबकि Indian Evidence Act में 167 धाराएं थीं। अब अदालत में इलेक्ट्रानिक और डिजिटल साक्ष्य पेश किए जा सकेंगे। जिनमें स्मार्टफोन, लैपटॉप, एसएमएस, वेबसाइट, मेल, इलेक्ट्रानिक उपकरण, कंप्यूटर, डिजिटल रिकॉर्ड, ईमेल और सर्वर लॉग को पेश और स्वीकृत किया जा सकेगा। इनकी मान्यता कागज में रखे जाने वाले रिकार्ड के समकक्ष होगी। नए कानून के तहत केस डायरी, एफआईआर, आरोप पत्र और प्रकरण से संबंधित सभी जानकारी का डिजिटिलाइजेशन किया जाएगा।

राजद्रोह की धारा हटी, लेकिन आतंकी गतिविधियों पर सख्त कानून

भारतीय दंड संहिता 1860 का स्थान लेने जा रही भारतीय न्याय संहिता में राजद्रोह की धारा को खत्म किया गया है, लेकिन देश की एकता अखंडता और संप्रभुता को खतरा पहुंचाने,अलगाववाद और विद्रोह की कोशिश को राष्ट्रद्रोह के अंतर्गत परिभाषित किया गया है। देश को नुकसान पहुंचाने के लिए विस्फोटक पदार्थ और जहरीली वस्तुओं का उपयोग करने पर आतंकवाद की धाराओं में मुकदमा चलेगा। सजा और कानूनी प्रक्रिया से बचने के लिए विदेश भागने वालों पर मुकदमा चल सकेगा। अगर पुलिस विदेश में बैठे अपराधी को तय समय में नहीं पकड पाएगी,तो भी कोर्ट में प्रकरण पेश किया जा सकेगा। राजद्रोह के मामले में आईपीसी की धारा 124 -ए नए कानून के तहत धारा 150 के रूप में पहचानी जाएगी। भारत सरकार के खिलाफ उकसाने और युद्ध छेड़ने जैसे प्रयास पर आईपीसी की धारा 121 के तहत प्रावधान था लेकिन अब ये धारा 146 कहलाएगी।

महिला अपराध में देश भर में कहीं भी होगी एफआईआर

महिलाओं के साथ होने वाले अपराध के मामलों में कानून को सख्त और महिला वर्ग को ध्यान में रखकर प्रावधान किए गए हैं। नए प्रावधान के तहत किसी महिला के साथ हुए दुष्कर्म की घटना में पीड़िता देश के किसी भी राज्य में कहीं भी जीरो पर केस दर्ज करा सकेगी। अब तक ये व्यवस्था राज्य स्तर पर लागू थी लेकिन अब ये राष्ट्रीय स्तर पर लागू होगी। वहीं यौन अपराध से जुड़े मामले में प्रावधान किया गया है कि यौन संबंधों के लिए पहचान छिपाना और झूठे वादे अपराध की श्रेणी में माने जाएंगे। नाबालिग बच्चियों से दुष्कर्म को पॉक्सो एक्ट के साथ जोड़ दिया गया है। जिसमें आजीवन कारावास या मौत की सजा का प्रावधान किया गया है। सामूहिक दुष्कर्म के मामलों में 20 साल की कैद और आजीवन कारावास की सजा का प्रावधान है। आईपीसी में बलात्कार का मामला धारा 376 के अंतर्गत आता था। अब ये धारा 63 के अंतर्गत जाना जाएगा और धारा 64 में सजा के प्रावधान हैं। सामूहिक दुष्कर्म के मामले धारा 70 के अंतर्गत आएंगे।

भूल जाएं पुरानी धाराएं, नहीं तो हो जाएगी गफलत

दरअसल लंबे समय से चले आ रहे इन प्रावधानों के कारण आम आदमी भी ज्यादातर अपराध को धारा से संबोधित करते हैं। जैसे हत्या के लिए धारा 302 लेकिन अब ये धारा 103 के तहत आएगी। खास बात ये है कि धारा 302 को अब चैन स्नेचिंग की धारा माना गया है। छेड़छाड़ की धारा 354 की पहचान अब मानहानि की धारा के तौर पर होगी। पहले मानहानि की धारा को 499 के तौर पर जाना जाता था। धोखाधड़ी से मामले में धारा 420 का प्रयोग अब नहीं किया जा सकेगा। धोखाधडी अब धारा 316 के तहत आएगी।

गंभीर अपराध में तीन साल के भीतर न्याय

नए कानून के तहत गंभीर अपराध के मामले में विवेचना और न्यायिक प्रक्रिया को लंबा नहीं खींचा जा सकेगा। कानून में बदलाव के कारण अब गंभीर अपराधों में 3 साल के भीतर न्याय प्रदान करना होगा। पुलिस की विवेचना में देरी और मनमर्जी पर अंकुश लगाने के लिए नयी धाराएं बनाकर प्रावधान किया गया है। इसके तहत तय समय सीमा में विवेचना, तलाशी और जब्ती की वीडियोग्राफी, गिरफ्तार व्यक्तियों के बारे में परिजनों को जानकारी देना अनिवार्य किया गया है।

पीड़ितों और गवाहों के लिए हैं राहत वाले प्रावधान...

नए कानूनों के तहत पीड़ितों और गवाहों की समस्याओं को ध्यान में रखकर कई प्रावधान किए गए हैं। अब किसी मामले में कोई गवाह घर बैठकर वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से बयान दर्ज करा सकेगा। कोर्ट जाने की जरूरत नहीं होगी। 3 साल से कम सजा वाले केस और 60 से ज्यादा उम्र वालों से पूछताछ के लिए मजिस्ट्रेट की अनुमति अनिवार्य होगी। 7 साल से ज्यादा सजा के मामलों में फोरेंसिक रिपोर्ट अनिवार्य होगी। 7 साल से ज्यादा सजा के मामले में पुलिस हथकड़ी लगाने के लिए स्वतंत्र रहेगी।

हिट एंड रन मामलों में सजा की अवधि बढ़ी

सड़क दुर्घटना से संबंधित हिट एंड रन मामले में अब दोषी को 10 साल तक की सजा भुगतनी होगी। पहले सिर्फ दो साल की सजा होती थी, जिसे बढ़ाकर 10 साल कर दिया है। दरअसल हत्या जैसे अपराध से बचने के लिए हिट एंड रन जैसे मामले तेजी से बढ़ रहे हैं।

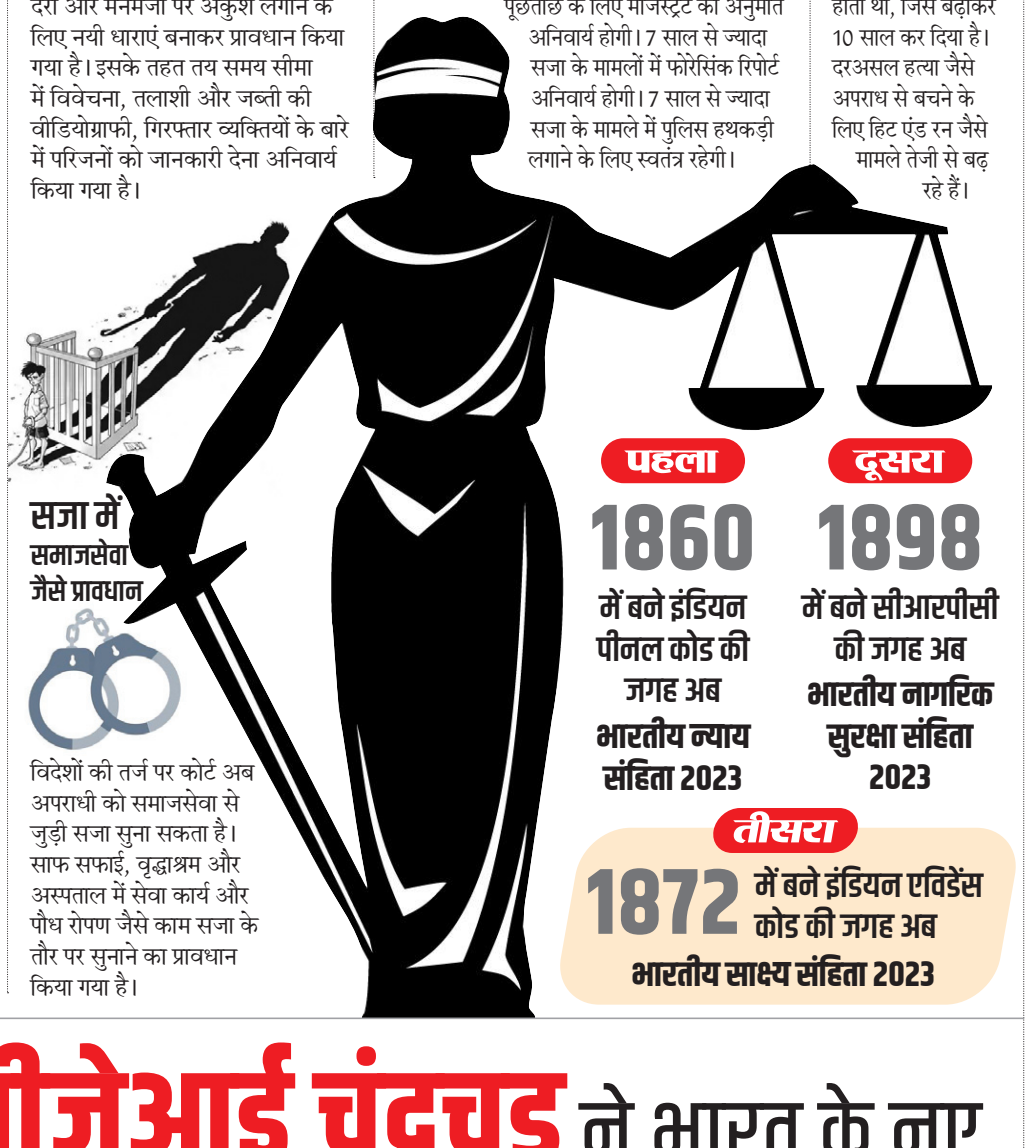

सजा में समाजसेवा जैसे प्रावधान

विदेशों की तर्ज पर कोर्ट अब अपराधी को समाजसेवा से जुड़ी सजा सुना सकता है। साफ सफाई, वृद्धाश्रम और अस्पताल में सेवा कार्य और पौध रोपण जैसे काम सजा के तौर पर सुनाने का प्रावधान किया गया है।

पहला
1860 में बने इंडियन पीनल कोड की जगह अब **भारतीय न्याय संहिता 2023**

दूसरा
1898 में बने सीआरपीसी की जगह अब **भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023**

तीसरा
1872 में बने इंडियन एविडेंस कोड की जगह अब **भारतीय साक्ष्य संहिता 2023**

ये हैं खास तथ्य

- दुष्कर्म में पीड़ित की मृत्यु व अपंगता पर मृत्युदंड की सजा होगी
- पहले से हत्या में सजायाफ्ता को दूसरी हत्या में उम्रकैद या मृत्युदंड
- दुष्कर्म-छेड़खानी पीड़िता के बयान महिला मजिस्ट्रेट ही दर्ज करेंगी
- महिला मजिस्ट्रेट न होने पर किसी महिला कर्मी की मौजूदगी जरूरी
- अब किसी भी घटनास्थल का मुकदमा किसी भी थाने में दर्ज हो सकेगा
- ऑनलाइन-व्हाट्सएप के जरिये भेजी तहरीर पर दर्ज करनी होगी रिपोर्ट
- महिला और बाल अपराध में दो माह में करनी होगी विवेचना पूर्ण
- अब जेल जाने के 40 दिन के अंदर पीसीआर लेने की सुविधा तय
- गवाह या वादी को व्हाट्सएप पर ही समन-वारंट भेजा जाना मान्य
- हर घटना की जांच में वीडियो फुटेज-वैज्ञानिक साक्ष्य पहले दिन से करने होंगे तैयार, केस डायरी में भी होंगे शामिल
- घटनास्थल, बरामदगी, पब्लिक की गवाही, वादी की गवाही, पीसीआर पर बरामदगी के बनाने होंगे वीडियो फुटेज

धाराओं में ये होगा बदलाव

महिला संबंधी अपराध	
आईपीसी	बीएनएस
354	74
354ए	75
354बी	76
354सी	77
354डी	78
509	79

चोरी संबंधी अपराध	
आईपीसी	बीएनएस
379	303(2)
411	317(2)
457	331(4)
380	305

लूट संबंधी अपराध	
आईपीसी	बीएनएस
392	309(4)
393	309(5)
394	309(6)

हत्या-आत्महत्या संबंधी अपराध	
आईपीसी	बीएनएस
302	103(1)
304(बी)	80(2)
306	108
307	109
304	105
308	110

धोखाधड़ी संबंधी अपराध	
आईपीसी	बीएनएस
419	319(2)
420	318(4)
466	337
467	338
468	336(3)
471	340(2)

नोट- भारतीय दंड संहिता (आईपीसी)-भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस)

सीजेआई चंद्रचूड़ ने भारत के नए आपराधिक न्याय कानूनों की सराहना की

नए आपराधिक कानूनों की सराहना करते हुए बोले मुख्य न्यायाधीश: *भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) चंद्रचूड़ ने कहा कि नए अधिनियमित कानूनों ने आपराधिक न्याय पर भारत के कानूनी ढांचे को एक नए युग में बदल दिया है। 'आपराधिक न्याय प्रणाली के प्रशासन में भारत का प्रगतिशील पथ' विषय पर एक सम्मेलन में बोलते हुए उन्होंने कहा कि यदि हम नागरिक के रूप में उन्हें अपनाएं तो नए कानून सफल होंगे।*

जस्टिस **धनंजय यशवंत चंद्रचूड़** मुख्य न्यायाधीश

सीजेआई ने कहा, 'संसद द्वारा इन कानूनों का अधिनियमित होना एक स्पष्ट संकेत है कि भारत बदल रहा है और आगे बढ़ रहा है। मौजूदा चुनौतियों से निपटने के लिए नए कानूनी उपकरणों की जरूरत है। हमारे कानूनों का लक्ष्य पीड़ितों को आपराधिक प्रक्रिया में एजेंसी और नियंत्रण की भावना के साथ-साथ न्याय की भावना देना होना चाहिए। मुझे उम्मीद है कि नए आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन के साथ, हम उन खामियों और क्षेत्रों की खोज करेंगे जिन पर ध्यान देने की जरूरत है'। उन्होंने कहा कि हमारे कानूनों को गवाहों की जांच में देरी, मुकदमे के समापन, जेलों में भीड़भाड़ और विचाराधीन कैदियों के मुद्दे जैसे सदियों पुराने मुद्दों को संबोधित करने की जरूरत है। कहा, बीएनएसएस डिजिटल युग में अपराधों से निपटने के लिए एक समग्र दृष्टिकोण अपनाता है। यह सात साल से अधिक कारावास की सजा वाले अपराधों के लिए तलाशी और जब्ती की ऑडियो विजुअल रिकॉर्डिंग और अपराध स्थल पर एक फोरेंसिक विशेषज्ञ की उपस्थिति को निर्धारित करता है।

न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा कि तलाशी और जब्ती की ऑडियो-विजुअल रिकॉर्डिंग अभियोजन के साथ-साथ नागरिकों की नागरिक स्वतंत्रता की रक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण है। न्यायिक जांच तलाशी और जब्ती के दौरान प्रक्रियात्मक अनौचित्य के खिलाफ नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करेगी। सीजेआई ने इस बात पर जोर दिया कि जब हम इस दिशा में प्रगति कर रहे हैं, तो हमें अब नए आपराधिक कानूनों के उद्देश्यों को पूरा करने की चुनौतियों का सामना करना होगा। रिकॉर्डिंग के लिए उपयोग किए जाने वाले उपकरणों के प्रकार, प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों को शामिल करने और ऐसी रिकॉर्डिंग न करने के परिणामों को निर्धारित करने के लिए विस्तृत नियम बनाने की आवश्यकता है।

न्यायमूर्ति ने कहा कि यह जानकर बहुत खुशी हुई कि बीएनएसएस की धारा 532 कोड के तहत सभी परीक्षणों, पूछताछ और कार्यवाही को इलेक्ट्रॉनिक रूप से संचालित करने की अनुमति देती है। यह जोड़ जितना प्रशंसनीय है, हमें कार्यवाही के डिजिटलीकरण और डिजिटल साक्ष्य बनाते समय लगातार आत्मनिरीक्षण करना चाहिए और आरोपी के साथ-साथ पीड़ित की गोपनीयता की रक्षा करनी चाहिए। डिजिटल युग में, व्यक्ति के डेटा और संवेदनशील जानकारी को अत्यधिक महत्व मिल गया है। सीजेआई ने आगाह किया कि व्यक्तिगत डेटा के साथ आने वाली शक्ति उन प्रणालियों पर एक समान कर्तव्य लगाती है जो डेटा के प्रवेश और रिसाव से प्रतिरक्षित हैं। अदालतों में, हम हर दिन डेटा लीक की चुनौतियों का सामना करते हैं। यदि हितधारकों की गोपनीयता की रक्षा नहीं की गई तो किसी व्यक्ति की सुरक्षा, आरोपी से जुड़ा कलंक, गवाह की खतरे की धारणा से समझौता किया जाएगा। प्रौद्योगिकी भविष्य की अदालत प्रणाली की कुंजी है।

व्हाट्सएप, टेलीग्राम व E-mail से भी दर्ज करा सकेंगे FIR

आज से बदल जाएंगे ये नियम
New criminal laws

आगामी एक जुलाई से एफआईआर के लिए थाने की जरूरत नहीं होगी। आप व्हाट्सएप, टेलीग्राम या ई-मेल जैसे माध्यम से भी एफआईआर दर्ज करा सकेंगे। अब थाने से यह कहकर आपको टाला नहीं जा सकेगा कि संबंधित थाने में जाकर एफआईआर दर्ज करवाएं। ये कहना था एसीजेएम न्यायधीश सुंदर लाल खारोल का वरिष्ठ सिविल न्यायधीश ज्ञानेंद्र सिंह ने बताया कि पहली बार 'सामुदायिक सेवा' को दंड के रूप में बीएनएस की धारा 4 में शामिल किया है, ताकि जेलों की भीड़ कम हो। एसीजेएम न्यायधीश धर्मेंद्र पंवार ने बताया कि नए कानून लागू होने पर अपराध के लिए देश में कहीं भी एफआईआर दर्ज हो सकेगी। एफआईआर संबंधित थाने में स्वतः ट्रांसफर हो जाएगी और वहां एफआईआर को नंबर मिल जाएगा। संज्ञेय अपराध में थाने में माध्यम से दी गई सूचना के आधार पर एफआईआर दर्ज हो सकेगी। उन्होंने बताया कि व्हाट्सएप- टेलीग्राम सहित किसी भी इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से एफआईआर दर्ज हो सकेगी, जिसको लेकर ऑनलाइन दर्ज कराने के बाद तीन दिन के भीतर प्रार्थी को संबंधित थाने में उपस्थित होकर हस्ताक्षर करने होंगे। थाने में एफआईआर दर्ज नहीं होने पर पहले की तरह ही पुलिस अधीक्षक कार्यालय में एफआईआर दी जा सकेगी।

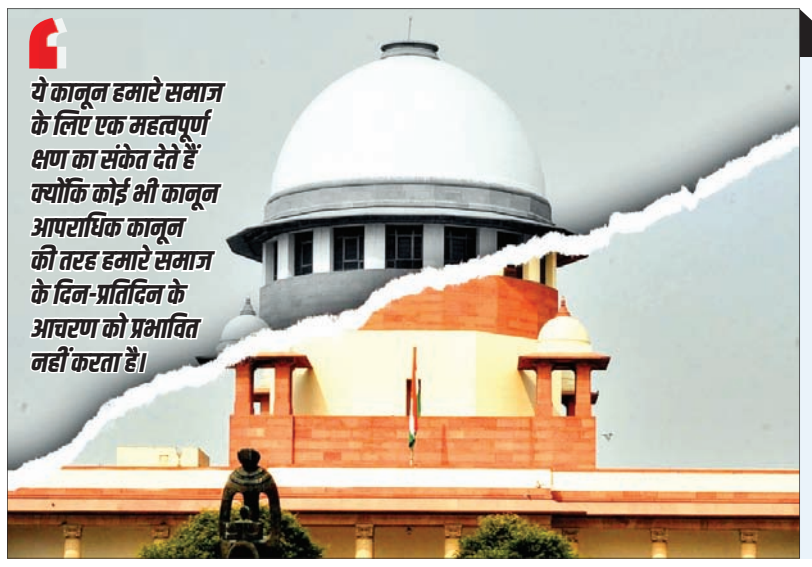

ये कानून हमारे समाज के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण का संकेत देते हैं क्योंकि कोई भी कानून आपराधिक कानून की तरह हमारे समाज के दिन-प्रतिदिन के आचरण को प्रभावित नहीं करता है।

कानूनी बुनियादी ढांचे को पर्याप्त रूप से विकसित करने की आवश्यकता

न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ जोर देकर कहा, 'जबकि नए आपराधिक कानून ऐसे प्रावधान बनाते हैं जो हमारे समय के अनुरूप हैं। हमें यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि इन प्रक्रियाओं से जुड़े बुनियादी ढांचे को देश के लिए नए कानून के लाभों को प्राप्त करने के लिए पर्याप्त रूप से विकसित किया जाए। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने हमारे फोरेंसिक विशेषज्ञों की क्षमता निर्माण, जांच अधिकारियों के प्रशिक्षण का संचालन करने और अदालत प्रणाली में भी निवेश करने पर जोर दिया। सीजेआई ने कहा कि बीएनएसएस प्रावधान करता है कि आपराधिक मुकदमा तीन साल में पूरा किया जाना चाहिए और फैसला आरक्षित होने के 45 दिनों के भीतर सुनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह शर्त लंबित मामलों के मुद्दे के साथ-साथ आपराधिक मामले में पीड़ित और आरोपी के अधिकारों के समाधान के लिए ताजी हवा का झोंका है। अगर अदालत के बुनियादी ढांचे और अभियोजन पक्ष के पास प्रौद्योगिकी का उपयोग करने और एक कुशल और त्वरित सुनवाई करने के लिए भौतिक संसाधनों की कमी है, तो बीएनएसएस की गारंटी केवल निर्देशिका और अनुपयोगी बनने का जोखिम हो सकता है। सीजेआई ने कहा कि बीएनएसएस ने विचाराधीन कैदियों के मौलिक अधिकारों की रक्षा में सकारात्मक विकास किया है। बीएनएसएस की धारा 481 उस आरोपी व्यक्ति के लिए डिफॉल्ट जमानत का प्रावधान करती है, जो अपने खिलाफ लगाए गए अपराध के लिए सजा की एक तिहाई अवधि काट चुका है। सीजेआई ने कहा, 'ये कानून हमारे समाज के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण का संकेत देते हैं क्योंकि कोई भी कानून आपराधिक कानून की तरह हमारे समाज के दिन-प्रतिदिन के आचरण को प्रभावित नहीं करता है। आपराधिक कानून एक राष्ट्र के नैतिक चरित्र को निर्देशित करता है और इसमें लोगों को उनकी पोषित स्वतंत्रता से वंचित करने की क्षमता होती है'। सीजेआई ने कहा कि छोटे और कम गंभीर अपराधों के लिए सारांश सुनवाई अनिवार्य कर दी गई है। मजिस्ट्रेट प्रणाली को भी सुव्यवस्थित किया गया है। उन्होंने आगे जोर दिया कि हमारे पुलिस बलों के बुनियादी ढांचे और क्षमता को बढ़ावा देना जरूरी है।

जानिए उस कानून को जिसकी वजह से हड़ताल पर गए थे वाहन चालक

New Hit and Run Law- आपराधिक कानूनों में बदलाव की वजह से हिट एंड रन मामलों में सजा की अवधि बढ़ा दी गई है। पूरे देश के ट्रक-बस चालकों की हड़ताल की असली वजह यही है। नए कानून और पुराने कानून में क्या है अंतर, जानें विस्तार से।

ट्रक, बस और टैंकरों सहित कमर्शियल वाहनों के चालकों ने सोमवार से हिट-एंड-रन मामलों से संबंधित नए कानून के खिलाफ देश के कई हिस्सों में विरोध प्रदर्शन कर दिया है। केंद्र सरकार ने हाल ही में कोलोनियल युग के आपराधिक कानूनों में बदलाव कर हिट-एंड-रन मामलों में सजा की अवधि बढ़ा दी है। इस कदम से देश भर में ड्राइवरों का विरोध शुरू हो गया। ईंधन आपूर्ति को लेकर घबराहट के कारण कुछ पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारें देखी गईं। लेकिन क्या आपको पता है क्या है नया कानून और कैसे अलग है पुराने कानून से।

क्या है नया कानून

नए कानून के तहत, दुर्घटनास्थल से भागने पर ड्राइवरों के लिए जेल की सजा दो साल से बढ़ाकर 10 साल तक कर दी गई है। बता दें कि हिट एंड रन कानून भारतीय न्याय संहिता की धारा 104 है, जो लापरवाही से मौत का कारण के लिए दंड की कार्रवाई स्थापित करती है। इस नए कानून के अनुसार, हिट-एंड-रन मामलों में 10 साल की सजा और 7 लाख रुपये तक का जुर्माना हो सकता है। ट्रांसपोर्टरों को लगता है कि नया कानून ड्राइवरों के हित के खिलाफ है। उनका कहना है कि ड्राइवर किसी को मारना नहीं चाहते, लेकिन दुर्घटनाएं हो जाती हैं। ऐसे में लोग ड्राइवर के खिलाफ हो जाते हैं। उनका कहना है कि नए कानून में संशोधन किया जाए, वह इसके समर्थन में हैं, लेकिन सजा की अवधि बहुत अधिक कर दी गई है।

विवेचना में वीडियो साक्ष्य बेहद जरूरी : पुलिस अब तक घटनास्थल पर पहुंचकर साक्ष्य संकलन व पब्लिक के किसी भी गवाह के बयान अपने अनुसार लिख लेती थी। मगर अब सब कुछ वीडियो कैमरे की निगरानी में होगा। इससे अदालत में इन साक्ष्यों को झुठलाया नहीं जा सकेगा और न ही उनमें किसी तरह का हेरफेर किया जा सकेगा।

एक जुलाई से दर्ज मुकदमों का ट्रायल नए कानून से : नए कानून के अनुसार जो मुकदमे दर्ज होंगे, उनका ट्रायल भी नए कानून से होगा। जो मुकदमे 30 जून की रात 12 बजे के पहले पुराने कानून से दर्ज होंगे। उनका ट्रायल पुराने कानून से ही होगा। अलीगढ़ दीवानी न्यायालय के 40 हजार मुकदमे पुराने कानून से चलाए जाएंगे।

विवेचना में वीडियो साक्ष्य बेहद जरूरी : पुलिस अब तक घटनास्थल पर पहुंचकर साक्ष्य संकलन व पब्लिक के किसी भी गवाह के बयान अपने अनुसार लिख लेती थी। मगर अब सब कुछ वीडियो कैमरे की निगरानी में होगा। इससे अदालत में इन साक्ष्यों को झुठलाया नहीं जा सकेगा और न ही उनमें किसी तरह का हेरफेर किया जा सकेगा।

एक जुलाई से दर्ज मुकदमों का ट्रायल नए कानून से : नए कानून के अनुसार जो मुकदमे दर्ज होंगे, उनका ट्रायल भी नए कानून से होगा। जो मुकदमे 30 जून की रात 12 बजे के पहले पुराने कानून से दर्ज होंगे। उनका ट्रायल पुराने कानून से ही होगा। अलीगढ़ दीवानी न्यायालय के 40 हजार मुकदमे पुराने कानून से चलाए जाएंगे।

अब गवाह को ऑनलाइन समन-गवाही की सहूलियत : नए कानून में सबसे अधिक सुविधा गवाह व वादी को दी गई है। अगर गवाह को सूचना नहीं मिल पा रही है तो वह व्हाट्सएप पर मिलने वाले समन व वारंट को भी प्राप्त होना माना जाएगा। अगर वह नहीं आ पा रहा है तो जिस जिले में मौजूद है, वहां के न्यायालय के वीडियो कान्फ्रेंसिंग सेंटर से ऑनलाइन गवाही दे सकता है।

अधिवक्ताओं ने कहा

एक जुलाई यानी कल से भारतीय दण्ड संहिता (आईपीसी) अब भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के रूप में जानी जाएगी इसके तहत अधिकांश अपराध की धाराएं बदल जाएंगी। अब थानों में एफआईआर में एक जुलाई से आईपीसी लागू नहीं होगा। उसे भारतीय न्याय संहिता बीएनएस के रूप में जाना जायेगा और बीएनएस की धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज करनी होगी।आईपीसी में जो धाराएं अब तक चल रही थी कल से बीएनएस के तहत बदल जाएंगी। आईपीसी में हत्या के लिए जो धारा 302 है अब बीएनएस में 103 हो जाएगी। उसी तरह हत्या का प्रयास के लिए 307 की जगह 109, मारपीट के लिए 323 की जगह 115, रेप के लिए 376 की जगह 64, धोखाधड़ी 420 की जगह 318, दहेज हत्या के लिए 304 बी की जगह 80 हो जायेगी। इसी तरह आईपीसी की कई धाराएं बीएनएस में बदल जायेंगी।

मृत्युंजय प्रसाद, एडवोकेट, सिविल कोर्ट, रांची

भारतीय न्याय व्यवस्था में क्रांतिकारी परिवर्तन आया है 160 साल पुराने आईपीसी ,सीआरपीसी एवं एविडेंस एक्ट को बदला जा रहा है ।अब1 जुलाई से इन को अब भारतीय न्याय संहिता ,भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम के तौर पर जाना जाएगा इनमें भारतीय न्याय संहिता ,जिसे आईपीसी के तौर पर जाना जाता था, उसे अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है ।जनवरी 1862 में आईपीसी ब्रिटिश सरकार द्वारा लागू की गई थी। आमतौर पर लोग धारा 420 धारा 302 के बदलाव की ही बात करते हैं लेकिन यह बदलाव काफी विस्तृत है। भारतीय न्याय संहिता में पहले जहां 511 धाराएं हुआ करती थी अब उसकी जगह 358 धाराएं होंगी। भारतीय न्याय संहिता एक अति महत्वपूर्ण बात जो इस बदलाव में हुई है वह है कम्युनिटी सर्विस तो कानून के धारा के अंतर्गत लाया गया है। इसमें छोटे-छोटे अपराध के लिए माइनर पनिशमेंट और पुनर्वास की व्यवस्था की गई है। नए कानून में अब डिजिटल प्रमाणों को ,जैसे व्हाट्सएप,कॉल रिकॉर्डिंग,वीडियो कॉल को भी कानूनी तौर पर साक्ष्य के रूप में अदालत में प्रस्तुत किया जा सकता है। बच्चों के प्रति अपराध को अधिकांश मामले में जेंडर न्यूट्रल बनाया गया है। मिनिमम पनिशमेंट के अंतर्गत 23 तरह के अपराधों में अनिवार्य सजा की व्यवस्था की गई है और 83 अपराधों में जुर्माना बढ़ाया गया है। इन कानूनी बदलावों के प्रति युवा अधिवक्ताओं में काफी उत्साह देखा जा रहा है वहीं कुछ उम्रदराज अधिवक्ता इस बदलाव से अपने को सहज नहीं पा रहे हैं। वैसे इसमें शक नहीं कि आम जनता को अब क्लिष्ट कानूनी शब्दावलियों से मुक्ति मिलेगी जिसकी व्याख्या करने में वकीलों को भी दिक्कत आती थी।

असीत कुमार, अधिवक्ता, रांची
मो. 9430153816

कानून लागू करने के पहले तैयारी करनी चाहिए थी

नये कानून 1 जुलाई से लागू होंगे प्रशासन, न्यायपालिका सविके लिए एक नया अध्याय है, काफी चुनौती होगी प्रशासन या समाज सबके लिए,सभी के लिए कड़ी सजा होगी ।सजा की अवधि बहुत सारे अपराध में पहले से ही जादा हो गया बलात्कार के मामले में फांसी तक का प्रावधान हुआ है दूसरे तरफ कोई कोई अपराध के लिए सामुदायिक सेवा के जैसे सजा का प्रावधान हुआ है,व्यावहारिक रूप से मैं उस पर सुझाव दूंगी जो समाज आया है कि "पहले दोषी को सुधरने पे बहुत ध्यान दिया गया पीड़िता के न्याय के साथ-साथ आरोपी को बहुत सजा देने पर जोर दिया गया " हो सकता है उम्र नये कानून के बारे में में समय के साथ या कोई नयी सोच आये। पर अभी मामला उलझा हुआ है पहले लोगों को तैयार करना चाहिए था ।

तनुश्री सरकार, एडवोकेट सह अध्यक्ष बाल कल्याण समिति, खूंटी

आज से क्रेडिट कार्ड सहित कई चीजों के बदल जाएंगे नियम, कतार में हैं ये डेडलाइन

एसबीआई कार्ड क्रेडिट कार्ड नियम : एसबीआई कार्ड ने घोषणा की है कि 1 जुलाई, 2024 से कुछ क्रेडिट कार्ड के लिए सरकारी संबंधित लेनदेन पर रिवॉर्ड पॉइंट्स को स्टोर करना बंद कर दिया जाएगा। एसबीआई कार्ड की ऑफिशियल वेबसाइट के मुताबिक, उन एसबीआई क्रेडिट कार्ड की लिस्ट जहां 15 जुलाई, 2024 से सरकारी संबंधित लेनदेन पर रिवॉर्ड पॉइंट लागू नहीं होंगे...

- एयर इंडिया एसबीआई प्लेटिनम कार्ड
- एयर इंडिया एसबीआई सिग्नेचर कार्ड
- सेंट्रल एसबीआई सेलेक्ट+ कार्ड
- चेन्नई मेट्रो एसबीआई कार्ड
- क्लब विस्तारा एसबीआई कार्ड
- क्लब विस्तारा एसबीआई कार्ड प्राइम
- दिल्ली मेट्रो एसबीआई कार्ड
- एतिहाद गेस्ट एसबीआई कार्ड
- एतिहाद गेस्ट एसबीआई प्रीमियर कार्ड
- फैबइंडिया एसबीआई कार्ड
- फैबइंडिया एसबीआई कार्ड सेलेक्ट
- आईआरसीटीसी एसबीआई कार्ड
- आईआरसीटीसी एसबीआई कार्ड प्रीमियर
- मुंबई मेट्रो एसबीआई कार्ड
- नेचर बास्केट एसबीआई कार्ड
- नेचर बास्केट एसबीआई कार्ड इलीट
- ओला मनी एसबीआई कार्ड
- पेटीएम एसबीआई कार्ड
- पेटीएम एसबीआई कार्ड सेलेक्ट
- रिलायंस एसबीआई कार्ड
- रिलायंस एसबीआई कार्ड प्राइम
- यात्रा एसबीआई कार्ड

आईसीआईसीआई बैंक क्रेडिट कार्ड शुल्क: आईसीआईसीआई बैंक 1 जुलाई, 2024 से प्रभावी विभिन्न क्रेडिट कार्ड सेवाओं में संशोधन की घोषणा की है। इसमें सभी कार्ड (एमराल्ड प्राइवेट मेटल क्रेडिट को छोड़कर) पर कार्ड रिप्लेसमेंट फीस को 100 रुपये से बढ़ाकर 200 रुपये करना शामिल है।

पेटीएम वॉलेट : *पेटीएम पेमेंट्स बैंक 20 जुलाई, 2024 को जीरो बैलेंस राशि वाले और पिछले वर्ष या उससे अधिक समय में कोई लेनदेन न करने वाले निष्क्रिय वॉलेट बंद कर देगा। पेटीएम पेमेंट्स बैंक की वेबसाइट के मुताबिक, कृपया ध्यान दें कि वे सभी वॉलेट जिनमें पिछले 1 साल या उससे अधिक समय से कोई लेनदेन नहीं हुआ है और जिनमें शून्य शेष राशि है, 20 जुलाई, 2024 से बंद हो जाएंगे। सभी प्रभावित यूजर्स को कम्यूनिकेट किया जाएगा। यूजर्स को अपना वॉलेट बंद करने से पहले 30 दिनों की सूचना अवधि दी जाएगी।*

बुनियादी ढांचे में निवेश स्थिरता पर केंद्रित होगा

खबर के मुताबिक, बजट 2024 से पहले किन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित रहना चाहिए? एक्सपर्ट का मानना है कि बुनियादी ढांचे में निवेश स्थिरता पर केंद्रित होगा, जिसका उद्देश्य परिवहन नेटवर्क का आधुनिकीकरण करना और पर्यावरणीय परिणामों में सुधार करना है। एक्सपर्ट के मुताबिक, ऊर्जा नीतियों में नवीकरणीय स्रोतों पर जोर दिए जाने की उम्मीद है, जो वैश्विक स्थिरता लक्ष्यों के साथ अलाइंड होंगे और कार्बन उत्सर्जन को कम करेंगे। रक्षा और रेलवे क्षेत्रों में अधिक पूंजीगत व्यय पर जोर दिया जाएगा। इन क्षेत्रों के विकास पर बारीकी से नजर रखी जाएगी क्योंकि हितधारक आर्थिक विकास और पुनर्प्राप्ति रणनीतियों पर बजट के प्रभाव की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

मार्केट का रुख लगातार पॉजिटिव

विशेषज्ञों का मानना है कि चुनावों के बाद से भारतीय शेयर बाजार में सकारात्मक रुख बना हुआ है, जो हर हफ्ते धीरे-धीरे ऊपर की ओर बढ़ रहा है। ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेतों, खासकर मुद्रास्फीति की चिंताओं के बावजूद भारतीय बेंचमार्क सूचकांकों ने इस सप्ताह बढ़त दर्ज की। लाइवमिंट खबर के मुताबिक, निवेशकों का ध्यान मुख्य रूप से लार्ज-कैप शेयरों पर था, जिसके परिणामस्वरूप मिड और स्मॉल-कैप सेगमेंट का प्रदर्शन खराब रहा। आईटी सेक्टर ने विशेष रूप से उल्लेखनीय सुधार दिखाया, साथ ही निजी बैंकों ने बैंकिंग सेगमेंट में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों से बेहतर प्रदर्शन किया। बजट कई घरेलू क्षेत्रों पर पॉजिटिव प्रभाव डालेगा, जिसमें किफायती आवास, पूंजीगत व्यय, उपभोक्ता सामान और दर-संवेदनशील क्षेत्र शामिल हैं। हालांकि, यह सूचना प्रौद्योगिकी और फार्मा में महत्वपूर्ण उत्प्रेरकों की कमी की उम्मीद करता है।

तीनों नए कानून का कड़ाई से अनुपालन होगा : रामदेव यादव

पलामू जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष रामदेव प्रसाद यादव ने कहा कि आगामी 1 जुलाई से नए कानून का पालन किया जाएगा। साथ ही सभी कानून से जुड़े लोगों को इसके अनुरूप कार्य करना है। इसमें कई बदलाव हुए हैं। इसके तहत धारा 302 का मुकदमा अब भारतीय न्याय संहिता 103 के तहत जाना जाएगा। पुराने कानून भी कड़ा था। नए कानून का भी कड़ाई से पालन के लिए न्यायालय व पुलिस की सहभागिता होनी चाहिए, ताकि दोषियों के ऊपर त्वरित कार्रवाई करते हुए उन्हें दंड दिया जा सके। तभी इस नए कानून की सार्थकता साबित होगी।

पुराने कानून में कई खामियां थी इसे दूर किया गया : गोपाल मिश्र

वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल मिश्र ने कहा कि पुराने कानून में कई खामियां थी। नए कानून से हम लोगों में खासा उत्साह है। पूर्ववर्ती कानून में कई अपराधों का जिक्र नहीं था। न ही उसके लिए कोई दंड विधान था, क्योंकि अब अपराध करने वालों की प्रकृति बदल गई है। अपराध का तरीका भी बदल गया है। उसे देखते हुए यह बदलाव अति आवश्यक था। इसलिए इसमें कई नई धाराएं जोड़ी गई हैं। इंडियन पैनल कोड गुलामी की जंजीर में बनने का एहसास कराता था, जबकि भारतीय इंडियन पैनल कोड गुलामी की जंजीर में बनने का एहसास कराता था। भारतीय न्याय संहिता एक अलग एहसास दिलाता है।

तीनों नए कानून तारीफ के योग्य हैं : सचिंद्र पांडेय

वरिष्ठ अधिवक्ता सचिंद्र पांडेय ने कहा कि नए कानून की जितनी भी तारीफ की जाए उतनी कम है। अंग्रेजों के बने कानून को अब तक ढ़ो रहे थे। उस जमाने में जो कानून बनाए जाते थे उनमें कई त्रुटियां थी।अब अनुसंधानकर्ता को घटनास्थल पर भौतिक सत्यापन के लिए जाना पड़ेगा। इससे अनुसंधानकर्ता पर भी पर भी तय समय पर न्याय दिलाने के तय समय पर जांच करते हुए रिपोर्ट सौंपने का दबाव होगा।

अभी कानूनों में कई और बदलाव भी हो सकते हैं : शशिभूषण दुबे

अधिवक्ता शशिभूषण दुबे ने कहा कि नई न्याय संहिता में आरोपी के पास 14 दिनों का वक्त है। जिसमें वह जो चाहे साक्ष्य आदि बदल सकता है। यह एक प्रकार से खामी है। क्योंकि इससे आरोपी को काफी वक्त मिल जाएगा। नई न्याय संहिता में आरोपी को बुलाकर उससे भी पूछताछ की जाएगी, ताकि कोई झूठे मुकदमे में ना फंसे। भारतीय न्याय संहिता भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम में हर एक अपराध का वर्गीकरण करके उसके लिए कानून सुनिश्चित किया गया है। जिससे अपराध को रोकने में काफी सफलता मिलेगी। हालांकि इसमें अभी कई बदलाव भी हो सकते हैं।

यह एक सकारात्मक बदलाव है : अजय पांडेय

जिला बार एसोसिएशन सचिव अजय पांडेय ने कहा कि नई न्याय संहिता में कई कानूनों का बदलाव करते हुए कड़ा किया गया है। साथ ही साथ कई कानून को लचीला भी बनाया गया है, जिससे किसी मामले में आरोपी व्यक्ति को सुधरने का मौका भी मिलेगा। आरोपी को अब पहले उसका पक्ष रखने का मौका मिलेगा। इसे एक सकारात्मक बदलाव के तौर पर देखा सकता हैं। कुल मिलाकर बदले हुए न्याय संहिता स्वागत योग्य है।

डालटनगंज (मेदिनीनगर) एवं रांची से एक साथ प्रकाशित

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

आषाढ़ कृष्ण पक्ष 10, संवत 2081 | डालटनगंज (मेदिनीनगर), सोमवार, 01 जुलाई 2024, वर्ष-30, अंक-253, पृष्ठ-16 | ₹3.00 | रजिस्ट्रेशन नं: आरएनआई. 61316/94 | www.rastriyanaveenmail.com

पेज 14

प्रधानमंत्री ने पूर्व उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ...

सेंसेक्स
79,032.73 -210.45

डॉलर
83.378 -0.081

पलामू सर्राफा
10 ग्राम 71,670
01 किलो 89,450

व्हाट्सएप से सीधे जुड़ें

1994 से अनवरत हम आपके लिए समाचारों को प्रमुखता की नीति पर कार्य करते रहे हैं। इसे और सुगम बनाने के लिए एक विशेष व्हाट्सएप नंबर 72094 53444 पर आप सीधे अपनी परखी हुई सच्ची खबर फोटो सहित संक्षेप में भेज सकते हैं। आपत्तिजनक बातें भेजने पर आइटी एक्ट के अंतर्गत कार्रवाई हो सकती है। यदि आपको अखबार की प्रति नहीं मिल पा रही है या विज्ञापन देना चाहते हैं तो इस नंबर पर 72094 03444 संपर्क करें।

वरीय शिक्षक को नजरअंदाज कर जूनियर शिक्षक को बनाया प्रभारी प्राचार्य

नवीन मेल संवाददाता

छतरपुर। नीलांबर-पीतांबर विश्वविद्यालय द्वारा अस्थायी स्वीकृति प्राप्त गुलाबचंद प्रसाद अग्रवाल डिग्री कॉलेज में प्रबंधन समिति के सचिव ने एक वरीय शिक्षक को नजरअंदाज करते हुए जूनियर शिक्षक को प्रभारी प्राचार्य का दायित्व सौंपा है। इस निर्णय से शिक्षकों और अभिभावकों में असंतोष है। जानकारी के अनुसार अमित कुमार सिंह कॉलेज के स्थापना काल से शिक्षण कार्य कर रहे हैं और जिनके

पास प्रबंधन का व्यापक अनुभव है। वे इस पद के लिए उपयुक्त माने जा रहे थे। वरीयता क्रम में भी वे सबसे ऊपर हैं। लेकिन प्रबंधन समिति ने वरीयता क्रम में 7वें स्थान के शिक्षक राजकिशोर लाल को प्रभारी प्राचार्य के रूप में नियुक्त किया। इस निर्णय के विरोध में कॉलेज के सभी शिक्षक और कर्मचारी एकजुट होकर सचिव को लिखित आवेदन दिए। बावजूद सचिव अमित कुमार अग्रवाल ने जूनियर शिक्षक को प्रभारी प्राचार्य के पद पर नियुक्त कर दिया। शिक्षकों का कहना है कि इस तरह के निर्णय से कॉलेज की गुणवत्ता पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। इस निर्णय को तुरंत ▸▸शेष पृष्ठ 13 पर

नये कानून में ज्यादा बदलाव नहीं फिर भी जागरूकता जरूरी : एसपी

- **पुलिसकर्मियों को मिला है नए कानून का प्रशिक्षण**
- **जिले में पब्लिक के लिए एवरनेस प्रोग्राम चलाएंगे : एसपी**

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू एसपी रीष्मा रमेशन ने देश में लागू होने वाले नए कानूनी प्रावधानों के बारे में बताया कि जागरूकता जरूरी है। यह पीरीयड ऑफ टाइम में आ जाएगा। एक-दो दिन में यह संभव नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि

कानून में ज्यादा बदलाव नहीं किये गए हैं। फिर भी जागरूकता के लिए पुलिस कर्मियों को विशेष प्रशिक्षण दिए गए हैं। आम नागरिकों को भी जागरूक बनाने के लिए कार्य योजना तैयार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नए कानून के तहत किसी भी थाने में जाकर एफआईआर दर्ज करवा सकते हैं। वहां से इससे संबंधित थाने में भेज दिया जाएगा। इसके अलावे पहले भी ऑन लाइन या ई-मेल से प्राथमिकी दर्ज करवाया जा सकता है। अब इस पर फोकस किया गया है। इसके अलावे बहुत से बदलाव दिल्ली में पहले से देखा जा सकता है। जिसे अब सभी जगहों पर देखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि बहुत कुछ बदलाव नहीं है। यह समझना चाहिए कि कुछ चेंजेज एड हुआ है। ▸▸शेष पृष्ठ 13 पर

एक नजर

चाकू मारकर युवक की हत्या, जांच में जुटी पुलिस

मेदिनीनगर। शहर थाना क्षेत्र के नवाहाता शौचालय के पीछे सागर नामक युवक की अपराधियों ने चाकू मार कर हत्या कर दी। घटना के बाद लोगों ने इसकी जानकारी शहर थाना पुलिस को दी। सूचना मिलने के बाद शहर थाना प्रभारी देवव्रत पोद्दार पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की छानबीन की। पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए एमएमसीएच में भेज दिया है।

दिल्ली में बारिश के कारण हादसों में जान गंवाने वालों को 10 लाख का मुआवजा

नई दिल्ली। दिल्ली में बीते दिनों हुई तेज बारिश के दौरान कई हादसे हुए। इन हादसों में जान गंवाने वाले व्यक्तियों के परिजनों को दिल्ली सरकार 10-10 लाख रुपए का मुआवजा देगी। दिल्ली की जलमंत्री आतिशी ने रविवार को मुआवजा देने का निर्देश दिया। 28 जून को दिल्ली में काफी बारिश हुई थी। इसके बाद राजधानी के अलग-अलग इलाकों में पानी भरने और बारिश के कारण होने वाले हादसों की खबर आई थी।

वीर शहीदों से प्रेरणा लेकर राज्य को मजबूत बनाने का लें संकल्प : चंपाई

चंपाई सोरेन एवं हेमन्त सोरेन ने हूल दिवस पर वीर शहीदों को किया नमन, दी श्रद्धांजलि

साहिबगंज। मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन ने कहा कि 1855 में आज ही के दिन भोगनाडीह से अमर वीर शहीद सिदो कान्हू के नेतृत्व में आदिवासियों ने अन्याय, शोषण और ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ बिगुल फूंका था। आज पूरा देश अपने इन महानायकों को नमन कर रहा है। यह प्रेरणा दिवस है। मुख्यमंत्री रविवार को हूल दिवस के अवसर पर अमर वीर शहीद सिदो-कान्हू की पावन धरती पर आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हम सभी अपने अमर शहीद सिदो कान्हू, चांद-भैरव और फूलो-झानो के इतिहास, संघर्ष और बलिदान से प्रेरणा लेकर अपने समाज और राज्य को मजबूत बनाने का संकल्प लें। उनके आदर्शों के अनुरूप झारखंड को संवारना ही उनको सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

बदल रहा झारखंड, प्रगति की राह पर बढ़ रहा आगे : मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले साढ़े चार वर्षों में झारखंड में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। हमारी सरकार की नीतियों कार्यक्रमों और योजनाओं से राज्य विकास की राह पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। हमारी योजनाएं घर-घर तक पहुंच रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वारा अभियान के दौरान लाखों आवेदन हमें मिले। इन आवेदनों के माध्यम से हमें जनता की विभिन्न समस्याओं की पूरी गहराई से जानकारी मिली। लोगों की समस्याओं के आधार पर ही हम योजनाओं को बना रहे हैं, ताकि इसका लाभ हर किसी को मिल सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड तभी आगे बढ़ेगा जब यहां की आर्थिक सामाजिक और शैक्षणिक व्यवस्था मजबूत होगी। इसी सोच के साथ हमारी सरकार कार्य कर रही है। आदिवासियों-मूलवासियों, गरीबों, मजदूरों, दलितों, पिछड़ों और अल्पसंख्यकों को सशक्त बना ▸▸शेष पृष्ठ 13 पर

पूर्वजों के संघर्ष और शहादत से आदिवासी-मूलवासी सुरक्षित

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड वीरों और शहीदों की धरती है। इस प्रदेश के कोने-कोने से अनेकों महानायक निकले हैं, जिन्होंने अन्याय-शोषण तथा गुलामी को स्वीकार नहीं किया। उन्होंने अपनी भाषा, संस्कृति, परंपरा, सभ्यता और जल, जंगल, जमीन बचाए रखने के लिए लम्बा संघर्ष किया। ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ उलगुलान कर अंग्रेजों की जड़े हिला दी। अपने संकल्प पर अडिग रहते हुए शहीद हो गए। इन पूर्वजों के बलिदान का परिणाम है कि आज आदिवासी-मूलवासी सुरक्षित हैं।

देश के 30वें सेना प्रमुख बने लेफ्टिनेंट जनरल उपेन्द्र द्विवेदी

- **युद्ध के लगातार बदलते स्वरूप के कारण सुरक्षा क्षेत्र में चुनौतियों से निपटना होगा**
- **सुरक्षा क्षेत्र में आधुनिक और उभरती प्रौद्योगिकियों की समझ रखते हैं जनरल द्विवेदी**

नई दिल्ली। देश के 30वें सेना प्रमुख के रूप में लेफ्टिनेंट जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने रविवार को कार्य भार संभाल लिया। उन्होंने चार दशकों से अधिक राष्ट्र सेवा करने के बाद रविवार को सेवानिवृत्त हुए थल सेनाध्यक्ष जनरल मनोज पांडे से कार्यभार संभाला। उन्होंने ऐसे समय में सीओएएस का पदभार संभाला है, जब वैश्विक भू-रणनीतिक वातावरण गतिशील बना हुआ है। साथ ही तकनीकी प्रगति और आधुनिक युद्ध के लगातार बदलते स्वरूप के कारण सुरक्षा क्षेत्र में चुनौतियां और भी स्पष्ट होती जा रही हैं। लेफ्टिनेंट जनरल उपेन्द्र द्विवेदी इसी साल 15 फरवरी को उप सेना प्रमुख नियुक्त किए गए थे। इससे पहले वह 1 फरवरी, 2022 को सेना की उत्तरी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ बनाए गए थे। उन्हें परम विशिष्ट सेवा मेडल और अति विशिष्ट सेवा पदक से सम्मानित किया जा चुका है। लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी सैनिक स्कूल रीवा और राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खडगवासला के छात्र रहे हैं। उन्हें 15 दिसंबर, 1984 को भारतीय सैन्य ▸▸शेष पृष्ठ 13 पर

लगातार घट रही जनजातियों की आबादी एसआईटी गठित हो : बाबूलाल मरांडी

दुमका। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी रविवार को संथाल परगना के दौरे पर उप राजधानी दुमका पहुंचे। उन्होंने हुल दिवस पर हुल क्रांति के महानायक वीर शहीद सिदो कान्हु की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। मरांडी ने कहा कि 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के दो वर्ष पूर्व ही संथाल परगना की धरती से अमर शहीद सिदो कान्हु के नेतृत्व में अंग्रेजो के अत्याचार के खिलाफ हजारों जनजाति भाई-बहनों ने संघर्ष किया और बलिदान दिए, जो हुल के नाम से प्रसिद्ध है। मरांडी ने कहा कि यदि इसी प्रकार जनजाति समाज की

आबादी घटती रही तो आजादी के 100 साल और हुल आंदोलन के लगभग 200 साल पूरा होते-होते संताल जनजाति समाज का अस्तित्व ही समाप्त हो जाएगा। उन्होंने कहा कि संथाल परगना के साहेबगंज और पाकुड़ जिला की स्थिति तो बद से बदतर होती जा रही। जनजातियों के जल जंगल जमीन की सुरक्षा के कानून तो मौजूद हैं लेकिन उनका अस्तित्व पूरी तरह खतरे में है। उन्होंने राज्य सरकार से मांग किया कि इसकी जमीनी स्तर पर गहराई से जांच होनी चाहिए। साथ ही राज्य सरकार से इस संबध में एसआईटी गठित ▸▸शेष पृष्ठ 13 पर

मन की बात का 111वां संस्करण

सिद्धो-कान्हू ने हजारों संतालियों संग किया था अंग्रेजों का मुकाबाला : पीएम

- **बिरसा मुंडा के जन्मस्थल आने वाले देश के पहले प्रधानमंत्री भी हैं मोदी**
- **'चीयर4भारत' हैशटैग से करें पेरिस ओलंपिक के लिए खिलाड़ियों को प्रोत्साहित**

नई दिल्ली। तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के बाद नरेन्द्र मोदी ने रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात में हूल दिवस की चर्चा की। उन्होंने कहा कि 30 जून 1855 को संताल

आदिवासी समुदाय ने अंग्रेजी शासन के खिलाफ जो संघर्ष किया वह भारतीय इतिहास की अप्रतिम घटना है। यह दिन वीर सिद्धु-कान्हू के अदम्य साहस से जुड़ा है। वीर सिद्धो-कान्हू ने हजारों संतालियों को एकजुट कर 1855 में अंग्रेजों का मुकाबाला किया था। मालूम हो कि इसके पूर्व भी कई बार प्रधानमंत्री विभिन्न मंचों से झारखंड के महापुरूषों खासकर बिरसा मुंडा का जिक्र कर चुके हैं। वह बिरसा मुंडा के जन्मस्थल आने वाले देश के पहले प्रधानमंत्री भी हैं। इसके साथ ही उन्होंने पेरिस ओलंपिक में जाने वाली भारतीय टीम ▸▸शेष पृष्ठ 13 पर

आज कल

इंडिया

सुनील बादल

कुछ हॉस्पिटल तो निश्चित रूप से जान बचाने वाले विश्वस्तरीय अस्पताल हैं और इनमें काम करने वाले धरती के भगवान से कम नहीं पर पर कुछ तो लूट और ठगी में खुले आम लिप्त हैं ।

मरीज को देखकर इलाज करने वाले से जांच कराने वाले तक

आज डॉ. विधान चंद्र राय का जन्मदिन है जो एक सफल और लोकप्रिय चिकित्सक होने के साथ बंगाल के प्रथम मुख्यमंत्री थे जिनके बारे में मशहूर था कि वे मरीज को देखकर उसकी बीमारी बता देते और इलाज भी कर देते थे। आज जब बीमारियां बहुत बढ़ गईं हैं तो जांच और उपचार की अत्याधुनिक तकनीक भी आ गई है जिससे जटिल रोगों का सफल इलाज हो रहा है पर डॉ. राय जिनके नाम पर आज डॉक्टर्स डे मनाया जा रहा है उनके और आज के इलाज में मौलिक अंतर आ गया है कि बिना दस बीस टेस्ट कराए बहुत कम डॉक्टर इलाज करते हैं जिससे मध्यमवर्गीय और निम्नमध्यवर्गीय लोगों के बीच झोला छाप कथित डॉक्टरों की मांग बहुत बढ़ी है। झारखंड के बड़े शहरों से लेकर कस्बों तक में चिकित्सा बहुत ही मुनाफे वाला व्यवसाय बन गया है। गली मुहल्ले से लेकर आलीशान फाइवस्टार सुविधा वाले होटलों की तरह खुल रहे हॉस्पिटल में वे इलाज क्या कर रहे हैं और पैसा क्या चार्ज कर रहे हैं इसपर किसी की नजर नहीं है। कुछ हॉस्पिटल तो निश्चित रूप से जान बचाने वाले विश्वस्तरीय अस्पताल हैं और इनमें काम करने वाले धरती के भगवान से कम नहीं पर पर कुछ तो लूट और

ठगी में खुले आम लिप्त हैं। हर दूसरे तीसरे दिन वहां हंगामा होता है या मारपीट तक हो जाती है। मरीजों के परिजन कई बार शिकायत कर चुके हैं कि मनमानी फीस लेकर भी उचित इलाज नहीं किया गया या गलत इलाज किया गया जिससे बीमारी बढ़ गई या मृत्यु तक हो गई। एक तरफ सभी को निःशुल्क चिकित्सा उपलब्ध कराने के लिए संवैधानिक ज़िम्मेदारियों से सरकार बंधी हैं पर उनके ही डॉक्टर अस्पताल के समय निजी प्रैक्टिस करते हैं या निजी अस्पतालों में निडर होकर अपनी सेवाएं देते हैं। अनेक मरीज अपनी जमीन जायदाद बेचकर इलाज के पैसे देते हैं पर कई बार उन्हें धोखा भी मिलता है जिससे बात बिगड़ जाती है। दूसरी तरफ अनेक सरकारी अस्पताल सर्वश्रेष्ठ इलाज करते हैं पर उनका प्रचार नहीं होता और निजी अस्पताल अपनी उपलब्धियों की मार्केटिंग करते हैं । कुछ निजी अस्पताल लाभ का टार्गेट पूरा करने के लिए जांच के नाम पर अनावश्यक जांच कराते हैं और महंगे ऑपरेशन तक इलाज के नाम कराए जाते हैं। इस पूरी व्यवस्था को हम कह सकते हैं कि अभी भारत परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है जहां सरकारी अस्पतालों की भारी भीड़ और निजी अस्पतालों के बिना हिसाब मनमाने रेट के बीच एक सामान्य आदमी इलाज के नाम पर पिसता है। आयुष्मान कार्ड हेल्थ इंशुरेंस और सरकारों द्वारा निःशुल्क इलाज की भी व्यवस्था एक सुखद अनुभूति है जो आधुनिक भारत की पहचान है पर इनमें कोई परेशानी हो तो शिकायत कहां करें ? ले देकर एक उपभोक्ता न्यायालय है जिसकी शरण में जाया जा सकता है पर आज आवश्यकता है कि नया प्लेटफार्म बनाया जाए जो इन सुविधाओं को नकारने या उपलब्ध कराने की शर्तों में मनमानी करने से रोकें। स्वास्थ्य बीमा के हजारों मामले हैं जिसमें शुरू में कहा कुछ गया और बाद में मुकर गए। हेल्पलाइन वाले भी बहाने बना रहे हैं उपभोक्ता किसके पास जाएं । आयुष्मान कार्ड के उपयोग में भी कई अड़चनें है और पैसों की भी मांग की जा रही है। सबसे बड़ी बात अस्पतालों को अपना रेट चार्ट बनाकर ऑनलाइन या काउंटर पर प्रदर्शित करने तथा पक्का बिल देने पर मजबूर किया जाए ताकि अस्पतालों की कथित मनमानी रुके और मेडिकल प्रोटेक्शन कानून लागू करने की दिशा में हम कदम बढ़ा सकें।

गिरिडीह में अरगा नदी पर 5.5 करोड़ की लागत से बन रहा पुल ढहा

गिरिडीह। झारखंड के गिरिडीह जिले के अरगा नदी पर निमार्णाधीन पुल शनिवार की रात भरभराकर गिर गया। यह पुल 5.5 करोड़ की लागत से देवरी थाना क्षेत्र अंतर्गत फतेहपुर भेलवाघाटी सड़क के डुमरीटोला और कारीपहरी गांव के बीच बन रहा था। इसका निर्माण ओम नमः शिवाय कंस्ट्रक्शन एजेंसी करा रहा था लेकिन यह मॉनसून की पहली बारिश भी झेल नहीं सका और धराशायी हो गया।

बताया जाता है कि गिरिडीह और जमुई को जोड़ने वाला फतेहपुर से भेलवाघाटी पुल पांच साल बाद भी पूरा बन तो नहीं पाया लेकिन इससे पहले ही मानसून की बारिश में इसका एक बड़ा हिस्सा गिर जरूर गया। पथ प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता विनय कुमार ने रविवार को बताया कि ये उनके कार्यकाल से पहले की योजना है। ठेकेदार की भारी लापरवाही के कारण पुल का एक स्पेन धंस कर गिरा। इस मामले में वे ठेकेदार पर कार्रवाई के लिए लिखेंगे। पुल गिरने के कारण ही अब गिरिडीह और जमुई जाने के रास्ते का रहा-सहा कसर भी खत्म हो गया। स्थानीय लोग रविवार को जब लोग मॉर्निंग वॉक के लिए निकले तो देखा की पुल का हिस्सा गिरा पड़ा है। लोगों ने इसकी जानकारी मुखिया को दी। उल्लेखनीय है कि फतेहपुर से भेलवाघाती को जोड़ने वाले इस पुल और सड़क का शिलान्यास पांच साल पहले किया गया था। कंस्ट्रक्शन एजेंसी पांच साल में पूरा काम तक नहीं करा पाई है।

एक नजर

मुख्यमंत्री मेधा छात्रवृत्ति परीक्षा में 220 परीक्षार्थी रहे अनुपस्थित

हुसैनाबाद। विभागीय निर्देश पर रविवार को हुसैनाबाद के स्तरोन्नत उच्च विद्यालय कामगारपुर में मुख्यमंत्री मेधा छात्रवृत्ति परीक्षा-2024 ली गयी। परीक्षा में 380 परीक्षार्थियों ने हिस्सा लिया। जबकि 220 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। जबकि 600 विद्यार्थियों ने फॉर्म भरा था। इस परीक्षा के दौरान हुसैनाबाद प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी सह नोडल पदाधिकारी नरेश राम ने परीक्षा भवन का निरीक्षण किया। इस दौरान केंद्राधीक्षक व वीक्षकों को कई निर्देश दिया। इस दौरान केंद्राधीक्षक विश्वजीत कुमार चौबे, वीक्षक भंवर सिंह, अंगद प्रसाद, कुमारी अलका, रमेश कुमार आदि सक्रिय रहे।

किशुनपुर हाई स्कूल में मेधा छात्रवृत्ति की परीक्षा शांतिपूर्ण संपन्न

पाटन। किशुनपुर में राजकीय कृति हीरानंद लक्ष्मी उच्च विद्यालय में झारखंड मुख्यमंत्री मेधा छात्रवृत्ति योजना परीक्षा शांतिपूर्ण कदाचार मुक्त परीक्षा संपन्न की गई। स्कूल के प्राचार्य अनिता कुमारी की ने बताया कि इस स्कूल में 650 विद्यार्थी को मेधा छात्रवृत्ति का परीक्षा देने के लिए स्कूल में केंद्र बनाया गया था। जिसमें 320 परीक्षा में परीक्षार्थी शामिल हुए। 33 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। कहा कि मजिस्ट्रेट के उपस्थिति में परीक्षा शांतिपूर्ण संपन्न कर दी गई। पाटन प्रखंड में कुल 2265 मेधा छात्रवृत्ति का परीक्षा के लिए केंद्र बनाए गए थे।

पारा शिक्षकों ने निकाला मशाल जुलूस

सतबरवा। प्रखंड में पारा शिक्षकों द्वारा मसाल जुलूस निकालकर झारखंड के सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। जुलूस बी आर सी भवन के प्रांगण में बैठक कर जुलूस शुरू होकर मेला टांड़ में खत्म हो गया। पारा शिक्षकों टायर जलाकर मशाल जुलूस निकालकर एक समान नीति एक बेतन मान दिया जाए आदि नारों के साथ मांग कर रहे थे। इस मशाल जुलूस में दर्जनों पारा शिक्षक मौजूद थे।

पूजा अर्चना के साथ हूल दिवस का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। अदि कुरुख सरना समाज जिला इकाई पलामू के तत्वावधान में 13वां हूल दिवस का आयोजन किया गया। हूल दिवस समारोह की अध्यक्षता जिला सचिव शंकर उरांव एवं संचालन धुमकुड़िया पोखरहा कला की छात्रा पूनम उरांव ने किया। हूल दिवस समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में श्याम लाल उरांव जिला संयोजक एवं विशिष्ठ अतिथि सतीश कुमार उरांव, समाज कल्याण लातेहार के बड़ा बाबू उपस्थित हुए। हूल दिवस समारोह की शुरूवात पाहन मुखदेव उरांव, अरुण उरांव के द्वारा सरना विधि से सिद्ध, कान्हू, चांद, भैरव, फूलो एवं झानो के चित्र के समीप पूजा अर्चना किया गया। माल्यार्पण करने के पश्चात 'आना आदि' प्रार्थना से किया गया। इसके बाद मुख्य अतिथि के द्वारा कड़सा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की विधिवत प्रारंभ किया गया। धुमकुड़िया टीम के बच्चियों के द्वारा कुडुख में स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। सभा को संबोधित करते हुए

मुख्य अतिथि सह जिला संयोजक श्याम लाल उरांव ने कहा कि 169 वर्ष पहले 6 भाई बहनों ने जल, जंगल और जमीन और अपनी भाषा, संस्कृति तथा सरना धर्म के लिए 30 जून 1855 को भोगना डीह वर्तमान साहेबगंज के वरहेट ब्लॉक में 400 गांवों के आदिवासियों को एकत्रित कर अपनी मिट्टी को मुक्त करने के लिए 50 हजार जनजातीय सेना को तैयार कर अंग्रेजों को देश से तड़ी पार करने का संकल्प करवाया। पूरे झारखण्ड में अंग्रेजी सेना और सिद्धू कान्हु सेना के बीच युद्ध छिड़ गया। जिस वक्त पूरे भारत में अंग्रेजों के विरोध आवाज उठाने से डरते थे। उसी समय हमारे पूर्वजों ने अपनी पारंपरिक हथियारों से युद्ध किया और वीर गति को प्राप्त किया। सभा में विचार व्यक्त करते हुए सतीश कुमार उरांव ने कहा कि हम सबों को शिक्षा की ओर विशेष रूप से ध्यान देने की जरूरत है। हूल दिवस समारोह को अनिता भगत, सरिताउरांव, सत्यनारायण उरांव, सूरज उरांव, सीता राम उरांव आदि ने संबोधित किया। इस समारोह में सबिता, मुखदेव उरांव, ओमप्रकाश उरांव, पार्वती, मनिता उरांव, अंशु उरांव, बसंती उरांव, वीरेंद्र उरांव, धर्मेंद्र उरांव, सीतामणी, शीला, उषा, सीमा, ज्योति, शाही उरांव, सरीमा, सिमटी, अंकित, दीपक, लखन उरांव पाहन, कार्तिक, क्रान्ति,अजय उरांव आदि उपस्थित हुए।

अधेड़ की सड़क दुर्घटना में मौत, शोक

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। स्थानीय पंचायत के टोला गोला पत्थर निवासी शंभू रजवार (50) की खलारी में गुरुवार को सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। शुक्रवार की शाम उनका दाहसंस्कार पैतृक गांव के श्मशान में किया गया। उनके असामयिक मौत से गांव और परिवार में शोक का माहौल कायम हो गया है। वे खलारी में पिछले कई वर्षों से रहकर वाहन चलाने का काम करते थे। घटना उस समय घटी, जब वे सड़क क्रॉस कर रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार बाइक की ठोकर से सड़क पर गिर पड़े और सिर में गंभीर चोट लगने से दुर्घटना स्थल पर ही उनकी मौत हो गई थी। रांची में पोस्टमार्टम के बाद उनका शव घर लाया गया। इसे देख पत्नी बेसुध हो गई। अन्य परिजनों में कोहराम मच गया। मौत से परिवार पर विपत्ति का पहाड़ टूट पड़ा है। पूर्व उपमुखिया सिद्धार्थ कुमार ने परिवार से मिलकर शोक जताया। उन्होंने हर संभव सरकारी सहायता दिलाने का भरोसा दिलाया। मुखिया प्रतिनिधि रौशन कुमार ने भी इस घटना पर दुःख व्यक्त करते हुए हर मदद करने की बात कही। पंसस प्रतिनिधि युवा समाजसेवी सुशील कुमार मेहता ने भी शोक व्यक्त करते हुए हर परिस्थिति में मदद के लिए परिवार के साथ खड़े रहने का भरोसा दिया।

पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मिले जिप उपाध्यक्ष

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। पलामू जिला परिषद उपाध्यक्ष सह जेएमएम के वरिष्ठ नेता आलोक कुमार सिंह उर्फ टूटू सिंह ने पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के जेल से बाहर आने पर उनके रांची स्थित आवास पर मिले। उन्हें बुके देकर बधाई दी। अपनी प्रतिक्रिया में आलोक कुमार सिंह उर्फ टूटू सिंह ने कहा कि संविधान, सच्चाई व हेमंत सोरेन के संघर्षों की जीत हुई है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग करने की साजिश नाकाम हुई है। झारखंड हाईकोर्ट ने पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को बेल देकर जो टिप्पणी की है, वह भाजपाइयों को कठघरे में खड़ा कर दिया है। हेमंत सोरेन को बेल मिलने के साथ कोर्ट की टिप्पणी उन्हें बेदाग साबित करती है। इससे झारखंड

वासियों व झामुमो के नेताओं कार्यकर्ताओं में नया जोश भर गया है। उन्होंने कहा कि सभी कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर है। लोकसभा चुनाव जीतने के लिए भाजपा ने षड्यंत्र का जाल बिछाया था, झारखंड की जनता ने भाजपा की इस कुटिल चाल को समझ कर उन्हें जवाब देने का काम किया है। कोर्ट ने भी सत्य का साथ दिया है। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन व विधायक कल्पना मुर्मू सोरेन को विश्वास दिलाया की जहां भी उनकी आवश्यकता होगी, पार्टी को आगे बढ़ाने में वह अपनी पूरी शक्ति लगा देंगे। उन्होंने कहा कि पलामू समेत सम्पूर्ण राज्य में अपने नेता के मार्गदर्शन में वह पार्टी के लिए कार्य करने को तैयार हैं।

न्यूज बॉक्स

कोयल नहर का छोड़ा गया पानी, किसानों में खुशी

हुसैनाबाद। भाजपा के प्रदेश कार्यसम्मति सदस्य व वरिष्ठ नेता विनोद कुमार सिंह ने उत्तर कोयल परियोजना के चीफ इंजीनियर से बात कर किसानों की समस्या से अवगत कराया और जानकारी दिया। उन्होंने कहा कि उतर कोयल नहर से मोहम्मदगंज, हैदरनगर, हुसैनाबाद के सैकड़ों गांवों के किसान अपने खेतों में सिंचाई का लाभ लेते हैं। अगर समय से पानी नहीं दिया गया तो किसान सिंचाई करने से वंचित रह जाएंगे। साथ ही हमलोगों का अधिकतर इलाका नहर के पानी पर ही निर्भर है। भाजपा नेता विनोद कुमार सिंह मोहम्मदगंज के भीम बराज पर कार्यपालक पदाधिकारी से मिलकर धन्यवाद दिया। अब सभी क्षेत्रों में जल्द ही पानी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध होगा। उन्होंने जानकारी देते हुए कहा कि उतर कोयल नदी में पानी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है, जिससे उतर कोयल नहर से किसानों को पानी पर्याप्त मात्रा में मिलेगा।

हेलमेट पहन कर बाइक चलाएं : डीएसपी

छतरपुर। छतरपुर थाना परिसर में डीएसपी नौशाद आलम के अध्यक्षता में सभी पंचायत के मुखिया के साथ बैठक हुई। डीएसपी नौशाद आलम ने सभी मुखिया से कहा कि अपने-अपने पंचायतों में जागरूकता अभियान चलाएं। सड़क सुरक्षा के तहत बाइक हेलमेट पहन कर बाइक चलाएं। सरकारी योजनाओं में जो अवरुद्ध है उसे निपटे, युवकों में नशा के लत को अपने पंचायतो अभियान चलाकर नाश से मुक्ति के जागरूक करें । उन्होंने कहा कहा कि पंचायत स्तर निपटारा करें। जरूरत पड़े तो थाना को सूचित करें । मौके पर इस्पेक्टर द्वरिका राम, थाना प्रभारी प्रशांत प्रसाद, मुखिया में हरेंद्र सिंह,पूर्ण यादव,सुदामा पासवान,भोला भुईंया, रविन्द्र राम,मुना चंद्रवंशीं, प्रमोद यादव,अनुज सिंह समेत सभी बीसो पंचायत के मुखिया उपस्थित थे।

मेगा विधिक जागरूकता शिविर की जानकारी पंचायत प्रतिनिधियों को नहीं, प्रखंड प्रमुख ने किया विरोध

हुसैनाबाद। जिला विधिक सेवा प्राधिकार पलामू के द्वारा हुसैनाबाद प्रखंड कार्यालय परिसर में मेगा विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। प्रखंड प्रमुख राजकुमारी देवी ने कहा कि प्रखंड विकास पदाधिकारी विधिक जागरूकता में खुद नियम की अनदेखी कर रहे हैं। उन्होंने इस शिविर कि सूचना पंचायत प्रतिनिधियों को भी नहीं दी। अगर पंचायत प्रतिनिधियों को जानकारी होती तो जनता भी शिविर से लाभ उठा पाती। प्रखंड प्रमुख राजकुमारी देवी ने प्रखंड विकास पदाधिकारी पर केवल विभाग को ही पत्र प्रेषित करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में एक भी जनप्रतिनिधि भाग नही लेंगे। उन्होंने हुसैनाबाद प्रखंड विकास पदाधिकारी पर तानाशाही रवैया अपनाने का भी आरोप लगाया है।

सजग और समझदार नागरिक बनने की आवश्यकता है : गोपाल प्रसाद सिंह

नवीन मेल संवाददाता

छतरपुर। प्रखंड विकास पदाधिकारी कार्यालय के सभागार में विधिक सेवा सह सशक्तिकरण शिविर का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में बीस सूत्री अध्यक्ष गोपाल प्रसाद सिंह ने कहा कि लोगों को सजग और समझदार नागरिक बनने की आवश्यकता है।सरकार के सारे विकास के कार्यों में निदान कानूनन किया जाता है अतः इससे संबंधित कानूनी जानकारी अती आवश्यक है।बीस सूत्री उपाध्यक्ष चन्दन प्रकाश सिन्हा ने कहा कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य अपने हक और अधिकार जानना और उसका प्रयोग समाज और गांव के के विकास में सहयोग करना है यदि लोगों को कानूनी जानकारी नहीं हो तो झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार के द्वारा मुफ्त परामर्श एवं सहयोग किया जाता है लोगों को अपने हक एवं अधिकार को जानना चाहिए एवं यदि कहीं उनके हक या अधिकार का हनन हो रहा हो तो उसके खिलाफ कानूनी रूप से आवाज उठाने की आवश्यकता है ताकि एक समृद्ध गांव पंचायत राज्य का निर्माण हो सके और आवश्यकता पड़ने पर प्राधिकार से सहयोग लिया जा सकता है सरकार के द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के लाभ के लिए भी प्राधिकार का सहयोग लिया जा सकता है। कार्यक्रम में कृषि विभाग,शिक्षा विभाग,बाल विकास परियोजना पदाधिकारी एवं जेएसएलपीएस के द्वारा परिसंपत्तियों का भी वितरण किया गया कार्यक्रम में अंचलाधिकारी नित्यानंद प्रसाद, बाल विकास परियोजना पदाधिकारी शीला कुमारी, मोतीलाल शर्मा, अविनाश कुमार, नवाब खान,आकाश कुमार, बिट्टू कुमार, सहाबुद्दीन अंसारी, शशि कुमार, बिनोद कुमार यादव सहित सैकड़ों लोग मौजूद थे।

पहल

रेल परिचालन क्षमता में हुई वृद्धि

काजरात नावाडीह स्टेशन पर आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम का शुभारंभ

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। पूर्व मध्य रेल के डीडीयू रेल मंडल रिकॉर्ड अवसंरचना का विकास, उन्नयन व आधुनिकीकरण जैसे कार्य करते हुए सुचारू रेल परिचालन एवं परिचालन क्षमता में वृद्धि का भी निरंतर कार्य कर रहा है। इसी उन्नयन के क्रम में काजरात नावाडीह रेलवे स्टेशन पर आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम की स्थापना की गई। जिसका शुभारंभ डीडीयू रेल मंडल के अपर मंडल रेल प्रबंधक दिलीप कुमार की उपस्थिति में किया गया। नए सिस्टम के साथ रेल परिचालन का शुभारंभ भी किया गया। अपर मंडल रेल प्रबंधक दिलीप कुमार ने कहा कि संकेत एवं दूरसंचार विभाग, परिचालन, इंजीनियरिंग, कर्षण, इलेक्ट्रिकल, एबीएल, आरबीएनएल के सैकड़ों रेलकर्मियों की कठिन श्रम और कड़ी मेहनत

के बदौलत मलटी सेक्शन डिजिटल एक्सल काउंटर, हैसडैग, भीडीयू जैसे कई नयी तकनीक से स्टेशन को लैस कर दिया गया है। नयी तकनीक से लैस इस स्टेशन को 80 रूट क्षमता के साथ सोननगर से मोहम्मदगंज स्टेशन के साथ तिसरी लाईन की सुविधा से भी लैस किया गया है। भीडीयू, एमएसडैक जैसे अनेकों अत्याधुनिक सिगनलिंग संबंधी सुविधाओं से युक्त इस स्टेशन पर 5 लाइन की सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गई है। जिससे ट्रेनो के परिचालन में असुविधा न हो। कजरात नावाडीह रेलवे स्टेशन पर अप डाउन, रिभरशेबल और 2 लूप लाइन बनाई गई है।
वहीं जपला में 127 एवं नवीनगर स्टेशन पर 155 रूट की भी व्यवस्था की गई है। भारतीय रेल के अनुसंधान अभिकल्प एवं मानक संगठन (आरडीएसओ) के अद्यतन दिशा-निदेशों के अनुरूप विभिन्न उन्नत सिग्नल सिस्टम से युक्त इस स्टेशन से होकर ट्रेनों का आवागमन और भी सुगम तथा सुचारू ढंग से होगा। साथ ही संरक्षा में भी बढ़ोतरी होगी। रेलवे स्टेशन पर स्थापित किया गया। अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम समग्र रूप से रेल परिचालन क्षमता वृद्धि में और सहायक होगा। जिससे ट्रेन की आवृति और गति दोनों में बढ़ोतरी होगी। इस दौरान एडीआरएम के साथ सीनियर डीएसटीई राजेश कुमार कुशवाहा, सीनियर डीईई इंदु प्रकाश, सीनियर डीएसओ अरविंद कुमार, डीओएम धीरज कुमार, आरबीएनएल के महाप्रबंधक एस एस मित्रा, सीनियर डीजीएम मनोज कुमार सिंह, प्रभात कुमार द्विवेदी सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

डॉ. श्वेता सिंह
BDS, MDS, Esthetic & Dental Surgeon
Trained Fellow in
Esthetic &Conservation Dentistry
Periodontist & Oral Implantologist

SMILE KRAFT DENTAL CLINIC
We Want you to Look Your Best

स्माईल क्राफ्ट
बहु-विशिष्ट दन्त चिकित्सालय Multi Speciality Dental Clinic

दांतों का अस्पताल

टेढ़े-मेढ़े दांतों को क्लिप एवं तार से सीधे करने के विशेषज्ञ डॉक्टर

A SEPARATE UNIT FOR DENTAL IMPLANT
WITH HIGH QUALITY OF STERLIZATION

FACILITIES AVAILABLE
- Digital OPG Facility Available in Clinic (Full Mouth X-Ray)
- Single Sitting RCT
- Dental Implant 15000*
- अत्याधुनिक मशीनों से इलाज

ईलाज किसी भी उम्र में सम्भव है

DENTAL LASER
Blood Less, Painless Surgery
•इनविजिबल क्लिप •दंत रोपण •स्माईल डिजाईन •पायरिया का ईलाज • अत्याधुनिक तकनीक द्वारा ईलाज •आर.सी.टी. •टेढ़े-मेढ़े दांतों का ईलाज • ऑर्थोडोंटिक ट्रीटमेंट •फिक्स डेंचर

टूटे हुए जबड़े का ईलाज होता है

सेवा सदन के बगल में, डॉ. विजय सिंह के आवास पर, डालटनगंज 7762926170 | 7979933143

डॉ. विनीत कुमार सिंह
BDS, MDS, MIOS
HOD and Prof. VDCH Garhwa
AOI Life Member, Fellowship in Academy of
Oral Implantology, Orthodontist & Oral Implantogist

एक नजर

शिक्षा की दीप जलाना बहुत बड़ी बात है : लाल सूरज

नीलांबर- पीतांबरपुर। प्रखंड के डबरा मोड़ के नजदीक एमपी आवासीय विद्यालय का उद्घाटन किया गया गया। इस विद्यालय का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व विधानसभा प्रत्याशी लाल सूरज ने किया। अपने संबोधन में लाल सूरज ने कहा कि शिक्षा की दीप जलाना बहुत बड़ी बात है। शिक्षा वह मशाल है जिससे छात्रों का जीवन उजाले से भर जाता है। इस विद्यालय के निदेशक धनंजय पासवान तथा प्रिंसिपल मिथुन पासवान का मैं आभार प्रकट करता हूं कि उन्होंने शिक्षा रूपी अलख जगाने के लिए इस विद्यालय की शुरूआत की है। समाज को ऐसे लोगों की आवश्यकता है जो लेस्लीगंज जैसे पिछड़े क्षेत्र में शिक्षा का विस्तार करें और छात्रों को कम शुल्क में अच्छी शिक्षा दें। विद्यालय के निदेशक धनंजय पासवान ने कहा कि विद्यालय गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने हेतु प्रतिबद्ध है। सुयोग्य शिक्षक-शिक्षिकाओं द्वारा विद्यालय में क्वालिटी एजुकेशन के साथ व्यवहारिक ज्ञान भी दिया जाएगा। इस अवसर पर चंद्र प्रकाश पासवान, हरिओम ठाकुर, रूपा कुमारी, भीम शुक्ला, अरविंद सिंह, शिव कुमार पासवान उपस्थित थे।

दोनों ओर वाहनों की लगी लंबी कतारें, आवागमन ठप

ट्रेलर ने अधेड़ को रौंदा, घटनास्थल पर मौत

मृतक के परिजनों ने किया सड़क जाम

नवीन मेल संवाददाता

नावा बाजार। एनएच 75 पिपरा गांव स्थित विशाल ढाबा के निकट सड़क दुर्घटना में एक रविवार की देर रात अधेड़ की मौत हो गई। मृतक का नाम रामजी भुइयां बताया जाता है। स्थानीय लोगों द्वारा एनएच 75 सड़क को जाम कर दिया गया है। सड़क के दोनों किनारे वाहनों की लंबी कतारें खड़ी है। घटना की जानकारी मिलते ही विश्रामपुर व नौगढ़ा ओपी घटना स्थल पर पहुंच कर मृतक रामजी भुइयां के शव को अपने कब्जे में लेकर लोगों से सड़क पर लगी जाम को हटाने की बातचीत कर रही है। सड़क दुर्घटना में मौत की सूचना मिलते हीं परिवार के सदस्य सहित गांव के लोग दौड़े स्थल पर पहुंच गए। रोते बिलखते परिवार सहित गांव के लोगों ने आवागमन को ठप कर दिया। सड़क के दोनों किनारे वाहनों की लंबी कतार लगी है। विश्रामपुर प्रदीप शर्मा व नौगढ़ा ओपी अनील कुमार यादव द्वारा लोगों को समझाते हुए जाम हटाने का प्रयास किया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार मृतक रामजी भुइयां एनएच 75 सड़क किनारे खड़े थे। इसी बीच पंड़वा मोड़ से गढ़वा की ओर जा रही एक ट्रेलर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े रामजी को ठोकर मार दी। जिसमें घटना स्थल पर हीं मौत हो गई।

छतरपुर में 50 लाख के जेवरात की चोरी

नवीन मेल संवाददाता

छतरपुर। थाना से महज 300 मीटर की दूरी पर मुख्य बाजार स्थित बृज बिहारी सोनी के ज्वेलर्स की दुकान से रविवार देर रात अज्ञात चोरों ने 50 लाख रुपए की सोना, चांदी की जेवरात चोरी कर फरार हो गए। मिली जानकारी के अनुसार ब्रिज बिहारी सोनी अपनी दुकान बंद कर घर जाने की तैयारी कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने दुकान में रखे 50 लख रुपए की सोना, चांदी की जेवरात को एक थैली में रख दुकान के बाहर शटर के समीप थैली में रख दिया। सब्जी को भी सड़क किनारे खड़ी अपनी बाइक के डिक्की में रखने लगे। इसी दौरान एक अज्ञात ने शटर के पास जेवरात से भरी थैला को उठाकर चल दिया। बृज बिहारी सोनी बाइक की डिक्की में सब्जी रख दुकान के शटर के पास पहुंचे तब उनका जेवरात से भरा बैग नहीं था। इसके बाद इधर-उधर काफी तलाश की, लेकिन कोई पता नहीं चला। इसके बाद उन्होंने दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरा के फुटेज में देखा तो पाया कि एक सफेद रंग का जेवरात से भरी थैला को लेकर कोई चंपत हो गया। पिछले एक सप्ताह में छतरपुर में तीन लूट की घटना को चोरों ने अंजाम दिया है। छतरपुर थाना क्षेत्र में हाल के दिनों में लूट की घटना लगातार बढ़ी है। अपराधी दिन दहाड़े लूट की घटना को अंजाम देकर फरार हो जा रहे हैं।

अपराधी शीघ्र ही पुलिस की गिरफ्त में होगा : डीएसपी

डीएसपी नौशाद आलम दे बताया कि ज्वेलरी दुकानदार ज्वेलरी भरा झोला रख कर दुकान में ताला बंद कर रहा था। तभी किसी ने झोला लेकर निकल गया। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। सीसीटीवी फूटेज में ज्वेलरी से भरा बैग लेकर भाग रहे युवक कैद हो गया है। जिसकी पहचान की जा रही है। शीघ्र ही वह पुलिस की गिरफ्त में होगा।

सेवा स्थायी करने की मांग को लेकर मनरेगा कर्मी मुख्यमंत्री आवास का करेंगे घेराव

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। सेवा स्थायी की मांग को लेकर झारखंड राज्य मनरेगा कर्मचारी संघ अगामी मंगलवार को रांची के मोरहाबादी मैदान स्थित बापू उद्यान में राष्ट्रपित महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर वहां से राजभवन तक पैदल मार्च करेंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री आवास का घेराव करेंगे। यह निर्णय रविवार को स्थानीय कचहरी परिसर स्थित ताईद शेड में बैठक में आयोजित बैठक में लिया गया। मौके पर जिला अध्यक्ष पंकज सिंह ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने संविदा-संवाद एवं रात्रि चौपाल के माध्यम से मनरेगा कर्मियों की सेवा स्थायी करने, वेतनमान देने का वादा किया था। सरकार बनने के बाद कई बार उन्हें अपनी मांग से अवगत कराया गया। वर्तमान मुख्यमंत्री को भी तीन बार भेंट कर, मनरेगा कर्मियों की समस्या से अवगत कराया गया है, लेकिन चार साल से अधिक समय बीत जाने के बाद भी मनरेगा कर्मियों की मांग पूरी नहीं हुई। केवल निराशा हाथ लगी है। मांगे पूरा नहीं होने पर राज्य में मनरेगा का काम ठप कर दिया जाएगा। जिला उपाध्यक्ष, नारद यादव ने कहा कि मनरेगा कर्मी चाहे कितना भी ईमानदारी और निष्ठा से काम करें। परिवार, समाज, जनता, सरकार, अधिकारी किसी को संतुष्ट नहीं कर पाते हैं। ग्रामीण इलाकों में सरकार के सोच के समानांतर योजनाओं को धरातल पर उतरने के लिए रात-दिन मौसम व तबीयत की परवाह किए बिना मशीन की तरह काम करते हैं। पद, प्रतिष्ठा को सरकारी कर्मियों के मुकाबले कमतर समझते जाता है। समय पर पैसा नहीं मिलने के कारण परिवार चलाने में परेशानी होती है। जिला कोषाध्यक्ष, दीपक तिवारी ने कहा सड़क दुर्घटना में अपाहिज या मृत्यु होने पर इलाज के अभाव में दम तोड़ने अथवा गरीबी से तंग आकर आत्महत्या कर लेने के बाद मनरेगा कर्मी का परिवार अनाथ हो जाता है। सरकार की ओर से परिवार को कोई सुविधा नहीं दिया जाता है। एक ओर सरकारी कर्मियों को इलाज के लिए पैसे। मृत्यु होने पर मुआवजा तथा अनुकंपा की सुविधा दी जाती है। मनरेगा कर्मियों को इन गभी सुविधाओं से वंचित रखा गया है। इसलिए मनरेगा कर्मी स्थाईकरण की मांग कर रहे हैं ताकि सरकारी कर्मियों की तरह सभी प्रकार की सुविधा उन्हें मिले। बैठक में मणीशंकर मिश्रा, दिनेश कुमार, विनय राम, अबोक कुमार, राहुल कुमार सोनी, सहित अन्य मौजूद थे।

न्यूज बॉक्स

भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ पचकेडिया बूथ पर विधायक ने सुनी मन की बात

पाटन। छतरपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक पुष्पा देवी व भाजपा नेता मनोज कुमार ने भाजपा कार्यकताओं के साथ पचकेडिया बूथ संख्या 274 पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मन की बात को सुना। उसके बाद विधायक पुष्पा देवी ने नावा जयपुर थाना क्षेत्र के कस्वां खाड़, रोल, लरबंधवा, खजुरी, बघमारी, टुईया, दीपउवा, बगैया, बासाबार समेत विभिन्न गांव का दौरा कर लोगों की समस्याओं से अवगत हुई। विधायक ने लोगों की मांग पर चबूतरा निर्माण, चंपाकल, पीसीसी पथ निर्माण इत्यादि दर्जनों योजनाओं की स्वीकृति भी दी। इसी संदर्भ में पूर्व सांसद मनोज कुमार ने कहा कि विधायक मद की राशि से जो भी कार्य योजना संभव हो सकता है उसे अभिलंब पूरा करने का प्रयास करूंगा। क्षेत्र भ्रमण के दौरान मौके पर जिला परिषद के विधायक प्रतिनिधि उमेश सिंह, कार्यकारिणी सदस्य अशोक तिवारी, पूर्व मुखिया विशेष पासवान, मुखिया प्रतिनिधि हरेंद्र सिंह, जलेंद्र यादव, राधेश्याम सिंह,अनु सिंह, मनीष सिंह, पिंकी विश्वकर्मा समेत दर्जनों भाजपा कार्यकर्ता शामिल थे।

मांगों के समर्थन में सहायक पुलिस काला बिल्ला लगाकर काम किए

मेदिनीनगर। झारखंड राज्य के सहायक पुलिस जवान अपनी लंबित मांगों को लेकर आंदोलनरत हैं। आंदोलन को समर्थन दे रहे पलामू जिले के सहायक पुलिस कर्मियों ने रविवार से काला बिल्ला लगाकर अपनी ड्यूटी निभाई। पुलिसकर्मी अपनी लंबित मांगों को लेकर पिछले चार वर्षो से आंदोलन कर रहे हैं। लेकिन अब तक उनकी मांगों पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं हुई है। पूर्व में दो बार मांगों को लेकर सहायक पुलिसकर्मी मोराबादी मैदान में शांतिपूर्ण धरना दे चुके हैं। उस समय राज्य सरकार द्वारा उनकी सभी मांगों को पूरा करने का आश्वासन दिया गया था, लेकिन इस आश्वासन पर अब तक अमल नहीं किया गया। 1 जुलाई को सभी सहायक पुलिसकर्मी सामूहिक आवास पर रहेंगे वहीं 2 जुलाई को रांची के मोराबादी मैदान में होने वाले प्रदर्शन में शामिल होकर मुख्यमंत्री आवास का घेराव करेंगे। झारखंड सहायक पुलिस एसोसिएशन के पलामू जिलध्यक्ष राज कुमार ने कहा कि सरकार हो हर हाल में सहायक पुलिस कर्मियों की मांग माननी ही होगी।

भाजपाईयों ने सुनी प्रधानमंत्री की मन की बात

मेदिनीनगर। डाल्टनगंज विधानसभा के मेदिनीनगर शहर वार्ड नंबर 2 शक्ति केंद्र बूथ संख्या 157, 158, 159 पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात भाजपा नेताओं सुना। मौके पर झारखंड प्रदेश महामंत्री मनोज सिंह, भोला सिंह, शिव कुमार मिश्रा, धर्मेंद्र उपाध्याय, छोटू सिन्हा, राजहंस अग्रवाल, संजय कुमार, नंदलाल गुप्ता व अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

बारिश से किसानों में जगी आस, फसल लहलहाने की उम्मीद

मेदिनीनगर। पिछले दो वर्ष से सुखाड़ की मार झेल रहे पलामू में 29 जून को पहली बरसात हुई। सुबह से लेकर शाम तक बने रहने वाले उमस भरे मौसम ने अचानक करवट ली। जिला मुख्यालय मेदिनीनगर समेत पूरे जिले में झमाझम पानी बरसा। साथ ही जिले के कई स्थानों से वज्रपात होने की भी सूचना मिली है। चूंकि लगातार पिछले दो वर्षों से पलामू सुखाड़ग्रस्त रहा है। इसलिए किसानों को इस बार भी सूखे की मार झेलने का डर सता रहा है। जिस कारण किसानों ने अब तक धान के बिचड़े भी नहीं लगाए हैं। बारिश होने से किसानों में इस वर्ष खेती होने की आस जगी है। वहीं पेयजल की भीषण समस्या झेल रहे पूरे पलामू के लोगों के लिए यह राहत देना वाला है। बताते चलें कि इस वर्ष पलामू का पारा 48 डिग्री तक पहुंच गया था। जिस कारण प्रचंड गर्मी का प्रकोप पूरे जिले में दिख रहा था। मौसम विभाग ने 28 जून से पूरे झारखंड में मानसून के विस्तार का पूवार्नुमान लगाया था। 28 जून को बूंदाबांदी हुई थी और दो दिनों से पूवार्नुमान के अनुसार रुक रुक कर झमाझम बारिश होती रही। शनिवार को भी दोपहर तक बारिश हुई। उसके बाद मौसम साफ हो गया। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि आगे मौसम क्या रुख अख्तियार करता है। 22 जून से ही मौसम विभाग ने कई बार बारिश होने के संभावना व्यक्त की परंतु बारिश नहीं हुई। पहली बारिश ने नगर निगम की पोल खोल दी। शहरी क्षेत्रों में जगह-जगह सड़कों पर पानी भर गया।

हुल दिवस को संघर्ष दिवस के रूप में मनाएं : रूचिर तिवारी

मेदिनीनगर। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के जिला सचिव सह डालटनगंज चैनपुर भंडरिया के भावी विधायक उम्मीदवार रूचिर कुमार तिवारी ने हूल दिवस के अवसर पर सिद्धो कांहो, फुलो - झानो के फोटो पर पुष्पांजलि अर्पित कर माल्यार्पण किया। मौके पर उन्होंने कहा कि अमर शहीदों की जयंती सिद्धो, कांहो ने अपने चट्टानी एकता व बुलंद हौसला के बदौलत अंग्रेजी हुकूमत के नींव को हिला कर रख दिया। उन्होंने अंग्रेजी हुकूमत के साथ जमीनदारी प्रथा,सुदखोरी,महाजनी, जल, जंगल, जमीन बचाओ के नारों के साथ संघर्ष को तेज कर आन्दोलन कर लोगों को एकजुट कर उलगुलान किया। हजारों अंग्रेजों को मौत के घाट उतार दिया।

विधिक सेवा सह शक्तिकरण शिविर का हुआ आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

हरिहरगंज। ब्लॉक परिसर में रविवार को सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ आमजनों तक पहुंचाने के उद्देश्य से विधिक सेवा सह सशक्तिकरण शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान पदाधिकारी ने संयुक्त रूप से वृद्धा पेंशन, स्वामी विवेकानंद दिव्यांग पेंशन, दिव्यांगों में ट्राई साइकिल, किसानों में नैनो यूरिया, पीडीएस लाभुको में झोला, कैलेंडर, छात्रों में साइकिल, सखी मंडल के महिला समूहो में 20 लाख रुपए का चेक वितरण योजना सहित केंद्र और राज्य सरकार की कई महत्वाकांक्षी योजनाओं के लाभूको को विभिन्न योजनाओं का लाभ दिया गया। मौके पर ब्लॉक नाजीर ब्रजेश कुमार ने कहा कि समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े लोगों को हर संभव मदद करने के लिए सरकार हमेशा तत्पर है। इस अवसर पर जेएसएलपीएस के ब्लॉक बीपीएम मुकेश कुमार, प्रधान सहायक सरजू बैगा, कल्याण पदाधिकारी निरंजन सिंह, पारसनाथ, मनोज रंजन सहित कई लाभुक मौजूद थे।

महासंघ ने राज सरकार के प्रति जताया आभार

बीआरपी सीआरपी की लंबित मांगे कैबिनेट से पारित

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। बीआरपी सीआरपी महासंघ की लंबी संघर्ष के बाद चंपाई सोरेन सरकार द्वारा 28 को कैबिनेट में बीआरपी सीआरपी के सेवा शर्त नियमावली व मानदेय वृद्धि के प्रस्ताव को पास कर दिया गया। इस प्रस्ताव को बीआरपी सीआरपी के लिए पूर्व शिक्षा मंत्री स्व जगन्नाथ महतो ने शुरू किया था। उसका कैबिनेट से पास होना बीआरपी सीआरपी के लिए निकट भविष्य में मिल का पत्थर साबित होगा। कैबिनेट में बीआरपी सीआरपी के नियमावली एवं मानदेय वृद्धि स्वीकृति मिलने पर महासंघ के अध्यक्ष पंकज शुक्ला, महासचिव अमर खत्री ने संयुक्त रूप से श्री चंपाई सोरेन के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार व झारखंड मुक्ति मोर्चा का आभार प्रकट किया है। कहा कि आगे भी सरकार से उम्मीद रखते हैं कि बीआरपी सीआरपी की जो मांगे छूट गई है, उसे भी जल्द पूरा करने का भरोसा जताया है। मौके पर महासंघ के उपाध्यक्ष विनय हालदार, गणेश गौतम, कोषाध्यक्ष अशोक पाल ने भी सरकार, शिक्षा सचिव का आभार जताया है। बीआरपी सीआरपी महासंघ द्वारा मुख्यमंत्री को कैबिनेट के तुरंत बाद अंग वस्त्र व बुके देकर सचिवालय में आभार जताया। इसके बाद मंत्री बेबी देवी उनके पुत्र अखिलेश महतो का भी आभार प्रकट किया। मौके पर केंद्रीय सचिव जय नंदन प्रसाद, जितेंद्र सिंह, कन्हाई प्रसाद अग्रवाल, निरंजन सिंह, पलामू जिला अध्यक्ष किशोर दुबे, प्रभात रंजन दुबे, संतोष सिंह, चंदन कुमार, संजय रजक, कृती चंद्र शर्मा सहित सैकड़ो लोग सचिवालय में उपस्थित थे।

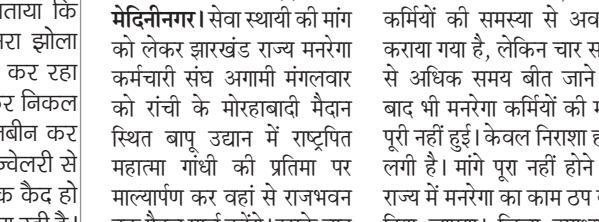

नहीं हो रही टूटी नालियों की मरम्मत

मेदिनीनगर। शहर के वार्ड नंबर 11 में स्थानीय सुभाष चौक पास कई दिनों से नाली टूटी है। नाली की टूटी नाली से आम लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। नगर निगम का ध्यान नाली निर्माण की ओर नहीं गया। नाली की मरम्मत नहीं होने से बारिश के दिनों में नाली का पानी सड़क पर बहता रहता है। इससे लोगों को गंदे पानी से होने वाले बीमारियों का सामना करना पड़ता है। सड़क पर गंदा पानी बहने से लोगों को बारिश के दिनों में घर से बाहर निकलने में काफी परेशानी होती है। मुहल्ले के उपेन्द्र पाठक, मुरारी कुमार, अभिषेक कुमार, रिक्की कुमार ने बताया कि नाली निर्माण के लिए कई बार नगर निगम से आग्रह किया गया, लेकिन कोई ध्यान नहीं देता है। नगर निगम इस वार्ड के प्रति सौतेला व्यवहार करता है।

धर्म-समाज

सिंगरा अमानत नदी किनारे यज्ञ स्थल पर प्रवचन

कर्म फल त्याग कर कर्म करते रहना ही संन्यास है: जीयर स्वामी

नवीन मेल संवाददाता

पंडवा। सिंगरा अमानत नदी किनारे यज्ञ स्थल पर जीयर स्वामी जी महाराज ने कहा कि भागवत कथा अमर कथा के नामों से जाना जाता है। भगवान भूत-भावन शंकर जी ने पार्वती जी को अमर कथा सुनाना चाहा पर पूरी कथा माता पार्वती जी नहीं सुन पाई। वहीं पूरी कथा राधा-रानी के लीला-शुक ने श्रवण कर लिया। कहा कि संसार में परिवार, पत्नी, बाल-बच्चों के साथ रहना बंधन नहीं है। इसको अपना मानकर जीवन जीना बंधन है। श्री लक्ष्मीप्रपन्न जीयर स्वामी जी महाराज ने पावन कथा को निवेदित करते हुए कहा कि संसार की वस्तु व्यवस्था को अपना मान लेना ही बंधन का कारण है। कर्म के फल को त्याग करके कर्म करना ही संन्यास है। संन्यासी चार प्रकार को होते हैं पहला कुटीचक संन्यासी, जो अपने घर

में या अपने पुत्र या अन्य लोगों द्वारा बनाई गई झोपड़ी में रहता है। जिसके सिर पर शिखा और यज्ञोपवीत है। जो गेरुआ वस्त्र पहने हुए है और जिसके हाथ में तीन शूल वाला दण्ड है, जो वाणी, मन और शरीर के संयम का प्रतीक है। जो अपने घर से या अपने सम्बन्धियों से भोजन प्राप्त करता है, तथा जो आत्मचिंतन में लीन रहता है वही कुटीचक संन्यासी है। दूसरे प्रकार का संन्यासी बहुदक संन्यासी जो तपस्वी कुटीचक के समान वेश-भूषा आदि धारण करता है, किन्तु अपने सम्बन्धियों के अतिरिक्त अन्य घरों से भी भिक्षा लेता है। उसे बहुदक संन्यासी या तपस्वी कहते हैं। तीसरा हंस संन्यासी जो तपस्वी ऊपर बताए गए समान वेश आदि धारण करता है तथा बांस का दण्ड धारण करता है, उसे तीसरे प्रकार का तपस्वी अर्थात हंस संन्यासी कहा जाता है। चौथा संन्यासी परमहंस संन्यासी जो ज्ञान व वैराग्य से सुशोभित हो। एक डंडा रखता हो, अपने आपको कपड़े मात्रा से ढकते हैं। चारों संन्यासी का परिवेश एक जैसा होता है। संन्यासी का मतलब होता है भेष-भूषा के साथ ही साथ शास्त्रों में बताए गए संन्यासी के लक्षणों के अनुसार जीवन-यापन करना। वेदों में कहा गया है कि जिस दिन मनुष्य सांसारिक विषयों से ऊब जाए, उसे घर छोड़कर सत्य की खोज में विचरण करना चाहिए, क्योंकि पूर्ण वैराग्य ही संन्यास का मूल कारण है।

वैदिक काल से चला आ रहा उपनयन संस्कार

स्वामी महाराज ने यज्ञोपवीत संस्कार की चर्चा करते हुए कहा कि संस्कार समय में होना चाहिये। कोई भी व्यक्ति बिना यज्ञोपवीत संस्कार का कोई भी शुभ कार्य करता है तो उस कार्य का सुकृत फल प्राप्त नहीं होता है। इसीलिए सनातन धर्म में समय से संस्कार होना चाहिये। संस्कार वह कर्म हैं जो मानव जीवन के विभिन्न चरणों में किए जाते हैं। शास्त्रों के अनुसार ब्राह्मण बालक 09 वर्ष, क्षत्रिय 11 वर्ष और वैश्य बालक का 13 वर्ष से पहले संस्कार होना चाहिये। किसी भी परिस्थिति में विवाह योग्य आयु के पूर्व अवश्य हो जाना चाहिये। सनातन धर्म (हिन्दू) धर्म में संस्कार का बहुत बड़ा महत्व है। संस्कार ही उसे सदाचार, आत्मसंयम और कर्मठता जैसे जीवन मूल्यों को ग्रहण करने का मार्गदर्शन प्रदान कराता है। यह परम्परा वैदिक काल से चली आ रही जिसे उपनयन संस्कार कहते हैं।

आवश्यकता है

1994 से प्रकाशित आइपीआरडी और डीएवीपी से मान्यताप्राप्त प्रतिष्ठित **'दैनिक राष्ट्रीय मेल'** को अपने रांची और डाल्टनगंज संस्करण के लिए उत्साही और ऊजोवान रिपोर्टर, मार्केटिंग कार्यकारी और प्रखंड स्तर से लेकर ब्यूरो स्तर के रिपोर्टर, की आवश्यकता है। ससमय उचित पारिश्रमिक और अन्य सुविधाएं। शैक्षणिक योग्यता, अनुभव, स्थान और मानदेय की मांग के विवरण के साथ शीघ्रातिशीघ्र आवेदन करें। पत्राचार पूर्णतः गोपनीय रहेगा। hr.rnmail@gmail.com या प्रधान संपादक **'राष्ट्रीय नवीन मेल'** ,502 बी,मंगलमूर्ति हाइट्स, विशाल मेगामार्ट के पास हरमू रोड रांची 834001 (झारखंड)

एक नजर

शिवनाथ राम ने लिया विद्यालय का प्रभार

केतार। प्रखंड के परती गांव स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय में के शिक्षक शिवनाथ राम ने शनिवार को प्रभारी प्रधानाध्यापक का प्रभार लिया। उन्होंने निवर्तमान प्रभारी प्रधानाध्यापक राम लखन राम से प्रभार लिया। प्रभारी प्रधानाध्यापक शिव नाथ राम ने बताया की वरीय पदाधिकारी के निर्देश पर प्रभार लिया हुं। उन्होंने कहा की विद्यालय में बच्चों की उपस्थिति बढ़ाने, बच्चों को पढाई के प्रति प्रेरित करने, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने का प्रयास करेंगे।इस मौके पर विद्यालय के शिक्षक, अध्यक्ष उपस्थित थे।

भाजपा नेता रघुराज पांडेय ने दी सांत्वना

श्री बंशीधर नगर। भाजपा के पूर्व गढ़वा जिला अध्यक्ष रघुराज पांडेय ने प्रखंड में गत दिनों व्रजपात से मृत पुतुर गांव निवासी सह माले नेता सदानंद यादव एवं चैनपुर गांव निवासी शिवनाथ पासवान के घर पहुंच कर घटना पर दुख जताया तथा परिजनों को सांत्वना दी। साथ ही हर संभव सहायता प्रदान करने का भरोसा दिलाया। मौके पर भाजपा मंडल अध्यक्ष दिलीप कुमार यादव, सांसद प्रतिनिधि राजेंद्र यादव पूर्व मंडल अध्यक्ष मुख्तार आलम महामंत्री सखीचंद्र प्रजापति, बबलू ठाकुर आदि मौजूद थे।

कीटनाशक खाकर आत्महत्या का प्रयास

गढ़वा। रमना थाना क्षेत्र के बगंधा गांव निवासी सिकट राम की पुत्री पुष्पा कुमारी कीटनाशक पदार्थ खाकर आत्महत्या करने का प्रयास की है उसे इलाज के लिए गढ़वा सदर अस्पताल में भर्ती करेगा घटना के संबंध में परिजनों ने बताया कि उसे घरेलू कामकाज करने के लिए मां के द्वारा डांट फटकार किया गया था इसी बात से उग्र होकर उक्त ने कीटनाशक पदार्थ खाकर आत्महत्या करने का प्रयास की जब उसकी तबीयत बिगड़ी तो घर वालों ने उठकर सदर अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है।

बाइक सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल

श्री बंशीधर नगर। बंशीधर नगर गढ़वा राष्टीय राज मार्ग पर अहिरपुरवा मोड़ के समीप रविवार को टेंपू मोटरसाइकल के टक्कर में मोटरसाइकल सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनो घायलों का इलाज अनुमंडलीय अस्पताल में किया गया जिसमे एक की स्थिति गंभीर देखते हुए चिकित्सक ने बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल रेफर कर दिया। घटना में घायल होने वालो में थाना क्षेत्र के बंबा ग्राम निवासी लालेश्वर राम के 22 वर्षीय पुत्र नीरज कुमार तथा नरही ग्राम निवासी दुखी राम के 35 वर्षीय पुत्र मुकेश कुमार का नाम शामिल है। घटना के बारे में बताया जाता है की दोनो मोटरसाइकल सवार बाजार के बाद पेट्रोल पंप में पेट्रोल भरवाकर वापस अपने घर लौट रहे थे इसी दौरान विपरीत दिशा से आ रहे टेंपू वाहन से टकरा गए। घटना के बाद दोनो घायल सड़क पर ही तड़पते रहे।

अबुआ आवास के लापरवाह लाभुकों पर प्रशासन सख्त, 85 लाभुकों को भेजा नोटिस

एक सप्ताह के भीतर आवास निर्माण कार्य शुरू करें : बीडीओ

नवीन मेल संवाददाता।
श्री बंशीधर नगर

- नगर ऊंटारी प्रखंड में 624 लाभुकों को अबुआ आवास की स्वीकृति दी गई थी।
- लाभुकों के बैंक खाते में प्रथम किस्त के रूप में 30 हजार रुपये की राशि का भुगतान की गई थी।
- नोटिस के बाद भी आवास का निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं किये जाने पर समझा जायेगा की लाभुक को आवास की आवश्यकता नहीं है एवं सरकारी राशि गबन करने की मंशा है।

अबुआ आवास के लापरवाह लाभुकों के विरुद्ध प्रखंड प्रशासन ने कड़ा रुख अख्तियार कर लिया है। प्रखंड विकास पदाधिकारी अदिती गुप्ता ने फर्स्ट फेज में अबुआ आवास के 85 लाभुकों को नोटिस जारी कर एक सप्ताह के भीतर आवास निर्माण कार्य प्रारंभ करने की हिदायत दी है। यहां बताते चलें कि झारखंड के पूर्व सीएम हेमंत सोरेन ने पीएम आवास योजना से वंचित वैसे गरीब जिन्हें आवास योजना का लाभ नहीं मिल पाया था वैसे लोगों को पक्का मकान देने के उद्देश्य से वित्तीय वर्ष 2023-24 अबुआ आवास योजना की शुरूआत की थी। इसके तहत नगर ऊंटारी प्रखंड में 624 लाभुकों को अबुआ आवास की स्वीकृति दी गई थी। स्वीकृति मिलने के बाद लाभुकों के बैंक खाते में प्रथम किस्त के रूप में 30 हजार रुपये की राशि का भुगतान की गई थी। राशि भुगतान के बाद लाभुकों ने आवास निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया। अधिकांश लाभुक प्लिंथ लेबल का कार्य पूर्ण कर डोर लेबल के लिये कार्य कर रहे हैं। वैसे लाभुकों को दूसरे किस्त की राशि का भी भुगतान शुरू कर दिया गया है। किन्तु कई लाभुक ऐसे हैं जो राशि लेने के बाद निर्माण कार्य शुरू नहीं किया। अंत में ब्लॉक प्रशासन उनके विरुद्ध कड़ा रूख अख्तियार कर लिया है। बीडीओ ने 85 लाभुकों कधवन के 16, भोजपुर के 4, हलिवंता के 9, पिपरडीह के 3, कुंबाखुर्द के 10, कोलझिकी के 8, कुशडंड के 27 एवं चितविश्राम के 8 को नोटिस जारी कर एक सप्ताह के भीतर आवास का निर्माण कार्य प्रारंभ करने की हिदायत दी है। उन्होंने कहा है कि नोटिस के बाद भी आवास का निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं किये जाने पर समझा जायेगा की लाभुक को आवास की आवश्यकता नहीं है एवं सरकारी राशि गबन करने की मंशा है। बीडीओ ने कहा है कि कार्य नहीं करने की स्थिति में लाभुक के विरुद्ध कार्रवाई के लिये उच्च अधिकारियों को सूचित किया जायेगा। साथ ही लाभुक से संपूर्ण भुगतेय राशि की वसूली (सूद सहित) वसूली की जायेगी। साथ ही उक्त लाभुक के स्थान पर प्रतीक्षा सूची से दूसरे योग्य लाभुकों को इस योजना का लाभ दे दिया जायेगा।

मनरेगा योजना में हो रहा है जीसीब का उपयोग

नवीन मेल संवाददाता। डंडाई

- जेसीबी मशीनों के बिना मनरेगा की एक भी योजना का कार्यान्वयन नहीं हो पा रहा है।
- ग्रामीणों ने कहा कि योजना के बारे में न तो हम लोगों को कोई जानकारी है और न ही हम सभी उसमें एक दिन भी मजदूरी ही किए हैं। पता नहीं कैसे हम लोगों के खाते में मजदूरी की राशि का भुगतान किया गया।

पोकलेन और जेसीबी मशीन प्रखंड क्षेत्र के हर पंचायत के लिए मनरेगा मजदूर बनकर रह गया है। उक्त दो मशीनों के बिना मनरेगा की एक भी योजना का कार्यान्वयन नहीं हो पा रहा है। चाहे बिरसा सिंचाई कूप योजना हो या मनरेगा की सिंचाई कूप या फिर डोभा, टीसीबी या मेड़बंदी की योजना हो सभी तरह के योजना में बेरोकटेक दोनों मशीन का धड़ल्ले से उपयोग हो रहा है। प्रखंड के लवाही पंचायत अंतर्गत विनोद साह का डोभा निर्माण कार्य योजना में कार्य करने और न करने के बारे में जानकारी देता मजदूरों का बयान सीधे उस ओर निर्देशित कर रहा है।

उक्त कार्ययोजना में मजदूरों को कार्य के बारे में किसी भी तरह की जानकारी नहीं है और न ही वे सभी उक्त कार्य योजना में काम ही किए हैं। बावजूद मजदूरी मद की राशि उन सभी के खातों में हस्तांतरित हो गया। बैंक खाते में राशि प्राप्त किए मजदूर सहादेव साहू, भरोस साह, शंभू प्रजापति, नरेश साहू, विमला देवी,बदु साह कोमल प्रजापति इत्यादि लोगों ने बताया कि उक्त कार्य योजना के बारे में न तो हम लोगों को कोई जानकारी है और न ही हम सभी उसमें एक दिन भी मजदूरी ही किए हैं। उन्होंने कहा कि पता नहीं कैसे हम लोगों के खाते में मजदूरी मद की राशि का भुगतान हो गया है। साथ ही कहा कि गांव के सीएसपी संचालक सह स्वयंसेवक अमित कुमार नामक युवक के कहने पर जब हम सभी अपने-अपने बैंक खातों को चेक कराए तब मामले की जानकारी हम लोगों हुई। वहीं उन्होंने कहा कि हम सभी के खाते में प्राप्त हुआ राशि के बारे में अमित के द्वारा ही बताया गया कि मैं ही अपने योजना के आलोक में आप सभी के बैंक खाते में मजदूरी मद की राशि हस्तांतरित करवाया हूं। उसके द्वारा कहा गया कि जो राशि आप सभी के खाते में आया है उसमें से कुछ राशि रखकर शेष राशि मुझे वापस कर दीजिए। लाभुकों ने कहा कि अमित के कहे अनुसार हम सभी अपने अपने खाते में से पूरी राशि की निकासी कर मात्र 300 अपने पास रखकर शेष सभी राशि उनके हाथों में थमा दिया। गौर तलब हो की विनोद साह के खेत में डोभा निर्माण कार्य योजना में जब मजदूर काम किए ही नहीं हैं तो वह डोभा आखिर कैसे तैयार हो गया। इतना ही नहीं उसका माफी पुस्तिका भी बना तो कैसे बना यह एक बड़ा सवाल बन गया है। निश्चित तौर पर उसमें जेसीबी या पोकलेन का उपयोग किया गया है इससे इनकार नहीं किया जा सकता। उक्त योजना मद में अभी तक 158000 मजदूरी मद की राशि भुगतान हो चुकी है। योजना वित्तीय वर्ष 2023/ 24 का है। जिसका तकनीकी स्वीकृति नंबर 3407008/ 2023-24/ 151708/ टी एस है।

डॉक्टर्स डे पर कार्यक्रम का आयोजन नहीं : डॉ. असजद

गढ़वा। इस वर्ष पर डॉक्टर्स डे पर कार्यक्रम का आयोजन नहीं किया जाएगा। इस संबंध में जानकारी देते हुए आईएमए के सह सचिव डॉक्टर असजद अंसारी ने कहा कि आए दिन गढ़वा में चिकित्सकों व।स्वास्थ्य कर्मी के ऊपर हमले किए जा रहे है। वहीं उनके ऊपर प्राथमिकी भी दर्ज की जा रही है। इस मामले को लेकर प्रसाशन व स्वास्थ्य विभाग के प्रशासन को भी अवगत कराया गया। बावजूद इसके अभी तक कोई करवाई नहीं हुई। इसलिए सर्वसम्मति से गढ़वा के सभी चिकित्सक (आई एम ए और झासा) ने निर्णय लिया है कि वे लोग डॉक्टर्स डे का उत्सव नहीं मनाएंगे। उन्होंने कहा कि लगातार डॉक्टरों व स्वास्थ कर्मियों पर हमला किया जा रहा है। इस दौरान गढ़वा सदर अस्पताल में डॉ शिशिर चंद्राकार एवं डॉ कौशल किशोर और सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, मझिआंव में डॉ राजू कुमार के साथ उक्त घटना हुई है। जिसमें डॉक्टरों के साथ मारपीट, अभद्र भाषा का प्रयोग और एफ आई आर तक हुई है।

अच्छे कर्म करने से मन उत्साहित रहता है : ठाकुर अनुकूलचन्द्र

नवीन मेल संवाददाता।
श्री बंशीधर नगर

श्री श्री ठाकुर अनुकूलचन्द्र जी के अनुयायियों द्वारा सत्संग उपासना केंद्र के प्रांगण में साप्ताहिक सत्संग का आयोजन किया गया सत्संग का शुभारंभ बन्देपुरुषोतम ध्वनि व शंख ध्वनि के बीच दीप प्रज्वलित कर किया गया इसके बाद समवेत नाम, जप, ध्यान, सत्यानु शरण ग्रंथ तथा नारी नीति ग्रंथ का पाठ किया गया। संगीतांजली कार्यक्रम में धृतिसुन्दर लाल, गीता देवी, अखिलेश दा व सत्यवंती देवी ने भक्ति मूलक भजन प्रस्तुत किया। इष्टचर्चा कार्यक्रम में सत्संगी शक्तिदास सिन्हा ने कहा कि मनुष्य को अपने आप पर विश्वास करते हुए अच्छा कर्म करना चाहिये। उन्होंने कहा कि वह मनुष्य जो बोलता कम है और करता अधिक है वह प्रथम श्रेणी का कर्मी है। जो मनुष्य जितना बोलता है, उतना करता है वह द्वितीय श्रेणी का कर्मी है तथा जो मनुष्य बोलता अधिक है और करता कम है वह तृतीय श्रेणी का कर्मी है। वह व्यक्ति जो बोलता है और न कुछ करता है वह अधम होता है। उन्होंने कहा कि अच्छे कर्म करने से मन उत्साहित रहता है अच्छा कर्म हमे सत्य के पथ पर ले जाता है। सत्संगी अखिलेश दा ने कहा कि वर्तमान पुरुषोत्तम श्री श्री ठाकुर जी प्रेममय है वे सभी जीवों से प्रेम करते हैं वे गलत कार्य करने वाले व्यक्ति को भी अच्छे पथ पर लाते हैं ऋत्विक धृतिसुन्दर लाल ने कहा कि इष्टभृति ऐसा कर्म है जो हम सबको मंगल पथ पर ले जाता है।श्री श्री ठाकुर जी मानव जीवन को सर्व मंगल करने वाले हैं उनके आदेशों का पालन करना चाहिये ऋत्विक विजयनन्दन सिन्हा ने कहा कि मनुष्य को पड़े पड़े रहकर मरने से चलकर मरना अच्छा है उन्होंने कहा कि कहने का तातपर्य है कि मनुष्य को कर्म करने में व्यस्त रहना चाहिये मनुष्य को अच्छे ज्ञान की प्राप्ति के लिये सत्संग में जाना ही चाहिये उन्होंने कहा कि अच्छे गुणों की प्राप्ति हेतु वर्तमान पुरुषोत्तम श्री श्री ठाकुर जी के द्वारा दिये गये सत्संग का आश्रय ग्रहण करना चाहिये।

बड़गड में आंधी तुफान से कैंप परिसर के टेंट उखड़े

नवीन मेल संवाददाता। बड़गड

भंडरिया थाना क्षेत्र अंतर्गत बड़गड़ प्रखंड के नक्सल प्रभावित क्षेत्र बुढ़ा पहाड़ पर स्थापित सीआरपीएफ कैंप में आंधी तुफान व तेज बारिश के कारण काफी नुकसान पहुंचा है। मिली जानकारी के अनुसार शनिवार को शाम को झाउलडेरा बुढ़ा पहाड़ क्षेत्र में अचानक मौसम खराब होने तथा तेज आंधी तुफान के कारण यहां तैनात सीआरपीएफ 172 बटालियन के कैंप परिसर में जवानों के रहने वाले टेंट उखड़ गए वहीं कैंप परिसर में सीआरपीएफ 172 बटालियन द्वारा संचालित बच्चों के स्कूल का टीन सीट का छत उड़ गए। इसके अतिरिक्त जवानों के बाथरूम, शौचालय, मोटरसाइकिल वाहन शेड के एस्बेस्टस लगा छत भी तुफान के कारण उखड़ गए हैं। कैंप में तैनात कंपनी कमान अधिकारी सहायक कमांडेंट निरज कुमार ने बताया कि तुफान के कारण जवानों की सुविधा के लिए लगाए गए कई टेंट, सोलर स्ट्रीट लाइट सहित अन्य संसाधनों को काफी नुकसान पहुंचा है हालांकि तुफान के दौरान जवानों के बेहतर सुझबुझ के कारण किसी भी जवान या ग्रामीण चोटिल नहीं हुए हैं।

प्रखंड के कई गांव विकास से दूर : एमएन खान

गढ़वा। एआईएमआईएम के पलामू प्रमंडल प्रभारी सह गढ़वा विधानसभा क्षेत्र के पूर्व प्रत्याशी डॉक्टर एमएन खान ने डंडा प्रखंड के विभिन्न गांव का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने डंडा प्रखंड के भी भिखही, कोरटा, मेढनवां टोला, जोगियामंडारी, पापरवा, बोंगासी आदि गांवों का दौरा किया। उन्होंने लोगों से मिलकर उनकी समस्याओं को सुना और समस्याओं को समाधान करने का आश्वासन दिया। मौके पर डॉक्टर एम एन खान ने कहा कि डंडा प्रखंड का विभिन्न गांव विकास से काफी दूर है। यहां किसी भी क्षेत्र में विकास नहीं की गई है। जिसके कारण यहां के लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

न्यूज बॉक्स

मुख्यमंत्री मेधा छात्रवृत्ति में 261 परीक्षार्थी हुए सम्मलित, 138 अनुपस्थित

खरौंधी। झारखंड अधिविध परिषद द्वारा आयोजित मुख्यमंत्री मेधा छात्रवृत्ति योजना के तहत स्तरोन्नत प्लस टू उच्च विद्यालय राजी में कुल 399 बच्चों का मुख्यमंत्री मेधा छात्रवृत्ति परीक्षा में सम्मिलित होना था। परीक्षा में कुल 261 परीक्षार्थी सम्मलित हुए। 138 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। प्रधानध्यापक मनोज कुमार सिंह ने बताया की परीक्षा प्रारंभ होने से पहले प्रखंड क्षेत्र में बारिश प्रारंभ हो गयी जिसके कारण कई परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित नही हो सके। परीक्षा केंद्र पर परीक्षा कदाचार मुक्त एवं शान्तिपूर्ण सम्पन हुआ। मोके पर दंडाधिकारी वसीम अकरम, वीक्षक आनन्द गुप्ता,सविता कुमारी, पूजा श्रीवास्तव, घनश्याम शर्मा सहित सभी लोग उपस्थित थे।

खपरैल मकान गिरने से बच्ची गंभीर रूप से जख्मी

केतार। केतार थाना क्षेत्र के खैरवा गांव में बारिश के दौरान मिट्टी के घर गिरने से एक युवती गंभीर रूप से घायल हो गइ घायल युवती मनी चौधरी की पुत्री रिंकी कुमारी बताया गया है उसे इलाज के लिए गढ़वा सदर अस्पताल में भर्ती किया गया है घटना के संबंध में परिजनों ने बताया कि रिंकी कुमारी अपने घर में थी इसी दौरान रविवार को बारिश होने लगा इसके बाद रिंकी कुमारी का घर मिट्टी के घर होने के कारण बारिश से गिर गया इससे वह घर में दब गई इसके बाद आसपास के लोगों ने उसे बाहर निकाल कर गंभीर स्थिति में भवनाथपुर स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सक ने उसे बेहतर इलाज के लिए गढ़वा सदर अस्पताल रेफर कर दिया परिजनों ने 108 एंबुलेंस के मदद से उसे गढ़वा सदर अस्पताल में भर्ती कराया है।

प्रखंड में दो दिनों तक हुई झमाझम बारिश किसानों के चेहरे खिले

डंडाई। प्रखंड क्षेत्र में रुक-रुक कर लगातार दो दिनों तक हुई बारिश से किसानों ने राहत की सांस लिया है। वही किसानी कार्यों को लेकर अब तक चिंतित रहे किसानों के चेहरे भी पूरी तरह खिल उठे हैं। दो दिनों तक हुई बारिश ने जहां किसानों के खेतों को पानी से लबालब भर दिया है वहीं अपने-अपने घरों में सोए रह रहे किसानों को खेत की ओर घूमने को लेकर मजबूर भी कर दिया है। बारिश के बाद लबालब पानी से भरी खेतों को निहारने पहुंचे चंद्रशेखर प्रसाद,गुप्तेश्वर प्रसाद, आनंद प्रकाश, ज्ञानचंद प्रसाद, रामकुमार महतो, कृष्ण दत्त मेहता, रामप्यारे सिंह, रामचंद्र सिंह, आफताब आलम, नंदू यादव, प्रमोद कुमार इत्यादि किसानों ने कहा कि हम सभी उस बात को लेकर चिंतित थे। आद्रा नक्षत्र में जो बारिश होना चाहिए था वह अभी तक नहीं हो पाया था। हम सभी घरों में बैठ वर्षा की पानी का इंतजार करते रहते थे।

सर्पदंश का इंजेक्शन नहीं देने वाले चिकित्सक डॉ. राजू कुमार पर प्राथमिकी दर्ज

मझिआंव। मझिआंव रेफरल अस्पताल में गुरुवार को शाम साढ़े सात बजे सर्प दंश का इंजेक्शन नही देने वाले चिकित्सक डॉ राजू कुमार दास पर प्राथमिकी दर्ज कर लिया गया है. पुलिस ने इसे मझिआंव थाना कांड संख्या 61/24,दिनांक 28/06/2024,धारा 304/166(बी)भादवि के तहत दर्ज कर अनुसंधान कार्य सुरु कर दिया है. विदित हो कि गुरुवार को शाम सात बजे गहिड़ी गांव निवासी पारस नाथ मेहता के दो पुत्रों मनीष कुमार मेहता एवं राजा मेहता को मोटरसाइकिल पर बैठते समय करैत सर्प ने काट लिया था. जिसके बाद परिजनों ने दोनों को रेफरल अस्पताल लाया, लेकिन ड्यूटी पर उपस्थित चिकित्सक डॉ राजू कुमार दास द्वारा सर्प दंश का इंजेक्शन अस्पताल में उपलब्ध नही होने का बहाना बना कर झूठ बोल दिया गया, जबकि रेफरल अस्पताल प्रभारी डॉ गोबिंद सेठ द्वारा कहा गया कि अस्पताल में इंजेक्शन उपलब्ध है और इंजेक्शन नही मिलने के कारण 25वर्षीय युवक मनीष कुमार की मौत हो गई।

विधायक प्रतिनिधि मांगों को लेकर 2 जुलाई से बैठेंगे आमरण अनशन पर

खरौंधी। विधायक प्रतिनिधि उपेंद्र दास ने अनुमंडल पदाधिकारी श्री बंशीधर नगर को 9 सूत्री मांगों को लेकर 2 जुलाई से प्रखंड कार्यालय खरौंधी में आमरण अनशन पर बैठने की जानकारी दी है। अनुमंडल पदाधिकारी को दिए आवेदन में विधायक प्रतिनिधि ने खरौंधी प्रखंड के पंचायत खरौंधी में मनरेगा योजना में सत्र 2023-24 में मेड़बंदी योजना की जांच कराने, मेड़बंदी योजना में बिना कार्य के मापी पुस्तिका कराकर राशि की हुई बंदरबांट की जांच कराने, मनरेगा योजना में बिना कार्यकारणी के सहमति के योजना चयन में भारी अनियमितता की जांच करने, खरौंधी पंचायत में मनरेगा योजना में प्राकलन के विरुद्ध योजना में हुए भुगतान की जाँच करने,खरौंधी पंचायत में ऑन गोइंग योजना, जैसे डोभा, तलाब, कूप, मेड़बंदी, आम बागवानी आदि कार्यो की जांच करने, पशु सेड में बकाया राशि भुगतान बिना भेदभाव के कराने, बिना कार्य कराए कई योजनाओं में राशि का भुगतान कर दिया गया है वैसे योजनाओं का जांच कर दोषी के विरुद्ध कार्यवाई करने सहित 9 सूत्री मांग पत्र सौपा है।

दोषी होने पर भी अभी तक किसी के ऊपर कोई कार्रवाई नहीं

गढ़वा। गढ़वा नगर परिषद क्षेत्र में साल 2015 में विभिन्न योजनाओं में हुये घोटाले के मामले में उच्च न्यायालय ने दोषी पाये गये लोगों पर प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश दिया है. इस मामले को त्रिस्तरीय कमेटी की जांच व लोकायुक्त के निर्देश के बावजूद नौ सालों तक मामले को दबाकर रखा गया था। जांच में स्पष्ट रूप से दोषी पाये जाने के बावजूद इस मामले के किसी भी उपर कोई कारवाई अभी तक नहीं हुयी है। इस मामले में तात्कालीन नगर परिषद उपाध्यक्ष अनिल पांडेय की ओर से उच्च न्यायालय में जनहित याचिका दायर किया गया था. इस पर कारवाई करते हुये उच्च न्यायालय ने डब्ल्यूपी पीआईएल नंबर 1270-2021 पर कारवाई करते हुये प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश उपायुक्त गढ़वा को दिया है। अनिल पांडेय ने शुक्रवार को अपने आवास पर बताया कि इस मामले में जिला प्रशासन ने नौ साल तक जानबुझकर मामले को दबाकर रखा और दोषियों को बचाया।

कार्यक्रम

हूल दिवस पर मंत्री ने वीर शहीदों को दी श्रद्धांजलि, किया नमन

आदिवासियों की शौर्य गाथा याद दिलाता है हूल दिवस : मिथिलेश

नवीन मेल संवाददाता। गढ़वा

हूल दिवस के मौके पर गढ़वा विधायक झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता व उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने रविवार को गढ़वा के कल्याणपुर स्थित आवास पर वीर शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें शत शत नमन किया। मौके पर पार्टी के सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने श्रद्धांजलि अर्पित की। श्री ठाकुर ने कहा कि 30 जून को नई क्रांति की शुरूआत हुई थी। हजारों लोग एक सूत्र में बंधे थे और अंग्रेजों को भगाने की योजना बनी थी। इसलिए पूरे देश में 30 जून को हूल दिवस मनाया जाता है। इस दिन आदिवासियों की शौर्य गाथा और बलिदान को याद किया जाता है। जिन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी। मंत्री ने कहा कि 30 जून 1855 को मौजूदा साहिबगंज जिले के भोगनाडीह गांव में वीर सिद्धो - कान्हो, चांद-भैरव के नेतृत्व में 400 गांव के समागम में 50 हजार लोगों ने अंग्रेजी हुकूमत से आमने-सामने जंग का ऐलान किया था। साथ ही मालगुजारी नहीं देने और अंग्रेजों हमारी माटी छोड़ो का जोर से ऐलान किया गया था। अंग्रेजों के आधुनिक हथियारों के सामने सिद्धो-कान्हो की तीर कमान वाली सेना टिक नहीं पाई। सिद्धो को अगस्त 1855 में पड़कर पंचकठिया नामक स्थान पर बरगद के पेड़ पर फांसी दे दी गई। जबकि कान्हो को भोगनाडीह गांव में फांसी दी गई थी। हूल दिवस पर सिद्धो-कान्हो, चंद-भैरव, फूलो-झानो सहित सभी अमर बलिदानियों को शत नमन है। मौके पर मंत्री श्री ठाकुर ने शहीदों को नमन करते हुए राज्य वासियों से उनके आदर्शों को अपनाने का आह्वान किया है। उन्होंने ने कहा कि उन नायकों का पवित्र स्मरण आज भी हम सबों का मार्गदर्शन करता है। मौके पर मुख्य रूप से झामुमो के केंद्रीय प्रवक्ता धीरज दुबे, जिला अध्यक्ष तनवीर आलम, सचिव मनोज ठाकुर, जिप अध्यक्ष शांति देवी, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष छोटू सिंह खरवार, शरीफ अंसारी, फुजैल अहमद, दिलीप गुप्ता, महिला मोर्चा अध्यक्ष रेखा चौबे, सचिव चंदा देवी, अराधना सिंह सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

एक नजर

डुमरिया दोहर टोला में चार दिन में ही टंकी से पानी होने लगा लीक

लातेहार। सदर प्रखंड अंतर्गत मोगर पंचायत के ग्राम मोंगर के डुमरिया दोहर टोला में हाल में ही कंक्रीट द्वारा निर्मित एक सोलर जलमीनार का निर्माण हुआ है, जिसका टंकी से पानी लीकेज की मामला सामने आई है।मोंगर पंचायत के पूर्व पंचायत समिति सदस्य पिंटू कुमार रजक ने जानकारी दी है उन्होंने बताया कि मोंगर के डुमरिया दोहर टोला में कंक्रीट द्वारा निर्मित पानी टंकी का निर्माण कराया गया है।जो सोलर जलमीनार है। चार दिन पहले ही चालू हुआ है और तब से ही टंकी से पानी लीकेज हो रही है।

पहली बारिश में ही बिजली विभाग फेल

चंदवा। शनिवार को हुई तेज बारिश के बाद से चंदवा प्रखंड के कई इलाकों में बिजली गुल है। बिजली नहीं रहने की वजह से जहां लोगों को रात अंधेरे में गुजारनी पड़ी। लोग उमस भरी गर्मी से परेशान रहे। सुबह से पानी के लिए भारी परेशानी का सामना लोगों को करना पड़ा। बिजली विभाग लोकल फॉल्ट ढूंढ कर दुरुस्त करने में व्यस्त दिखी। इस दौरान कई बार बिजली बहाल किया गया लेकिन फॉल्ट की वजह से ज्यादा देर नहीं टिक पाई। वर्षा रुकने के बाद से ही विभाग के कर्मी पूरी तन्मयता से विद्युत सेवा बहाल करने में जुटी थी। समाचार लिखे जाने तक बिजली बहाल नही हो सकी थी।

सडकों पर जारी है कोल वाहनों का कहर, प्रशासन मौन

चतरा। जिले के गिद्धौर थाना क्षेत्र अंतर्गत चतरा-हजारीबाग भाया कटकमसांडी सड़क में कोल वाहनों का कहर इन दिनों जारी है। महज एक सप्ताह के अंदर उक्त सड़क में दो दुर्घटना हुई, जिसमें चार युवकों की मौत हो गयी है। वहीं कई घायल भी हुए हैं। इसके बाजूद इस बड़ी समस्या पर ना ही प्रशासन की नजर है औश्र ना ही प्रतिनिधियों की। दुसरी ओर इस पर परिवहन विभाग के अधिकारियों का ध्यान नहीं रहने के कारण कई नौसिखिया वाहन चला रहे हैं, जिससे दुर्घटनाएं बढ़ रही है। बीते 24 जून के देर शाम चतरा-हजारीबाग मुख्य पथ में खरीक गांव के समीप हादसे में लुना सवार दो युवकों की मौत हो गयी थी।

युवक ने सल्फास खाकर आत्महत्या का किया प्रयास

बालूमाथ। थाना क्षेत्र के शेरेगड़ा ग्राम निवासी विकास कुमार (18 वर्ष) पिता खुशी राणा ने जहर खाकर अपनी जीवन लीला समाप्त करने का प्रयास किया। जिसे परिवार जनों ने आनंद-फानन में बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया जहां डॉक्टर सुरेंद्र कुमार के द्वारा प्राथमिक उपचार किया गया। परिजनों ने बताया कि पारिवारिक मामले में युवक ने जहर खाया है वहीं डॉक्टर द्वारा इलाज के बाद युवा के की स्थिति सामान्य बताई जा रही है। इस घटना के बाद से परिवारजन अपने बेटे की स्थिति को लेकर चिंतित हैं।

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार दो युवकों की मौत

नवीन मेल संवाददाता।
गिद्धौर (चतरा)

गिद्धौर थाना क्षेत्र अंतर्गत सलीमपुर मोड़ के समीप शनिवार की देर रात एक अज्ञात कोल वाहन ने बाइक सवार दो युवकों को टक्कर मार दिया। जिससे दोनों युवकों की मौत घटनास्थल पर हो गई। जबकि बाइक पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। इसकी सूचना पुलिस को रविवार की सुबह लगी।

सूचना मिलते ही पुलिस अवर निरीक्षक सुनील सिंह घटना स्थल पर पहुंचकर दोनों युवकों के शव व क्षतिग्रस्त बाइक को अपने कब्जे में लिया। इसके बाद घटना की सूचना मृतक के परिजनों को दिया गया। मृतक की पहचान सदर थाना क्षेत्र के बभने गांव निवासी बतीस भारती के पुत्र उपेंद्र भारती एवं असढीया गांव के सुरेश भुइयां के पुत्र रवि भुइयां के रूप में की गई। दोनों युवकों के सदर अस्पताल में रविवार को पोस्टमार्टम के पश्चात शव को परिजनों को सौंप दी गई। बताया जाता है कि दोनों युवक रिश्ते में जीजा साला लगते थे और असढीया गांव से शनिवार के देर शाम बभने चतरा जा रहे थे। इसी क्रम में गिद्धौर के सलीमपुर मोड़ के समीप दुर्घटना हो गई। रविवार सुबह दोनों के बाइक दुर्घटना में मौत की सूचना प्राप्त होते ही मृतकों के गांव में शोक की लहर दौड़ गई। जबकि परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

ट्रेन की चपेट में आने से महिला की मौत

चंदवा। बरकाकाना बरवाडीह रेलखंड अंतर्गत टोरी जंक्शन प्लेटफार्म नंबर 3 के समीप शनिवार रात लगभग 8 बजे ट्रेन की चपेट में आने से एक महिला की दर्दनाक मौत हो गई। घटना पोल संख्या 185-16 की पास बताई जा रही है। ट्रेन की चपेट में महिला के आने की सूचना के बाद टोरी आरपीएफ की टीम मौके पर पहुंची व शव को रेलवे ट्रैक से हटाकर आवागमन सुचारू रूप से चालू कराया व घटना की जानकारी जीआरपी बरकाकाना को दी। इसके बाद बरकाकाना से जीआरपी की एक टीम मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। खबर लिखे जाने तक मृतका कौन है कहां की है इसकी पहचान नहीं हो पायी थी। मृतका हरा कलर की साड़ी व लाल कलर की ब्लाउज पहनी हुई है। जीआरपी की टीम महिला की मौत दुर्घटना में हुई है या फिर उसने आत्महत्या की है इसकी जांच में जुटी हुई है।

लापरवाही : मानसून की पहली बारिश में सिंदवारी से शालेय गांव का संपर्क टूटा

नवीन मेल संवाददाता।
मयूरहंड (चतरा)

मयूरहंड थाना क्षेत्र में सड़क व पुलिया निर्माण कार्य की गति कछुआ चाल में होने से मानसून की पहली बारिश से ही राहगीर परेशान हो रहे हैं। क्षेत्र में सड़क निर्माण कार्य विभाग प्राक्कलन के अनुसार व समय से कार्य पूरा करने के लिए संवेदक को सौंपती है। परंतु सड़क निर्माण कार्य में जुटे विभाग के अभियंता की उदासीनता से संवेदक अपने अपने तरीका से सड़क निर्माण में जुट जाते हैं। जहां डायवर्सन से लेकर पुल निर्माण, सड़क की ढलाई, फ्लैंक से लेकर बोल्डर बिछाने, पीसीसी सड़क की ढलाई से लेकर पटवन तक का जल्द निपटारा के लिए छोटे-छोटे ठेकेदारों को दिया जाता है। जो मनमाने पूर्वक, गुणवत्ता को ताक पर रख कर कार्य करते हैं। नतीजा मानसून की पहली बारिश से ही सड़क में अधुरे पुलिया निर्माण के कारण एक दूसरे से कई गांव संपर्क विहीन हो गए हैं। कीचड़युक्त डायवर्सन पार करना राहगीरों के लिए मुसीबत खड़ा कर दिया है। सड़क निर्माण में अनियमितता की गुहार कई बार स्थानीय ग्रामीण तथा पंचायत प्रतिनिधि उठाए पर बेअसर रहा। सड़क निर्माण कार्य जारी है असुविधा के लिए खेद है का न तो बोर्ड नजर आता है, न ही सड़क निर्माण में संवेदक का कोई कर्मी राहगीरों को सिगनल दिखाता है।

घूमने गई युवती सड़क दुर्घटना में हुई घायल, रिम्स रेफर

बालूमाथ। थाना क्षेत्र के रांची चतरा मुख्य मार्ग चितरपुर ग्राम के पास बाइक दुर्घटना में एक 20 वर्षीय युवती रोशनी कुमारी पति मुकेश कुमार बालूमाथ घायल हो गए हैं। घटना रविवार शाम की बताई जा रही है घटना के बाद ग्रामीनो की सहायता से 108 एंबुलेंस के द्वारा बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। जहां डॉक्टर सुरेंद्र कुमार द्वारा प्राथमिक उपचार के बाद उचित इलाज के लिए रिम्स रेफर कर दिया गया डॉक्टर ने बताया कि युक्ति को गंभीर चोटें आई हैं।

भाजपाइयों की अनिश्चितकालीन आर्थिक नाकेबंदी दूसरे दिन भी जारी

नवीन मेल संवाददाता।
टंडवा (चतरा)

टंडवा प्रखंड मुख्यालय में भाजपाइयों के अनिश्चितकालीन आर्थिक नाकेबंदी का व्यापक असर कोल डिस्पैच में पड़ा है। रविवार को प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न सड़कों पर कोल वाहनों का परिचालन ठप होने से जहां-तहां खड़े दिखाई दिये वाहन। 29 जून से प्रारंभ आर्थिक नाकेबंदी रविवार को दुसरे दिन भी जारी रहा और सीओ विजय दास आंदोलन स्थल पर पहुंचकर विधायक से मांगो पर बात कही।

आमजनों के बहुप्रतीक्षित एनटीपीसी परियोजना से निर्बाध बिजली आपूर्ति व कोल वाहनों से सड़क दुर्घटनाओं पर ठोस नियंत्रण हेतु स्थाई नो इंट्री की मांगों को आंदोलन का मुख्य आधार बनाया गया है। जबकि बहुतायत लोग आंदोलन की सफलता को लेकर अब भी काफी सशंकित दिखाई दे रहे हैं, जिसकी मुख्य वजह रेत के महल की भांति पूर्व के बिखरे कई अनिर्णायक आंदोलनों की दास्तान को माना जाता है। लोगों द्वारा दिलचस्प सवाल ये भी पूछा जा रहा है कि आखिर केंद्राधीन परियोजनाओं की मनमानी तथा वर्षों से व्याप्त असंतोष को पिछले एक दशक से केंद्र की सत्तारुढ़ पार्टी व उसके नेता अबतक मूकदर्शी होकर क्यों देखते रहे हैं। ऐसे में स्थानीय बीजेपी नेताओं के बगावती तेवर सीसीएल व एनटीपीसी जैसे केंद्रीय कंपनी व उनको संरक्षण देनी वाली उनके केंद्रीय नेतृत्व पर हीं दिख रहा है। जिसके पीछे लोग गहरा रहस्य छिपे होने की बातें कह रहे हैं। विश्वस्त सूत्रों की मानें तो एनटीपीसी अपने इंधन के लिए लगभग एक सप्ताह तक का कोल स्टॉक कर चुकी है, तभी तक ये आंदोलन टिकेगा। वहीं बिजली की मांग को लेकर पांच साल पहले टंडवा में मई 2017 को हुवा जोरदार आंदोलन की लोग अब भी चर्चा करते हैं, जो ताश की पत्तों की तरह लंबे अरसे तक अनिर्णायक बिखरा रहा। हालांकी जो भी हो पर भाजपा के इस आंदोलन को लोगों का भी समर्थन मिला है।

सहायक अध्यापक शिक्षकों ने मिश्रोल में निकाला मशाल जुलूस

टंडवा (चतरा)। रविवार देर शाम टंडवा प्रखंड के शहीद चौक से सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा के बैनर तले सहायक शिक्षकों ने भव्य मशाल जुलूस निकाल कर जोरदार नारेबाजी करते हुवे नगर भ्रमण किया। इस दौरान राज्य सरकार होश में आओ, शिक्षकों को गुमराह करना बंद करो, एक मांग नियमित हो वेतमान जैसे गगनभेदी नारे लगाये गये। जानकारी देते हुवे संघ के प्रखंड अध्यक्ष सुमन भारतीय ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा सहायक अध्यापकों को वेतन वृद्धि का झांसा देकर लगातार गुमराह किया जा रहा है। जिससे सभी में व्यापक आक्रोश व्याप्त है। कहा कि सरकार की चिरनिंद्रा अगर शीघ्र नहीं टूटी तो गुमराह करने वालों को विधानसभा चुनाव में सबक सिखाया जायेगा। इस दौरान साकेत पांडेय, गोपाल यादव, उदय यादव, शिवनाथ रजक, ममता कुमारी, राजकुमार ठाकुर समेत अन्य शामिल थे।

राज्य स्तरीय आकांक्षा कार्यक्रम के द्वितीय प्रवेश परीक्षा में सफल हुए दीपांशु

नवीन मेल संवाददाता।
बारियातू

प्रखंड अंतर्गत अमरवाडीह पंचायत अंतर्गत रहैया ग्राम निवासी आजाद शेखर दीपांशु पिता राजू रामवृक्ष लोहरा माता का नाम अमिता लोहरा स्त्रोन्नत उच्च विद्यालय टोटी हेसला के छात्र राज स्तरीय आकांक्षा कार्यक्रम के द्वितीय प्रवेश परीक्षा 2024 में सफल होकर क्षेत्र का नाम रौशन किया. अमर शहीद ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव जिला विद्यालय रांची कैंपस में संचालित राज्य स्तरीय आकांक्षा कार्यक्रम में सफल होकर दिवस दीपांशु ने क्षेत्र का नाम रोशन किया।

दीपांशु ने कहाँ लक्ष्य निर्धारित कर शिक्षा की व्यवस्था किया जाता है मैं पढ़कर न्यायाधीश बनने का लक्ष्य लक्ष्य रखा हूँ. सुदूर ग्रामीण क्षेत्र से अपने सपनों को साकार करने के लिए राजकीय आकांक्षा कार्यक्रम में सफल प्रतिभागी आजाद शेखर दीपांशु 2024 26 के सत्र में आकांक्षा जैसे बेहतरीन सुविधा में क्लेट चयन कर न्यायपालिका क्षेत्र में उच्च स्तरीय वकील या न्यायाधीश बनने का लक्ष्य को लेकर दिनांक 27 जून 2024 को निर्धारित तिथि अनुसार परिजनों के साथ नामांकन करवाया.

इस तरह के बेहतर शैक्षणिक सुविधा में राज्य स्तरीय प्रतियोगिता परीक्षा में सफलता पा रहे शोषित पीड़ित वंचित गरीब लोहार अनुसूचित जनजाति परिवार के छात्र-छात्राओं के सफलता से उनके परिवार समाज समुदाय में एक विशेष प्रेरणा और उम्मीद के किरण दिख रही है. आने वाले भविष्य में राज्य सरकार और केंद्र सरकार द्वारा संचालित आर्थिक रूप से कमजोर परिवार के संस्थानों में प्रतियोगिता से सफलता अर्जित कर अपना भविष्य सुरक्षित करते हुए अपना और अपने समाज गांव से प्रखंड और जिला का नाम रौशन करें ऐसा आशा जगी है. राज्य व केंद्र सरकार द्वारा संचालित नवोदय विद्यालय नेतरहाट विद्यालय केंद्रीय विद्यालय इंदिरा गांधी विद्यालय कस्तूरबा विद्यालय सैनिक सहित मेघा छात्रवृत्ति आकांक्षा कार्यक्रम साथी सीसीएल के लाल और लाडली जैसे अनेक शैक्षणिक संस्थान उपलब्ध है परंतु समय पर जानकारी के अभाव में कई गरीब के होनहार बच्चे वंचित रह जाते हैं.सजग और सक्रिय शिक्षकों के प्रयास से वंचित गरीब बच्चे विद्यालय में ही नामांकन कर पाते हैं।

अनियंत्रित कोल वाहन महुआ के पेड़ से जा टकराया

ग्रामीणों ने की सड़क किनारे से पेड़ को हटाने की मांग

नवीन मेल संवाददाता।
गिद्धौर(चतरा)

गिद्धौर थाना क्षेत्र अंतर्गत बघमरी गांव के समीप रविवार को अनियंत्रित कोल वाहन महुआ पेड़ से जा टकराया। जिसमें वाहन पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। जबकि चालक को मामूली चोट आई है। वाहन कटकमसांडी का बताया जा रहा है। बताया जाता है कि कोल वाहन रविवार को कटकमसांडी रेलवे डिपो से कोयला खाली कर टंडवा लौट रहा था। इसी क्रम में बघमरी गांव के समीप वाहन अनियंत्रित हो गई और पेड़ में जा टकराई। बताते चले की बघमरी गांव के समीप इस महुआ के पेड़ से करीब दो दर्जन कोल वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो चुके हैं। जबकि कई बाइक चालक भी दुर्घटना के शिकार हो चुके हैं। यहां तक की कई चालको की जान भी जा चुकी है। पेड़ को वन विभाग से कई बार हटाने की मांग की गई। परंतु अब तक विभाग द्वारा कोई पहल नहीं किया गया है। वैसे में यह महुआ का पेड़ वाहन चालकों के लिए दुर्घटना की पेड़ साबित हो रहा है। एक बार फिर ग्रामीणों ने वन विभाग से उक्त पेड़ को हटाने की मांग की है।

बेतला नेशनल पार्क में कल से नो एन्ट्री

नवीन मेल संवाददाता। लातेहार

जिले के प्रसिद्ध बेतला नेशनल पार्क में पर्यटकों की एंट्री पर रोक लगा दी गयी है। नेशनल टाइगर कंजर्वेशन अथॉरिटी (एनटीसीए) के निर्देश पर पलामू टाइगर रिजर्व (पीटीआर) में पर्यटकों के प्रवेश पर रोक लगायी गयी है। इसके साथ बेतला नेशनल पार्क की सुरक्षा-व्यवस्था भी कड़ी कर दी गयी है। वन्य प्राणियों के प्रजनन काल के कारण एक जुलाई से तीन महीने के लिए हर साल पलामू टाइगर रिजर्व में नो एंट्री लगा दी जाती है। अब 30 सितंबर तक बेतला नेशनल पार्क का भ्रमण पर्यटक नहीं कर सकेंगे।

पार्क में उनके प्रवेश पर पूरी तरह से रोक रहेगी। एक अक्टूबर से बेतला नेशनल पार्क पर्यटकों के लिए फिर से खोला जायेगा। इस संबंध में रविवार को बेतला नेशनल पार्क के रेंजर शंकर पासवान ने बताया कि वन्य प्राणियों के प्रजनन काल को देखते हुए हर साल मानसून के सीजन में पलामू और लातेहार जिले की सीमा पर स्थित पलामू टाइगर रिजर्व, जिसे बेतला नेशनल पार्क भी कहते हैं, को बंद कर दिया जाता है। उन्होंने बताया कि पार्क बंद होने के बाद जंगल की सुरक्षा और बढ़ा दी जायेगी। पेट्रोलिंग तेज होगी। जगह-जगह पर बनाये गये वाच टावर को भी सक्रिय कर दिया जायेगा। उन्होंने बताया कि सभी वनकर्मियों को इसके लिए विशेष दिशा-निर्देश दिया गया है। नेशनल पार्क के बंद होने के किसी भी तरह की कोई आपराधिक गतिविधि नहीं हो, इसके लिए भी पूरी सुरक्षा व्यवस्था-मजबूत की गयी है। उन्होंने बताया कि विभागीय अधिकारियों के निर्देश पर जंगली जानवरों की सुरक्षा के लिए कई आवश्यक उपाय किये जा रहे हैं। यही कारण है कि जंगल और जानवर पूरी तरह सुरक्षित हैं। उन्होने बताया कि बेतला नेशनल पार्क को तीन महीने के लिए बंद किया जा रहा है लेकिन इस दौरान यदि कोई सैलानी बेतला पहुंचता है, तो वह रेस्ट हाउस में ठहर सकता है। बेतला में वन विभाग के सभी रेस्ट हाउस खुले रहेंगे। कैंटीन भी खुले रहेंगे। लोग पलामू किला, केचकी संगम, मिरचईया जल प्रपात सहित आसपास के दर्जनों पर्यटन स्थल का दीदार कर सकेंगे।

मगध परियोजना में सेवानिवृत्त उप प्रबंधक को दी गई विदाई

नवीन मेल संवाददाता।
बालूमाथ

कोल इण्डिया/ सीसीएल से सेवानिवृत्त होने वाले उप प्रबंधक (खनन) चीतो महतो को मगध परियोजना कार्यालय के सभागार कक्ष में परियोजना पदाधिकारी एस. सत्यनारायणा, खान प्रबंधक मोहम्मद अकरम एवं विभिन्न विभागाध्यक्षों, वरिष्ठ अधिकारियों, कर्मचारियों की उपस्थिति में विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन कर भावभीनी विदाई दी गई। सेवानिवृत्त चीतो महतो को शॉल व पुष्प गुच्छ, सम्मान पत्र, सर्विस सर्टिफिकेट आदि प्रदान कर सम्मानित किया। मौके पर चीतो महतो ने कोल इण्डिया में अपने तीन दशक से अधिक सेवाकाल के दौरान सबके सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने मगध परियोजना में बिताए अपने पलों को साझा करते हुए मगध परियोजना द्वारा दिए गए इस आत्मीय सम्मान के लिए सभी का आभार व्यक्त किया। परियोजना पदाधिकारी एस. सत्यनारायणा, खान प्रबंधक मोहम्मद अकरम ने अपने-अपने उदबोधन में मगध परिवार की ओर से चीतो महतो का अभिनंदन कर कंपनी के प्रति उनकी अथक सेवाओं के लिए धन्यवाद दिया और उनके नम्रता, मिलनसारिता, आत्मीयता, कर्मठता आदि का उल्लेख करते हुए उनके साथ कार्य के दौरान आए अनुभव को सबके साथ साझा किया उनके सेवानिवृत्ति उपरांत सपरिवार सुखमय भविष्य की ईश्वर से कामना की।बता दें कि इस कार्यक्रम के प्रारंभ में स्वागत उद्बोधन कार्यक्रम का संचालन और अंत में धन्यवाद ज्ञापित विभागाध्यक्ष (कार्मिक) अभिषेक आनंद ने किया।

शिक्षा

मुख्यमंत्री मेधा छात्रवृत्ति परीक्षा में 1940 परीक्षार्थियों में 1019 उपस्थित

सफल परीक्षार्थी को सरकार द्वारा मिलती है छात्रवृत्ति

नवीन मेल संवाददाता।
प्रतापपुर (चतरा)

आठवीं वर्ग के छात्र एवं छात्राओं को मेधा छात्रवृत्ति योजना का लाभ मिल सके इसे लेकर मुख्यमंत्री मेधा छात्रवृत्ति परीक्षा का आयोजन किया गया। परीक्षा के लिए प्रतापपुर प्रखंड में पांच परीक्षा केंद्र बनाये गए थे। इन परीक्षा केंद्रों पर प्रखंड के विभिन्न विद्यालयों के 1940 परीक्षार्थियों को परीक्षा में शामिल होना था। लेकिन इस दौरान हुए बारिश का परीक्षार्थियों की उपस्थिति पर असर पड़ा। मिली जानकारी के अनुसार प्लस टू उच्च विद्यालय प्रतापपुर केंद्राधीक्षक कृष्ण कुमार दुबे ने बताया कि इस केंद्र पर 388 परीक्षार्थियों में 189 उपस्थित और 199 अनुपस्थित। बालिका परियोजना उच्च विद्यालय प्रतापपुर के धनंजय शर्मा ने बताया कि इस केंद्र पर 388 परीक्षार्थियों में 185 उपस्थित व 203 अनुपस्थित, कन्या मध्य विद्यालय प्रतापपुर केंद्राधीक्षक पुष्पा कुमारी ने बताया कि इस केंद्र पर 388 परीक्षार्थियों में 187 उपस्थित और 201 अनुपस्थित, मध्य विद्यालय प्रतापपुर केंद्राधीक्षक धीरज कुमार ने बताया कि इस में 388 परीक्षार्थी में 227 उपस्थित और 161 अनुपस्थित, उत्क्रमित मध्य विद्यालय जोगियारा केंद्राधीक्षक छातिष प्रसाद यादव ने बताया कि इस केंद्र पर 388 परीक्षार्थी में 231 उपस्थित और 157 अनुपस्थित रहे। प्लस टू उच्च विद्यालय केंद्र अधीक्षक श्री दुबे ने परीक्षा से संबंधित जानकारी देते हुए बताया कि इस परीक्षा में सफल परीक्षार्थी को झारखंड सरकार द्वारा छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। परीक्षा को संपन्न करने में विभिन्न केंद्रों पर विकास नाथ पाल, बिट्टू पाल, कल्पना देवी, महानंद प्रसाद, विनोद कुमार, रणवीर कुमार सिन्हा, अजय कुमार, सुरेंद्र कुमार, प्रमोद कुमार, पंकज दुबे, अजय कुमार, ललन प्रताप सिंह, प्रवीण कुमार सिन्हा, कीर्ति रानी, प्रेम नारायण, विनीता कुमारी, मनीष पासवान, विश्वजीत सिन्हा, कुजेश्वर यादव, पंकज कुमार, विजय यादव, सुरेंद्र पासवान, राजकुमार शुक्ला, राकेश मिश्रा आदि शिक्षकों का सराहनीय योगदान रहा।

सीरम में बज्रपात से एक महिला घायल व दो मवेशी की मौत

बालूमाथ। बीते शनिवार रात्रि को प्रखंड क्षेत्र के सीरम ग्राम में बरसात के साथ हुई बज्रपात से बुढ़िया मसोमत पति स्वर्गीय निर्मल भगत बज्रपात के चपेट में आ गई जिससे मौके पर घायल हो गई।जिन्हे अस्पताल में इलाज करवाया गया।वहीं दूसरी घटना सीरम बांडीडेरा टोला के बीरेंद्र टाना भगत का दो मवेशी का मौत हो गई। पीड़ित ने बताया कि दोनों मवेशी गर्भवती थी। जिसे मौत हो जाने से लगभग लाख रुपये का नुकसान हो गया है।वहीं घटना की जानकारी मिलते ही भाजपा मंडल अध्यक्ष लक्ष्मण कुशवाहा दोनों पीड़ित के घर पहुंच घटना की जानकारी लिए और सरकार से पीड़ित को उचित मुआवजा देने की मांग की गई।

सड़क दुर्घटना की रोकथाम को लेकर पुलिस ने चलाया वाहन जांच अभियान

नवीन मेल संवाददाता।
बालूमाथ

बालूमाथ थाना पुलिस ने थाना क्षेत्र के रांची चतरा मुख्य मार्ग मुरपा मोड़ चौक के पास वाहन जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान वाहन जांच कर रहे पुलिस पदाधिकारी रामजी ठाकुर ने बतलाया कि क्षेत्र में अपराध पर पूरी तरह नियंत्रण और आए दिन हो रहे सड़क दुर्घटना की रोकथाम को लेकर लातेहार एसपी अंजनी अंजन के निर्देश पर यह वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा है खास तौर पर मोटरसाइकिल जो हेलमेट के बिना असुरक्षित वहन का संचालन करते हैं उन्हें विशेष तौर पर देखी जा रही है इस दौरान दर्जनों मोटरसाइकिल को रोकी गई। जो चालक बिना हेलमेट का गाड़ी चला रहे थे। वैसे चालकों को परिवहन विभाग द्वारा चलान कराया जाएगा।मौके पर रामजी ठाकुर सहित सशस्त्र पुलिस बल के जवान मौजूद थे।

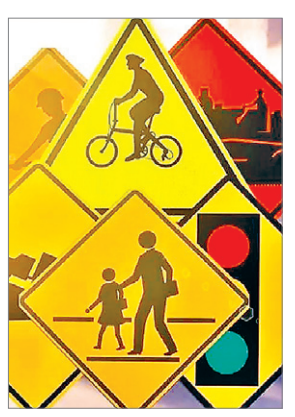

एक नजर

घरेलू विवाद में बेटी ने पिता को मौत के घाट उतारा

गुमला। गुमला जिला अंतर्गत स्थित पालकोट थाना क्षेत्र के तापकारा पंचायत के अंतर्गत रेड़वा गांव में बेटी ने की बाप की हत्या। जानकारी के अनुसार बीते रात्रि शनिवार 11 बजे के आस पास बेटी तेरेसा डुंगडुंग व बाप हिलारुस खड़िया में लडाई हो गया। उसी दौरान बेटी तेरेसा डुंगडुंग ने धान कुटने वाला समाट से पिता के सिर पर वार कर हत्या कर दिया। हत्या करने के बाद बेटी दूसरे लोगों के घर में छुप गयी थी। इधर पालकोट पुलिस को सुचना मिलते ही पुलिस गांव जाकर शव को कब्जे में लेते हुए हत्यारी बेटी को हिरासत में ले लिया है। इधर पालकोट थाना प्रभारी मो जंहागीर से मामले के बारे में बताया कि मृतक की बेटी दिल्ली में रहती थी और उसका दिमागी हालात ठीक नहीं है। कुछ दिन पहले गांव आयी थी।

ट्रेन से गिरकर युवक की दर्दनाक मौत

गुमला। गुमला जिला अंतर्गत स्थित कामडारा थाना क्षेत्र के पोकला रेलवे स्टेशन के समक्ष ट्रेन से गिरकर एक अज्ञात युवक की हुई मौत। प्राप्त सुचना अनुसार बताया जा रहा है की हटिया राउरकेला रेलवे लाइन की खंबा नंबर 487/1113 के समक्ष शनिवार को लगभग 4:30 बजे उक्त ट्रेन से गिरने के फलस्वरूप उक्त अज्ञात युवक की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करने के लिए गुमला सदर अस्पताल भेजा। फलस्वरूप उक्त शव की पहचानी हेतु 72 घंटे तक पोस्टमार्टम हाउस गुमला के शीतगृह में रखवाया गया हैं और अगर उक्त शव का पहचानी नहीं हो पायेगा तो , 72 घंटे बाद उक्त शव का पोस्टमार्टम कराकर उसका अंतिम संस्कार कराया जायेगा।

दो दिनों से हो रही बारिश से नालियों का गंदा पानी घरों में घुसा

चैनपुर। चैनपुर क्षेत्र में लगातार दो दिनों से हो रहे मूसलाधार बारिश से लोगों को गर्मी से राहत तो मिली है। पर लगातार बारिश के कारण चैनपुर बस स्टैंड के समीप नालियों का गंदा पानी रोड पर आ जाने से कचरा का अंबार लग गया है। जिससे आने जाने वाले स्कूली बच्चे सहित राहगीरों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं मेन रोड स्थित कई घरों में नाली का पानी घुस गया जिससे लोग परेशान नजर आए बताते चलें कि चैनपुर मुख्यालय में जहां भी नाली का निर्माण हुआ है। वह मिट्टी और कचड़े से पूरी तरह ढक चुका है।जिसके कारण बरसात आने पर बारिश का पानी और कचड़ा घर में घुस जाता है। जिससे निकलने वाले दुर्गंध से लोगों का रहना मुश्किल हो जाता है। रविवार को आए बारिश से चैनपुर प्रभात खबर संवाददाता के घर में पानी घुस जाने से घर में रखे समान को नुकसान पहुंचा किचन रूम, बेडरूम सहित गलियों में पानी लबालब भर गया।

पानी भरने के दौरान कुएं में गिरी महिला, घायल

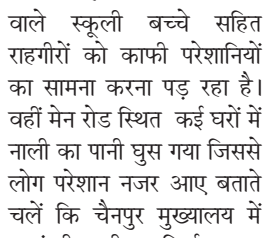

चैनपुर। चैनपुर मुख्यालय स्थित छिनपतरा बस्ती में रविवार को पानी भरने के दौरान पैर फिसलने से रूचनी देवी पति छटन लोहरा उम्र 55 वर्ष कुएं में गिर कर गंभीर रूप से घायल हो गयी। घटना में रूचनी देवी के हाथ एवं पैर में चोटें लगी है। जिसके बाद परिजनों ने उसे चैनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया घटना के संबंध में मिली जानकारी अनुसार रूचनी देवी सुबह में घर के बगल स्थित कुंए में पानी भर रही थी। तभी अचानक उसका पैर फिसल गया और वह कुएं में जा गिरी।

नाबालिक युवक ने गौशाला में फांसी लगाकर दी जान

नवीन मेल संवाददाता। भंडरा

थाना क्षेत्र की भीठा गांव में बीती देर शाम गांव के एक नाबालिक युवक ने अपने घर के गौशाला में रस्सी के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. बताया जाता है की गांव के सोमरा उरांव का 17 वर्षीय पुत्र अनूप उरांव शनिवार की शाम घर में अकेला था।

घर के सभी सदस्य खेत में काम करने गए थे। इसी दौरान सोमरा का पुत्र अनूप उरांव घर के पीछे गौशाला में रस्सी के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सोमरा देर शाम घर लौटकर घर में आराम कर रहा था। इस दौरान गांव के कुछ लोगो ने सोमरा के गौशाला में शव झूलता देख सोमरा को इसकी सुचना दी। सोमरा तत्काल गौशाला पंहुचा तो देखा उसका छोटा पुत्र अनूप रस्सी के सहारे आत्महत्या कर ली है। ग्रामीणों की मदद से शव को निचे उतार कर घटना की सुचना स्थानीय मुखिया व भंडरा पुलिस को दी। पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौप दिया। आत्महत्या की घटना के कारणों का पता नहीं चल सका है। ग्रामीणों ने बताया की सोमरा का तीन पुत्र व एक पुत्री थी। घटना के बाद गांव में शोक की लहर है। वही परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है।

सार्पदंश से हुई बच्ची की मौत

लोहरदगा। किस्को इचवा टांड़ में घर पर सोई बच्ची के गर्दन पर रसल वाइपर नामक जहरीले सांप ने काटा लिया। जिससे बच्ची की मौत हो गई है। जानकारी के अनुसार इचवा टांड़ निवासी बैतू नगेशिया की 12 वर्षीय पुत्री सुनीता नगेशिया घर पर सोई हुई थी। इसी बीच सांप ने उसके गर्दन पर काट लिया, बच्ची ने घटना की जानकारी परिजनों को दी। बच्ची के परिजन बच्ची को स्वास्थ्य केंद्र ले जाने के बजाय झाड़-फूंक में लगे रहे, समय गुजरता गया और सांप के जहर ने अपना असर दिखाया और बच्ची की मौत हो गई।

20 अगस्त को पतंजलि के योग साधकों का होगा मंडल स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन

नवीन मेल संवाददाता। लोहरदगा

पतंजलि योग समिति के राज्य सह प्रभारी रासबिहारी तिवारी का आज लोहरदगा आगमन हुआ। लोहरदगा प्रवास के दौरान उन्होंने भारत स्वाभिमान न्यास के जिला प्रभारी प्रवीण भारती, राज्य कार्यकारिणी सदस्य जिला संरक्षक शिव शंकर सिंह, पतंजलि योग समिति, युवा भारत, वरीय योग शिक्षकों की उपस्थिति में आगामी 20 अगस्त को मंडल स्तरीय योग शिक्षकों का कार्यकर्ता सम्मेलन लोहरदगा में भव्य आयोजन के संबंध में विस्तार पूर्वक चर्चा परिचर्चा की।

बैठक गुरुकुल शांति आश्रम में आयोजित की गई। इस दौरान उन्होंने बताया कि लोहरदगा के अलावे मंडल स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन में क्षेत्र के योग साधक साधकों की मौजूदगी रहेगी। सम्मेलन में लोहरदगा के अलावे गुमला, सिमडेगा, लातेहार, पलामू, गढ़वा आदि जिलों के पदाधिकारी एवं योग साधक भाग लेंगे।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पतंजलि योगपीठ, हरिद्वार मुख्य केंद्रीय प्रभारी आदरणीय राजेश कुमार उपस्थित रहेंगे।

कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी प्रकोष्ठों जिनमे भारत स्वाभिमान न्यास, पतंजलि योग समिति, युवा भारत, किसान समिति के पदाधिकारी एवं कार्यकताओं की गठित टीम प्रखंडों का प्रवास कर अधिक से अधिक योग साधकों को कार्यक्रम हेतु जोड़ेंगे। इसके लिए पांच दिवसीय योग शिविर का भी आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के सफलता के लिए व्यापक व्यापक रूप से जनसंपर्क एवं प्रचार प्रसार करने का संकल्प लिया गया। बैठक में सह राज्य प्रभारी रासबिहारी तिवारी के अलावा भारत स्वाभिमान न्यास के जिला प्रभारी प्रवीण भारती, गुरुकुल शांति आश्रम के आचार्य शरचचंद्र आर्य, अर्जुनदेव आर्य आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

पांच दिवसीय द्वितीय व अंतिम बैच के प्रशिक्षण कार्यशाला का हुआ आयोजन

नवीन मेल संवाददाता। लोहरदगा

पीएमश्री विद्यालयों के शिक्षकों का पांच दिवसीय द्वितीय व अंतिम बैच के प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन डायट चिरी के सभाकक्ष में आयोजित किया गया। पीएमश्री विद्यालयों के सर्वांगीण विकास के निमित भारत सरकार के निदेर्शानुसार उक्त विद्यालय के सभी शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया गया जिसमें ग्रीन स्कूल क्लीन स्कूल, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, स्कूल लीडरशीप, मेन्टल हेल्थ, पीएमश्री स्कूल का एक्शन प्लान, नवाचार, आत्मरक्षा, व्यवसायिक शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, प्रोजेक्ट इम्पेक्ट इत्यादि विषयों पर जानकारी दी गयी। समापन समारोह में प्रशिक्षक अरुण राम ने बतलाया कि सरकारी विद्यालयों के शिक्षकों में अतिरिक्त योग्यता होती है, इस अतिरिक्त योग्यता को अवसर में बदलने की आवश्यकता है। इस प्रशिक्षण का विशेष महत्व है। सभी अपने अपने विद्यालय में जाकर कार्य दायित्व का बंटवारा करते हुए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 प्रोजेक्ट इम्पैक्ट के सभी निदेर्शों को लागू करेंगे ताकि सभी बच्चों के सर्वांगीण विकास हो सके। प्रशिक्षक महबूब आलम ने बतलाया कि प्रशिक्षण के दौरान सभी का प्रदर्शन बेहतर रहा है, अब सभी का दायित्व और भी ज्यादा हो गया है। विद्यालय में जाकर बाल हित में कार्य करेंगे।

विश्व हिन्दू परिषद ने सिसई प्रखंड में मासिक अभ्यास का वर्ग किया प्रारंभ

इस प्रकार का अभ्यास कार्यकताओं को समाज के बीच जाकर कार्य करने की जानकारी देता है : चंद्रकांत रायपत

नवीन मेल संवाददाता। गुमला

गुमला जिला विश्व हिंदू परिषद गुमला ने सिसई प्रखंड स्थित सरस्वती शिशु विद्या मन्दिर कुदरा ग्राम में मासिक अभ्यास वर्ग संपन्न हुआ। अभ्यास वर्ग का शुभारंभ भारत माता के चित्र पर दीप प्रज्वलन तत्पश्चात तीन बार प्रणवोच्चार, एकात्मता मंत्र एवं तेरह बार विजय महामंत्र से किया गया। विभिन्न सत्रों में सिसई प्रखंड के कुल बारह पंचायत से आए विहिप, बजरंग दल, दुगार्वाहिनी-मातृशक्ति के लोग ने प्रशिक्षण लिया। अभ्यास वर्ग में संगठन की न्यूनतम व आधारभूत जानकारी लोगों को दी गई। समापन सत्र में विहिप प्रांत अध्यक्ष चंद्रकांत रायपत ने संबोधित करते हुए कहा इस प्रकार का अभ्यास वर्ग में कार्यकताओं को समाज के बीच जाकर कार्य करने की जानकारी प्राप्त होती है। उन्हें अपने धर्म संस्कृति एवं मान बिंदुओं की रक्षा हेतु स्वयं सजग रहकर हिन्दू समाज को जागृत करने की प्रेरणा मिलती है। मौके पर प्रांत संगठन मंत्री देवी सिंह जी, प्रांत सहमंत्री सह गुमला विभाग पालक रंगनाथ महतो जी उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि चार घंटे का अभ्यास से हम अपने जीवन को राष्ट्रहित में हिन्दू समाज के लिए लगाने की ऊर्जा प्राप्त होती है। साथ ही विश्व हिंदू परिषद सिसई द्वारा सिलाई प्रशिक्षण केंद्र खोला गया बसिया रोड में केंद्र का उद्घाटन प्रदेश अध्यक्ष चंद्रकांत रायपत द्वारा पूजा पाठ कर विधि विधान से उद्घाटन किया गया, सिलाई प्रशिक्षण केंद्र में सिलाई का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

मौके विश्व हिंदू परिषद झारखंड प्रदेश (प्रांत) अध्यक्ष चंद्रकांत रायपत विश्व हिंदू परिषद झारखंड प्रांत संगठन मंत्री देवी सिंह, प्रांत सह, मंत्री रघुनाथ महतो, गुमला विभाग मंत्री केशव चंद्र, से गुमला विभाग संगठन मंत्री कुलदीप सिंह , गुमला जिला सह मंत्री मनीष बाबू, अमर साहू, वैजयंती देवी सहित आनेकों प्रखंड पंचायत ग्राम के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

विद्युत आपूर्ति में सुधार नहीं होगा तो होगा उग्र आंदोलन : चेंबर ऑफ कॉमर्स

छोटे व्यापारियों को हो रहा है काफी नुकसान

बिजली मिस्त्री की निर्धारित नहीं होती है फीस

नवीन मेल संवाददाता। गुमला

चैंबर ऑफ कॉमर्स गुमला ने बिजली विभाग को अपने बिजली विभाग में सुधार करें की चेतावनी दी है। अगर बिजली विभाग द्वारा गुमला में बिजली आपूर्ति की स्थिति में सुधार नहीं करती है तो उग्र आंदोलन और प्रदर्शन का सामना करना पड़ेगा क्योंकि लगातार विद्युत आपूर्ति बाधित होने के फलस्वरूप स्थानीय आम नागरिकों और संबंधित व्यापारियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बिजली आपूर्ति बाधित रहने के कारण जिला मुख्यालय में पेयजल आपूर्ति भी नहीं हो पा रही है। फल स्वरुप लोग बूंद-बूंद पेयजल के लिए तरस रहे हैं। फिर भी बिजली विभाग के उच्च पदाधिकारी से लेकर कर्मचारियों तक के कान में जूं नहीं रेंग रही है। और तो और बिजली मिस्त्रियों को तो बिजली उपभोक्ताओं से अवैध उगाही से फुर्सत ही नहीं मिलती हैं। मात्र बिजली पॉल में चढ़ने का अवैध फीस हैं मात्र 200 रू, विद्युत विभाग गुमला की आक्रमान्यता और कार्य शिथिलता के कारण गुमला के आम नागरिकों और व्यापारियों को उद्योग धंधे में बड़ी नुकसान का सामना करना पड़ रहा हैं जिसकी भरपाई करेगा कौन? पूछता है आम व्यापारी, गुमला में बहुत सारे छोटे-छोटे उद्योग धंधे है जो बिजली से चलती है। पर बिजली रानी कब आएगी और कब जायेगी, उसकी कोई गारंटी नहीं रहती हैं। और ना ही इसकी गारंटी विद्युत विभाग देता है । थोड़ी सी बारिश हुई नहीं की बिजली रानी गुल, और-तो-और आकाशीय बिजली, वज्रपात के बहाने बिजली विभाग के द्वारा घंटो बिजली आपूर्ति काट दी जाती है क्यों जिसके कारण उद्योग धंधे बंद होने के कगार में पहुंच गई हैं। आखिर कब तक गुमला में यह सब गोरखधंधा, कब तक चलता रहेगे और इसका जबाब कौन देगा?

मेरा गुमला जिला प्रशासन से आग्रह है, की उक्त बिजली से संबंधित समस्या को गंभीरता से लेते हुए , बिजली विभाग में सुधार कराने का कष्ट करेंगे, ताकी आम नागरिकों को बिजली के लिए परेशान नहीं उठाना पड़े , और बिजली की आंख मिचौली के कारण विशेषकर पढ़ाई करने वाले छात्र छात्राओं को उनकी पढ़ाई करने में कोई दिक्कत ना हो , अगर एक दो दिनों मे अंदर विद्युत आपूर्ति में सुधार नहीं होता है , तो मजबूरन चेंबर ऑफ कॉमर्स गुमला , विद्युत विभाग के विरुद्ध उग्र आंदोलन और प्रदर्शन श्रकरने के लिए बाध्य हो जायेगी। जिसकी जिम्मेवारी स्थानीय जिला प्रशासन और विद्युत विभाग पर होगी।

सुब्रतो कप फुटबॉल प्रतियोगिता का फाईनल आज

हार और जीत खेल का हिस्सा है : उपायुक्त

नवीन मेल संवाददाता। गुमला

गुमला आज रविवार को झारखंड शिक्षा परियोजना गुमला द्वारा जिला स्तरीय सुब्रतो कप फुटबॉल प्रतियोगिता आरंभ किया गया जिसका शुभारंभ उपायुक्त गुमला कर्ण सत्यार्थी की अध्यक्षता में दीप प्रज्वलित कर किया गया ।

मौके पर उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी ने सभी खिलाड़ियों से मुलाकात की एवं उनका मनोबल बढ़ाया उन्होंने खिलाड़ियों को पूरे ईमानदारी और लगन के साथ खेलने की बात कही। उन्होंने कहा कि यह मौका है अपने प्रतिभा को दिखाने का, जिला स्तरीय विजेता टीम 2 जुलाई को राज्य स्तर पर होने वाले प्रतियोगिता में भाग लेंगे। उपायुक्त ने कहा कि हार एवं जीत खेल का हिस्सा है जो भी टीम जीत हासिल नहीं कर पाएगी वे अपने हार से सिख लेंगे एवं आगे और बेहतर करने के लिए मेहनत करेंगे। सभी खिलाड़ी अपने आप में बेहतर हैं।

संत इग्नेसियस उच्च विद्यालय तथा संत पैट्रिक विद्यालय परिसर में आयोजित इस प्रतियोगिता में जिला के सभी प्रखंड स्तर की अंडर 17 बालिका एवं बालक तथा अंडर 15 बालक वर्ग की टीम भाग ले रही है। जिला शिक्षा पदाधिकारी नूर आलम खां के नेतृत्व में शिक्षा विभाग के कर्मियों एवं साधनसेवियों द्वारा संचालित इस प्रतियोगिता का 01 जुलाई को पुरस्कार वितरण के साथ समापन किया जाएगा। आज के कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला शिक्षा पदाधिकारी नूर आलम खां, जिला खेल पदाधिकारी मनोज कुमार, एडीपीओ पियूष कुमार सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी मौजूद रहें।

अवैध गोवंश पशुओं से भरा पिकअप वैन गड्ढे में गिरा

नवीन मेल संवाददाता। गुमला

गुमला जिला अंतर्गत स्थित घाघरा बाबा धाम पुल के समीप तस्करी के लिए ले जाये जा रहे हैं मवेशी से भरा मालवाहक पिकअप पलटने से कई मवेशी की स्थिति गंभीर बनी हुई है। वहीं वाहन चालक फरार हो गया। घटना की सूचना मिलने पर ग्रामीण घटना स्थल पहुँचे और थाना को जानकारी दी। ग्रामीणों के सहयोग से घायल मवेशियों को पानी पिलाया गया। ग्रामीणों के अनुसार घटना शनिवार की देर रात की बताई जा रही है। घटना की सूचना रात को ही मिलने पर पुलिस घटनास्थल पहुंची थी और मवेशी की निगरानी करती रही ताकि उसकी जान बचाई जा सके। जानकारी के अनुसार मालवाहक पिकअप जेएच01 भी 4710 आदर की ओर से घाघरा की ओर तेज रफ़्तार से आ रहा था। बाबाधाम पुल के समीप तीखा मोड़ होने के कारण पिकअप अनियंत्रित हो गया और एक पेड़ से जा टकराया। टक्कर इतना जोर से मारा की पिकअप पेड़ में कुछ दूर चढ़ कर लटक गया। घटना के बाद सभी फरार हो गये। पिकअप में क्रूरता पूर्वक एक दर्जन मवेशियों के चारो पैर बांधकर ले जाए जा रहे घटना के बाद सभी मवेशी 20 फीट नीचे जा गिरा जिससे

सभी घायल हो गए कुछ की मौत हो गई। यहां बता दे की मवेशी तस्कर बेखौफ होकर धड़ले से तस्करी का खेल खेल रहे हैं।इस संबंध में थानेदार से पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि मामले की छानबीन की जा रही है तस्करी में संलिप्त लोगों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस लेन चंदाली में रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन

नवीन मेल संवाददाता। गुमला

गुमला जिला मुख्यालय में आज शनिवार को जिला के भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी गुमला शाखा के द्वारा चंदाली ग्राम स्थित पुलिस लाइन में एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान मुख्य अतिथि के रूप में सोसाइटी के अध्यक्ष सह उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी एवं पुलिस अधीक्षक गुमला शंभू कुमार सिंह की उपस्थिति रही। इस दौरान जिला पुलिस अधीक्षक शंभू कुमार सिंह के द्वारा ब्लड डोनेशन करते हुए इस शिविर की शुरूआत की गई। आज के शिविर में सभी पुलिस पदाधिकारियों एवं कर्मियों ने रक्तदान किया । आज के शिविर में कुल 26 यूनिट रक्त का संग्रहण हुआ। मौके पर उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी ने कहा कि पुलिस प्रशासन द्वारा आम नागरिको के सहयोग एवं सहायता के लिए सदैव अपनी तत्परता दिखाई गई है आज के ब्लड डोनेशन कैंप में भी सभी पुलिस कर्मियों ने रक्त दान करते हुए मरीजों के जीवन दान करने में भी अपनी भूमिका निभाई है। उपायुक्त ने कहा कि आगे भी इसी प्रकार से भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी गुमला शाखा के द्वारा रक्तदान शिविर की अपेक्षा की जाएगी। उपायुक्त ने जिले के नागरिकों से भी अपील कि की वे भी रक्तदान करते हुए जीवन दान के इस अभियान से अवश्य जुड़े। मौके पर पुलिस अधीक्षक शंभू कुमार सिंह ने कहा कि रक्त ऐसी चीज है जिस का निर्माण नहीं किया जासकता है ऐसी स्थिति में हम सभी नागरिकों को रक्तदान करने की आवश्यकता पड़ती है ।

न्यूज बॉक्स

नाबालिक युवती ने फांसी लगाकर आत्महत्या का किया प्रयास

भंडरा । भंडारा थाना क्षेत्र के कसपुर नवाटोली गांव में एक नाबालिक लड़की द्वारा दुपट्टे के सहारे फांसी लगा कर आत्महत्या करने का प्रयास किया गया पर समय रहते उसे बचा लिया गया। फिलहाल नाबालिक युवती का इलाज भंडरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चल रहा है। बताया जाता है कि कसपुर नवाटोली गांव निवासी शम्भू उरांव की 17 वर्षीय पुत्री मोनिका उरांव रविवार को घर में मोबाइल देख रही थी। उसके पिता द्वारा मोबाइल देखना छोड़ काम करने की बात कही गई। जिससे युवती काफी गुस्सा हो गई और 4:30 बजे जब घर के सभी सदस्य खेतों में काम कर रहे थे। इसी दौरान मोनिका ने घर में ही दुपट्टे के सहारे फांसी लगाने की कोशिश कर रही थी। इस दौरान पास के एक बच्चे ने मोनिका को फांसी लगाने का प्रयास करता देख तत्काल मोनिका के भाइयों को इसकी जानकारी दी। इसके बाद तत्काल मोनिका के भाई घर पहुंच कर मोनिका को फांसी लगाने से बचा लाया गया। हालांकि फांसी के प्रयास में मोनिका की स्थिति नाजुक हो गई थी। इसके बाद परिजनों ने मोनिका को भंडरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचा। जहां प्राथमिक उपचार कर लोहरदगा सदर रेफर किया गया है। युवती फिलहाल खतरे से बाहर है।

वरीय पदाधिकारी ने पेशरार प्रखंड का किया निरीक्षण, योजनाओं की समीक्षा की

लोहरदगा। भूमि सुधार उप समाहर्ता सुजाता कुजूर-सह-वरीय पदाधिकारी ने पेशरार प्रखंड का निरीक्षण किया। इस दौरान वरीय पदाधिकारी द्वारा प्रखंड मुख्यालय सभागार में प्रखंड में संचालित योजनाओं के प्रगति की समीक्षा की। इसमें मनरेगा योजनाओं यथा दीदी बाड़ी योजना, बिरसा हरित ग्राम योजना, वीर शहीद पोटो हो खेल विकास योजना, बिरसा कूप संवर्धन अबुआ आवास योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना समेत अन्य योजनाओ की समीक्षा की। इस मौके पर टाना भगत का एक प्रतिनिधिमंडल भी वरीय पदाधिकारी से मिला और अपनी समस्याओं से अवगत कराया। वरीय पदाधिकारी द्वारा प्रखंड विकास पदाधिकारी को योजनाओं में प्रगति लाने के निदेश दिये और टाना भगतों की समस्याओं के निवारण का आश्वासन दिया।

खो-खो प्रतियोगिता में शीला अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर लोहरदगा का उत्कृष्ट प्रदर्शन

लोहरदगा। विद्या विकास समिति झारखंड द्वारा आयोजित 35 वां प्रांतीय कबड्डी एवं खो-खो खेलकूद प्रतियोगिता में शीला अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर लोहरदगा के भैया के टीम ने प्रांत स्तर पर किशोर वर्ग में चतरा को हराकर प्रथम स्थान प्राप्त किया, साथ ही साथ बाल वर्ग में गुमला को हराकर प्रथम स्थान प्राप्त किया, बाल वर्ग बहन की टीम कब्बड्डी में प्रांत स्तर पर तृतीय स्थान प्राप्त किया। यह प्रतियोगिता सरस्वती विद्या मंदिर देव नगर दुग्धा, बोकारो में आयोजित हुई। विद्यालय की इस उपलब्धि पर विद्या विकास समिति के प्रदेश सचिव अजय कुमार तिवारी, गुमला विभाग के विभाग प्रमुख अखिलेश कुमार, विद्यालय प्रबंध कारणी समिति के अध्यक्ष शशिधर लाल अग्रवाल, सचिव अजय प्रसाद, उपाध्यक्ष विनोद राय, कोषाध्यक्ष अनिल अग्रवाल , समिति सदस्य, विद्यालय के प्रधानाचार्य बिपिन कुमार दास , आचार्य आचार्या एवं अभिभावक गण ने बधाई एवं शुभकामना दी ।

कुडू प्रखंड में लगा 200 केवी का ट्रांसफार्मर

कुडू। कुडू प्रखंड अंतर्गत ककड़गढ़ पंचायत के ग्राम कक्करगढ़ में काफी समय से 200 केवी ट्रांसफार्मर की मांग थी और क्षेत्र में बिजली बाधित हो रही थी। इस बीच स्थानीय विधायक सह मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव द्वारा क्षेत्र भ्रमण के दौरान ग्रामीणों ने अपनी समस्या रखी और मंत्री को अवगत कराया। इस दौरान मंत्री ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 200 केवी का ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराया। जिसका उद्घाटन विधायक प्रतिनिधि निशीथ जायसवाल द्वारा किया गया। मौके पर विधायक प्रतिनिधि निशीथ जायसवाल ने कहा कि मंत्री लोहरदगा की जनता की सेवा के लिए तत्पर हैं। उनके द्वारा क्षेत्र भ्रमण कर सभी समस्याओं का ऑन द स्पॉट समाधान किया जा रहा है। इसके साथ साथ गठबंधन सरकार ने भी कैबिनेट में 200 यूनिट बिजली मुफ्त करने की घोषणा की है। जिससे ग्रामीण जनता में काफी हर्ष है। मौके पर युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष विशाल डुंगडुंग, रविन्द्र सिंह खेरवार,असलम अंसारी, पंचायत अध्यक्ष नयूम अंसारी, सेराजूल अंसारी, खलील अंसारी, ताहिर अंसारी, सनाउल्लाह अंसारी,समीम अंसारी,तौहीद अंसारी,मुमताज अंसारी,नसीम अंसारी,मोजमिल अंसारी ससिता उरांव आदि उपस्थित थे।

अज्ञात अपराधियों के विरुद्ध चोरी का मामला दर्ज

लोहरदगा। सेन्हा के चंदकोपा में लाखों रुपये के जेवरात एवं नगद राशि चोरी मामले में अज्ञात अपराधियों के विरुद्ध पुलिस ने सेन्हा थाना में कांड संख्या 50/24 दर्ज कर धारा 380 आईपीसी के तहत कारवाई आरम्भ कर दिया गया है। ज्ञात हो कि लोहरदगा जिला अंतर्गत सेन्हा थाना क्षेत्र के चंदकोपा निवासी स्वर्गीय राधामोहन साहू के 42 वर्षीय पुत्र संदीप साहू के घर शुक्रवार रात्रि अज्ञात अपराधियों द्वारा लाखों का जेवरात तथा नगद 85 हजार चोरी घटना को अंजाम दिया गया था। पीड़ित संदीप साहू के लिखित चोरी आवेदन के आलोक में सेन्हा थाना प्रभारी अजित कुमार मामला को संज्ञान में लेते हुए थाना कांड संख्या 50/24 दर्ज कर पुलिस कारवाई आरम्भ कर दिया गया। चोरी घटना मामला में थाना प्रभारी ने जानकारी देते हुए कहा कि विधि विज्ञान टीम के द्वारा जांच प्रकिया पूरी कर ली गई है। उन्होंने कहा अन्य विधि का प्रयोग किया जा रहा है। बताते हुए कहा कि आवेदक के मां का सोना एवं चांदी जेवरात 5,74,000 तथा आवेदक के पत्नी विभा देवी के सोना,चांदी का जेवरात 2,18,000 हजार की चोरी अज्ञात चोरों द्वारा किया गया है। चोरी घटना के पूर्व से आवेदक के पूरे परिवार घर से बाहर गए हुए थे। चोरी को अंजाम देने के पूर्व अपराधियों ने पड़ोसी का बल्ब खोलकर अंधेरा किया और दरवाजा में बाहर से कुंडी लगा साड़ी से बांध कर संदीप साहू के घर का आठ ताला तोड़ अंदर घुस बारीकी से एक एक कर सभी गोदरेज बक्सा एवं अन्य समान को उथल पुथल कर चोरी घटना को अंजाम दिया।

दक्षिण कोयल नदी का पुल हादसे को दे रह आमंत्रण

गुमला। गुमला जिला अंतर्गत स्थित बसिया प्रखंड मुख्यालय स्थित दक्षिण कोयल नदी पुल बरसात के दिनों में एकबार फिर हादसे को आमंत्रित कर रहा है। तेज बारिश होने पर यहां वाहन चालकों को जान जोखिम में डाल कर पुल पार करना पड़ रहा है। पुल में पानी निकासी कि जगह नहीं होने एवं बीच पुल में सड़क पर बने गड्ढे में घुटने तक पानी भर जाता है जिससे छोटे बड़े वाहनो को पुल से पार करना काफी जोखिम भरा हो जाता है। यहाँ से होकर निरंतर काफी संख्या में आवागमन कर रहें वाहनों एवं उनकी तेज रफ्तार से हमेशा दुर्घटना का खतरा बना रहता है. रविवार को पहली बार हुई तेज बारिश के बाद पुल के बिचोबीच में पानी जमने से यहाँ सड़क जाम की स्थिति बन गई थी।

एक नजर

तिसरी में जेबीकेएसएस/जेएल केएम की प्रखंड स्तरीय बैठक संपन्न

गिरिडीह (तिसरी)। धनवार विधानसभा के तिसरी प्रखंड में JBKSS/JLKM का प्रखंड स्तरीय बैठक केंद्रीय सचिव-सह- धनवार विधानसभा नेता राजदेश रतन के नेतृत्व में संपन्न हुआ। जिसमें प्रखंड में संगठन विस्तार के साथ-साथ श्री जयराम कुमार महतो के विचारधारा को कैसे जन-जन तक पहुंचाई जाय, इस पर चर्चा परिचर्चा हुई। ज्ञात हो कि संगठन के केंद्रीय सचिव-सह-धनवार विधानसभा नेता राजदेश रतन जी के नेतृत्व में लगातार धनवार विधानसभा के प्रखंडों तथा पंचायतों में संगठन का विस्तार किया जा रहा है। आज की बैठक में मुख्य रूप से अभिनव कुमार, अतुल कुमार, रोहित कुमार, जितेंद्र कुमार, यादव प्रदीप कुमार, विशाल कुमार, पवन कुमार, कुंदन कुमार, सचिन कुमार यादव, गुरुदेव कुमार यादव, दानिश खान, रोहित कुमार, विकास कुमार, अमरजीत कुमार, शंकर कुमार, सुरेश साव, रितेश कुमार सिंह तथा अन्य साथी मौजूद थे।

देवचंद मोड से एक गोवंशीय पशु तस्कर गिरफ्तार, भेजा गया जेल

बरही । ग्रामीणों की सूचना पर संज्ञान लेते हुए बरही पुलिस ने गोवंशीय पशु तस्कर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया. जानकारी देते हुए पुलिस इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी चंद्रशेखर कुमार ने बताया कि कोनरा निवासी मो जुबेर को देवचन्दा मोड के पास ग्रामीणों ने दो गोवंशीय पशु के साथ पकड़ा कर पुलिस को सूचित किया. मामले की जानकारी होते ही पुलिस घटना स्थल पर पहुंची और मामले का सत्यापन किया. पूछ ताछ के क्रम में गिरफ्तार युवक ने गो वंशीय हत्या को स्वीकारा किया. जिसे तत्काल गिरफ्तार करते हुए कांड संख्या 281/24 दर्ज करते हुए न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

कुकडू और ईचागढ़ में विधिक जागरूकता शिविर

ईचागढ़। जिला विधिक सेवा प्राधिकार सरायकेला के तत्वावधान में कुकडू और ईचागढ़ प्रखंड के कार्यालय सभागार में रविवार को विधिक जागरूकता सह सशक्तीकरण शिविर का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में चांडिल अनुमंडल न्यायालय के एसडीजेएम अमित खन्ना उपस्थित हुए। वहीं, कुकडू प्रखंड में आयोजित कार्यक्रम में प्रखंड प्रभारी बीडीओ कीकू महतो सहित सभी विभागों के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे। कार्यक्रम में लाभुकों के बीच पेंशन, केसीसी ऋण, क्रेडिट लिंकेज चेक वितरण, अबुआ आवास, जॉब कार्ड वितरण, फूलो झानों आशीर्वाद योजना का चेक समेत कई योजनाओं का स्वीकृति पत्र भी दिया गया। किसानों को पम्प सेट, छात्रों को साइकिल भी दिया गया।

हाईवा की चपेट में आने से बाल-बाल बचे कार सवार

घाटशिला। घाटशिला थाना क्षेत्र के फुलडुंगरी स्थित अनुमंडल अस्पताल के समीप रविवार को बालू लदा हाइवा से कार पास लेने के दौरान अनियंत्रित हाइवा विपरीत दिशा में काट दिया। हाइवा से बचने के लिए दुर्योधन महतो ने एनएच 18 फोरलेन के डिवाइडर पर कार चढ़ा दी। इससे उनकी जान बच गई। इस दुर्घटना में दुर्योधन महतो बाल-बाल बच गए जबकि उनकी कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। उन्होंने कहा कि अनुमंडल अस्पताल के समीप अंडरपास की मांग वर्षों से की जा रही है, परंतु यहां के सांसद विधायक के कान में जूं तक नहीं रेंगता।

कोदईबांक में ढ़ह गया सड़क का हिस्सा

- बारिश ने खोली 6 माह पहले बनी सड़क की गुणवत्ता की पोल
- सड़क के अंदर बना सुरंगनुमा गोफ

नवीन मेल संवाददाता। तिसरी

सरकारी योजनाओं में होने वाले भ्रष्टाचार की बात किसी से छुपी हुई नहीं है. सरकार द्वारा चलाए जा रहे योजनाओं में अक्सर भ्रष्टाचार की बातें सामने आती रहती है। ऐसे में राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना इससे अछूता कैसे रह सकता है। गिरिडीह जिले के तिसरी प्रखंड अंतर्गत बेलवाना पंचायत से ताजा मामला सामने आया है। जहां 6 माह पहले बनें सड़क ने मानसून की पहली बौछार में ही जवाब दे दिया। दरअसल मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना द्वारा कोदईबांक से बेलवाना तक लगभग 4 करोड़ रुपए की लागत से करीब साढ़े 3 किमी तक सड़क का निर्माण करवाया गया था। शनिवार की शाम हुई तेज बारिश से कोदईबांक के पास उक्त सड़क का हिस्सा ढह गया। जिससे सड़क के अंदर सुरंगनुमा गोफ बन गया है। वहीं गार्डवॉल नहीं रहने के कारण लगभग चार जगहों पर पानी के साथ सड़क के नीचे की मिट्टी भी बह गई है जिससे जगह - जगह गोफ बन गया है। साथ ही सड़क के नीचे की मिट्टी बहने से आस - पास के खेत भर गए हैं।

▶ इसको लेकर रविवार को पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि उमर फारुख के नेतृत्व में दर्जनों ग्रामीणों ने मीडिया के माध्यम से इसकी शिकायत की। मुखिया प्रतिनिधि उमर फारूक ने कहा कि इस सड़क का निर्माण 6 माह पहले ही हुआ है, लेकिन पहली बारिश में ही सड़क धंस गया है तो कई जगहों पर गोफ बन चूका है। इसमें कहीं न कहीं संवेदक की लापरवाही है जिसके कारण ऐसी स्थिति बनी है। विधायक बाबूलाल मरांडी से आग्रह है कि कुछ जगहों पर गार्डवॉल बनवाने की ओर ध्यान दिया जाए वरना सड़क नहीं टिकेगी। कहा कि विभाग तत्काल इस सड़क की मरम्मत करवाए नहीं तो कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।

▶ कोदईबांक निवासी मंझली हांसदा ने बताया कि सड़क धंस जाने से उनके खेत में मिट्टी भर गया है अब बोआई करने में समस्या आ रही है। उन्होंने कहा कि वे लोग खेती कर के ही जीविका चलाते हैं। अब खेती कैसे होगी, इसकी भरपाई कौन करेगा?

▶ बेलवाना निवासी साहिदा खातून ने कहा कि सड़क धंसने के कारण उनका खेत मिट्टी से भर गया है। हमारा इतना नुकसान हुआ है उसकी भरपाई कौन करेगा?

▶ वहीं इस संबंध में विभाग के जेई अभिलेश कुमार से फोन पर संपर्क किया गया तो उन्होंने बताया कि 3 वर्षों तक कार्य में मेंटेनेंस की जिम्मेवारी संवेदक की है। क्षतिग्रस्त हुए सड़क की मरम्मत की जाएगी।

यहां बता दें कि कोदईबांक सूबे के पहले मुख्यमंत्री, वर्तमान में क्षेत्र के विधायक सह भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी का पैतृक आवास है।

ऐसे में जब इनके क्षेत्र में सड़क निर्माण कार्य की यह स्थिति है तो अन्य स्थानों का क्या हाल होगा इसका सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है।

जेबीकेएसएस ने गोविंदपुर के कुरमीडीह गांव में किया महिला मोर्चा का विस्तार

नवीन मेल संवाददाता। धनबाद

झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति (जेबीकेएसएस) इस बार आगामी सिंदरी विधानसभा चुनाव में ऐतिहासिक जीत को लेकर बिल्कुल तैयारी कर चुकी हैं। इसी दरम्यान झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति केंद्रीय कमेटी के निदेर्शानुसार आज धनबाद जिले अंतर्गत गोविंदपुर प्रखंड बरवाअड्डा जोंन के बड़ा पिछड़ी पंचायत कुरमीडीह गांव में लगभग दो सौ महिलाओं के उपस्थिति में महिला मोर्चा संगठन विस्तार, प्रखंड कमिटी पंचायत कमेटी और बुथ स्तरीय कमेटी के मजबुती प्रदान करने का निर्णय लिया गया । केंद्रीय महासचिव उषा महतो के उपस्थिति से बरवाअड्डा जोंन क्षेत्र में महिला मोर्चा संगठन विस्तार को लेकर पुरे बड़ा पिछड़ी पंचायत और बरवाअड्डा जोंन क्षेत्र में उत्साह का माहौल संचार हुआ धनबाद जिला मिडिया प्रभारी युवा क्रांतिकारी रंजीत कुमार महतो ने कहा कि इस बार सिंदरी विधानसभा चुनाव में ऐतिहासिक बदलाव होगा। मौके पर उपस्थित झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति के केंद्रीय महासचिव महिला मोर्चा उषा महतो, धनबाद जिला मिडिया प्रभारी युवा क्रांतिकारी रंजीत कुमार महतो, बरवाअड्डा जोंन अध्यक्ष हरेंद्र रजक, केंद्रीय सचिव युवा मोर्चा पप्पु पहाड़ी महतो, केंद्रीय उपाध्यक्ष युवा मोर्चा छोटा टाइगर, छोटू रजक, धनबाद जिला उपाध्यक्ष प्रेम रजक, आदि सभी ने झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति व झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के महिला मोर्चा संगठन विस्तार गोविंदपुर प्रखंड कमेटी और बूथ स्तरीय कमेटी के मजबुती के लिए झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति के मिशन और केंद्रीय अध्यक्ष टाईगर जयराम महतो के विचारधाराओं को जन जन तक पहुंचाने का निर्णय लिया गया। सिंदरी विधानसभा चुनाव में इस बार ऐतिहासिक जीत के लिए संकल्प लिया गया मौके पर केंद्रीय महासचिव महिला मोर्चा उषा महतो, धनबाद जिला मिडिया प्रभारी युवा क्रांतिकारी रंजीत कुमार महतो, केंद्रीय सचिव युवा मोर्चा पप्पु पहाड़ी महतो ,बरवाअड्डा जोंन अध्यक्ष हरेंद्र रजक, केंद्रीय उपाध्यक्ष युवा मोर्चा छोटू रजक, धनबाद जिला उपाध्यक्ष प्रेम रजक, सहित अन्य लोग मौजूद थे।

न्यूज बॉक्स

युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

गुमला/चैनपुर। चैनपुर थाना क्षेत्र के कटकाही गांव निवासी अनुराज बैगा पिता बंधना बैगा उम्र 29 वर्ष ने अपने घर में रस्सी के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना शनिवार की रात 9 बजे की बताई जा रही है। इस घटना के संबंध में मृतक की मां ने बताया कि मेरा बेटा चैनपुर बजार गया था,और मेरी बहु गांव वालों के साथ क्षेत्र में अच्छी बारिश के लिए भिक्षाटन करने गई थी।शाम में हमलोग जल्दी खाना खाकर सो गए तभी मेरे बेटे के बहुत के कमरे को बाहर से बंद कर दिया। जिसके बाद मेरी बहु ने आवाज देकर दरवाजा खुलवाया फिर हम दोनों उसे ढूंढने लगे फिर देखा कि घर के बाहर बने कमरे में उसने रस्सी के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। इधर घटना की सूचना मिलते ही चैनपुर पुलिस मौके पर पंहुच कर शव को अपने कब्जे में लेकर अंत्यपरीक्षण के लिए गुमला भेज दिया और मामले की छानबीन में जुटी हुई है।

सिद्धू -कान्हू हमेशा हम झारखंडियों के लिए प्रेरणास्त्रोत बने रहेंगे : नीरू शांति भगत

लोहरदगा । जिला आजसू कार्यालय में जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश भारती की अध्यक्षता में हूल- दिवस का आयोजन किया गया। मौके पर आजसू नेत्री नीरू शांति भगत ने कहा की सिद्धू कान्हू जैसे भारत माता के अमर सपूत 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के पहले ही अंग्रेजों के खिलाफ 1855 में ही बिगूल फूंक दिए थे और उन्होंने झारखंड की माटी छोड़ने का अल्टीमेटम अंग्रेजों को दे दिए थे। उन्ही की प्रेरणा पाकर पूरे देश में 1857 में सिपाही विद्रोह हुआ, किंतु आपसी समन्वय का अभाव रहने के कारण हम अंग्रेजों से हार गए। 1947 तक का 90 वर्ष का लंबा समय आजादी के लिए हमें इंतजार करना पड़ा । उन्होंने कहा कि, सिद्धू कान्हू जैसे अमर स्वतंत्रता सेनानी हमेशा हम सबों के लिए प्रेरणा के स्रोत बने रहेंगे। उनके बताए मार्गो में चलकर आइये हम सभी आजसू कार्यकर्ता संगठित होकर पुनः झारखंड को भ्रष्टाचारमुक्त करने के लिए जोरदार आन्दोलन करें। झारखंड को सुंदर, स्वच्छ एवं भ्रष्टाचार मुक्त बनाने का कार्य करें। कार्यक्रम में जिला प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी रामचंद्र गिरि, आलोक कुमार, मोहित शर्मा सहित भारी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

जनसंख्या समाधान फाउंडेशन की हुई बैठक

गिरिडीह। शहर के श्याम पथ स्थित श्याम मंदिर परिसर में रविवार को जनसंख्या समाधान फाउंडेशन की एक जिला स्तरीय बैठक आयोजित की गयी। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष संजीत सिंह ने किया। बैठक के दौरान देश में बढ़ रही जनसंख्या व इससे उत्पन्न होने वाली समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गयी। साथ ही भविष्य में देश पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभाव पर भी विचार किया गया। बैठक में मुख्य रूप से फाउंडेशन के प्रदेश संयोजक कौशल उपस्थित थे। वहीं बैठक में संदीप डंगाइच, सदानंद राम, चंदन सिन्हा, श्रेयांश, सौरभ, विवेश जालान , शनि समेत अन्य सदस्य मौजूद थे।

लाइफलाइन संस्था गुमला के सदस्य ने दिया मानवता का परिचय

गुमला। अंकित सिन्हा ने एबी पॉजिटिव ब्लड डोनेशन कर के सदर अस्पताल में इलाजरत एक महिला की सहायता की लाइफलाइन सदस्य के के रोहित खंडेलवाल ने बताया कि ब्लड बैंक में एबी पॉजिटिव ब्लड उपलब्ध नहीं था। और महिला को एबी पॉजिटिव ब्लड की अति आवश्यक आवश्यकता थी।स्थिति की गंभीरता को समझते हुए अंकित सिन्हा ने तुरंत ब्लड बैंक पहुंचकर रक्तदान किया। इनका कार्य बहुत ही प्रशंसनीय है।रोहित खंडेलवाल ने बताया है कि रक्तदान वक्त की जरूरत है खून की कमी के होने के कारण कई लोगों की मौत हो जाती है। क्योंकि उन्हें समय पर खून उपलब्ध नहीं हो पता है,सभी नागरिकों से अपील की प्रत्येक 3 महीना में रक्तदान अवश्य करें एवं मानव जीवन को बचाएं ब्लड बैंक के लैब टेक्नीशियन राकेश कुमार ने कहा की रक्तदान करने वाले 80% लोगों को दिल का दौरा पड़ने की संभावना कम हो जाती है।सभी को आगे आकर रक्तदान अवश्य करना चाहिए क्योंकि मानव रक्त के कोई विकल्प नहीं रक्तदान महादान है। यह जीवन का मूल आधार भी है।इस मौके पर लैब टेक्नीशियन राकेश कुमार सिंह,संगीता कुजूर,अंजू किंडो,भारत कुमार रोहित खंडेलवाल उपस्थित थे।

जिला क्षत्रिय कल्याण समाज की बैठक में संगठन बनाने पर हुई चर्चा

गिरिडीह। जिला क्षत्रिय कल्याण समाज की एक बैठक रविवार को शहर के राजपूत मोहल्ला स्थित एक आवास में आयोजित की गयी. बैठक की अध्यक्षता कार्यकारी अध्यक्ष गुड्डू सिंह ने किया। बैठक में जिला कार्यकारिणी सदस्य एवं सक्रीय सदस्य उपस्थित रहे। बैठक के दौरान संगठन के कार्यों की समीक्षा की गयी। मौके पर जिला संरक्षक अपुर सिंह ने संगठन में गतिशीलता लाने पर जोर दिया। बैठक के दौरान पूर्व अध्यक्ष गोविंद सिंह ने वर्तमान में चल रहे दो गुटों को विलय कर जिला स्तरीय संगठन बनाने का आग्रह किया जिसे उपस्थित लोगों ने स्वागत किया। मौके पर सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि एक तिथी तय कर ओपचारिक रूप से इसकी घोषणा की जाए। बैठक के दौरान समाज के कार्यकारी अध्यक्ष गुड्डू सिंह ने गिरिडीह कॉलेज के समीप शंकरचक में मौजूद अपनी 6 डिसमिल जमीन को समाज को देने की घोषणा की। बैठक के बाद समाज के राजेन्द्र प्रसाद सिंह, अमर सिंह, अमरेन्द्र सिंह, पप्पू सिंह, अशोक सिंह, मुन्ना सिंह ने जमीन का जायजा लिया और कार्यकारी अध्यक्ष की काफी प्रशंसा की।

झामुमो जिला कार्यालय में मनाया गया हूल दिवस

नवीन मेल संवाददाता। गिरिडीह

हूल दिवस के अवसर पर शहर के बस स्टैंड रोड स्थित झामुमो ज़िला कार्यालय में कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि गिरिडीह सदर विधायक सुदिव्य कुमार सोनू उपस्थित हुए। इस मौके पर पार्टी के नेताओं और कार्यकत्ताओं ने क्रांतिकारी सिद्धो-कान्हू, चांद-भैरव,फुलो-झानो के तस्वीर पर माल्यार्पण व पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया गया।

मौके पर विधायक सुदिव्य कुमार सोनू ने भारत की आजादी, अंग्रेजों की बर्बरता और अत्याचार के खिलाफ आवाज उठाने वाले हर क्रांतिकारी को हूल दिवस पर नमन करते हुए कहा कि यह दिवस, हर बर्बरता और अत्याचार के खिलाफ आवाज उठाने का प्रतीक है। उसकी खिलाफत का प्रतीक है।

कहा कि भारत में स्वतंत्रता के लिए सबसे पहले बिगुल फूंकने वालों में झारखंड का नाम अव्वल रहना चाहिए था, परन्तु ऐसा न हो सका। सभी जानते है कि सन 1855 में भोगनाडीह साहिबगंज में चाँद-भैरव, सिदो-कान्हु और फुलो-झानू के नेतृत्व लगभग पच्चास हजार से ज्यादा आदिवासी-मूलवासी ने अंग्रेजों के शोषण के खिलाफ आजादी की लड़ाई की शुरूआत की थी। जिसमें हजारों लोगों ने अपनी शहादत दी। उन्होने झारखंड के बुद्धिजीवियों से आग्रह है किया कि इस विषय में शोध करें और वास्तविकता को सामने लाये।

घाटशिला के चार परीक्षा केंद्र में सीएम मेधा छात्रवृत्ति परीक्षा हुई

घाटशिला। शिक्षा विभाग की ओर से मुख्यमंत्री (सीएम) मेधा छात्रवृत्ति परीक्षा का आयोजन रविवार को घाटशिला के चार परीक्षा केंद्रों में किया गया था. चारों परीक्षा केंद्र में काफी संख्या में छात्र परीक्षा से अनुपस्थित थे। इसमें बीडीएसएल गर्ल्स हाई स्कूल घाटशिला परीक्षा केंद्र में कुल 200 परीक्षार्थियों को शामिल होना था। इसमें से 13 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। कुल 187 उपस्थित थे। वहीं जेसी हाई स्कूल परीक्षा केंद्र में कुल 594 परीक्षार्थियों को शामिल होना था। इसमें 147 उपस्थित हुए और 447 अनुपस्थित थे। उउवि बनकाटी में कुल 490 में 172 शामिल थे। 318 अनुपस्थित थे। मारवाड़ी हिंदी प्लस टू विद्यालय में 500 में 137 उपस्थित और 363 अनुपस्थित थे। परीक्षा सुबह 11 बजे से दोपहर 2 तक हुआ। सभी परीक्षा केंद्र में कदाचार मुक्त एवं शांतिपूर्ण परीक्षा संपन्न हुई।

11 सूत्री मांगों को लेकर बीडीओ को सौंपा गया ज्ञापन

चैनपुर/गुमला। चैनपुर आजसू पार्टी प्रखंड कमिटी ने प्रखंड में व्याप्त अनियमितता, भ्रष्टाचार एवं विभिन्न समस्याओं को लेकर प्रखंड विकास पदाधिकारी यादव बैठा को ज्ञापन सौंपकर 11 सूत्री मांगो को लेकर जल्द ही निराकरण करने की मांग की है

जमीन संबंधी दाखिल-खारिज हेतु अंचल कार्यालय में जमा आवेदनों का अविलंब निष्पादन किया जाए तथा पंजी-2 में दर्ज जीरो प्लॉट की समस्या का जल्द से जल्द उचित एवं आवश्यक कार्रवाई की जाए।

वर्तमान में अबुआ आवास हेतु चयन में पारदर्शिता लायी जाए तथा जरूरतमंद एवं निर्धन परिवार को इसका समुचित लाभ मिलें।

मनरेगा अंतर्गत संचालित सिंचाई कूप एवं अन्य योजनाओं का कियान्वयन एवं भुगतान यथाशीघ्र किया जाए ताकि वर्षा से पहले कार्य को पूर्ण किया जा सके।

छात्र-छात्राओं के छात्रवृत्ति हेतु जाति, आय एवं आवासीय प्रमाण-पत्र बनवाने में शीघ्रता लाई जाए

ताकि गरीब एवं निर्धन परिवार के अध्ययनरत छात्र-छात्राएँ छात्रवृति से वंचित न हो। सभी किसानों को खाद एवं बीज की आपूर्ति समय पर किया जाए ताकि खेती पर निर्भर रहने वाले किसानों को समुचित लाभ हो सके। प्रखण्ड में बिजली आपूर्ति व्यवस्था चरमरा गई है। अतः भीषण गर्मी को देखते हुए प्रखण्ड में 24 घण्टे बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। प्रखण्ड/अंचल कार्यालय में पदस्थापित समस्त कर्मियों की उपस्थिति सरकारी नियमानुसार सुनिश्चित किया जाए ताकि सुदूरवर्ती ग्रामीण क्षेत्र से आने वाले ग्रामवासियों का कार्य सरलतापूर्वक हो सके। सरकारी योजनाओं में झारखंड आंदोलनकारियों एवं उनके परिवार के आश्रितों को प्राथमिकता दी जाए।

आजसू जिला कार्यालय में मनाया गया हूल दिवस

सिद्धू और कान्हू ने अंग्रजों के विरूद्ध देश में संगठित आंदोलन की शुरूआत की : चंद्रप्रकाश चौधरी

नवीन मेल संवाददाता। रामगढ़

आजसू जिला कार्यालय में 30 जून को हूल दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि गिरिडीह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी, विशिष्ट अतिथि पार्टी के केंद्रीय सचिव मनोज कुमार महतो, जिला परिषद सदस्य धनेश्वर महतो,केंद्रीय सचिव अमृतलाल मुंडा, जिलाध्यक्ष दिलीप दांगी मौजूद थे। जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता राजेश महतो और संचालन राजेन्द्र महतो ने की। मौके पर मुख्य अतिथि गिरिडीह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी ने महान क्रांतिकारी सिद्धू और मुर्मू के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। इसके उपरांत विशिष्ट अतिथि मनोज कुमार महतो, जिला परिषद सदस्य धनेश्वर महतो, अमृतलाल मुंडा व दिलीप दांगी ने सिद्धू और कान्हू के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। मौके पर अपने संबोधन में सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी ने कहा कि महान क्रांतिकारी सिद्धू और कान्हू ने 1855-56 में ब्रिटिश सत्ता,साहूकारों, व्यापारियों, और जमींदारों के अत्याचार के विरूद्ध विद्रोह की शुरूआत की। कहा कि इस विद्रोह को हूल आंदोलन के नाम से जाना जाता है। सांसद ने कहा कि इस विद्रोह में सिद्धू और कान्हू ने नारा दिया था कि अंग्रेजों हमारी माटी छोड़ो। कहा कि सिद्धू ने संथालों को संगठित किया और 30 जून 1855 ई को भोगनाडीह में विशाल सभा का आयोजन किया।

तुईयो के ग्रामीणों को जिप सदस्य कुमकुम के सहयोग से मिला ट्रांसफार्मर,जताया आभार

नवीन मेल संवाददाता। बरकट्ठा

प्रखंड के ग्राम तुईयो में ट्रांसफार्मर पिछले कुछ दिनों से खराब हो गया था जिसकी सूचना ग्रामीणों ने जिप सदस्य कुमकुम देवी को दिया। कुमकुम ने विद्युत कार्यालय इक्सक्यूटिव इंजिनियर हजारीबाग से मिल कर अगले दिन ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराया। इसके लिए लोगों ने जिप सदस्य कुमकुम देवी का आभार प्रकट करते हुए धन्यवाद दिया। कहा अब बिजली आ जाने से बच्चों को पढ़ाई करने के साथ-साथ ग्रामीणों को इस भीष्ण गर्मी से राहत मिलेगी।वहीं स्थानीय निवासी जितेंद्र कुमार ने कहा, हर समस्या के समाधान के लिए तत्पर रहनेवाली कुमकुम आगामी विधानसभा चुनाव में विधायक के पद पर चुनाव लड़े ताकि उनसे ग्रामीणों को अधिक से अधिक लाभ प्राप्त हो। कुमकुम शुरू से ही जनमानस की सेवा भाव से ओत-प्रोत रही है। मौके पर जितेंद्र कुमार विजय प्रसाद बसंत प्रसाद भोला प्रसाद मुस्तकीम अंसारी हीरामन महतो वंशी महतो खगेन्द्र प्रसाद आदि उपस्थित थे।

सख्त हो गए हैं कानून, भारतीय कानून अब दंड संहिता नहीं न्याय संहिता के नाम से जाने जायेगें : एसडीपीओ सह एएसपी

नवीन मेल संवाददाता। बरही

1 जुलाई से केंद्र सरकार ने 1860 की आईपीसी को समाप्त करते हुए बीएनएस 2023 लागू कर दिया है. इस व्यवस्था के तहत भारतीय दंड संहिता (इंडियन पेनल कोड) को अब भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), क्रिमिनल पेनल कोड (सीआरपीसी) को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) और एविडेंस एक्ट के स्थान पर भारतीय साक्ष्य अधिनियम के नाम से जाना जाएगा. पुराने दंड संहिता में काफी बदलाव किए गए हैं. उक्त जानकारी एसडीपीओ सुरजीत कुमार ने दी। उन्होंने बताया कि धारा 302 हत्या को 103(1), ठगी व धोखाधड़ी 420 को 118(4), चोरी के लिए लगने वाले 379 को 303(2) और दुष्कर्म के 376 आईपीसी को अब 76 बीएनएस के नाम से जाना जाएगा। अंग्रेजी कानून राजद्रोह धारा 124(क) को खत्म करते हुए उसे देशद्रोह में परिवर्तित किया गया है। कोई भी व्यक्ति जो देश में विनाश या विखंडात्मक कार्य करेगा उसे देशद्रोह के तहत जेल जाना होगा। एसडीपीओ ने बताया कि नए कानून व्यवस्था के तहत कानून सख्त हुए है, महिलाओ की सुरक्षा बढ़ाई गई है।

गौर तलब हो कि नए कानून के तहत देश के कानून में भारी भरकम बदलाव किया गया है। जानकारी के अनुसार आईपीसी की 511 धाराओं को 356 धाराओं में परिवर्तित किया गया है। 175 धाराओं को बदले गए है जबकि 8 नई धाराएं लाई गई है और 22 धाराओं को खत्म किया गया है। सीआरपीसी की 560 धाराओं को मात्र 160 में बदले गए है। 9 पुरानी धाराएं हटाई गई है तो 9 नई धाराएं जोड़ी गई है। नए बीएनएसएस के तहत पूछताछ से ट्रायल तक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग का सहारा लिया जा सकता है। ट्रायल कोर्ट को हर एक फैसला अधिकतम 3 साल के अंदर देना होगा।

जाने कौन सी धाराओं में हुआ है परिवर्तन : हत्या के लिए आईपीसी 302 को बीएनएस 103(1), जान मारने के प्रयास आईपीसी 307 को बीएनएस 109, गैर इरादतन हत्या धारा 304(ए) को बीएनएस 109, दहेज हत्या आईपीसी 304 (बी) को बीएनएस 80, भ्रूण हत्या आईपीसी 313 को बीएनएस 89, आत्महत्या के लिए उकसाने वाला आईपीसी 306 को बीएनएस 108, लूट के आईपीसी 302 को बीएनएस 309 (ए), अश्लील हरकत के लिए आईपीसी 354 को बीएनएस 79, अभद्रता या छेड़छाड़ के आईपीसी 294 को बीएनएस 296 तथा अपहरण 337 को बीएनएस 137(2) के रूप में परिवर्तित किए गए हैं।

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत देवनगर में पौधरोपण

देवनगर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में चलाये जा रहे एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत रविवार को बाराद्वारी के देवनगर में कोशिश संस्था के संरक्षक सामाजिक कार्यकर्ता शिव शंकर सिंह के नेतृत्व में पौधरोपण किया गया. इस दौरान पौधे के बड़े होने तक संरक्षण की व्यवस्था की गई। पौधरोपण हूल क्रांति के महानायक सिदो-कान्हो, चांद-भैरव, फूल-झानो और बलिदानियों को समर्पित किया गया। शिव शंकर सिंह ने कहा कि पर्यावरण के संरक्षण और संवर्धन के लिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने क्षेत्र में अधिक से अधिक पौधरोपण करना चाहिए। धरती पर पेड़-पौधे होंगे तो हर साल बढ़ते तापमान, पर्यावरण प्रदूषण, ओजोन परत में बढते छिद्र जैसे गंभीर मुद्दे का आसानी से हल हो सकेगा।

जलवायु और जल की गंभीर चेतावनी

वर्षा जल पर आधारित झारखंड की अर्थव्यवस्था रोज आकाश की ओर निहार रही है। जलवायु परिवर्तन के कारण उत्पन्न जल संकट, जो पानी के अंधाधुंध उपयोग के कारण और गहरा गया है, जिसके प्रति भारतीय पर्यावरणविद लगातार चेताते रहे हैं, सिर्फ पर्यावरण या स्वास्थ्य का मुद्दा नहीं है, बल्कि एक गंभीर आर्थिक मुद्दा भी है, जो 1.4 अरब की आबादी वाले इस देश की महत्वाकांक्षाओं को कुचल सकता है। अभी भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, और 2024 में भी इसके तेजी से बढ़ने की उम्मीद है। लेकिन भारत की आकांक्षाएं कई कारकों पर निर्भर करती हैं, जिनमें पानी भी एक है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि 'भारत में जल संकट बढ़ता जा रहा है, क्योंकि तेज आर्थिक विकास और जलवायु परिवर्तन के कारण लगातार बढ़ती प्राकृतिक आपदाओं के बीच पानी की खपत बढ़ रही है। यह सॉवरेन क्रेडिट के साथ-साथ कोयला आधारित ऊर्जा संयंत्रों एवं इस्पात निर्माण जैसे पानी की भारी खपत वाले क्षेत्रों के लिए भी नुकसानदेह है।' 'सॉवरेन क्रेडिट रेटिंग' किसी देश या संप्रभु इकाई की ऋण पाने की क्षमता का एक स्वतंत्र मूल्यांकन है, जो यह भी बताता है कि उस देश में निवेश करना कितना जोखिम भरा हो सकता है। जलवायु परिवर्तन के समय में जल संकट जैसे कारक, इससे होने वाली भारी मानवीय पीड़ा के अलावा आर्थिक दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण हैं। तीव्र औद्योगिकीकरण एवं शहरीकरण के साथ भारत का तेज आर्थिक विकास दुनिया की इस सबसे बड़ी आबादी वाले देश में पानी की उपलब्धता को कम कर रहा है। जल संसाधन मंत्रालय के अनुसार, भारत में प्रति व्यक्ति औसत वार्षिक जल उपलब्धता 2031 तक घटकर 1,367 क्यूबिक मीटर रह जाने की आशंका है, जो 2021 में पहले से ही कम 1,486 क्यूबिक मीटर थी। जलवायु परिवर्तन के कारण झारखंड में भी चरम जलवायु घटनाओं, जैसे सूखा, लू, बाढ़ की आवृत्ति, गंभीरता या अवधि में वृद्धि से स्थिति और भी बदतर हो जाएगी, क्योंकि भारत पानी के लिए मानसून पर ज्यादा निर्भर है। इससे खाद्य पदार्थों की महंगाई बढ़ेगी और इससे प्रभावित व्यवसायों एवं समुदायों की आय में कमी होगी, जिससे सामाजिक अशांति भी फैल सकती है। भारत में नदियों और भू-जल के लगभग 70 प्रतिशत पानी का उपयोग कृषि कार्यों में किया जाता है। लेकिन कुछ उद्योग भी पानी की ज्यादा खपत करते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, औद्योगिक क्षेत्र में कोयला आधारित ऊर्जा संयंत्र और स्टील निर्माता उत्पादन के लिए पानी पर बहुत ज्यादा निर्भर होते हैं। बढ़ता जल संकट उनके संचालन को बाधित कर सकता है और उनकी कमाई को कम कर सकता है, जिससे उनकी कर्ज चुकाने की क्षमता भी खत्म हो सकती है। दिल्ली या अन्य महानगरों जैसे टैंकर माफिया के बारे में जमीनी स्तर से कई खबरें आ रही हैं। भारत में भू-जल रिचार्ज चालू वर्ष में 449 अरब क्यूबिक मीटर (बीएमसी) तक पहुंच गया है, जो 2004 के बाद से अधिकतम है और 2022 की तुलना में 11.5 बीएमसी ज्यादा है, जैसा कि केंद्रीय भूजल बोर्ड द्वारा कराए गए भारत के गतिशील भू-जल संसाधनों के राष्ट्रीय संकलन, 2023 में बताया गया है। लेकिन रिपोर्ट यह भी बताती है कि भू-जल का दोहन कई जगहों पर चिंता का विषय बना हुआ है, जहां रिचार्ज किए जाने से ज्यादा पानी जमीन के अंदर से नलकूपों के जरिये निकाला जाता है। टेन वाटर हार्वेस्टिंग के साथ जल छाजन की योजनाओं को कागजी नहीं धरती पर लाना होगा।

> **'सॉवरेन क्रेडिट रेटिंग' किसी देश या संप्रभु इकाई की ऋण पाने की क्षमता का एक स्वतंत्र मूल्यांकन है, जो यह भी बताता है कि उस देश में निवेश करना कितना जोखिम भरा हो सकता है। जलवायु परिवर्तन के समय में जल संकट जैसे कारक, इससे होने वाली भारी मानवीय पीड़ा के अलावा आर्थिक दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण हैं।**

इन दिनों

वेंकैया गारू- भारत की सेवा में समर्पित जीवन

■ नरेन्द्र मोदी

आज भारत के पूर्व उपराष्ट्रपति और राष्ट्रीय राजनीति में शुचिता के प्रतीक हमारे एम. वेंकैया नायडू गारू का जन्मदिवस है। वेंकैया नायडू जी आज 75 वर्ष के हो गए हैं। उन्होंने राष्ट्रसेवा और जनसेवा को हमेशा सर्वोपरि रखा है। मैं उनके दीर्घायु होने और स्वस्थ जीवन की कामना करता हूं। देश में उनके लाखों चाहते वाले हैं। मैं उनके सभी शुभचिंतकों और समर्थकों को भी बधाई देता हूं। वेंकैया जी का 75वां जन्मदिवस एक विशाल व्यक्तित्व की व्यापक उपलब्धियों को समेटे हुये है। उनका जीवन सेवा, समर्पण और संवेदनशीलता की ऐसी यात्रा है, जिसके बारे में सभी देशवासियों को जानना चाहिए। राजनीति में अपने प्रारम्भिक दिनों से लेकर उपराष्ट्रपति जैसे शीर्ष पद तक, नायडू गारू ने भारतीय राजनीति की जटिलताओं को जितनी सरलता और विनम्रता से पार किया, वो अपने आपमें एक उदाहरण है। उनकी वाकपटुता, हाजिरजवाबी और विकास से जुड़े मुद्दों के प्रति उनकी सक्रियता के कारण उन्हें दलगत राजनीति से ऊपर हर पार्टी में सम्मान मिला है। वेंकैया गारू और मैं दशकों से एक-दूसरे से जुड़े रहे हैं। हमने लंबे समय तक अलग-अलग दायित्वों को संभालते हुए साथ काम किया है, और मैंने हर भूमिका में उनसे बहुत कुछ सीखा है। मैंने देखा है, जीवन के हर पड़ाव पर आम लोगों के प्रति उनका स्नेह और प्रेम कभी नहीं बदला। वेंकैया जी सक्रिय राजनीति से आंध्र प्रदेश में छात्र नेता के रूप में जुड़े थे। उन्होंने राजनीति के पहले पड़ाव पर ही प्रतिभा, वक्तृत्व क्षमता और संगठन कौशल की अलग छाप छोड़ी थी। किसी भी राजनीतिक दल में उन्हें कम समय में बड़ा स्थान मिल सकता था। लेकिन उन्होंने संघ परिवार के साथ काम करना पसंद किया, क्योंकि उनकी आस्था राष्ट्र प्रथम के विजन में थी। उन्होंने विचार को व्यक्तिगत हितों से ऊपर रखा और बाद में जनसंघ एवं बीजेपी को मजबूत किया। लगभग 50 साल पहले जब कॉंग्रेस पार्टी ने देश में आपातकाल लगाया था, तब युवा वेंकैया गारू ने आपातकाल विरोधी आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लिया। उन्हें लोकनायक जेपी को आंध्र प्रदेश में आमंत्रित करने के लिए जेल जाना पड़ा। लोकतंत्र के लिए उनकी ये प्रतिबद्धता, उनके राजनीतिक जीवन में हर जगह दिखाई देती है। 1980 के दशक के मध्य में, जब महान एनटीआर की सरकार को कांग्रेस ने गलत तरीके से बर्खास्त कर दिया था, तब वे फिर से लोकतांत्रिक सिद्धांतों की रक्षा के लिए हुए आंदोलन की अग्रिम पंक्ति में थे। 1978 में आंध्र प्रदेश ने जब कांग्रेस के पक्ष में मतदान किया था, तब वेंकैया जी प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद एक युवा विधायक के रूप में जीतकर आए थे। पांच साल बाद, राज्य चुनाव में एनटीआर की लोकप्रियता अपने सर्वोच्च स्तर पर थी। तब भी वे बीजेपी के विधायक चुने गए। उनकी जीत ने आंध्र समेत दक्षिण में बीजेपी के लिए भविष्य के बीज बोये थे। युवा विधायक के रूप में ही, वे विधायी मामलों में अपनी दृढ़ता और अपने निर्वाचन क्षेत्र के लोगों की आवाज उठाने के लिए सम्मानित होने लगे। उनकी वाकपटुता, शब्दशैली और संगठन सामर्थ्य से प्रभावित होकर एनटीआर जैसे दिग्गज ने उनकी प्रतिभा को पहचाना। एनटीआर उन्हें अपनी पार्टी में शामिल करना चाहते थे, लेकिन वेंकैया गारू हमेशा की तरह अपनी मूल विचारधारा पर अडिग रहे। उन्होंने आंध्र प्रदेश में बीजेपी को मजबूत करने में बड़ी भूमिका निभाई, गांवों में जाकर सभी क्षेत्रों के लोगों से जुड़े। उन्होंने विधानसभा में पार्टी का नेतृत्व किया और आंध्र प्रदेश बीजेपी के अध्यक्ष भी बने। 1990 के दशक में बीजेपी के केंद्रीय नेतृत्व ने वेंकैया गारू के परिश्रम और प्रयासों को पहचानते हुये उन्हें पार्टी का अखिल भारतीय महासचिव नियुक्त किया। 1993 में यहीं से राष्ट्रीय राजनीति में उनका कार्यकाल शुरू हुआ था। एक ऐसा व्यक्ति, जो किशोरावस्था में अटल जी और आडवाणी जी के दौरों की तैयारी करता था, उनके लिए ये कितना बड़ा मुकाम था। पार्टी महासचिव के रूप में, उनका एक ही लक्ष्य था कि अपनी पार्टी को सत्ता में कैसे लाया जाए! उनका एक ही संकल्प था कि कैसे देश को बीजेपी का पहला प्रधानमंत्री मिले। दिल्ली आने के बाद, उनकी मेहनत का ही परिणाम था कि उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। कुछ ही समय बाद वे पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष भी बने। वर्ष 2000 में, जब अटल जी सरकार बना रहे थे तो वो वेंकैया गारू को अपनी सरकार में मंत्री बनाना चाहते थे। अटल जी ने उनसे उनकी इच्छा पूछी तो वेंकैया गारू ने ग्रामीण विकास मंत्रालय को अपनी प्राथमिकता के रूप में चुना। उनकी इस पसंद ने तब कई लोगों को हैरान किया था। क्योंकि, उसके पहले नेताओं के लिए दूसरे मंत्रालय पहली पसंद हुआ करते थे। लेकिन, वेंकैया गारू की सोच बिल्कुल स्पष्ट थी- वह एक किसान पुत्र थे, उन्होंने अपने शुरूआती दिन गांवों में बिताए थे और इसलिए, अगर कोई एक ऐसा क्षेत्र था जिसमें वह काम करना चाहते थे, तो वह ग्रामीण विकास था। उस समय एक मंत्री के रूप में 'प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना' को जमीन पर उतारने में उनकी अहम भूमिका थी। 2014 में एनडीए सरकार ने सत्ता संभाली, तो उन्होंने शहरी विकास, आवासन एवं शहरी गरीबी उन्मूलन जैसे महत्वपूर्ण मंत्रालयों को संभाला। उनके कार्यकाल के दौरान ही हमने 'स्वच्छ भारत मिशन' और शहरी विकास से संबंधित कई महत्वपूर्ण योजनाएं शुरू कीं। शायद, वह उन नेताओं में से एक हैं जिन्होंने इतने लंबे समय तक ग्रामीण और शहरी विकास दोनों के लिए काम किया है। 2014 के उन शुरूआती दिनों में वेंकैया जी का अनुभव मेरे भी बहुत काम आया था। मैं उस समय दिल्ली के लिए एक बाहरी व्यक्ति था। मेरा करीब डेढ़ दशक गुजरात में ही काम करते हुये बीता था। ऐसे समय में वेंकैया गारू का सहयोग मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण था। वह एक प्रभावी संसदीय कार्य मंत्री थे। वो सदन में पक्ष-विपक्ष की बारीकियों को समझते थे। साथ ही, जब संसदीय मानदंडों और नियमों की बात आती थी, तब वो नियमों को लेकर भी उतना ही स्पष्ट नजर आते थे। वर्ष 2017 में, हमारे गठबंधन ने उन्हें हमारे उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के रूप में नामित किया। ये हमारे लिए एक कठिन और दुविधा से भरा निर्णय था। हम ये जानते थे कि वेंकैया गारू के स्थान को भरना बेहद कठिन होगा। लेकिन साथ ही, हमें ये भी पता था कि उपराष्ट्रपति पद के लिए उनसे बेहतर कोई और उम्मीदवार नहीं है। मंत्री और सांसद पद से इस्तीफा देते हुए उन्होंने जो भाषण दिया था, उसे मैं कभी नहीं भूल सकता। जब उन्होंने पार्टी के साथ अपने जुड़ाव और इसे बनाने के प्रयासों को याद किया तो वह अपने आंसू नहीं रोक पाए। इससे उनकी गहरी प्रतिबद्धता और जुनून की झलक मिलती है। उपराष्ट्रपति बनने पर उन्होंने कई ऐसे कदम उठाए जिससे इस पद की गरिमा और भी बढ़ी। वह राज्यसभा के एक उत्कृष्ट सभापति थे, जिन्होंने यह सुनिश्चित किया कि युवा सांसदों, महिला सांसदों और पहली बार चुने गए सांसदों को बोलने का अवसर मिले। उन्होंने सदन में उपस्थिति पर बहुत जोर दिया, समितियों को अधिक प्रभावी बनाया। उन्होंने सदन में बहस के स्तर को भी ऊंचा उठाया। जब अनुच्छेद 370 और 35 (ए) को हटाने का निर्णय राज्यसभा के पटल पर रखा गया, तो वेंकैया गारू ही सभापति थे। मुझे यकीन है कि यह उनके लिए एक भावनात्मक क्षण था। वह युवा जिसने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के एक विधान, एक निशान, एक प्रधान के संकल्प के लिए अपना जीवन समर्पित किया था, जब वह सपना पूरा हुआ तो वह सभापति के पद पर आसीन था। किसी निष्ठावान देशभक्त के जीवन में इससे बड़ा समय और क्या होगा! काम और राजनीति के अलावा, वेंकैया गारू एक उत्साही पाठक और लेखक भी हैं। दिल्ली के लोगों के बीच, उन्हें उस व्यक्ति के रूप में जाना जाता है जो शहर में गौरवशाली तेलुगु संस्कृति लेकर आए। उनके द्वारा आयोजित उगादी और संक्रांति कार्यक्रम स्पष्ट रूप से शहर के सबसे पसंदीदा समारोहों में से एक हैं। मैं वेंकैया गारू को हमेशा एक ऐसे व्यक्ति के रूप में जानता हूं जो भोजन प्रेमी हैं और शानदार मेजबानी करना जानते हैं। लेकिन, पिछले कुछ समय से उनका संयम भी सबके सामने दिखने लगा है। फिटनेस के प्रति उनकी प्रतिबद्धता इस बात से झलकती है कि वह अभी भी बैडमिंटन खेलना और ब्रिस्क वॉक करना पसंद करते हैं। उपराष्ट्रपति पद का कार्यकाल पूरा करने के बाद भी, वेंकैया गारू सार्वजनिक जीवन में बेहद सक्रिय हैं। वह लगातार देश के लिए जरूरी मुद्दों और विकास कार्यों को मुझसे बात करते रहते हैं। हाल ही में जब हमारी सरकार तीसरी बार सत्ता में लौटी, तो मेरी उनसे मुलाकात हुई थी। वह बहुत खुश हुए और उन्होंने मुझे व हमारी टीम को अपनी शुभकामनाएं दीं। मैं एक बार फिर उन्हें शुभकामनाएं देता हूं। मुझे आशा है कि युवा कार्यकर्ता, निर्वाचित प्रतिनिधि और सेवा करने का जुनून रखने वाले सभी लोग उनके जीवन से सीख लेंगे और उन मूल्यों को अपनाएंगे। यह वेंकैया गारू जैसे लोग ही हैं जो हमारे राष्ट्र को बेहतर और अधिक जीवंत बनाते हैं।

(ये लेखक के निजी विचार है।)

आपकी बात

श्री जगन्नाथ रथयात्रा की हो रही तैयारी!

सुनील कुमार सिंह

झारखंड राज्य के हजारीबाग जिले अंतर्गत जीटी रोड चौपारण स्थित सियरकोनी में भगवान श्री जगन्नाथ की रथ यात्रा महोत्सव की भव्य तैयारियां जोरो से की जा रही है। आयोजक रथ यात्रा को लेकर जोर शोर से प्रचार प्रसार कर अतिथियों को आमंत्रित कर रहे हैं। इस निमित्त राष्ट्र सेवा फाउंडेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुनील कुमार सिंह ने बताया कि इस रथ यात्रा की शुरूआत इस्कॉन से जुड़े भक्ति वेदांता और गुरुकुल के संस्थापक सह संचालक डॉ केशवानंद प्रभु, उज्जवल शखा प्रभु की अगुवाई में 20 जून 2023 को पहले भगवान श्री जगन्नाथ की पांच दिवसीय रथ यात्रा की आयोजन कर किया गया था। रथ यात्रा की रथ की तैयारी इस्कॉन मुख्यालय मायापुर पश्चिम बंगाल से आए कारीगरों के दल द्वारा तैयार किया गया था।

काव्य कोना

सदाचारी

क्रूर सन्नाटा
कुरुक्षेत्र अपना-अपना
धर्मयुद्ध अपना-अपना
युद्ध का तरीका अपना-अपना ।
क्रूर सन्नाटा
सन्नाटे में एक आवाज
सुनो-सुनो ध्यान से सुनो
एक सदाचारी ने जन्म लिया
आठवें कोने में दुनिया के
न जाने कब सोता है
जागता कब है
हमने तो बस सुना
सदाचारी - आठवाँ कोना!
क्रूर सन्नाटे में एक और गूँज
हर पग पर क्रूर परीक्षा बाट जोहेगी
हर पग पर अमृत नहीं विष के घट होंगे
नीलकंठ की तरह पी के जीना होगा
क्रूर सन्नाटा,
कुरुक्षेत्र अपना-अपना

■ नाग मणि

धर्म

अवैध धर्मांतरण: राष्ट्र को बर्बाद करने का मार्ग

पंकज जगन्नाथ जयस्वाल

दुनिया मुस्लिम कट्टरपंथ के खिलाफ लड़ रही है, जिस पर तलवार की नोक पर धर्मांतरण करने का आरोप है। एक खामोश क्रांति चल रही है, जिसके बारे में हममें से कोई भी जानना नहीं चाहता। यह इतनी सहज और सुनियोजित है कि लोगों को इसका अंदाजा ही नहीं है और वे पूरी तरह संतुष्ट हैं। कई ईसाई मिशनरियाँ धर्मांतरण के उद्देश्य से अनुसूचित जाति और जनजातियों को निशाना बना रही हैं। इन मिशनरियों को प्रभावित करने वाला सबसे महत्वपूर्ण तत्व उनकी वित्तीय और सहायता प्रणाली है। दो से अधिक वर्षों से, कई ईसाई मिशनरियों ने सनातन धर्म को मिटाने और भारत में ईसाई धर्म को स्थापित करने की कोशिश की है। 19वीं सदी के मिशनरी और आज के मिशनरी के बीच एकमात्र अंतर यह है कि पहले वाले ने सार्वजनिक रूप से इसकी घोषणा की, जबकि बाद वाले स्पष्ट कारणों से चुप हैं। प्यू रिसर्च के अनुसार, अधिकांश भारतीय ईसाई (54%) कर्म में विश्वास करते हैं, जो ईसाई अवधारणा नहीं है। कई भारतीय ईसाई पुर्नजन्म (29%) और गंगा नदी की शुद्धिकरण शक्ति (32%) में भी विश्वास करते हैं, जो दोनों ही प्रमुख हिंदू सिद्धांत हैं। भारतीय ईसाइयों के लिए अन्य धर्मों से जुड़ी प्रथाओं का पालन करना भी लोकप्रिय है, जैसे दिवाली मनाना (31%), या माथे पर बिंदी लगाना (22%), जिसे आमतौर पर हिंदू, बौद्ध और जैन महिलाएं पहनती हैं। वे आधिकारिक तौर पर भारत की आबादी का केवल 2.5% हिस्सा हैं। दक्षिण भारत देश के लगभग आधे ईसाइयों का घर है, जबकि भारत के विरल आबादी वाले पूर्वोत्तर में ईसाई आबादी का एक बड़ा हिस्सा हैं, जहाँ अधिकांश ईसाई आदिवासी समुदायों के सदस्य हैं। यह विश्लेषण क्या कहता है। आधिकारिक संख्या और अध्ययनों के अनुसार, सभी धर्मांतरित लोगों में से आधे से अधिक हिंदू हैं। एक परेशान करने वाली और चिंताजनक सच्चाई यह है कि, इन औपचारिक धर्मांतरित लोगों के अलावा, कई एससी, एसटी और अन्य हाशिए पर पड़े गरीब लोग जो ईसाई धर्म में परिवर्तित हो गए हैं, उन्होंने आधिकारिक तौर पर अपना धर्म नहीं बदला है क्योंकि उन्हें डर है कि वे सरकारी लाभ खो देंगे, जिसका अर्थ है कि कुल धर्मांतरण बहुत अधिक है।

(ये लेखक के निजी विचार है।)

> **19वीं सदी के मिशनरी और आज के मिशनरी के बीच एकमात्र अंतर यह है कि पहले वाले ने सार्वजनिक रूप से इसकी घोषणा की, जबकि बाद वाले स्पष्ट कारणों से चुप हैं।**

फेसबुक वॉल से

chanakyagyaann
♫ Gogul Ilango · K.G.F: Chapter 1 Theme (Fro...

586 likes
chanakyagyaann Follow 👉 @chanakyagyaann

X - से

Akhilesh Singh
@akhileshsi1

सोरेन परिवार से बिछड़ा सोरेन का एक कुनबा। शिबू सोरेन की पुत्रवधू सीता सोरेन की राजनीतिक भविष्य की अनिश्चितता के बीच हिंमता विश्व सरमा ने उनसे मुलाकात की। कल जब हेमंत सोरेन जेल से बाहर आए पूरा परिवार साथ था। सिवाय स्व दुर्गा सोरेन के परिवार के..
जेएमएम को गढ़ने, संवारने वाले दुर्गा सोरेन की राजनीतिक विरासत भाजपा में कितने दिन ठहरेगी, ये कहा नहीं जा सकता। लेकिन जेएमएम में लौटने की चाहत भी हुई तो क्या इनकी प्रासंगिकता वहां भी रहेगी?

Translate post

11:27 AM · 29/06/24 From Earth · 496 Views

4 Reposts 1 Quote 22 Likes

अपने पत्र हमें इमेल कर सकते हैं-article.rnmail@gmail.com

दुनियां में हर वर्ष हो रही शराब सेवन से 26 लाख मौतें

किशन भावनानी

भारत में अभी हम पर तमिलनाडु शराब सेवन से हुई मौतों के सदमे से उबर भी नहीं पाएं है कि, वैश्विक स्तर पर दुनियां के करीब 196 सदस्यों वाले विश्व स्वास्थ्य संगठन ने दिनांक 28 जून 2024 को जारी ग्लोबल स्टेटस रिपोर्ट आन एल्कोहल एंड हेल्थ एंड ट्रीटमेंट ऑफ सब्सटेंस यूज डिसऑर्डर 2024 जो 334 पुष्ठो की है, जिसमें पूरे विश्व में शराब का अत्यधिक सेवन करने से मानवीय शरीर में होने वाले दुष्टपरिणामों व मौतों के बारे में बताया गया है जो हैरान कर देने वाला है। पूरी दुनियां में करीब 40 करोड़ लोग शराब और नशीली दवाओं के कारण होने वाली बीमारियों से पीड़ित हैं,यह दुनियां की कुल मौतों का 4.7 प्रतिशत है। यानें हर 20 में से एक मौत के लिए शराब जिम्मेदार है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अगर ड्रग्स से होने वाली मौतों को भी उसमें जोड़ा जाए तो यह संख्या 30 लाख से अधिक हो जाएगी। रिपोर्ट में भारत के बारे में बताया गया है कि यहां एक लाख मौतों में शराब से 38.5 प्रतिशत मौत हो रही है जो चीन की संख्या से दोगुनी है,जहां इससे 16.1 प्रतिशत मौतें होती है, जो रेखांकित करने वाली बात है। चूंकि विश्व स्वास्थ्य संगठन से रिपोर्ट 2024 दुनियां में हर वर्ष शराब से 26 लाख मौतें, भारत में चीन से दुगनी मौतें हो रही है इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा ग्लोबल स्टेटस रिपोर्ट आन एल्कोहल एंड हेल्थ एंड ट्रीटमेंट ऑफ सब्सटेंस यूज डिसऑर्डर 2024 जारी की है, शराब व नशीली मादक चीजों केअत्यधिक सेवन से लीवर से जुड़ी समस्याएं कैंसर की बीमारी से दिल की बीमारी से मौत होने की पुष्टि को गंभीरता रेखांकित करना अत्यंत जरूरी है। साथियों बात अगर हम 28 जून 2024 को जारी विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट को समझने की करें तो, शराब हर साल 26 लाख से ज्यादा लोगों की मौत का कारण बन रही है। दुनिया भर में करीब 40 करोड़ लोग शराब और नशीली दवाओं के कारण होने वाली बीमारियों से पीड़ित हैं। यह दुनिया की कुल मौतों का 4.7 फीसदी है। यानी हर 20 में से एक मौत के लिए शराब जिम्मेदार है। यह जानकारी विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) कीग्लोबल स्टेटस रिपोर्ट ऑन ऐल्कॉहॉल एंड हेल्थ एंड ट्रीटमेंट ऑफ सब्सटेंस यूज डिसऑर्डर में सामने आई है। रिपोर्ट के अनुसार यदि ड्रग्स से होने वाली मौतों को भी इसमें जोड़ दें तो यह संख्या 30 लाख से ज्यादा है। भारत में हालात और बुरे हैं। यहां एक लाख मौतों में शराब से 38.5 फीसदी मौतें हो रही हैं। यह संख्या चीन से दोगुनी से भी अधिक है। चीन में प्रति एक लाख मौतों में शराब से मरने वालों की संख्या 16.1 फीसदी है। कैंसर, दिल की बीमारी घेर रही है। शराब के अत्यधिक सेवन से कई तरह की समस्याएं सामने आती है। रिपोर्ट में इस बात की भी पुष्टि हुई है कि 2019 में शराब की वजह से होने वाली 26 लाख मौतों में से 16 लाख मौतें गैर-संचारी रोगों जैसे कैंसर से 4,01000 और दिल की बीमारियों से 4,74,000 मौतें हुईं। शराब और नशीली दवाओं का सबसे ज्यादा शिकार 20 से 39 साल के युवा बन रहे हैं। शराब के 13 फीसदी शिकार इसी आयु वर्ग के लोग थे। **(ये लेखक के निजी विचार है।)**

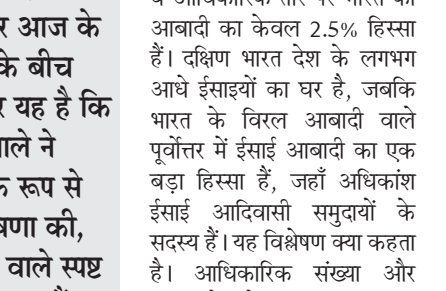

बोधि वृक्ष

घने जंगल के बीच स्थित है आस्था का केंद्र साईं धाम

साईं मंदिर में साईं बाबा की मूर्ति के अलावा दत्तात्रेय तथा गणेश जी का चित्र लगा है। मंदिर के अंदर दो नगाड़े तथा ज्ञानरंजन का चित्र भी लगा है।

सर्व धर्म सदभावना के प्रतीक हैं साई बाबा-

साई बाबा एक ऐसे संत हैं जिन्हें हिंदू, मुसलमान, सिख और ईसाई सभी धर्म के लोग समान श्रद्धा-भाव से पूजते हैं। जात-पात के भेद-भाव से ऊपर उठकर लोगों को मानवता का पाठ पढ़ाया। कभी भी किसी धर्म की अवहेलना नहीं की, बल्कि सभी धर्म का सम्मान करके मानवता को ही सबसे बड़ा धर्म बताकर जीवन जीने की शिक्षा प्रदान की। इनकी आराधना किसी भी विशेष मुहूर्त या वार को की जा सकती है, परंतु गुरुवार को इनकी पूजा का विशेष महत्व माना गया है। गुरुवार गुरु का दिन माना जाता है। सभी धर्म में गुरु का खास स्थान माना जाता है, गुरु ही हमें आदर्श जीवन जीने के सूत्र बताते हैं। साईं बाबा को गुरु मानने वाले सभी भक्त इस दिन बाबा के मंदिर जाते हैं। **ग्रामीणों को मिला रोजगार -**

साई धाम की स्थापना के बाद सरसा गांव के लोगों के जीवन स्तर में काफी सुधार आया है। इस इलाके में पहेल काफी गरीबी थी। गांव से लोगों का पलायन काफी ज्यादा हुआ करता था। **(क्रमशः)**

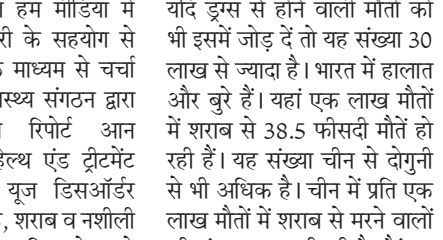

टेक वर्ल्ड

जानें 1.5 टन ऐसी को पूरी रात चलाने पर कितना आ सकता है बिल?

गर्मी से सबका बुरा हाल हो रखा है। अगर आप भी एसी का इस्तेमाल करते हैं पूरी रात लेकिन इसका बिल देखकर अच्छे- अच्छे लोगों का पसीना निकल जाता है। बिना एसी के रहना भी काफी मुश्किल होता है। जानिए 1.5 टन एसी को पूरी रात चलाने पर कितना बिल आएगा। गर्मी से पूरा देश का बुरा हाल हो रखा है। ऐसे में सभी के घरों में एसी का इस्तेमाल हो रहा है। बिना एसी के घर में रहना भी काफी मुश्किल हो जाता है। ऐसे में सभी के घरों में पूरी रात एसी चलती है। एसी का बिल देखकर अच्छे-अच्छे लोगों को पसीना निकल जाता है। आमतौर पर ज्यादातर लोग 1.5 टन वाला एसी घर में लगाते हैं। इस लेख में हम आपको 1.5 टन एसी के 3 स्टार और 5 स्टार वाले वर्जन को आधार बनाकर बिल की गणना करेंगे।

एसी का कितना बिल आएगा

हम सभी के घरों में पूरी रात एसी चलती है। आपको बता दें कि, 1.5 टन एसी के 3 स्टार और 5 स्टार वाले वर्जन का बिल कितना आएगा। ताकि आप सही अनुमान लगा सके। गौरतलब है कि कोई भी एयर कंडीशनर को चलाने में कितना बिल बढ़ेगा यह उसके पॉवर कंजम्पशन पर डिपेंड करता है।

1.5 टन का 5 स्टार रेटिंग एसी

अगर आप 5 स्टार रेटिंग वाला 1.5 टन का स्प्लिट एसी लगवाना चाहते हैं तो आपको यह करीब 840 वाट (0.8kWh) बिजली प्रति घंटे के हिसाब से खपत करेगा।

(क्रमशः)

स्वामी, परिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा. लि. के लिए प्रकाशक एंव मुद्रक हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा इसके पब्लिकेशन डिवीजन, रेड़मा मेदिनीनगर (डालटनगंज), से प्रकाशित एवं एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड), नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित. रजिस्ट्रेशन नं. RNI. 61316/94 पोस्टल रजिस्ट्रेशन नं.-13 । प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, कार्यकारी संपादक : सुनील सिंह 'बादल', स्थानीय संपादक : राणा अरुण सिंह*, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर, (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नम्बर : 06562-796018, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची-834001, फोन नं.- 0651-3553943, गढ़वा कार्यालय : मेन रोड, गढ़वा-822114, फोन : 9430164580, लोहरदगा कार्यालय : सरस्वती निवास, तेली धर्मशाला के सामने, कृषि मार्केट, लोहरदगा। - फोन : 7903891779, ई-मेल : news.rnmail@gmail.com, article.rnmail@gmail.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

एक नजर

गुजरात में सीबीआई ने जय जलाराम स्कूल के चेयरमैन को हिरासत में लिया

अहमदाबाद। नीट (यूजी) पेपर लीक मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने पंचमहल जिले के जय जलाराम स्कूल के चेयरमैन दीक्षित पटेल को शनिवार देर रात हिरासत में ले लिया। दीक्षित पटेल को हिरासत में लेने के बाद गोधरा सिविल अस्पताल में उनका मेडिकल कराया गया। नीट पेपर लीक मामले में गिरफ्तार आरोपियों के संपर्क में होने के संदेह के आधार पर सीबीआई ने दीक्षित पटेल के खिलाफ यह कार्रवाई की है। इससे पहले 27 जून को नीट में धोखाधड़ी के मामले में सीबीआई ने दीक्षित पटेल से पूछताछ की थी। इसके अलावा सीबीआई ने कुछ छात्रों के परिजनों के भी बयान दर्ज किए।

नवादा के रजौली चेक पोस्ट से 25 शराबी गिरफ्तार

नवादा। बिहार-झारखंड सीमा पर स्थित चितरकोली पंचायत अंतर्गत समेकित जांच चौकी पर उत्पाद अधीक्षक के निर्देश पर उत्पाद एसआई पिंटू कुमार द्वारा वाहन जांच के दौरान विभिन बसों से 25 शराबी को हिरासत में लेकर गिरफ्तार किया है। उत्पाद अधीक्षक अरुण कुमार मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि रविवार को उत्पाद विभाग की टीम रजौली चेक-पोस्ट पर झारखंड की ओर से आने वाले सभी छोटे-बड़े वाहनों की सघन जांच कर रही थी।इसी बीच विभिन बसों को जांच के लिए रोका गया।जिसमें 25 शराबी को नशे के हालत में पाया गया।उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। जांच के दौरान उत्पाद विभाग के एसआई सनी कुमार के साथ कई अधिकारी मौजूद थे।

रिटायरमेंट से पहले जनरल मनोज पांडे को दिया गया गार्ड ऑफ ऑनर

एजेंसी। नई दिल्ली

सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे रविवार 30 जून को सेवानिवृत्ति हो रहे हैं। कार्यकाल के आखिरी दिन उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। उनके सेवानिवृत होने के साथ ही लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी रविवार को ही नए सेना प्रमुख का पदभार संभालेंगे। जनरल मनोज पांडे 26 महीने तक इस पद पर रहे। अपने कार्यकाल के अंतिम दिन उन्होंने वॉर मेमोरियल पर जाकर शहीद जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की। अब भारतीय सेना की कमान संभालने जा रहे लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी 30वें सेना प्रमुख होंगे। इससे पहले उन्होंने फरवरी में थल सेना उपाध्यक्ष का पदभार ग्रहण किया था।

रिटायर्ड हो रहे जनरल मनोज पांडे को 30 अप्रैल 2022 को सेनाध्यक्ष नियुक्त किया गया था

भारतीय सेना की कमान संभालने जा रहे लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी 30वें सेना प्रमुख होंगे

सेनाध्यक्ष के रूप में जनरल द्विवेदी की नियुक्ति को सरकार ने 11 जून को मंजूरी दी थी। सन 1964 में 01 जुलाई को जन्मे लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी को 15 दिसंबर, 1984 को भारतीय सेना की इन्फैंट्री (जम्मू-कश्मीर राइफल्स) में कमीशन मिला था। लगभग 40 वर्षों की अपनी लंबी और प्रतिष्ठित सेवा के दौरान, वह विभिन्न कमानों, स्टाफ, प्रशिक्षण संबंधी और विदेशी नियुक्तियों में कार्यरत रहे हैं। लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी की कमांड नियुक्तियों में रेजिमेंट (18 जम्मू और कश्मीर राइफल्स), ब्रिगेड (26 सेक्टर असम राइफल्स), महानिरीक्षक, असम राइफल्स (पूर्व) और 9 कोर की कमान शामिल हैं। लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी ने सेना उपप्रमुख के रूप में नियुक्ति से पूर्व 2022-24 तक महानिदेशक इन्फैंट्री और जनरल ऑफिसर कमांडिंग इन चीफ (मुख्यालय उत्तरी कमान) सहित महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है। सैनिक स्कूल रीवा, नेशनल डिफेंस कॉलेज और यूएस आर्मी वॉर कॉलेज के पूर्व छात्र लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने डीएसएससी वेलिंगटन और आर्मी वॉर कॉलेज, महू में भी अध्ययन किया है। आज रिटायर्ड हो रहे जनरल मनोज पांडे को 30 अप्रैल 2022 को सेनाध्यक्ष नियुक्त किया गया था। उन्हें दिसंबर 1982 में इंजीनियरों की कोर (बॉम्बे सैपर्स) में कमीशन दिया गया था। सीओएएस के रूप में कार्यभार संभालने से पहले वह थल सेना के उपप्रमुख के रूप में नियुक्त हुए थे।

हाइवा की टक्कर से बाइक सवार पिता और पुत्र की मौत

कार्यक्रम में शामिल होने के बाद पिता और पुत्र दोनों बाइक से घर लौट रहे थे

एजेंसी। औरंगाबाद

औरंगाबाद के रिसियप थाना क्षेत्र के दोमुहान के पास तेज रफ्तार हाइवा ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी. इस हादसे में बाइक पर सवार पिता और पुत्र की मौत हो गयी। मृतक की पहचान नबीनगर थाना क्षेत्र के सुनील प्रजापति और उनके पुत्र सुशील कुमार के रूप में हुई है। इधर पुलिस ने पोस्टमार्टम कराकर दोनों शवों को परिजनों को सौंप दिया। रिसियप थाना प्रभारी सुनील कुमार ने कहा कि पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है। दोषी जल्द पुलिस की गिरफ्त में होंगे। घटना के संबंध में बताया जाता है कि सुनील और सुशील दोनों औरंगाबाद गये थे। यहां रिसियप थाना क्षेत्र में सुशील को एक कार्यक्रम में सम्मानित किया गया था। कार्यक्रम में शामिल होने के बाद पिता और पुत्र दोनों बाइक से घर लौट रहे थे।

थाना प्रभारी

रिसियप थाना प्रभारी सुनील कुमार ने कहा दोषी जल्द पुलिस की गिरफ्त में होंगे।

सड़क हादसे में एक युवक की मौत

फारबिसगंज/अररिया। अररिया-फारबिसगंज एनएच-57 पर डोरिया सोनापुर के पास हुए भीषण सड़क दुघर्टना में एक बाइक सवार युवक की मौत हो गई। वहीं बाइक पर सवार एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे स्थानीय लोगों के सहयोग से अररिया सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। मृतक रानीगंज प्रखंड क्षेत्र के धामा रूपौली निवासी स्वेज (21) है। घायल डोरिया सोनापुर निवासी इरशाद है। बताया जा रहा है की दो युवक बाइक पर अररिया से फारबिसगंज की ओर जा रहे थे। तभी तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने उसे टक्कर मार दी,जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जिसके बाद स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर दूसरी ओर सर्विस रोड पर चढ़ गई।

फारबिसगंज डीएसपी मुकेश कुमार घटनास्थल पर पहुंचकर कर आक्रोशित लोगों समझबुझा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया

मां के सामने बेटे को मार दी गोली, मौत

गोपालगंज। अंडा फार्म में काम कर रहे वर्कर की गोली मारकर हत्या कर दी गई. घटना जिले के बरौली थाना क्षेत्र के पिपरहिया गांव की है। मृतक की पहचान पश्चिम चंपारण जिले के लौकरिया थाना क्षेत्र के पुनई लक्ष्मीपुर गांव निवासी आनंद महतो के 25 वर्षीय बेटे गुड्डू कुमार के रूप में हुई है। बताया जाता है कि गुड्डू अपने तीन भाई और मां के साथ पिछले छह माह से बरौली थाना क्षेत्र के नवादा गांव निवासी इमरान आजम के अंडा फार्म में काम करता था। काम करने के दौरान बाइक पर सवार दो बदमाश पहुंचे और सीने में गोली मार दी। जिससे उसकी मौत हो गई।

मानसून के कारण देश के कई हिस्सों में डेंगू का प्रकोप

नई दिल्ली। एक तरफ जहां मानसून ने लोगों को भीषण गर्मी से राहत दी है, वहीं कर्नाटक, केरल, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, ओडिशा और महाराष्ट्र समेत देश के कई हिस्सों से डेंगू के बढ़े हुए मामले सामने आए हैं। डॉक्टरों ने सावधानी बरतने की सलाह देते हुए लोगों को समय रहते इसका पता लगाने की जरूरत पर जोर दिया है। डेंगू एक वेक्टर जनित बीमारी है, जो संक्रमित मच्छर के काटने से फैलती है। मच्छर गर्म और नम वातावरण में पनपते हैं और इस बीमारी को जन्म देते हैं। इस बीमारी का प्रकोप 100 से ज्यादा देशों में देखा जाता है। मदरहुड हॉस्पिटल्स बनशंकरी बेंगलुरु में सीनियर कंसल्टेंट और लीड पीडियाट्रिक्स एंड नियोनेटोलॉजी संतोष कुमार ने आईएएनएस को बताया, "बच्चों में पिछले सालों की तुलना में अलग-अलग तरह के डेंगू बुखार होने का जोखिम अधिक है। पारंपरिक रूप से बुखार की बीमारी थोड़े समय के लिए होती है, इसमें उल्टी और पेट में दर्द, भूख में कमी और मांसपेशियों में दर्द होता है। लेकिन इस मौसम में असामान्य ऊपरी श्वसन संक्रमण और गैस्ट्रोएंटेराइटिस वाले बच्चे भी डेंगू पॉजिटिव होते है।" कर्नाटक में डेंगू के 5,374 मामले सामने आए हैं, इनमें से पांच की मौत हुई है। वहीं ,तेलंगाना में 882, ओडिशा में 288, केरल के एनार्कुलम में 400 मामले और आंध्र प्रदेश में डेंगू और मलेरिया दोनों के ही मामले सामने आए हैं।

नेपाल में भारी बारिश से बागमती नदी का बढ़ा जलस्तर

पूर्वी चंपारण। बागमती नदी के जलग्रहण क्षेत्र नेपाल में लगातार दो दिनों से हो रही भारी बारिश से बागमती नदी के जलस्तर में वृद्धि दर्ज की जा रही है।फिलवक्त बागमती नदी पूर्वी चंपारण व शिवहर की सीमा क्षेत्र विभिन्न घाटो पर खतरे का निशान 61.28 सेंमी से महज एक सेंमी यानी 60.12 पर बह रही है।

नवादा में चार बच्चे नदी में डूबे, दो की मौत, एक की हालत गंभीर

पटना। बिहार में नवादा जिले के नरहट थाना क्षेत्र अंतर्गत देउरा गांव में रविवार को तिलैया नदी में नहाने गये चार बच्चे डूब गये। घटना में दो बच्चों की मौत हो गयी जबकि एक की हालत गंभीर बतायी जा रही है। मृतक बच्चों में प्रवीण सिंह का 12 साल का बेटा प्रिंस राज और शिवकुमार चौधरी का 10 वर्षीय बेटा सतीश कुमार उर्फ कारू है जबकि ओम कुमार को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। उज्जवल कुमार का इलाज गांव में ही किया गया और वह ठीक है। बताया गया है कि पांच बच्चे तिलैया नदी में नहाने गये थे। चार बच्चे नदी में उतरे। नहाने के दौरान गहराई का पता नहीं चला और सभी गहरे पानी में डूबने लगे। बच्चों को डूबता देख पांचवा बच्चा जोर-जोर से चिलाने लगा, जिसे देख स्थानीय गोताखोरों ने नदी में छलांग लगा दी और कड़ी मशक्त के बाद नदी में डूबे बच्चों को बाहर निकाला। हालांकि, तब तक दो बच्चों की मौत हो चुकी थी। घटना के बाद पूरे गांव में कोहराम मच गया है। सूचना मिलने के बाद पहुंची पुलिस घटना की जांच-पड़ताल कर रही है।

राष्ट्रपति मुर्मू, गृह मंत्री शाह, बंगाल की सीएम ने संथाल विद्रोह के शहीदों को दी श्रद्धांजलि

एजेंसी। कोलकाता

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को हूल दिवस (विद्रोह दिवस) के अवसर पर संथाल विद्रोह के शहीदों को श्रद्धांजलि दी। इस दिन 1855 में दो संथाल भाइयों सिद्धो मुर्मू और कान्हू मुर्मू ने इस आदिवासी समुदाय से करीब 10 हजार लोगों को इकट्ठा करके अंग्रेजों के खिलाफ एक आंदोलन शुरू किया था। संथाल समुदाय के लोगों को उनकी भूमि से वंचित किये जाने के कारण जो विद्रोह हुआ था, उसे हूल (विद्रोह) कहा गया था। इसलिए परंपरागत रूप से इस दिन को भारत में हूल दिवस के रूप में मनाया जाता है।

खुद आदिवासी समुदाय से आने वाली राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अपने एक्स अकाउंट पर पोस्ट किया, मैं संथाल विद्रोह के सभी अमर सेनानियों को 'हूल दिवस' पर सादर श्रद्धांजलि अर्पित करती हूं।

अन्याय के विरुद्ध ऐतिहासिक युद्ध करने वाले सिद्धो-कान्हू, चांद-भैरव तथा फूलो-झानो जैसे वीरों और वीरांगनाओं के बलिदान की अमर गाथाएं स्वर्णाक्षरों में अंकित हैं। उन क्रांतिवीरों के आदर्श, हम सभी देशवासियों के लिए, सदैव प्रेरणा-स्रोत बने रहेंगे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी एक्स पर एक पोस्ट में कहा, हूल दिवस के अवसर पर सभी जनजातीय वीरों के अमर बलिदान को नमन करता हूं। मातृभूमि, स्वसंस्कृति और जनजातीय अस्मिता की रक्षा के लिए सिद्धो-कान्हू, चांद-भैरव जैसे वीरों व फूलो-झानो जैसी वीरांगनाओं ने अंग्रेजों के खिलाफ लड़ते हुए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। इन क्रांतिकारियों के शौर्य और त्याग से संथाल परगना जल, जंगल व जमीन के लिए संघर्ष की प्रेरणा बन गई।

महान हूल क्रांतिकारियों की शौर्य गाथा भावी पीढ़ी को मातृभूमि की सेवा करने के लिए प्रेरित करती रहेगी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अपने एक्स अकाउंट पर पोस्ट किया, हूल दिवस के अवसर पर मेरे सभी आदिवासी भाइयों और बहनों को हार्दिक सम्मान।

शासकों के अत्याचार और शोषण के खिलाफ सिद्धो-कान्हू के नेतृत्व में संथालों का संघर्ष हमें अन्याय के खिलाफ सिर उठाने की प्रेरणा देता है। संथाल विद्रोह के इन दो नायकों को सम्मानित करते हुए उनके नाम को राज्य के एक विश्वविद्यालय में शामिल किया है। हूल विद्रोह एक वर्ष तक चला था। इसने ब्रिटिश शासकों को काफी परेशान किया। दोनों भाइयों के नेतृत्व में विद्रोहियों ने जंगलों के भीतर से गुरिल्ला युद्ध की रणनीति अपनाई थी।

आज का राशिफल

मेष यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। यात्रा आवश्यक होगी।

वृषभ लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। इच्छित कार्य सफल होंगे।

मिथुन दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा।

कर्क विवाद समाप्त होंगे। शुभ संदेशों से मन खिला-खिला रहेगा। परेशानीयां स्वतः ही दूर होती प्रतीत होगी। अध्ययन में रुचि पैदा होगी। अभिभावकों के प्रति उत्तरदायित्व निभाने होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। स्त्री, संतान, मित्र के साथ मनोविनोद बढ़ेंगे।

सिंह शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे।

कन्या आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। विपरीत परिस्थितियों में भी हानि नहीं होगी।

तुला व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं।

वृश्चिक समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। पुराने मित्र से मिलन होगा।

धनु मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा।

मकर जीवनसाथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंग। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। इच्छित कार्य पूर्ण होंग।

कुम्भ कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होगी। कुछ भ्रामक धारणाओं का खंडन होगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी।

मीन अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। आवेग में आकर किये गए कार्यों का मलाल रहेगा।

2033 तक अयोध्या को विश्व का सर्वोत्तम शहर बनाएगी योगी सरकार

एजेंसी। लखनऊ

योगी सरकार वर्ष 2033 तक अयोध्या को विश्व का सर्वोत्तम शहर बनाने की दिशा में कार्य कर रही है। इसके लिए वहां संचालित विभिन्न परियोजनाओं में 85 हजार करोड़ रुपये के निवेश की उम्मीद है। यह बात उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा कराई गई एक स्टडी में सामने आई है। यह स्टडी भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआई), अहमदाबाद गुजरात ने की है। ईडीआई ने अपनी स्टडी में बताया है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में अयोध्या का विकास इंफ्रास्ट्रक्चर, परिवहन और सौंदर्यीकरण से जुड़े हुए मुख्यतः 27 बिंदुओं को ध्यान में रखकर किया जा रहा है। इनमें से बहुत सारे प्रोजेक्ट पूरे हो चुके हैं।

कुछ पर अभी काम संचालित है, जिनके जल्द ही पूरा होने की उम्मीद है

27 बिंदुओं को ध्यान में रखकर किया जा रहा है विकास

रोड और पार्किंग, रेल लाइन का दोहरीकरण, रेलवे स्टेशन, बस स्टेशन, एयरपोर्ट, गुप्तारघाट, मंदिर संग्रहालय, वैक्स संग्रहालय, सांध्य सरोवर, अयोध्या बाजार, 37 धार्मिक स्थलों का पुनर्विकास एवं सौंदर्यीकरण, 25 पौराणिक एवं 39 चौराहों पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन, साउंड लाइट शो के साथ वाटर स्पोर्ट्स और सरयू में क्रूज का संचालन, सरयू के घाटों पर 500 प्रीफैब शौचालय की स्थापना, परिक्रमा मार्गों का विकास, विभिन्न मंदिरों का सौंदर्यीकरण एवं पुनर्विकास, 140 भाषाओं में मौसम का पूवार्नुमान, सोलर बोट्स का संचालन, 28 भाषाओं में पथ प्रदर्शक बोर्ड, हेलीकॉप्टर की सुविधा, कैफेटेरिया एवं ओपन थियेटर की सुविधाएं, सफाई मित्रों की तैनाती और स्ट्रीट लाइट जैसे अन्य प्रोजेक्ट शामिल हैं।

वैश्विक मानकों को ध्यान में रखकर बनी हैं परियोजनाएं

ईडीआईआई स्टडी में इस बार की पुष्टि की गई है कि नव्य अयोध्या के विकास के लिए बनी परियोजनाएं विश्वस्तरीय हैं। इसके लिए अयोध्या में इंटरनेशनल एयरपोर्ट और इंटरनेशनल बस स्टेशन का विकास किया जा रहा है। इसमें पहले फेज का कार्य पूर्ण हो चुका है। वहीं अयोध्या धाम जंक्शन रेलवे स्टेशन को देशभर के प्रमुख शहरों के साथ निर्बाध कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने के लिए आधुनिक मानकों को ध्यान में रखकर उसका पुनर्विकास किया गया है।

भारतीय उद्यमिता संस्थान अहमदाबाद की स्टडी में निकलकर सामने आई यह बात

इन 27 बिंदुओं को ध्यान में रखकर किया जा रहा है विकास

वैश्विक मानकों को ध्यान में रखकर बनी हैं परियोजनाएं

क्या कहते हैं ईडीआई के महानिदेशक

क्या कहते हैं ईडीआई के महानिदेशक

ईडीआई के महानिदेशक डॉ. सुनील शुक्ला ने कहा कि अयोध्या में दुनिया की सबसे लंबी सौर स्ट्रीट लाइट परियोजना संचालित है, जिसमें गुप्तारघाट से लक्ष्मण घाट तक 10 कि.मी. के क्षेत्र में 400 से अधिक स्ट्रीट लाइटें लगाई जा रही हैं।

विपक्ष पर बरसे चिराग पासवान, कहा

आगामी विधानसभा चुनाव में भी बिहार की जनता देगी हमारा साथ

एजेंसी। पटना

लोक जनशक्ति पार्टी के प्रमुख और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने रविवार को पत्रकारों से बातचीत के दौरान राजनीतिक रणनीतिकार प्रशांत किशोर के उस दावे को सिरे से खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि नीतीश कुमार को इस बार बिहार की जनता उखाड़ फेंकेगी।

चिराग पासवान ने कहा, इस तरह के दावे पक्ष और विपक्ष दोनों तरफ से किए जाते हैं, लेकिन आखिर में फैसला चुनाव के माध्यम से जनता ही करती है। गत लोकसभा चुनाव में भी विपक्ष ने बहुत तरह के दावे किए थे। विपक्ष ने कहा था कि एनडीए का खाता नहीं खुलेगा।

यह लोग जीरो पर आउट हो जाएंगे, लेकिन हकीकत में परिणाम क्या हुआ? हम लोग अधिकांश सीटों पर जीत का पताका फहराने में सफल रहे। अगर आप मेरी पार्टी की बात करेंगे, तो हम पांच सीटों पर जीत दर्ज करने में सफल रहे और विपक्ष दावा कर रहा था कि हम हाजीपुर में भी हारने जा रहे हैं। राजनीति में इस तरह के दावे

आमतौर पर किए जाते हैं, लेकिन निर्णायक भूमिका जनता की होती है। उन्होंने कहा, मैं आपको बता दूं कि इस बार जनता ने तय कर लिया है कि डबल इंजन की सरकार से ही बिहार का विकास हो सकता है। उन्होंने आगे कहा, जिस तरह से केंद्र के चुनाव में बिहार की जनता ने हम लोगों के पक्ष में मतदान किया, ठीक उसी तरह आगामी विधानसभा चुनाव में भी बिहार की जनता हमारा साथ देगी। हालांकि, हम इस बात को स्वीकार करते हैं कि कुछ सीटों पर हमारा प्रदर्शन निराशाजनक रहा है, उसके कारणों से हम वाकिफ हैं। उन सीटों पर हुई हार की समीक्षा हो चुकी है। निकट भविष्य में इस तरह का परिणाम न आए, इसका विशेष ध्यान रखा जाएगा।

न्यूज बॉक्स

सपा नेता के घर में घुस कर दबंग युवकों ने की फायरिंग,पांच घायल

वाराणसी। दशाश्वमेध थाना क्षेत्र के मीरघाट में रविवार को पूर्व पार्षद सपा नेता विजय यादव के घर में घुस कर दबंग युवकों ने परिजनों को गाली देने के साथ कई चक्र फायरिंग कर दी। इसमें एक महिला सहित पॉच लोग घायल हो गए। फायरिंग की आवाज सुन क्षेत्रीय लोगों को जुटता देख दबंग युवक भाग निकले। सूचना पाते ही मौके पर पुलिस भी पहुंच गई। क्षेत्रीय लोगों के अनुसार सपा नेता विजय यादव के घर के बाहर अपरान्ह में लामबंद होकर जुटे 15-20 युवकों के समूह ने पहले नेता को जमकर गाली दी और घर के बाहर निकलने के लिए ललकारा। यह देख परिवार की महिलाओं ने विरोध किया तो दबंग युवकों ने ताबड़तोड़ कई राउंड फायरिंग कर दी। गोली के छर्रे की चपेट में आकर महिला सहित पांच लोग घायल हो गए। गोली की आवाज और चीखपुकार सुन आसपास के लोग जुट कर बदमाशों को पकड़ने के लिए दौड़े तो बदमाश भाग निकले। इस दौरान क्षेत्रीय युवाओं ने भाग रहे एक हमलावर युवक कल्लू यादव को दौड़ा कर पिस्टल के साथ पकड़ लिया। घायलों को इलाज के लिए मंडलीय अस्पताल में पहुंचाया गया।

तृणमूल के दो गुटों के बीच झड़प, पांच गिरफ्तार

हावड़ा। हावड़ा जिले के बांकड़ा में रविवार को अतिक्रमण निरोधी अभियान को लेकर तृणमूल के दो गुटों में विवाद हो गया। विवाद ने देखते ही देखते हिंसक रूप ले लिया और दोनों गुटों के बीच झड़प हो गई। आरोप है कि इस दौरान बमबारी और पथराव किये गये जिससे इलाके में दहशत का माहौल बन गया। घटना बांकड़ा के शेखपाड़ा इलाके में हुई इस घटना की सूचना मिलने पर डोमजूर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और इस घटना से जुड़े पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया। खबर लिखे जाने तक स्थिति नियंत्रित थी। इलाके में तनाव की स्थिति को देखते हुए रैफ और केंद्रीय बल के जवानों को तैनात किया गया है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के निर्देश पर इस हफ्ते अतिक्रमण को लेकर कोलकाता में काफी सख्ती देखी गई। इस निर्देश के बाद से ही कोलकाता के बेहला, साल्टलेक, न्यू टाउन, अलीपुर समेत कोलकाता के कई इलाकों में फुटपाथ पर कब्जा करने वालों के खिलाफ बुलडोजर चलाया गया है। इसके अलावा राज्य के विभिन्न जगहों पर यह अभियान चलाये जा रहे हैं, जिसको लेकर हलचल मची हुई है।

देसी कट्टा और कारतूस के साथ अपराधी गिरफ्तार

मुजफ्फरपुर। वारदात को अंजाम देने पहुंचे अपराधी को पुलिस ने धर दबोचा. घटना जांरगी की है. पियर थाना प्रभारी पंकज कुमार को सूचना मिली कि थाना क्षेत्र के जारंगी स्थित अरविंद चौधरी के आम के बगीचे में दो अपराधी किसी वारदात को अंजाम देने पहुंचे हैं। जिन्हे संदिग्ध परिस्थिति में देखा गया है। सूचना मिलते ही पियर थाना प्रभारी पूरे मामले से अपने वरीय अधिकारियों को अवगत कराते हुए उक्त स्थल पर जाकर छापेमारी की। पुलिस को देखते ही अपराधकर्मी भागने लगे। लेकिन पुलिस ने एक अपराधी को गिरफ्तार कर लिया। जबकि एक भागने में सफल रहा। पुलिस ने अपराधी की तलाशी ली तो उसके पास से एक देसी कट्टा, कारतूस और कई अन्य चीजों को बरामद किया गया। एसडीपीओ पूर्वी टू मनोज कुमार सिंह ने बताया कि बीते दिनों पियर थाना क्षेत्र में अपराधियों द्वारा एक दंपति से लूटपाट की कोशिश की थी। ये अपराधी दोबारा पियर थाना क्षेत्र में फिर पहुंचे थे। लेकिन वारदात को अंजाम देने से पहले ही पुलिस ने बोचहा थाना क्षेत्र के अपराधी पवन कुमार को गिरफ्तार कर लिया। वहीं पूछताछ के बाद गिरफ्तार अपराधी को जेल भेज दिया गया।

एक लाख रुपये देने का दावा करने वाली कांग्रेस वसूली कर रही : कृष्णपाल गुर्जर

फरीदाबाद। कांग्रेस शासित प्रदेशों में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी पर केंद्रीय मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि गरीबों के बैंक खाते में खटाखट एक लाख रुपये देने का दावा करने वाली कांग्रेस ने उनकी जेब से खटाखट पैसे निकालने का काम किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासित प्रदेशों में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में तीन रुपये प्रति लीटर का इजाफा किया गया है। इस बात से अंदाजा लगाया जा सकता है कि जुमले की सरकार किसकी है। कांग्रेस ने पहले लोगों को गुमराह किया कि उनके खाते में एक लाख रुपये भेजे जाएंगे, लेकिन अब रुपये भेजने की बात तो दूर, सरकार अब उनसे ही वसूली कर रही है। उन्होंने दावा किया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा में तीसरी बार भाजपा की सरकार बनेगी।

पूर्व भारतीय फुटबॉलर भूपिंदर सिंह रावत निधन

सूरत। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ ने भारत के पूर्व विंगर भूपिंदर सिंह रावत के निधन की पुष्टि की है, जिनका संक्षिप्त बीमारी के बाद शनिवार को निधन हो गया। वह 85 वर्ष के थे। रावत के परिवार में पत्नी, एक बेटा और एक बेटी है। 1960 और 1970 के दशक के तेज तर्रार खिलाड़ी, रावत 1969 में मलेशिया में मडेर्का टूर्नामेंट में भारतीय टीम के सदस्य थे। घरेलू फुटबॉल में, उन्होंने दिल्ली गैरीसन, गोरखा ब्रिगेड और मफतलाल जैसी शीर्ष टीमों के लिए खेला। उन्होंने संतोष ट्रॉफी के लिए राष्ट्रीय फुटबॉल चैम्पियनशिप में सर्विसेज और महाराष्ट्र का प्रतिनिधित्व किया। अपनी छोटी कद-काठी के बावजूद प्रतिद्वंद्वी डिफेंस को भेदने की अपनी गति और क्षमता के कारण भीड़ के चहेते रावत को स्टैंड में उनके प्रशंसकों द्वारा स्कूटर उपनाम दिया गया था।

विराट और रोहित का टी20 से संन्यास

एजेंसी। बारबाडोस

टी 20 विश्व कप का खिताब जीतने के बाद विराट कोहली ने टी20 से संन्यास लिया तो उसके कुछ देर बाद ही भारत के लिए आईसीसी टूर्नामेंट जीतने वाले तीसरे भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने भी टी20 से संन्यास की घोषणा कर दी। हालांकि उन्होंने कहा कि वह वनडे और टेस्ट खेलना पसंद करेंगे। रोहित ने शनिवार को मैच के बाद पत्रकार वार्ता में कहा, यह मेरा भी आखिरी टी20आई मैच था। इस प्रारूप को अलविदा कहने का इससे बेहतर लम्हा नहीं है। मैंने हर लम्हे का लुत्फ लिया है। मेरे करियर की शुरूआत ही इस प्रारूप के साथ हुई थी। मैं बस यही चाहता था, मैं बस इस कप को जीतना चाहता था। उन्होंने कहा, मैं सच में इस कप को जीतना चाहता था। इसको शब्दों में बयां करना मुश्किल है। यह मेरे लिए बहुत भावुक पल है। मैं अपने करियर में सच में इस खिताब को चाहता था। मैं खुश हूं कि हम लाइन को पार कर पाए हैं। रोहित ने इस प्रारूप में अपने करियर का अंत सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज के तौर पर किया है, जहां पर उन्होंने 159 मैचों में 4231 रन बनाए हैं और उनके नाम सबसे अधिक पांच टी20 शतक हैं। रोहित ने अपने टी20 करियर में दो आईसीसी टूर्नामेंट जीते। इससे पहले वह 2007 टी20 विश्व कप जीतने वाली टीम का हिस्सा थे और इस बार बतौर कप्तान उन्होंने यह खिताब जीता है। रोहित के टी20 करियर की बात करें तो उन्होंने 159 मैचों में 32.05 की औसत और 140.89 के स्ट्राइक रेट से 4231 रन बनाए, जिसमें पांच शतक के अलावा 32 अर्धशतक भी शामिल रहे।

रोहित की जोकोविच की हरकत से हुई तुलना

बारबाडोस। खिताब हासिल करने के तुरंत बाद, रोहित ने मैदान को कई बार थपथपाया और बाद में उन्हें केंसिंग्टन ओवल की पिच की मिट्टी खाते हुए भी देखा गया जबकि भारतीय खिलाड़ियों ने मैदान पर अपना जश्न जारी रखा। विंबलडन के आधिकारिक 'एक्स' अकाउंट ने रोहित और नोवाक जोकोविच की समान एक्शन वाली तस्वीरें साझा कीं, जो उनके संबंधित खेलों के दो महान खिलाड़ियों के बीच समानता दशार्ती हैं। नेटिजन्स ने भी रोहित के मिट्टी खाने के जश्न को जोकोविच के समान नोटिस किया, जिन्हें विंबलडन ग्रैंड स्लैम जीतने के बाद घास खाने की आदत है।

कार्यकाल खत्म होने के बाद द्रविड़ का छलका दर्द

नई दिल्ली। राहुल द्रविड़ के मार्गदर्शन में भारतीय क्रिकेट टीम पहली बार वर्ल्ड चैंपियन बनी है। टीम इंडिया ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 के फाइनल में साउथ अफ्रीका को हराया। बतौर खिलाड़ी द्रविड़ कभी विश्व चैंपियन टीम का हिस्सा नहीं रहे लेकिन कोच के रूप में उन्होंने भारतीय टीम को टी20 में वर्ल्ड चैंपियन बना दिया। द्रविड़ का बतौर हेड कोच टीम इंडिया के साथ कार्यकाल इस विश्व कप तक ही था। अब वह टीम इंडिया के कोच नहीं रहेंगे। कभी टीम इंडिया की दीवार रहे द्रविड़ वर्ल्ड चैंपियन टीम का हिस्सा बनने पर खुश हैं। हालांकि उन्हें इस बात का दुख है कि वह अगले सप्ताह से बेरोजगार हो जाएंगे। द्रविड़ ने टीम को विश्व चैंपियन बनाने के बाद अपना पहला रिएक्शन दिया है।

तेंदुलकर ने की रोहित व कोहली की सराहना

बारबाडोस। भारत के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने 2024 पुरुष टी20 विश्व कप के गौरव के साथ अपने टी20 करियर को उच्च स्तर पर समाप्त करने के लिए दिग्गज विराट कोहली और रोहित शर्मा की सराहना की है। ब्रिजटाउन के केंसिंग्टन ओवल में दक्षिण अफ्रीका पर सात रन की जीत के साथ भारत ने अपना दूसरा टी20 विश्व कप जीतने के तुरंत बाद, कोहली को उनकी 59 गेंदों में 76 रन की पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया और उन्होंने कहा कि यह उनके अंतरराष्ट्रीय करियर का आखिरी टी20 था। कोहली ने 125 मैचों में 48.69 के औसत और 137.04 के स्ट्राइक रेट से 4188 रन बनाकर, इस प्रारूप में भारत के दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी के रूप में अपने टी20 करियर का अंत किया।

जो पूरा देश चाहता था हमने कर दिखायाः हार्दिक पांड्या

एजेंसी। बारबाडोस

अहमदाबाद में दिल टूटने के सात महीने बाद ही भारतीय टीम ने बारबाडोस में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शानदार वापसी करते हुए टी20 वर्ल्ड कप 2024 का खिताब अपने नाम किया। इस जीत के बाद टीम के अहम खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। फाइनल में 20 रन पर तीन विकेट लेने वाले भारतीय उपकप्तान हार्दिक पांड्या ने शनिवार को कहा, इसके मायने बहुत अधिक हैं। यह भावुक पल है। हम काफी कड़ी मेहनत कर रहे हैं, लेकिन कई बार चीजें काम नहीं करती। हालांकि, आज ऐसा दिन था जब शायद हम वह पूरा करने में सफल रहे जो पूरे देश को चाहिए था। बहुत सारे लोग समर्थन दे रहे थे। उन्होंने कहा,मेरे लिए यह और भी स्पेशल है क्योंकि मेरे पिछले छह महीने जिस तरह के रहे। ऐसा लगा कि मेरे छह महीने जो गए हैं वो वापस आ गए। मैंने बहुत कंट्रोल किया। जब मुझे रोना था तो मैं नहीं रोया क्योंकि मुझे लोगों को नहीं दिखाना था। जितने भी लोग मेरे कठिन समय में खुश हो रहे थे मुझे उन्हें और खुशी नहीं देनी थी। ऊपर वाले की कृपा से मुझे मौका भी कितना शानदार मिला।

सूर्या को 'फील्डर ऑफ द मैच'

बारबाडोस। 17 साल के लम्बे अंतराल के बाद टी 20 विश्व कप जीतने के उपरांत टीम इंडिया जब अपने ड्रेसिंग रूम में गयी तो फील्डिंग कोच टी दिलीप ने चैंपियंस को 'फील्डर ऑफ द मैच' मैडल के लिए एकत्रित किया। फील्डर ऑफ द मैच समारोह तेजी से सबसे पसंदीदा सेगमेंट में से एक बन गया है और बीसीसीआई की सोशल मीडिया टीम पदक पेश करने के नए तरीके खोजने में काफी रचनात्मक रही है और सबसे खास पुरस्कार देने की जिम्मेदारी इस बार बीसीसीआई सचिव जय शाह को दी गई। यह सम्मान किसी और को नहीं बल्कि सूर्यकुमार यादव को दिया गया, जिन्होंने आखिरी ओवर की फील्डिंग में डेविड मिलर को आउट करने के लिए बाउंड्री पर शानदार कैच लपका।

एक नजर

आंसू तो विरोधी टीम के भी खूब बहे...

नई दिल्ली। जीत के बाद जहां एक ओर टीम इंडिया ही नहीं बल्कि पूरे देश में जश्न का माहौल है, वहीं दूसरी तरफ साउथ अफ्रीका की टीम में मातम पसरा हुआ है. ऐसा होना लाजमी भी है क्योंकि अफ्रीकी टीम टी20 वर्ल्ड कप ट्रॉफी के बेहद करीब पहुंचने के बाद जीत दर्ज करने से चूक गई. एक वक्त पर साउथ अफ्रीका की टीम को महज 24 गेंदों पर 26 रन की दरकार थी. मैदान पर हेनरिक क्लासेन और डेविड मिलर जैसे बैट्समैन मौजूद थे. फिर भी अफ्रीकी टीम जीत दर्ज नहीं कर पाई. जहां टीम इंडिया के प्लेयर्स अपने परिवार के साथ जीत की खुशी में डूबे नजर आ रहे हैं। वहीं, सोशल मीडिया पर सामने आ रही तस्वीरों में साउथ अफ्रीका के प्लेयर्स भी अपने परिवारों के साथ गम के साए में नजर आए।

विश्व कप जीतने के एक दिन बाद जडेजा ने भी टी20 से संन्यास लिया

एजेंसी। बारबाडोस

दक्षिण अफ्रीका को सात रनों से हराकर भारत द्वारा 2024 पुरुष टी20 विश्व कप जीतने के बाद रोहित शर्मा और विराट कोहली ने टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास की घोषणा की थी , जिसके बाद बाएं हाथ के स्पिन ऑलराउंडर रवींद्र जड़ेजा ने भी घोषणा की है कि वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेल के सबसे छोटे प्रारूप से संन्यास ले रहे हैं। इंस्टाग्राम पर अपनी पोस्ट के अनुसार, घुटने की चोट के कारण टूर्नामेंट के 2022 संस्करण से चूकने वाले जडेजा ने लिखा कि वह वनडे और टेस्ट में देश का प्रतिनिधित्व करना जारी रखेंगे। ह्रकृतज्ञता से भरे दिल के साथ, मैं टी20 अंतरराष्ट्रीय को अलविदा कहता हूं। गर्व के साथ दौड़ने वाले एक दृढ़ खिलाड़ी की तरह, मैंने हमेशा अपने देश के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ दिया है और अन्य प्रारूपों में भी ऐसा करना जारी रखूंगा। उन्होंने कहा, टी20 विश्व कप जीतना एक सपने के सच होने जैसा था, मेरे टी20 अंतर्राष्ट्रीय करियर का शिखर। यादों, उत्साह और अटूट समर्थन के लिए धन्यवाद। जय हिंद रवींद्रसिंह जड़ेजा। 2009 में श्रीलंका के खिलाफ अपने पदार्पण के बाद से, जडेजा ने भारत के लिए 74 टी20 खेले, जिसमें मैदान पर 28 कैच लेने के अलावा, 21.45 के औसत और 127.16 के स्ट्राइक-रेट से 515 रन बनाए। गेंद से उन्होंने 29.85 की औसत और 7.13 की स्ट्राइक रेट से 54 विकेट लिए।

बॉलिंग के विराट कोहली हैं जसप्रीत बुमराह

नई दिल्ली। टीम इंडिया के साथ ही पूरा भारतवर्ष इस समय जश्न में डूबा हुआ है. खुशियां मनाएं भी क्यों नहीं... भारत ने 17 साल के बाद टी20 वर्ल्ड कप पर कब्जा जमाया है. टीम इंडिया ने अविजित रहते हुए विश्व कप अपने नाम किया है. साल 2007 में टीम इंडिया लिजेंड्री महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में टी20 वर्ल्ड कप की विजेता रही थी. आईसीसी ट्रॉफियों के फाइनल में लगातार हार के बाद आखिरकार यह उपलब्धि भारत के नाम आई है. कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली के साथ ही भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की भी हर तरफ चर्चा हो रही है. पाकिस्तानी क्रिकेट के दिग्गज भी बुमराह के मुरीद हो गए हैं. उन्होंने तो जसप्रीत बुमराह को बॉलिंग का विराट कोहली करार दे दिया है. पाकिस्तान के दिग्गज ऑलराउंडर में शुमार शोएब मलिक ने भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की जमकर तारीफ की है।

बिना कोई मैच गंवाए पुरुष टी20 विश्व कप जीतने वाला पहला देश बना भारत

एजेंसी। बारबाडोस

भारत ने टी 20 वर्ल्ड कप 2024 के फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को सात रन से हराते हुए खिताब अपने नाम कर लिया है। दूसरी बार भारत को यह खिताब दिलाने में कई खिलाड़ियों के योगदान रहे। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने विराट कोहली (76) और अक्षर पटेल (47) की बदौलत 176/7 का स्कोर बनाया था। जवाब में दक्षिण अफ्रीका ने हेनरिक क्लासेन (27 गेंद, 52 रन) के दम पर मैच को लगभग अपने मुट्ठी में कर ही लिया था। हालांकि, 30 गेंदों में 30 रनों की जरूरत होने पर भारतीय गेंदबाजों ने शानदार वापसी की और मैच को अपने नाम कर लिया। आइए एक नजर डालते हैं इस मैच में बने बड़े रिकॉर्ड्स पर। भारत पूरे टूर्नामेंट में बिना कोई मैच गंवाए टी20 विश्व कप जीतने वाली पहली टीम बना है। भारत ने टूर्नामेंट में खेले सभी आठ मैच जीते और उनका ग्रुप चरण में कनाडा के खिलाफ मैच बारिश से धुल गया था। भारत टी20 विश्व कप दूसरी बार जीतने वाली तीसरी टीम बन चुका है। वेस्टइंडीज ने यह कारनामा सबसे पहले किया था और फिर इंग्लैंड ने भी इसे दोहराया था। नौ खिलाड़ी दो टी20 विश्व कप फाइनल जीत का हिस्सा रह चुके हैं - रोहित इस लिस्ट में शनिवार को शामिल हुए। डैरेन सैमी, मार्लोन सैमुअल्स, क्रिस गेल, जॉनसन चार्ल्स, ड्वेन ब्रावो, सैमुअल बद्री, आंद्रे रसेल और दिनेश रामदीन दो टी20 विश्व कप फाइनल जीत का हिस्सा रह चुके हैं।

भारत टी20 विश्व कप दूसरी बार जीतने वाली तीसरी टीम बन चुका है

झारखंड स्क्वैश रैकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष बने दीपक अग्रवाल

रांची। झारखंड स्क्वैश रैकेट एसोसिएशन की विशेष वार्षिक आम बैठक रविवार को स्थानीय होटल में हुई। इस बैठक में झारखंड स्क्वैश रैकेट एसोसिएशन वर्ष 2024-27 के लिए कार्यकारणी सदस्यों की घोषणा की गई। चुनाव पदाधिकारी झारखंड ओलंपिक एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष शिवेंदु दुबे ने नई टीम की घोषणा की। स्क्वैश रैकेट एसोसिएशन के नए अध्यक्ष दीपक कुमार अग्रवाल (रांची) बनाए गए है। इसके अलावा संगठन के उपाध्यक्ष स्मिता आनंद(गोड्डा), सीडी सिंह (रामगढ़) और आशीष झा (देवघर), महासचिव वरुण कुमार (दुमका), कोषाध्यक्ष विपुल कुमार (सिमडेगा), संयुक्त सचिव सरोज कुमार यादव (जामताड़ा), आशीष बनर्जी (राँची), कार्यकारणी सदस्यों में एनएन मल्लिक (जमशेदपुर), अभिषेक कुमार पांडेय (धनबाद), मुकेश कुमार (गिरिडीह), अमित पाठक (हजारीबाग) को चुना गया है।

व्यापार/लाइफ व साइंस

टी20 के फाइनल में 40% बढ़ गई क्विक कॉमर्स की बिक्री : रिपोर्ट

नई दिल्ली। फिनटेक स्टार्टअप 'सिंपल' ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि क्रिकेट वर्ल्डकप टी20 फाइनल के आसपास उसके प्लेटफॉर्म पर कंज्यूमर खर्च में 40 प्रतिशत का इजाफा देखने को मिला। 'सिंपल' की फाउंडर और सीईओ नित्या शर्मा ने कहा कि टी20 वर्ल्डकप के दौरान भारतीयों ने खुलकर अपनी क्रिकेट टीम का समर्थन किया। यह उनके ऑनलाइन खर्चों में देखने को मिला। पिछले 50 ओवर के वर्ल्डकप फाइनल के मुकाबले इस टी20 वर्ल्डकप फाइनल में क्विक कॉमर्स पर खरीदारी में 40 प्रतिशत की बढ़त देखने को मिली। उन्होंने आगे कहा कि मैच के दौरान रात 8 से 11 बजे के बीच लोगों ने लगातार क्विक कॉमर्स के जरिए खरीदारी की।

कमाई का मौका! हर शेयर पर मिलेगा 685 रुपये डिविडेंड

नई दिल्ली। डिविडेंड देने वाली कंपनियों पर दांव लगाने वाले निवेशकों के लिए अच्छी खबर है. अगले सप्ताह कई कंपनियों के डिविडेंड की रिकॉर्ड डेट है. इन कंपनियों में सबसे ज्यादा डिविडेंड का ऐलान 3एम इंडिया लिमिटेड ने किया है। 3एम इंडिया लिमिटेड ने एक शेयर पर 160 रुपये का फाइनल डिविडेंड के साथ ही हर शेयर पर 525 रुपये का स्पेशल डिविडेंड भी मिलेगा. इस तरह कुल मिलाकर 685 रुपये का कुल डिविडेंड मिलेगा. शेयर बाजार में 5 जुलाई को एक्स-डिविडेंड स्टॉक के तौर पर ट्रेड करेगी।

सोने में आने वाला है तेजी का बवंडर

जल्द 1,00,000 रुपये तोला पहुंच सकते हैं दाम

एजेंसी। नई दिल्ली

अगर घर में सोना रखा हो तो आदमी चैन की नींद सो सकता है। आपने बुजुर्गों से यह कहावत जरूर सुनी होगी। लेकिन शादी-ब्याह के लिये जेवर खरीदने जाने वालों का चैन छिन गया है। दाम हैं कि रुकने का नाम ही नहीं ले रहे। शादियों में जेवर के लिये बजट दिनों-दिन बढ़ाना पड़ रहा है। इस समय 24 कैरेट सोने का हाजिर भाव 72,550 रुपये प्रति 10 ग्राम है। यानी 84,535 रुपये प्रति तोला। एक तोले में 11.6638 ग्राम होता है। कीमतें जिस तरह से बढ़ रही हैं, उससे वह दिन दूर नहीं रह गया है, जब आपको 1 तोला सोने के लिए 1 लाख रुपये खर्च करने पड़ेंगे। आइए जानते हैं कि वे क्या कारण हैं, जिससे आने वाले समय में सोने की कीमतें रॉकेट बन सकती हैं।

रिटर्न है दमदार

पिछले रिटर्न की बात करें, अक्टूबर 2023 से लेकर अब तक यानी सिर्फ 8 महीने में सोना 35 फीसदी रिटर्न दे चुका है। फरवरी के मध्य से अब तक यह करीब 22 फीसदी रिटर्न दे चुका है। अधिकर कमोडिटी एक्सपर्ट्स का मानना है कि आने वाले समय में सोने में काफी बड़ी तेजी देखने को मिलेगी। कुछ लोग यह भी कह रहे कि 24 कैरेट सोने के भाव धनतेरस तक 1 लाख रुपये तोला पहुंच जाएंगे।

सोने में क्यों आ सकती है बड़ी तेजी

दुनिया की दिग्गज कमोडिटी रिसर्च फर्म जीएससी कमोडिटी एंटेलिजेंस ने 250 फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशंस का एक सर्वे किया है। इस सर्वे से यह निकल कर आया कि दुनिया में कर्ज बहुत बढ़ गया है। कोरोना महामारी के बाद इकोनॉमी में डिमांड बढ़ाने के लिए देशों ने खूब नोट छापे, लोगों को बेहद कम रेट पर पैसा दिया। इससे कर्ज काफी बढ़ गया। इस समय दुनिया के देशों पर करीब 310 लाख करोड़ डॉलर का कर्ज है।

पेंशनभोगियों के लिए लांच होगा विशेष अभियान

नई दिल्ली। केंद्र सरकार की ओर से पारिवारिक पेंशनभोगियों की शिकायत निवारण के लिए विशेष अभियान सोमवार को लॉन्च किया जाएगा। इस विशेष अभियान की शुरूआत कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन राज्यमंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह करेंगे। सरकार की ओर से जारी बयान में कहा गया कि पेंशन और पेंशनभोगी कल्याण विभाग (डीओपीपीडब्ल्यू) अपनी 100 दिवसीय कार्ययोजना के तहत 1-31 जुलाई, 2024 के दौरान पारिवारिक पेंशनभोगियों की शिकायतों के प्रभावी निवारण के लिए एक महीने का विशेष अभियान चलाएगा। इसमें 46 मंत्रालय/विभाग भाग ले रहे हैं। इस अभियान के तहत सरकार का उद्देश्य लंबित पारिवारिक पेंशन की शिकायतों में कमी लाना है।

निर्यातकों के संगठन की उद्योग मंत्री से मांग

सभी को मिलें आईइएस के फायदे

एजेंसी। नई दिल्ली

निर्यातकों के एक संगठन ने केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल को पत्र लिखकर ब्याज समानीकरण योजना को केवल दो महीने के लिए और केवल एमएसएमई के लिए बढ़ाए जाने पर चिंता जताई है। फेडरेशन ऑफ इंडिया एक्सपोर्ट्स ऑर्गनाइजेशन (फियो) के अध्यक्ष अश्विनी कुमार ने कहा कि इस योजना से अब तक न केवल सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम को लाभ मिला है, बल्कि व्यापारी निर्यातकों और बड़ी विनिर्माण कंपनियों को भी 410 टैरिफ लाइनों के लिए दो प्रतिशत की कम दर पर लाभ मिला है, जिसमें श्रम-गहन उत्पाद शामिल हैं।

योजना में मिलता है एक्सपोर्ट लोन

जून तक वैध वर्तमान योजना, निर्यात से पहले और बाद में रुपए में निर्यात ऋण उपलब्ध कराती है, निर्दिष्ट 410 निर्यात वस्तुओं से संबंधित विनिर्माताओं और व्यापारिक निर्यातकों के लिए दो प्रतिशत ब्याज समतुल्यता दर प्रदान करती है तथा इनमें से किसी भी वस्तु के अंतर्गत निर्यात करने वाले एमएसएमई विनिर्माताओं के लिए तीन प्रतिशत की उच्च दर प्रदान करती है।

पैसा रखें तैयार, अगले सप्ताह तीन आईपीओ में निवेश का मिलेगा मौका

एजेंसी। नई दिल्ली

साल 2024 में आईपीओ मार्केट में बहार है. ऐसा शायद ही कोई सप्ताह गया हो, जिसमें कोई आईपीओ लॉन्च न हुआ हो. अगले सप्ताह भी आपको तीन आईपीओ में पैसा लगाने का मौका मिलेगा. नए कारोबारी सप्ताह में दो आईपीओ मेनबोर्ड सेगमेंट जबकि एक एसएमई सेगमेंट का खुलने जा रहा है. एमक्योर फार्मास्यूटिकल्स, बंसल वायर और अंबे लैबोरेटरीज पब्लिक इश्यू के जरिए कंपनियां 2700 करोड़ रुपये बाजार से जुटाने की कोशिश करेगी।

3 को खुलेगा एमक्योर फार्मास्यूटिकल्स आईपीओ

एमक्योर फार्मास्यूटिकलस का प्रारंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव 3 जुलाई को खुलेगा. निवेशक इसमें 5 जुलाई तक बोली लगा सकते हैं. इश्यू का प्राइस बैंड 960 रुपये से 1008 रुपये प्रति शेयर तय किया है।

बंसल वायर आईपीओ

बंसल वायर का आईपीओ भी 3 जुलाई को खुलेगा और 5 जुलाई को बंद होगा. कंपनी इस इश्यू के जरिए 745 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रही है. इश्यू का 35% हिस्सा रिटेल निवेशकों के लिए आरक्षित है. कंपनी ने इश्यू के लिए प्राइस बैंड 243 रुपये से 256 रुपये प्रति शेयर तय किया है. निवेशक कम से कम 58 शेयरों के लिए अपनी बोली लगा सकते हैं. कंपनी इश्यू से प्राप्त धन का उपयोग अपने कर्ज को चुकाने के लिए करेगी।

जून तिमाही में सबसे अधिक बढ़ा भारतीय शेयर मार्केट

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2024-25 की जून तिमाही भारतीय शेयर बाजार के लिए काफी शानदार रही। इस अवधि में भारतीय शेयर बाजार के पूंजीकरण में 13.8 प्रतिशत (डॉलर में) की वृद्धि हुई है, जो कि दुनिया के शीर्ष 10 बाजारों में सबसे अधिक थी। मौजूदा समय में भारतीय शेयर बाजार का पूंजीकरण 5 ट्रिलियन डॉलर से अधिक का है और यह दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा शेयर बाजार है। अप्रैल से जून के बीच दुनिया के सबसे बड़े शेयर बाजार अमेरिका के बाजार मूल्यांकन में 2.75 प्रतिशत का इजाफा हुआ है और यह करीब 56 ट्रिलियन डॉलर पर पहुंच गया है।

जुलाई में 12 दिन बंद रहेंगे बैंक

एजेंसी। नई दिल्ली

आज से चार दिन बाद नया महीना जुलाई शुरू हो जाएगा. अगले महीने में अगर आपका इरादा भी बैंक जाकर कोई जरूरी काम निपटाने का है तो पहले जुलाई का बैंक छुट्टियों का केलैंडर जरूर चेक कर लें. हर महीने की तरह जुलाई में भी कई दिन बैंकों की छुट्टियां रहने वाली हैं. अगले महीने साप्ताहिक छुट्टियों और अन्य अवकाशों को मिलाकर कुल 12 दिन बैंक बंद रहेंगे. अगर अगले महीने यानी जुलाई में किसी काम से बैंक है तो बैंक जाने से पहले छुट्टियों की लिस्ट जरूर देख लें. कहीं ऐसा न हो आप उस दिन घर से निकल जाएं जिस दिन बैंक की छुट्टी हो. रिजर्व बैंक हर कैलेंडर वर्ष में बैंकों की छुट्टियों की लिस्ट जारी करता है. यहां यह जान लेना जरूरी है कि पूरे देश के बैंक जुलाई में 12 दिन बंद नहीं रहेंगे. हॉलीडे लिस्ट में से कई अवकाश राष्ट्रीय स्तर के हैं. उस दिन पूरे देश में बैंकिंग सेवाएं बंद रहेंगी। वहीं, कुछ अवकाश स्थानीय या क्षेत्रीय स्तर के होते हैं. उन दिनों को केवल उससे जुड़े राज्यों में ही बैंक शाखाएं बंद होती हैं. इसलिए यह जरूरी नहीं है कि जिस दिन हिमाचल में बैंक बंद हो उस दिन गुजरात में भी बैंको में कामकाज न हो।

इस हफ्ते खुलेंगे 2,700 करोड़ रुपये के आईपीओ

मुंबई। आईपीओ बाजार में तेजी बनी हुई है। एक के बाद एक कंपनियां अपना आईपीओ लेकर आ रही हैं। इस हफ्ते मेनबोर्ड कैटेगरी में एमक्योर फार्मास्युटिकल्स और बंसल वायर इंडस्ट्रीज का इनिशियल पब्लिक ऑफर (आईपीओ) आ रहा है। एमक्योर फार्मास्युटिकल्स का आईपीओ 3 जुलाई को आम जनता के लिए खुलेगा। इस आईपीओ के जरिए कंपनी करीब 1,952 करोड़ रुपये जुटाएगी। यह आईपीओ फ्रेश इश्यू और ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) का मिश्रण होगा। इस आईपीओ में 800 करोड़ रुपये का फ्रेश इश्यू और 1,152 करोड़ रुपये ओएफएस होगा।

अमर शहीदों को नमन कर राज्य के विकास का लिया संकल्प

रविवार को मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन, पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, गांडेय से नवनिर्वाचित विधायक कल्पना सोरेन, सांसद विजय हांसदा सहित कई नेताओं ने 1855 के हूल क्रांति के वीर शहीदों को भोगनाडीह पहुंचकर नमन किया। इस मौके पर भोगनाडीह में कई कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें योग्य पात्रों के बीच परीसंपत्ति का वितरण किया गया।

शहीदों को सम्मान और उनके परिजनों की सुध लेने वाली पार्टी है झामुमो

नवीन मेल संवाददाता। रांची

हूल दिवस पर झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) रांची जिला समिति ने रविवार को कांके रोड स्थित सिद्धू कान्हू पार्क में उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किया। झामुमो जिला उपाध्यक्ष अश्विनी शर्मा ने कहा कि झारखंड के तमाम शहीदों को सम्मान और शहीद के परिजनों की सुध लेने वाली पार्टी एक मात्र झामुमो ही है। हेमन्त सोरेन के नेतृत्व में हूल क्रान्ति के महानायकों, शहीदों एवं शहीदों के परिजनों की सुध ली गई। सभी शहीद स्थलों का सौंदर्यीकरण किया गया। छूटे हुए शहीद स्थलों को सौंदर्यीकरण करने के लिए मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन अग्रसर हैं। कार्यक्रम में जिला सचिव डॉ हेमलाल कुमार मेहता हेमू, केन्द्रीय सदस्य समनुर मंसुरी, जिला उपाध्यक्ष जनक नायक, रामानंद बेदिया, कलाम आजाद, डॉ तालकेश्वर महतो सहित अन्य शामिल थे।

केंद्रीय सरना समिति ने हूल दिवस पर सिद्धो-कान्हू को किया याद

रांची। हूल दिवस पर रविवार को केन्द्रीय सरना समिति और चडरी सरना समिति के अध्यक्ष बबलू मुंडा ने कांके रोड स्थित सिद्धू कान्हू पार्क में सिद्धू कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें याद किया । मौके पर बबलू मुंडा ने कहा कि संथाल हूल का नेतृत्व भोगनाडीह निवासी चुन्नी मांझी के चार पुत्रो ने किया। उनके नाम थे सिद्धू, कान्हू, चांद और भैरव था। 30 जून 1855 को सिद्धू और कान्हू के नेतृत्व में मौजूदा साहिबगंज जिले के भोगनाडीह गांव से विद्रोह शुरू हुआ था। मुख्य पहान जगलाल पहान ने कहा कि 30 जून 1855 को मौजूदा साहिबगंज जिले के भोगनाडीह गांव में वीर सिद्धू कान्हू और चांद भैरव के नेतृत्व में 400 गांव के लगभग 50,000 लोगों ने अंग्रेजी हुकूमत से आमने-सामने की जंग का ऐलान किया था। चडरी सरना समिति के प्रधान महासचिव सुरेंद्र लिंडा ने कहा कि सिद्धू कानू संथाल विद्रोह 1855 से 1856 के नेता थे जो पूर्वी भारत के वर्तमान झारखंड में ब्रिटिश औपनिवेशिक सत्ता और भ्रष्ट उच्च जाती की जिम्मेदारी व्यवस्था दोनों के खिलाफ मूल निवासियों का विद्रोह था।

कांग्रेस ने हूल दिवस पर सिद्धो-कान्हू को अर्पित किया श्रद्धासुमन

रांची। प्रदेश कांग्रेस ने रविवार को हूल क्रांति दिवस पर सिद्धू कान्हू पार्क में संथाल हूल के अमर नायक सिद्धू-कान्हू की प्रतिमा और कांग्रेस भवन में उनके चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। मौके पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि झारखंड के महान सपूत सिद्धू-कान्हू और चांद-भैरव ने 150 वर्ष पूर्व अंग्रेजों के शोषण एवं अत्याचार के खिलाफ स्वाभिमान तथा आत्मसम्मान के लिए संघर्ष का बिगुल फूंका था। यह आंदोलन 1857 के स्वतंत्रता आंदोलन की पृष्ठभूमि थी। यह सबसे अधिक संगठित और सशक्त आंदोलन था, जिसमें संथाली अपनी मातृभूमि की खातिर कुर्बान होने को तैयार हो गए। उन्होंने कहा कि झारखंडवासियों को महान सपूतों के बलिदान से प्रेरणा लेकर झारखंड को समृद्ध और विकसित राज्य बनाने का संकल्प लेना होगा। इस मौके पर अमूल नीरज खलको, मदन मोहन शर्मा, सतीश पाल मुंजनी, सोनाल शांति, गजेंद्र सिंह, कमल ठाकुर, रमा खलको, गौतम उपाध्याय, राकेश किरण महतो, अजय सिंह, एनुल हक, रमेश पांडे, चंदन बैठा, मनोज कुमार महतो, गुलजार अहमद, सुरेन राम, हृदय आनंद यादव, जगन्नाथ साहू, अर्चना मिर्धा, शिवटहल नायक आदि थे।

बढ़ते भारत, बदलते भारत की गाथा है मन की बात : बाबूलाल मरांडी

नवीन मेल संवाददाता। रांची

केंद्र में तीसरी बार मोदी सरकार बनने के बाद रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का 111 वा संस्करण प्रसारित हुआ। प्रदेश भाजपा की ओर से यह कार्यक्रम राज्यभर के बूथों पर पार्टी के पदाधिकारी, सांसद, विधायक, जन प्रतिनिधि व कार्यकताओं ने सुना। प्रदेश अध्यक्ष एवम पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने अपने संथाल परगना प्रवास के दौरान शिकारीपाड़ा के पलमा में कार्यकताओं के साथ मन की बात कार्यक्रम को सुना। मरांडी ने कहा कि प्रधानमंत्री का यह संबोधन कार्यक्रम आम जनता से जुड़ाव का अनूठा कार्यक्रम है। विश्व के किसी राजनेता के द्वारा प्रति सप्ताह जनता से ऐसा प्रत्यक्ष संवाद नहीं होता। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत तेजी से आगे बढ़ रहा। मन की बात कार्यक्रम बढ़ते भारत ,बदलते भारत की गाथा है। उन्होंने कहा कि देश सकारात्मक बदलाव की ओर बढ़ रहा। भारत का सांस्कृतिक गौरव बढ़ रहा। दुनिया का भारत के प्रति दृष्टिकोण में सकारात्मक बदलाव आए हैं। उन्होंने हूल क्रांति और उसके महानायक सिदो कान्हू से भारत की जनता को परिचित कराने के लिए आभार प्रकट किया।

हमारे सामर्थ्य और संस्कृति से परिपूर्ण संवाद है मन की बात : अमर कुमार बाउरी

गोंदा मंडल स्थित रॉक गार्डन बूथ पर मन की बात कार्यक्रम में शामिल हुए नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने कहा कि मन की बात कार्यक्रम भारत के सामर्थ्य और संस्कृति का संवाद है। कहा कि आज के 111वें संस्करण में विकसित भारत की सोच है, शहीदों की गाथाएं है, जनता का परिश्रम है,सांस्कृतिक विरासत है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग नही चाहते थे कि मन की बात का 111वे संस्करण को बोलने का अवसर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को मिले। लेकिन देश की जनता ने यह अवसर तीसरी बार मोदी सरकार के संकल्प को पूरा करके दिया। इसके साथ ही क्षेत्रीय संगठन महामंत्री नागेंद्र त्रिपाठी ,प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह,प्रदेश महामंत्री एवम सांसद आदित्य साहू, डॉ प्रदीप वर्मा,मनोज कुमार सिंह सहित हजारों कार्यकताओं ने अपने अपने बूथों पर मन की बात कार्यक्रम को सुना।

मुख्यमंत्री चंपाई दो को 1500 करोड़ की परियोजनाओं का करेंगे शिलान्यास-उद्घाटन

नवीन मेल संवाददाता। रांची

मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन दो जुलाई को राज्यवासियों को 1500 करोड़ की योजनाओं की सौगात देंगे। इस अवसर पर जल संसाधन, पथ निर्माण विभाग व भवन निर्माण मंत्री बसंत सोरेन भी उपस्थित रहेंगे। उप राजधानी दुमका से योजनाओं का शिलान्यास-उद्घाटन होगा। इसका सबसे अधिक लाभ संथाल के सभी छह जिलों को मिलेगा। इस दौरान कई महत्वपूर्ण सड़क-पुल व प्रखंड भवन सहित सिंचाई परियोजनाओं की सौगात मिलेगी। इनमें कई नई योजनाएं भी शामिल हैं। मुख्यमंत्री के इस कार्यक्रम को देखते हुए तीनों विभाग तैयारी कर रहे हैं। संबंधित जिला प्रशासन को भी इस संबंध में दिशा-निर्देश दिया गया है।

भाकपा के राष्ट्रीय महासचिव डी राजा ने पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से की मुलाकात

नवीन मेल संवाददाता। रांची

भाकपा के राष्ट्रीय महासचिव डी राजा सहित अन्य नेताओं ने रविवार को झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से मुलाकात की। साथ ही जेल से पांच महीने के बाद बाहर आने पर उन्हें शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि संविधान और सच्चाई की जीत हुई है। भाजपा के मंसूबों पर चोट हुई है। हेमंत सोरेन के बाहर आने से इंडिया ब्लॉक मजबूत हुआ है और आने वाले विधानसभा चुनाव में भाजपा को हराने के लिए एकजुट होकर चुनाव लडने का संकल्प लें। मुलाकात करने वाले नेताओं में पीके पांडेय, महेंद्र पाठक, अजय सिंह, केडी सिंह, कलम रशीदी और पुष्कर महतो सहित अन्य शामिल थे।

शैलबी डिवाइन के सहयोग से लायंस क्लब ने किया मेडिकल कैंप का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता। रांची

शैलबी डिवाइन सुपरस्पेशियलिटी हॉस्पिटल के सहयोग से लायंस क्लब ऑफ रांची ग्लोबल ने रविवार को मोरहाबादी स्थित बापू वाटिका के समीप निःशुल्क मेडिकल चेकअप कैंप का आयोजन किया। कैंप में ब्लड प्रेशर, शुगर सहित अन्य बीमारियों की जांच की गई। लायंस क्लब ऑफ रांची ग्लोबल के प्रेसिडेंट लायंस शैलेश अग्रवाल ने कहा कि शिविर लगाने का मुख्य उद्देश्य लोगों को उनके स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना है। क्लब का मुख्य उद्देश्य मानवता की सेवा करना है, जिसे जरूरतमंद लोगों के बीच फ्री मेडिकल कैंप लगाकर सार्थक किया जा रहा है। आने वाले दिनों में क्लब की गतिविधियों को रफ्तार दी जाएगी। मौके पर क्लब की तरफ से अस्पताल के डॉक्टरों की टीम तथा अतिथियों को सम्मानित किया गया।

पृष्ठ एक के शेष

वरीय शिक्षक को नजरअंदाज...
लिया जाए। अभिभावकों ने भी इस मुद्दे पर चिंता जताई है और प्रबंधन से उचित कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि शिक्षा से जुड़े पदों पर निर्णय लेते समय योग्यता और अनुभव को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। विश्वविद्यालय अधिनियम में वरीयता क्रम को उचित माना गया है। कॉलेज से जुड़े मुरारी झा ने इस विषय पर बताया कि यह निर्णय कॉलेज हित में सही नहीं है। इसका निर्णय सचिव को बैठक बुलाकर सर्वसम्मति से करना चाहिए। कॉलेज से जुड़े रविशंकर सिंह ने बताया कि उन्हें इस विषय की जानकारी नहीं है। मीटिंग में इस विषय को रखेंगे।

नये कानून में ज्यादा बदलाव...
बेसिक स्ट्रक्चर वही है। नया टेक्नोलॉजी के यूज करते हुए अनुसंधान करना है। कुछ सेक्शन इधर से उधर हुआ है। वह समय के साथ ठीक हो जाएगा। पब्लिक के लिए एवरनेस प्रोग्राम चलाना है।

वीर शहीदों से प्रेरणा लेकर...
रहे हैं। अपनी इन व्यवस्थाओं को मजबूत कर ही हम राज्य को नई दिशा और दशा दे सकते हैं।

खनिज संसाधनों पर आदिवासियों-मूलवासियों का पहला अधिकार : मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड में खनिज और प्राकृतिक संसाधनों की प्रचुरता है। इस लिहाज से झारखंड काफी धनी है लेकिन यहां के लोग आज भी गरीब हैं। यहां के खनिज संसाधनों से दूसरे राज्य आगे बढ़ रहे हैं लेकिन झारखंड पिछड़ा राज्य में ही गिना जाता है। अब इसमें बदलाव देखने को मिल रहा है। हमारी सरकार ने संकल्प लिया है कि झारखंड को विकसित राज्य बनाना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार सरकार की अनेकों योजनाएं हैं, जिसका लाभ यहां के लोगों को मिल रहा है। चाहे शिक्षा का क्षेत्र हो या स्वास्थ्य, रोजगार, कृषि, सिंचाई, पशुपालन, उद्योग, खेल या और कोई सेक्टर हर किसी के लिए योजनाएं हैं। आप इन योजनाओं से जुड़े और अपने को सशक्त बनाने के साथ राज्य के विकास में भागीदार बनें।

अपनी अस्मिता और पहचान को खोने नहीं देंगे : हेमन्त सोरेन
पूर्व मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने राज्यवासियों को हूल दिवस की बधाई दी। उन्होंने कहा कि हम वर्षों से हूल दिवस मनाते चले आ रहे हैं। आज इस अवसर पर संकल्प लेकर राज्य के विकास में जो भी चुनौतियां सामने आएगी उसका मुकाबला पूरी ताकत के साथ किया जाएगा। हमें अपने हक और अधिकार को हर हाल में लेना है और इसके खिलाफ साजिश रचने वालों को जवाब देना है। हमें जल-जंगल और जमीन को हर हाल में बचाना है। क्योंकि, इसी की खातिर हमारे पूर्वजों ने बलिदान दी थी। हम अपनी अस्मिता और पहचान को किसी कीमत पर मिटने नहीं देंगे। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले चार वर्षों में हमने झारखंड में बदलाव लाने का काम किया है। अब सरकार हेडक्वार्टर से नहीं, बल्कि गांव से चलती है। हमारी योजनाएं धरातल पर उतरती हैं, जिसका लाभ समाज का अंतिम पंक्ति का व्यक्ति भी उठा रहा है। युवाओं को रोजगार देने के क्षेत्र में भी सरकार कई कदम उठाए हैं। झारखंड की संपदा पर पहला हक झारखंड वासियों का है। इसी सोच के साथ राज्य सरकार आगे बढ़ रही है।

396 योजनाओं की मिली सौगात : इस दौरान मुख्यमंत्री ने 29026.745 लाख रुपये की कुल 396 योजनाओं का उद्घाटन-शिलान्यास किया। इसमें 11284.854 लाख रुपये की 165 योजनाओं का उद्घाटन और 17741.731 लाख रुपये की 231 योजनाओं की आधारशिला रखी। इस मौके पर उन्होंने कुल 37212 लाभुकों के बीच 9289.745 लाख रुपये की परिसंपत्तियां बांटी।

देश के 30वें सेना प्रमुख बने...
अकादमी, देहरादून से जम्मू और कश्मीर राइफल्स की 18वीं बटालियन में नियुक्त किया गया था। उन्होंने ऑपरेशन रक्षक के दौरान चौकीबल में एक बटालियन की कमान संभाली थी, जो ऑपरेशन राइनो के दौरान मणिपुर में असम राइफल्स का एक सेक्टर था। उन्होंने असम में इंस्पेक्टर जनरल, असम राइफल्स के रूप में भी कार्य किया है। वह भारतीय सैन्य अकादमी में एक प्रशिक्षक के रूप में तैनात रहे हैं। वह सेशेल्स सरकार में सैन्य अताशे और पैदल सेना के महानिदेशक के रूप में तैनात रहे हैं। उन्हें फरवरी, 2020 में ककोर का कमांडर और अप्रैल, 2021 में सेना स्टाफ (सूचना प्रणाली और समन्वय) के उप प्रमुख के रूप में नियुक्त किया गया था। उन्होंने ऐसे समय में सीओएएस का पदभार संभाला है, जब वैश्विक भू-रणनीतिक वातावरण गतिशील बना हुआ है, तकनीकी प्रगति और आधुनिक युद्ध के लगातार बदलते चरित्र के कारण सुरक्षा क्षेत्र में चुनौतियां अधिक स्पष्ट होती जा रही हैं। इसलिए उभरते राष्ट्र के लिए सुरक्षा खतरों का मुकाबला करने के लिए परिचालन तैयारियां सीओएएस के लिए एक प्रमुख फोकस क्षेत्र के रूप में प्रमुखता से सामने आएंगी। इसके साथ ही असंख्य गैर-पारंपरिक सुरक्षा चुनौतियों के लिए एक केंद्रित प्रतिक्रिया रणनीति भी राष्ट्र की रक्षा को बढ़ाने की दिशा में एक प्राथमिकता होगी। जनरल द्विवेदी अपने साथ अप्रत्याशित रूप से प्रभावी ढंग से योजना बनाने और उसे क्रियान्वित करने का एक समृद्ध अनुभव और सिद्ध ट्रैक रिकॉर्ड लेकर आए हैं। जनरल अधिकारी को सुरक्षा क्षेत्र में आधुनिक और उभरती प्रौद्योगिकियों की गहरी समझ है और परिचालन प्रभावशीलता को बढ़ाने के लिए सैन्य प्रणालियों में अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों का उपयोग और एकीकरण करने का एक विचारशील दृष्टिकोण है। यह दृष्टि भारतीय सेना की आत्मनिर्भरता के माध्यम से अपने आधुनिकीकरण और क्षमता विकास की जरूरतों को पूरा करने के चल रहे प्रयास के अनुरूप है। वह सेना में विश्वास की संस्कृति को बढ़ावा देने और जूनियर अधिकारियों के सशक्तिकरण पर भी ध्यान केंद्रित करेंगे।

लगातार घट रही जनजातियों की...
करने की मांग की। मरांडी ने आदिवासियों की तेज गति से घटती जनसंख्या पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि 1951 की जनगणना से लेकर 2011 की जनगणना के बीच आबादी का विश्लेषण करें तो भयावह तथ्य उजागर होते हैं। 1951 में आदिवासियों की आबादी 44.69 प्रतिशत थी, जो 2011 में 16 प्रतिशत घटकर 28.11 प्रतिशत हो गई जबकि मुस्लिम आबादी इस बीच 9.44 प्रतिशत से बढ़कर 22.73 प्रतिशत हो गई। शेष समुदाय की आबादी 43 प्रतिशत से बढ़कर 49 प्रतिशत ही हुई।

सिद्धो-कान्हू ने हजारों...
को शुभकामनायें दी। तीन महीने के अंतरराल के बाद मन की बात के 111वें एपिसोड में प्रधानमंत्री ने उम्मीद जताई कि भारतीय खिलाड़ी ओलंपिक में मेडल के साथ-साथ लोगों का दिल भी जीतेंगे। उन्होंने कहा कि टोक्यो ओलंपिक खेलों में अपने प्रदर्शन से खिलाड़ियों ने हर भारतीय का दिल जीत लिया। इसके बाद से ही खिलाड़ी पेरिस ओलंपिक की तैयारियां कर रहे हैं। पेरिस ओलंपिक में भारतीय दल इस बार अधिक खेलों में भाग ले रहा है। खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए उन्होंने लोगों से चीयर4भारत हैशटेग पर अपनी शुभकामनायें भेजने के लिए कहा। प्रधानमंत्री मोदी ने तीन महीने के लोकसभा चुनाव के दौरान संविधान और देश की लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं में अपनी अटूट आस्था दोहराने के लिए देशवासियों का आभार व्यक्त किया। साथ ही चुनाव आयोग की महत्वपूर्ण भूमिका की भी सराहना की। प्रधानमंत्री ने इस वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस पर शुरू हुए विशेष अभियान 'एक पेड़ मां के नाम' में भागीदारी की अपील करते हुए कहा कि यह देखकर खुशी होती है साथ अपनी तस्वीरें साझा करके दूसरों को प्रेरित कर रहे हैं। कार्यक्रम में उन्होंने बताया कि केरल की कार्थुम्बी छतरियां क्यों खास है। केरल के अट्टापटी में तैयार किए जाने वाले यह खास छाते आदिवासी महिलायें तैयार करती हैं और समय के साथ उनकी मांग बढ़ रही है। इसके अलावा उन्होंने आंध्र प्रदेश की अराकू कॉफी के बारे बताया जिनकी पूरी दुनिया में बहुत मांग है। उन्होंने पुलवामा के मटर के बारे में बताया जिनकी पहली खेप को हाल ही में लंदन भेजा गया है।

दुनियाभर में भारतीय भाषा, संस्कृति और योग को मिलते आदर व स्नेह का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने बताया कि कुवैत सरकार ने राष्ट्रीय रेडियो पर हिन्दी में एक खास कार्यक्रम शुरू किया है। इसके लिए उन्होंने स्थानीय सरकार को धन्यवाद दिया। उन्होंने बताया कि तुर्कमेनिस्तान में राष्ट्रीय कवि की जयंती पर 24 प्रसिद्ध कवियों की प्रतिमायें लगाई गई हैं। इसमें गुरुदेव रविन्द्रनाथ टेगौर की भी प्रतिमा है। आकाशवाणी की संस्कृत सेवा के पच्चास वर्ष पूरे होने के खास अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा कि इन वर्षों में कार्यक्रम ने देशवासियों को संस्कृत से जोड़े रखा। इसी क्रम में उन्होंने बेंगलुरू के कब्बन पार्क का जिक्र किया जहां लोगों ने हर हफ्ते रविवार को संस्कृत में बात करने की पहल शुरू की है। इसकी शुरूआत एक वेबसाइट के जरिए समष्टि गुब्बी ने की थी। प्रधानमंत्री ने आगामी जगन्नाथ यात्रा और शुरू हो चुकी अमरनाथ यात्रा का भी कार्यक्रम में उल्लेख किया।

KASHYAP'S DENTAL CLINIC

Dr. Vaibhav Kashyap

Oral & Dental Surgeon, C.c. Endodontist & Implantologist Certified Orthodontist, MIDA

" Smiles & More"

छात्र-छात्राओं के लिए 50% की छूट

Facilities

- आरसीटी
- पायरिया का ईलाज
- टेढ़े-मेढ़े दाँतों का ईलाज
- स्माईल डिजाइन
- इनविजिवल क्लिप
- दंत रोपण
- फिक्स दाँत लगाना
- अत्याधुनिक मशीन और तकनीक के द्वारा ईलाज

CHAMBER

SKYLINE - 4006, 4th Floor, Kadru, Opp. Dr. Lal's Hospital, Ranchi

Contact No. : 9199533383, 7903835453

Time : 9 am to 2 pm & 4 pm to 8 pm

Sunday : 9 am to 2 pm

E-mail : vaibhav.kashyap2011@gmail.com

केदारनाथ धाम के सुमेरु पर्वत की पहाड़ी पर आया एवलांच, कोई नुकसान नहीं

एजेंसी। रुद्रप्रयाग

केदारनाथ धाम मंदिर के पीछे की पहाड़ियों में एक बार फिर से एवलांच आया है। हालांकि इस एवलांच से किसी भी प्रकार का कोई नुकसान नहीं हुआ है। इस बफीर्ली पहाड़ी पर समय-समय पर एवलांच आते रहते हैं। पर्यावरणविदों ने इस घटना को चिंता का विषय बताया।

रविवार सुबह 5 बजकर 46 मिनट के आसपास केदारनाथ मंदिर से पांच किमी पीछे सुमेरु पर्वत पर एवलांच आया। सुमेरु पर्वत की पहाड़ी से तेजी के साथ बर्फ का गुब्बार नीचे आया और पहाड़ी पर बर्फ का धुंआ उड़ने लगा। इसके बाद केदारनगरी में हलचल मच गई। काफी देर तक यह एवलांच आता रहा। हालांकि इस पहाड़ी पर एवलांच आना कोई नयी बात नहीं है। यहां समय-समय पर एवलांच आते रहते हैं। आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया कि केदारनाथ मंदिर के पीछे सुमेरु पर्वत की पहाड़ी पर कई बार एवलांच की घटना देखने को मिल रही है। रविवार सुबह आए एवलांच से किसी भी प्रकार का कोई नुकसान नहीं हुआ है। उन्होंने बताया कि इस पहाड़ी पर इस प्रकार के एवलांच आते रहते हैं। यहां बर्फ अधिक गिरने पर इस प्रकार की घटनाएं होती रहती हैं। इनसे किसी भी प्रकार का नुकसान नहीं होता है। वहीं, पर्यावरणविद जगत सिंह जंगली ने इस घटना को चिंता का विषय बताया। उन्होंने कहा कि हिमालय क्षेत्र में लगातार हो रही इस प्रकार की घटनाओं को लेकर सोचने की आवश्यकता है। हिमालय

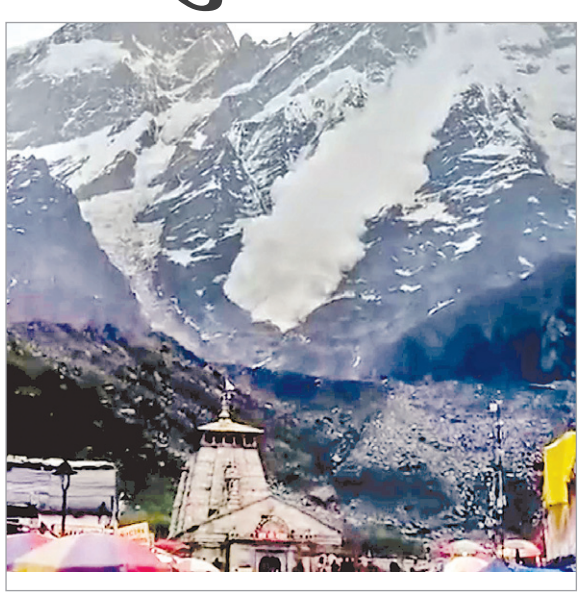

क्षेत्र में हो रहे निर्माण कार्य और हेली कंपनियों की अनियमित उड़ानों के कारण इस तरह की घटनाएं हो रही हैं।

जय फिलिस्तीन पर सांसद ओवैसी के घर के बाहर विरोध प्रदर्शन

नई दिल्ली। विश्व हिन्दू परिषद और बजरंग दल ने रविवार को हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी के संसद में शपथ ग्रहण के दौरान जय फिलिस्तीन नारा लगाने पर कड़ी आलोचना करते हुए उनके खिलाफ प्रदर्शन किया। विश्व हिन्दू परिषद और बजरंग दल ने 34 अशोका रोड स्थित ओवैसी के आवास के बाहर उनका पुतला जलाया। हिन्दू संगठन के कार्यकताओं ने ओवैसी के खिलाफ नारेबाजी की और पोस्टर दिखाए। उल्लेखनीय है कि कुछ दिन पहले ओवैसी के घर के बाहर उनकी नेम प्लेट पर काली इंक पोती गई थी और एक पोस्टर लगाया गया था, जिसमें इजराइल के साथ एकजुटता दिखाते हुए भारत माता की जय लिखा था। इस दौरान विहिप के प्रांत मंत्री सुरेन्द्र कुमार गुप्ता ने जंतर-मंतर पर औवेसी की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की।

नौसेना प्रमुख चार दिवसीय बांग्लादेश दौरे पर, सहयोग के नए रास्ते तलाशेंगे

एजेंसी। नई दिल्ली

नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी 4 जुलाई तक बांग्लादेश की चार दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे। उनकी इस यात्रा का उद्देश्य भारत और बांग्लादेश के बीच द्विपक्षीय रक्षा संबंधों को मजबूत करना और नौसेना सहयोग के लिए नए रास्ते तलाशना है। एडमिरल त्रिपाठी ढाका में अपने समकक्ष बांग्लादेश नौसेना के प्रमुख एडमिरल एम नजमुल हसन के साथ द्विपक्षीय चर्चा करेंगे। साथ ही 4 जुलाई को चटगांव में बांग्लादेश नौसेना अकादमी (बीएनए) में होने वाली पासिंग आउट परेड की समीक्षा भी करेंगे। यात्रा के दौरान सीएनएस बांग्लादेश सेना और वायु सेना के प्रमुखों, प्रधान स्टाफ अधिकारी सशस्त्र बल प्रभाग और बांग्लादेश सरकार के वरिष्ठ नेतृत्व के साथ द्विपक्षीय चर्चा भी करेंगे। अपनी यात्रा के

नौसेना प्रमुख बनने के बाद पहली विदेश यात्रा पर ढाका पहुंचे एडमिरल

चटगांव में बांग्लादेशी नौसेना की पासिंग आउट परेड की समीक्षा भी करेंगे

दौरान सीएनएस ढाका के राष्ट्रीय रक्षा कॉलेज में प्रतिभागियों को संबोधित करेंगे और कुछ प्रमुख रक्षा सुविधाओं का दौरा करेंगे। भारत और बांग्लादेश के बीच नौसेना सहयोग पारंपरिक रूप से मजबूत रहा है, जिसमें बंदरगाहों पर जाकर परिचालन संबंधी बातचीत, द्विपक्षीय नौसेना अभ्यास, क्षमता निर्माण, क्षमता संवर्धन और प्रशिक्षण पहल शामिल हैं। नौसेना प्रमुख की इस यात्रा से दोनों देशों की नौसेनाओं के बीच दोस्ती के बंधन और मजबूत होंगे।

इनामी माओवादी दंपती समेत 12 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

बीजापुर/रायपुर। बीजापुर जिले में शनिवार को एक इनामी माओवादी दंपती समेत 12 नक्सलियों ने सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण किया है। सभी नक्सलियों ने सीआरपीएफ के अधिकारियों के सामने नक्सलियों की खोखली विचारधाराओं से तंग आकर आत्मसमर्पण है। पुलिस अधीक्षक जितेंद्र कुमार यादव ने बताया है कि नक्सलियों ने वरिष्ठ पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के अधिकारियों के सामने आत्मसमर्पण किया है।ये सभी नक्सली आदिवासियों पर माओवादियों द्वारा किए जा रहे अत्याचारों से निराश थे।इसलिए इनलोगों ने आत्मसमर्पण किया है।आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों में दो महिलाएं भी शामिल हैं, जो कि भैरमगढ़, गंगालूर और राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र समितियों के तहत सक्रिय थीं।

नाइजीरिया : आत्मघाती हमले में छह लोगों की मौत, 15 लोग हुए घायल

अबुजा। नाइजीरिया के उत्तरपूर्वी प्रांत बोर्नो में शनिवार को एक व्यस्त मोटर पार्क में एक संदिग्ध आत्मघाती बम हमले में कम से कम छह लोगों की मौत हो गई। जबकि, 15 लोग घायल बताए जा रहे हैं। बोर्नो के पुलिस प्रमुख यूसुफ लावल ने पत्रकारों को बताया कि संदिग्ध हमलावर ने मर्राबन ग्वोजा शहर में मोटर पार्क के पास आयोजित एक शादी समारोह को निशाना बनाया। पुलिस प्रमुख ने आगे बताया कि कम से कम छह शवों को बाहर निकाल लिया गया है। घायलों को बचाकर इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया। उन्होंने कहा कि पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है।

प्रधानमंत्री ने पूर्व उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू पर तीन पुस्तकों का विमोचन किया

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को पूर्व उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू की जीवन यात्रा पर तीन पुस्तकों का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विमोचन किया। अन्वया कन्वेंशन सेंटर, गाचीबोवली तेलंगाना में नायडू की 75वीं वर्षगांठ पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने नायडू को बधाई देते हुए कहा कि उनकी जीवनी और दो अन्य पुस्तकें लोगों को सही दिशा में काम करने के लिए प्रेरित करेंगी। उन्हें स्वयं उनसे साथ में काम करने के दौरान प्रेरणा मिली है। भाजपा में राष्ट्रीय अध्यक्ष, मंत्रिमंडल में सहयोगी

और देश के उपराष्ट्रपति के तौर पर उनके साथ काम करने और सीखने के कई मौके मिले हैं। विमोचित पुस्तकों में पूर्व उपराष्ट्रपति की जीवनी 'वेंकैया नायडू-लाइफ इन सर्विस', संकलित एक फोटो क्रॉनिकल 'सेलिब्रेटिंग भारत-एम. वेंकैया नायडू का भारत के 13वें उपराष्ट्रपति के रूप में मिशन और संदेशह्न और सचित्र जीवनी 'महानता-एम. वेंकैया नायडू का जीवन और यात्रा' शामिल है। इन्हें क्रमशः द हिंदू, हैदराबाद संस्करण के पूर्व रेजिडेंट एडिटर एस नागेश कुमार, उनके पूर्व सचिव आई.वी. सुब्बा राव, संजय किशोर ने लिखा एवं संकलित किया है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा कि सत्ता सुख पाने के लिए नहीं है, बल्कि सेवा के माध्यम से समाधान करने के लिए है। अटल बिहारी वाजपेई की सरकार और उनकी सरकार में भी उन्होंने इसे चरितार्थ करके दिखाया है।

राजनाथ ने डिप्टी स्पीकर पद के लिए ममता से मांगा समर्थन

ममता ने अखिलेश से कहा अयोध्या के सांसद को डिप्टी स्पीकर प्रत्याशी बनाइये

-कृष्णमोहन सिंह

नई दिल्ली। जो दिखता है वही सब कुछ नहीं होता। बहुत कुछ जो नहीं दिखता है वह होता है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के विरुद्ध केन्द्र का पूरा तंत्र किस हद तक कई साल से लगा है, सबको पता है। कुछ न कुछ हर माह खबरों में आ ही जाता है। केन्द्रीय सत्ताधारी पार्टी और ममता की पार्टी के कार्यकर्ता एक दूसरे को मारने मरने पर उतारू रहते हैं। मरते भी हैं। लेकिन जब लाभ लेना हो तो क्या होता है। उदाहरण है ममता को केंद्रीय रक्षा मंत्री का फोन। किसलिए? लोकसभा में डिप्टी स्पीकर पद पर ममता की पार्टी का समर्थन लेने के लिए। यह काम नरेन्द्र मोदी और अमित शाह तो करेंगे नहीं, क्योंकि किसी भी विपक्षी नेता से इस तरह का संबंध व व्यवहार नहीं रह गया है, जिससे कोई विपक्षी नेता उनसे सहजता से बात कर सके। इसलिए इस काम के लिए ही राजनाथ सिंह को केंद्र में मोदी के बाद कागज में दूसरे नंबर का दर्जा दिया गया है। लेकिन कामकाजी पावर के मायने में अमित शाह दूसरे नंबर पर माने जाते हैं। कागजी तौर पर वह तीसरे नंबर पर हैं। राजनाथ सिंह को इसी तरह से लोकसभा स्पीकर पद पर इंडिया गठबंधन दलों से बात करने के लिए लगाया गया था। उन्होंने बात भी किया। लेकिन कांग्रेस ने शर्त रख दिया कि यदि भाजपा लोकसभा का डिप्टी स्पीकर पद इंडिया गठबंधन को दे दे, तो इंडिया गठबंधन भाजपा के स्पीकर प्रत्याशी को समर्थन दे देगा। जिस पर राजनाथ सिंह ने कहा था कि पीएम से पूछकर बताएँगे। लेकिन वह बताए नहीं। अब इसी तरह से राजनाथ को ममता से समर्थन मांगने के लिए लगाया गया है। ताकि कहने को हो जाए कि भाजपा तो सर्वसम्मति से डिप्टी स्पीकर का भी चुनाव कराना चाहती है। इधर इंडिया गठबंधन में अभी तक किसी एक नाम पर सहमति नहीं बनी है। लेकिन इस बीच अपने स्वभाव के मुताबिक ममता बनर्जी ने सपा के अयोध्या से सांसद अवधेश प्रसाद को डिप्टी स्पीकर बनाने की बात चला दी। क्योंकि यदि अवधेश प्रसाद डिप्टी स्पीकर बन गये तो उनको पद पर देखते ही भाजपा के सांसद असहज होते रहेंगे। क्योंकि अयोध्या सीट गँवाना भाजपा के लिए कई कारण से बहुत ही खटकने वाला हो गया है। उधर इंडिया गठबंधन की सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस चाहती है कि डिप्टी स्पीकर पद का प्रत्याशी कांग्रेस के सांसद को बनाया जाए। इन हालात में यदि चुनाव हुआ तो क्या होगा, अनुमान लगाया जा सकता है।

एजुकेशन

12वीं के बाद कृषि की पढ़ाई देता है रोजगार के अवसर

रजनीश

कृषि को अक्सर एक पारंपरिक उद्योग के रूप में माना जाता है, लेकिन यह खेती और शारीरिक श्रम से परे रोजगार के व्यापक अवसर प्रदान करता है। प्रौद्योगिकी, नवाचार और स्थिरता को शामिल करते हुए यह क्षेत्र महत्वपूर्ण रूप से विकसित हुआ है, जिससे कैरियर पथों की एक विविध श्रृंखला तैयार हो रही है।

कृषि की पढ़ाई करवाने वाले कॉलेज और विश्वविद्यालय

- बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, रांची
- इंडियन एग्रीकल्चरल रिसर्च इंस्टिट्यूट, नई दिल्ली
- तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय, कोयंबटूर
- आचार्य एनजी रांगा कृषि विश्वविद्यालय, हैदराबाद
- जवाहरल नेहरु विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
- केन्द्रीय संस्थान कृषि अभियांत्रिकी, भोपाल
- पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना
- अंबिल धर्मलिंगम कृषि कॉलेज और अनुसंधान संस्थान, थिरुचिरापाली
- भारतीय कृषि सांख्यिकी अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली
- इंडियन वेटरनरी रिसर्च इंस्टिट्यूट, बरेली
- राष्ट्रीय डेयरी रिसर्च इंस्टिट्यूट, करनाल

जानिए कैसे करे आवेदन

- कृषि क्षेत्र से जुड़े सभी कोर्सेज को जानें और अपने लिए एक बेहतर विकल्प चुनें।
- उसके बाद कौनसे कॉलेजेस आपका चुना कोर्स उपलब्ध करातें है पता लगाएं। ध्यान से कोर्स और कॉलेज के लिए दी गई योग्यता को पढ़ें।
- एंट्रेंस एग्जाम के लिए योग्यता और तारीख का ध्यान रखें। अगर आप योग्य हों तो एग्जाम के लिए रजिस्टर कर दें।
- रिजल्ट आने के बाद, काउंसिलिंग के लिए रजिस्टर करें और प्रोसेस फॉलो करें।
- अपने चुनें गए कॉलेज और कोर्स को काउंसिलिंग में बैठे

प्रवेश परीक्षाएं

- सेट
- एक्ट
- आईईएलटीएस
- एजीआरआईसीईटी
- आईसीएआर एआईईईए
- केईएएम
- आईजीकेवीसीटेट
- सीजी प्री एग्रीकल्टर टेस्ट
- जीबी प्लांट यूनीवर्सीटी एडमिशन
- एमपी प्री एग्रीकल्टर टेस्ट
- एमसीएईआर कोमन एंट्रेंस टेस्ट

अन्य कार्य

1. कृषिविज्ञानी:
2. कृषि इंजीनियर:
3. पशु पोषण विशेषज्ञ:
4. फसल अनुसंधान वैज्ञानिक:
5. फार्म प्रबंधक:
6. खाद्य वैज्ञानिक:
7. बागवानी चिकित्सक:
8. सिंचाई इंजीनियर:
9. नर्सरी प्रबंधक:
10. जैविक किसान:
11. कीट नियंत्रण विशेषज्ञ:
12. रेंज मैनेजर:
13. मृदा वैज्ञानिक:
14. सतत कृषि विशेषज्ञ:
15. पशुचिकित्सक:
16. जल गुणवत्ता विशेषज्ञ:

करियर स्कोप

- भारत सरकार और राज्य सरकारों के कृषि से संबद्ध सभी विभाग,
- आईसीएआर के सभी अनुसंधान केंद्र और स्टेट एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी,
- कृषि विज्ञान केंद्र,
- स्टेट एग्रीकल्चर रिसर्च स्टेशन,
- मृदा जाँच केंद्र,
- राष्ट्रीय बीज निगम,
- केंद्रीय कृषि पशुपालन मंत्रालय और कृषि विभाग,
- राज्य कृषि व पशुपालन मंत्रालय व विभाग,
- जल एवं पर्यावरण मंत्रालय,
- मौसम विभाग आदि प्रमुख हैं।
- खाद व उर्वरक कम्पनी
- फार्मिंग इंडस्ट्री कंसल्टेंट्स
- पेस्टिसाइड इंडस्ट्रीज
- एग्रीकल्चर इक्यूपमेंट इंडस्ट्रीज
- एग्रीकल्चरल कमोडिटीज प्रोसेसर्स
- सीड इंडस्ट्रीज
- एनजीओ
- स्ववित्तपोषित संस्थान
- मीडिया ग्रुप
- फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्रीज
- डेरी इंडस्ट्रीज
- फार्म मैनेजर
- सुपरवाइजर
- सॉइल साइंटिस्ट
- एंटरोलॉजिस्ट
- पैथोलॉजिस्ट
- हॉर्टिकल्चरिस्ट
- एग्रोनोमिस्ट
- मौसम वैज्ञानिक
- पशुपालन विशेषज्ञ
- एग्रीकल्चर इंजीनियर
- एग्रीकल्चरल कम्प्यूटर इंजीनियर (जिन इंजीनियर्स के पास कंप्यूटर प्रोग्रामिंग स्किल्स होते हैं
- आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस
- एग्रीकल्चर फूड साइंटिस्ट
- एग्रीकल्चर रिसर्च ऑफिसर
- एग्रीकल्चर ऑफिसर
- प्लांट फिजियोलॉजिस्ट
- सर्वे रिसर्च एग्रीकल्चर इंजीनियर
- एनवायर्नमेंटल कंट्रोल्स इंजीनियर
- माइक्रोबायोलॉजिस्ट
- फूड सुपरवाइजर
- रिसर्चर
- एग्रीकल्चर क्रॉप इंजीनियर
- बी कीपर
- फिशरी मैनेजर
- बोटेनिस्ट
- सॉयल इंजीनियर
- सॉयल एंड प्लांट साइंटिस्ट
- लेब टेक्नीशियन

12वीं के बाद कृषि में स्पेशलाईजेशन

- **सॉइल साइंस**
- **एग्रोनमी**
- **प्लांट पैथोलॉजी**
- **एग्रीकल्चर इकोनॉमिक्स**
- **प्लांट बायोकेमिस्ट्री**
- **एक्सटेंशन एजुकेशन**
- **बायोटेक्नोलॉजी**
- **एंटोमोलॉजी**
- **एनिमल साइंस**

कब और क्यों मनाया जाता है राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस

देश में हर साल की तरह इस साल भी 1 जुलाई को नेशनल डॉक्टर्स डे मनाया जाएगा। यह खास दिन पश्चिम बंगाल के दूसरे मुख्यमंत्री और फिजिशियन डॉ. बिधान चंद्र रॉय के सम्मान में मनाया जाता है। डॉ. बीसी रॉय का जन्म 1 जुलाई 1882 को हुआ था और उनका निधन भी 1 जुलाई 1962 को 80 साल की उम्र में हुआ था। वह मुश्किल समय में कई राहत कार्यों का हिस्सा बने थे। ऐसे में उनके तमाम योगदान को सम्मान देने के लिए हर साल 1 जुलाई का दिन डॉक्टर्स डे के रूप में मनाया जाता है। बता दें कि डॉ. बीसी रॉय को 4 फरवरी 1961 को भारत रत्न से भी सम्मानित किया गया था।

भगवान का दूसरा रूप डॉक्टरों को क्यों माना जाता है

डॉक्टरों को इस धरती पर भगवान का दूसरा रूप माना जाता है जो मरीजों का इलाज करके उन्हें नया जीवनदान देते हैं। इसमें कोई दो राय नहीं है कि डॉक्टर अपने मरीजों की सेवा में दिन रात डटे रहते हैं और

डॉ. बिधान चंद्र रॉय

उन्हें इलाज के द्वारा स्वस्थ करने का हर संभव प्रयास करते हैं। चिकित्सा क्षेत्र में डॉक्टरों के महत्वपूर्ण योगदान के प्रति उनका आभार और सम्मान जाहिर करने के लिए हर साल 1 जुलाई को राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस यानी नेशनल डॉक्टर्स डे मनाया जाता है। इस दिवस के इतिहास की बात करें तो नेशनल डॉक्टर्स डे मनाने की शुरूआत साल 1991 में केंद्र सरकार द्वारा की गई थी। इस दिन भारत के महान डॉक्टर और पश्चिम बंगाल के दूसरे मुख्यमंत्री बिधान चंद्र रॉय की जयंती और पुण्यतिथि दोनों मनाई जाती है। उन्हीं की याद में इस दिवस को मनाया जाता है।

गौरतलब है कि डॉ. बिधान चंद्र रॉय का जन्म 1 जुलाई 1882 को बिहार के पटना में हुआ था। बचपन से ही एक मेधावी छात्र के तौर पर जाने जाने वाले बिधान चंद्र रॉय ने अपनी शुरूआती पढ़ाई भारत से की थी, फिर उन्होंने इंग्लैंड से उच्च शिक्षा हासिल की। एक डॉक्टर के तौर पर उन्होंने अपने करियर की शुरूआत सियालदाह से की थी। एक डॉक्टर होने के साथ ही उन्हें एक महान समाजसेवी, आंदोलनकारी और एक अच्छे राजनेता के तौर पर जाना जाता है। उन्होंने आजादी की लड़ाई के दौरान लाखों घायलों की सेवा की थी और अपनी कमाई तक लोगों की सेवा के लिए दान में दे दी थी।

भारत में राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस का उत्सव

भारत में राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस मनाने के कई तरीके हैं, जिनमें आभार व्यक्त करने से लेकर चिकित्सा समुदाय का समर्थन करना शामिल है। आप कैसे भाग ले सकते हैं :-

1. स्वास्थ्य सेवा चैरिटी को दान करें: भारत में कई स्वास्थ्य सेवा चैरिटी सक्रिय रूप से चिकित्सा समुदाय का समर्थन करने के लिए काम कर रही हैं। इन चैरिटी को दान करना चिकित्सा पेशेवरों के लिए अपना समर्थन और प्रशंसा दिखाने का एक तरीका है।

2. ऑनलाइन कार्यक्रमों में भाग लें: कोविड-19 प्रतिबंधों के कारण, कई राष्ट्रीय डॉक्टर दिवस कार्यक्रम ऑनलाइन हो गए हैं, जिनमें वेबिनार और वर्चुअल चर्चाएं शामिल हैं। इन कार्यक्रमों में भाग लेने से स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र के बारे में जागरूकता बढ़ सकती है और अधिक लोगों को चिकित्सा समुदाय का समर्थन करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है।

3. अपने स्वास्थ्य का ख्याल रखें: चिकित्सा पेशेवरों के प्रति आभार प्रकट करने का सबसे अच्छा तरीका है अपने स्वास्थ्य का ख्याल रखना। स्वस्थ जीवनशैली अपनाकर आप स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र पर पड़ने वाले बोझ को कम कर सकते हैं और जरूरतमंद लोगों को संसाधन उपलब्ध करा सकते हैं।

डॉक्टर के पेशे को सलाम

नेशनल डॉक्टर्स डे डॉक्टर्स और उनके पेशे को सलाम करने का दिन है। यह खास दिन उन्हें उनके काम के लिए धन्यवाद व सम्मान देने के लिए मनाया जाता है। यह सभी डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों के लिए जश्न मनाने का दिन है, जो बड़े पैमाने पर समाज की सेवा कर रहे हैं।

डॉक्टर और मरीज का रिश्ता

- एक डॉक्टर ही होता है जो रोते हुए आये लोगों को हंसाते हुए भेजता है।
- एक अच्छा डॉक्टर दवा कम, ख्याल ज्यादा रखने की सलाह देता है।
- जब हम अपनी सारी उम्मीदें खो देते हैं, तब हमारे जीवन को स्वस्थ बनाने की जादुई शक्ति केवल डॉक्टर के पास ही होती है।
- ईश्वर सबके जीवन की रक्षा खुद से नहीं कर पाते इसलिए इस धरती पर अपने रूप में डॉक्टर को भेज दिया।
- संसार में डॉक्टर ही एक ऐसा इंसान है, जिसे मरीज आस भरी नजरों से देखता है। जैसे वह भगवान से दुआ कर रहा है।
- सच कहते हैं जीवन जीना एक कला है। कई बार मौत के करीब से आपको वापस लाने वाला डॉक्टर उसकी सही कीमत बता जाता है।
- जब लोगों के आंखों में आंसू होता है उस वक्त डॉक्टर एक कंधे के समान होते हैं। जब दर्द होता है, तो वह आपके लिए दवा होते हैं।

हम राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस क्यों मनाते हैं?

समर्पण का सम्मान : राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस चिकित्सा देखभाल प्रदान करने और जीवन बचाने में चिकित्सकों की प्रतिबद्धता और निस्वार्थता का जश्न मनाता है।

योगदान को मान्यता : यह सार्वजनिक स्वास्थ्य, रोग की रोकथाम और स्वास्थ्य सेवा में प्रगति के लिए डॉक्टरों के अमूल्य योगदान को मान्यता देता है।

कृतज्ञता व्यक्त करना : यह दिन मरीजों, सहकर्मियों और समुदायों को डॉक्टरों के अथक प्रयासों के लिए उनके प्रति कृतज्ञता और प्रशंसा व्यक्त करने का अवसर प्रदान करता है।

जागरूकता बढ़ाना : राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाता है और उनके कल्याण और पेशेवर विकास के लिए समर्थन को प्रोत्साहित करता है।

सहयोग को बढ़ावा देना : यह स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं, नीति निमार्ताओं और जनता के बीच सहयोग को बढ़ावा देता है ताकि स्वास्थ्य सेवा चुनौतियों का समाधान किया जा सके और रोगी परिणामों में सुधार लाया जा सके।

डॉक्टरों का महत्व और भूमिका

डॉक्टर सार्वजनिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने और बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उच्च प्रशिक्षित चिकित्सा पेशेवरों के रूप में, वे बीमारियों का निदान और उपचार करने, सर्जरी करने और निवारक देखभाल प्रदान करने के लिए जिम्मेदार हैं। इसके अलावा, डॉक्टर मरीजों को भावनात्मक समर्थन प्रदान करते हैं और स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों के बारे में सूचित विकल्प बनाने में सहायता करते हैं। समाज में उनके महत्व को कम करके नहीं आंका जा सकता है, क्योंकि वे व्यक्तियों और समुदाय की समग्र भलाई सुनिश्चित करने में सबसे आगे हैं।

महान चिकित्सक थे पतंजलि

पतंजलि संस्कृत के अनेक महत्वपूर्ण ग्रन्थों का रचयिता माने जाते हैं। इनमें से 'योगसूत्र' उनकी महानतम रचना है। यह योगदर्शन का मूलग्रंथ है। माना जाता है कि पतंजलि शुंग वंश के शासनकाल में थे। भारतीय साहित्य में पतंजलि द्वारा रचित तीन मुख्य ग्रन्थ मिलते हैं। इनमें 'योगसूत्र', 'महाभाष्य' और 'आयुर्वेद पर ग्रंथ' शामिल हैं। महाभाष्य पाणिनि के अष्टाध्यायी पर पतंजलि का टीका है।

डॉ भंडारकर ने पतंजलि का समय 158 ईस्वी पूर्व माना है, जबकि द बोथलिक ने पतंजलि का समय 200 ईसा पूर्व और कीथ ने 140 से 150 ईसा पूर्व माना है। उन्होंने पुष्यमित्र शुंग का अश्वमेघ यज्ञ भी संपन्न कराया था। इनका जन्म गोनार्ध (वर्तमान में उत्तर प्रदेश के गोंडा) में हुआ था। बाद में वे काशी में बस गए। ये व्याकरणाचार्य पाणिनी के शिष्य थे।

पतंजलि महान चिकित्सक थे और इन्हें ही 'चरक संहिता' का प्रणेता माना जाता है। 'योगसूत्र' पतंजलि का महान रचना है और इसमें उन्होंने चार पादों का वर्णन किया है। पतंजलि रसायन विद्या के विशिष्ट आचार्य थे। अभ्रक विंदास, अनेक धातुयोग और लौहशास्त्र इनकी देन है। राजा भोज ने इन्हें

तन के साथ मन का भी चिकित्सक कहा है। 'महाभाष्य' के रचयिता पतंजलि काशी मंडल के ही निवासी थे। मुनित्रय की परंपरा में वे अंतिम मुनि थे। उन्हें अलौकिक प्रतिभा के धनी माना जाता है। व्याकरण के अतिरिक्त अन्य शास्त्रों पर भी इनका समान रूप से अधिकार था। व्याकरण शास्त्र में उनकी बात को अंतिम प्रमाण माना जाता है। उन्होंने अपने समय के जनजीवन का पर्याप्त निरीक्षण किया था। अतः महाभाष्य व्याकरण का ग्रंथ होने के साथ-साथ तत्कालीन समाज का विश्वकोश भी है।

भारतीय चिकित्सा पद्धति की महान विभूतियां

भारतीय औषध विज्ञान के जनक थे चरक

चरक को आयुर्वेद या प्राचीन भारतीय औषध विज्ञान का जनक माना जाता है। उनकी गणना भारतीय औषधि विज्ञान के मूल प्रवर्तकों में की जाती है। वे कुषाण राज्य के राजवैद्य माने जाते हैं। चरक विदेशों में भी एक महर्षि एवं आयुर्वेद विशारद के रूप में प्रसिद्ध हैं। माना जाता है कि 2300-2400 वर्ष पहले उनका जन्म हुआ था।

उनकी रचना 'चरक संहिता' आयुर्वेद का एक प्रसिद्ध ग्रंथ है। इसमें रोगनाशक एवं रोगनिरोधक दवाओं का उल्लेख है। 'चरक संहिता' में सोना, चांदी, लोहा, पारा आदि धातुओं के भस्म एवं उनके उपयोग का वर्णन मिलता है। 'चरक संहिता' आयुर्वेद में प्रसिद्ध है। इसके उपदेशक अत्रिपुत्र पुनर्वसु, ग्रंथकर्ता अग्निवेश और प्रतिसंस्कारक चरक हैं।

प्राचीन वांगमय के परिशीलन से पता चला है कि उन दिनों ग्रंथ या तंत्र की रचना शाखा के नाम से होती थी। जैसे कठ शाखा में कठोपनिषद् बनी। शाखाएं या चरण उन दिनों के विद्यापीठ थे, जहां अनेक विषयों का अध्ययन होता था। इसलिए संभव है कि 'चरक संहिता' का प्रतिसंस्कार चरक शाखा में हुआ हो।

'चरक संहिता' में 'पालि' साहित्य के

कुछ शब्द मिलते हैं, जैसे अवक्रांति, जेंताक, भंगोदन, खुड्डाक, भूतधात्री। इससे 'चरक संहिता' का उपदेशकाल उपनिषदों के बाद और बुद्ध के पूर्व का प्रतीत होता है। इसका प्रतिसंस्कार कनिष्क के समय 78 ईस्वी के आसपास हुआ है।

भारत में विश्वसनीय चिकित्सकीय जानकारी 1500 ईसा पूर्व से ही मिलती है

एक पूर्ण चिकित्सा पद्धति है आयुर्वेद

- 'चिकित्सा पद्धति' या 'प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति' का जन्म भारत में हुआ था
- लोग प्राकृतिक चिकित्सा की शरण ग्रहण कर स्वस्थ और बेहतर जीवन जीने लगे है

'आयुर्वेद' का अर्थ होता है 'जीवन' का विज्ञान

वैदिक काल में भारतीय चिकित्सा की एक अधिक व्यवस्थित प्रणाली की नींव रखी गई। इसे 'आयुर्वेद' के रूप में पहचान मिली। इसका प्रारंभ 600 ईसा पूर्व से माना जाता है। 'आयुर्वेद' का अर्थ होता है 'जीवन का विज्ञान।' जो चिकित्सक आयुर्वेद की प्रणाली को अपनाते थे, उन्हें 'वैद्य' कहा जाता था। 'वैद्य' का अर्थ है 'गहन ज्ञान वाला व्यक्ति। वैसे, आयुर्वेद की जड़ें अथर्ववेद में हैं। आयुर्वेद पौधों और अन्य पदार्थों के औषधीय मूल्य पर आधारित है। आयुर्वेद एक पूर्ण चिकित्सा पद्धति कही जा सकती है।

प्राचीन समय में सभी सभ्यताओं ने प्राकृतिक चिकित्सा की अपनी पद्धति का विकास किया था। लेकिन, भारतीय पद्धति व्यवस्थित थी। इसलिए इसे समग्र चिकित्सा पद्धति के रूप में मान्यता मिली हुई है। हम कह सकते हैं कि 'चिकित्सा पद्धति' या 'प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति' का जन्म भारत में हुआ था। अति प्राचीन काल से भारत में प्राकृतिक चिकित्सा का उपयोग हो रहा है। विश्व को प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति भारत की ही देन है। लेकिन, कुछ कारणों तथा अन्य जगहों पर हुए विकास के प्रभाव से यह पद्धति भारत में लुप्त हो गई।

18वीं शताब्दी के मध्य में कुछ लोगों के प्रयास के कारण प्राकृतिक चिकित्सा की शुरूआत फिर से हुई। इसमें पाश्चात्य देशों के लोगों का भी हाथ रहा है। हम इस चिकित्सा पद्धति को पुनः जानने लगे और धीरे-धीरे इसका प्रयोग बढ़ने लगा। इस पद्धति के पुनरूथान में जिन प्रभावशाली व्यक्तियों का योगदान है, वह पहले से ही रोगों के उपचार के लिए औषधियों का प्रयोग करते थे। लोग प्राकृतिक चिकित्सा की शरण ग्रहण कर स्वस्थ और बेहतर जीवन जीने लगे। इससे इस चिकित्सा पद्धति से और लोग भी प्रभावित हुए। इसका प्रचार-प्रसार बढ़ा और भारत में प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति को नया जन्म मिला।

प्राचीन भारत में चिकित्सा के संबंध में विश्वसनीय जानकारी 1500 ईसा पूर्व से ही उपलब्ध है। वैदिक काल (1500-600 ईसा पूर्व) की चिकित्सा पद्धतियों के संबंध में जानकारी चार वेदों के साथ-साथ उनके ब्राह्मण, आरण्यक और उपनिषदों से उपलब्ध हैं।

ईसा पूर्व 600-200 की अवधि में भारत के औषधीय विचारों और प्रथाओं का प्रमाण भारत में समकालीन यूनानी यात्रियों, बौद्ध ग्रंथों और चाणक्य के अर्थशास्त्र के वृत्तांतों से मिलता है। आयुर्वेद चिकित्सा के सिद्धांतों के लिए दो संस्कृत चिकित्सा ग्रंथों 'चरक संहिता' और 'सुश्रुत संहिता' का उल्लेख उस युग के कई इतिहासकार करते हैं। सातवीं शताब्दी का वाग्भट्ट का 'अष्टांगहृदय' आयुर्वेद का एक अन्य महत्वपूर्ण ग्रंथ है। ईसाई युग की शुरूआती शताब्दियों के अन्य साहित्य में भी आयुर्वेद का उल्लेख मिलता है। 'चरक संहिता' में आयुर्वेद के चिकित्सकों को तर्क के मूलभूत विचारों को सिखाने का प्रयास किया गया है, जिससे कि निदान और उपचार तर्क पर आधारित हो।

आयुर्वेद का केंद्र त्रिदोष - वात, पित्त और कफ - के तीन द्रव्य सिद्धांत है। इसमें सभी शारीरिक, शारीरिक प्रक्रियाओं के साथ-साथ रोग के कारणों को तीन दोषों के रूप में व्यक्ति किया गया है। कोई भी बीमारी इन तीन दोषों के असंतुलन से पैदा होती है।

शल्य चिकित्सा के पितामह हैं महर्षि सुश्रुत

2800 साल पहले प्लास्टिक सर्जरी करने का मिलता है उल्लेख
125 तरह के उपकरणों का प्रयोग करते थे सुश्रुत
300 प्रकार की ऑपरेशन प्रक्रियाओं की खोज की थी महर्षि ने
मोतियाबिंद व अन्य नेत्र शल्य चिकित्सा के पारंगत थे महर्षि सुश्रुत

सुश्रुत प्राचीन भारत के महान चिकित्साशास्त्री एवं शल्य चिकित्सक थे। वे आयुर्वेद के महान ग्रन्थ 'सुश्रुत संहिता' के प्रणेता हैं। इनको शल्य चिकित्सा का जनक कहा जाता है। उनके द्वारा आज से लगभग 2800 साल पहले प्लास्टिक सर्जरी करने का उल्लेख मिलता है। आचार्य सुश्रुत का जन्म छठी शताब्दी ईसा पूर्व में काशी में हुआ था। शल्य चिकित्सा के पितामह सुश्रुत ने धन्वन्तरि से शिक्षा प्राप्त की थी। सुश्रुत संहिता को भारतीय चिकित्सा पद्धति में विशेष स्थान प्राप्त है।

'सुश्रुत संहिता' में सुश्रुत को विश्वामित्र का पुत्र कहा गया है। लेकिन, 'विश्वामित्र' से कौन से विश्वामित्र अभिप्रेत हैं, यह स्पष्ट नहीं हो पाता है। सुश्रुत ने काशीपति दिवोदास से शल्यतंत्र का उपदेश प्राप्त किया था। काशीपति दिवोदास का समय ईसा पूर्व की दूसरी या तीसरी शताब्दी संभावित है। सुश्रुत के सहपाठी औपधेनव, वैतरणी आदि अनेक छात्र थे। सुश्रुत का जिक्र नावनीतक में भी आता है। अष्टांगसंग्रह में सुश्रुत का जो मत उद्धृत किया गया है, उसका उल्लेख सुश्रुत संहिता में नहीं

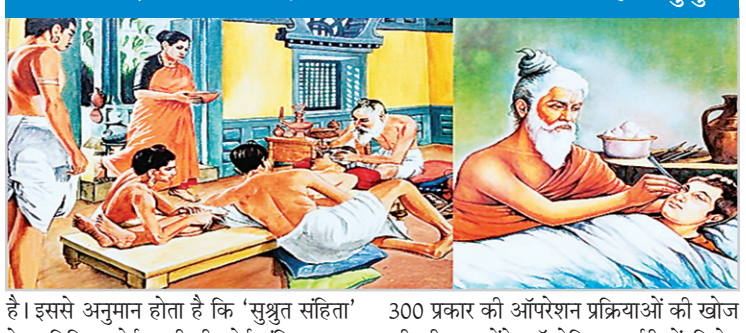

है। इससे अनुमान होता है कि 'सुश्रुत संहिता' के अतिरिक्त कोई दूसरी भी कोई संहिता सुश्रुत के नाम से प्रसिद्ध थी।

'सुश्रुत संहिता' में शल्य चिकित्सा के विभिन्न पहलुओं को विस्तार से समझाया गया है। शल्य क्रिया के लिए सुश्रुत 125 तरह के उपकरणों का प्रयोग करते थे। इनमें विशेष प्रकार के चाकू, सुइयां, चिमटियां आदि शामिल हैं। सुश्रुत ने 300 प्रकार की ऑपरेशन प्रक्रियाओं की खोज की थी। उनहोंने कॉस्मेटिक सर्जरी में विशेष निपुणता हासिल कर ली थी। सुश्रुत नेत्र शल्य चिकित्सा भी करते थे। 'सुश्रुत संहिता' में मोतियाबिंद की शल्यक्रिया करने की विधि को विस्तार से समझाया गया है। उन्हें शल्य क्रिया द्वारा प्रसव कराने का भी ज्ञान था।

'सुश्रुत संहिता' से पता चलता है कि सुश्रुत को टूटी हुई हड्डियों का पता लगाने और उनको जोड़ने में विशेषज्ञता हासिल थी। शल्य क्रिया के दौरान होने वाले दर्द को कम करने के लिए वे मद्यपान या विशेष औषधियां देते थे। मद्य एनेस्थिसिया का कार्य करता था। इसलिए सुश्रुत को एनेस्थिसिया का पितामह भी कहा जाता है।

इसके अतिरिक्त सुश्रुत को मधुमेह व मोटापे के रोग की भी जानकारी थी। सुश्रुत श्रेष्ठ शल्य चिकित्सक होने के साथ-साथ श्रेष्ठ शिक्षक भी थे। उन्होंने अपने शिष्यों को शल्य चिकित्सा के सिद्धांत बताए और शल्य क्रिया का अभ्यास कराया। प्रारंभिक अवस्था में शल्य क्रिया के अभ्यास के लिए फलों, सब्जियों और मोम के पुतलों का उपयोग करते थे। सुश्रुत मानव शारीर की अंदरूनी रचना को समझाने के लिए शव के ऊपर शल्य क्रिया करके अपने शिष्यों को समझाते थे। उन्होंने शल्य चिकित्सा में विशेष कौशल हासलि किया था। उन्होंने इसकी जानकारी अन्य लोगों को भी दी। सुश्रुत ने शल्य चिकित्सा के साथ-साथ आयुर्वेद के अन्य पक्षों जैसे शरीर सरंचना, काय चिकित्सा, बाल रोग, स्त्री रोग, मनोरोग आदि की जानकारी भी दी है।

राष्ट्रीय चिकित्सा दिवस

ॐ सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चित् दुःखभाग भवेत्। ॐ शान्तिः शान्तिः शान्तिः॥

राष्ट्रीय चिकित्सा दिवस हर साल एक जुलाई को मनाया जाता है। यह दिवस डाक्टर बिधानचंद्र राय के चिकित्सा के क्षेत्र में दिए गए उल्लेखनीय योगदान के लिए मनाया जाता है। इस दिन सरकार की ओर से जिला स्तर पर समारोह का अयोजन कर जिले में चिकित्सा के क्षेत्र में बेहतर करने वाले डाक्टरों को सम्मानित भी किया जाता है। डाक्टर बिधानचंद राय पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री भी रह चुके हैं। पलामू वैसे तो एक पिछड़े जिले के रूप में जाना जाता है, लेकिन इस धरती से भी निकल कर कई डाक्टर देश-विदेश में अपनी सेवा दे रहे हैं। पलामू में भी कई डाक्टर ऐसे ही हैं, जिन्हें भगवान के रूप देखा जाता है। राष्ट्रीय डॉक्टर दिवस के मौके पर दैनिक अखबार 'राष्ट्रीय नवीन मेल' झारखंड में चिकित्सा के क्षेत्र में एक मुकाम बनाने वाले डॉक्टरों के विचारों के साथ एक विशेष परिशिष्ट प्रकाशित कर रहा है। प्रस्तुत है डाक्टरों के निजी विचार।

मरीजों की सेवा ईश्वर की सेवा है : डॉ. रघुवंश नारायण सिंह

शहर के सीनियर सर्जन डा. रघुवंश नारायण सिंह ने कहा कि चिकित्सा सेवा भगवान के रूप दिया हुआ अनमोल सेवा है। जो लोग भी चिकित्सा सेवा में हैं उनकों पूरी इमानदारी से अपना पेशा करना चाहिए। जब तक मरीजों का विश्वास डाक्टर के प्रति नहीं बढ़ेगा तब तक एक सफल चिकित्सक नहीं कहा जा सकता है। उन्होंने कहा कि वह पिछले कई दशकों से पलामू में सर्जन के रूप में सेवा दे रहे हैं। मरीजों को हमेशा व ईश्वर का सेवा मान कर इलाज करते हैं।

मरीजों के साथ हमेशा अच्छा व्यवहार करें: डॉ. गौतम यादव

शहर के जाने पहचाने युवा फिजिशियन डा. गौतम यादव ने कहा कि राष्ट्रीय डाक्टर दिवस एक महत्वपूर्ण दिवस है। यह दिवस डाक्टरों को उनके सेवा भाव के समर्पण भाव से काम करने की याद दिलाता है। डाक्टर दिवस मनाने का उद्देश्य है कि डाक्टर मरीजों के साथ अच्छा व्यवहार करें। मरीजों को हर प्रकार से सहयोग करें। मरीज को यह कभी एहसास नहीं हो कि वह डाक्टर के पास आकर गलती कर दिया। मरीज जब भी क्लीनिक से स्वस्थय हो जाए हमेशा हंसता हुआ जाए। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में उनके क्लीनिक द्वारा कई मरीजों को समर्पण भाव से सेवा कर ठीक करने का काम किया गया है।

चिकित्सा सेवा समर्पण का सेवा है : डॉ. गौरव विशाल

शहर के जाने माने शिशु रोग विशेषज्ञ डा. गौरव विशाल ने कहा कि राष्ट्रीय डाक्टर दिवस डाक्टरों को समर्पण भाव से सेवा करने का बोध करता है। चिकित्सा सेवा को धरती पर भगवान के रूप में देखा जाता है। इसलिए जब कोई मरीज डाक्टर के पास अपना इलाज कराने पहुंचता है तब डाक्टरों को भी बिना देर किए उसके सेवा में जुट जाना चाहिए। मरीज को डाक्टर पर विश्वास होना चाहिए कि डाक्टर जैसा भी इलाज कर रहा है वह सही है। यह भाव मरीज के अंदर जगना चाहिए। उन्होंने कहा कि चिकित्सा सेवा बहुत ही सेवा-समर्पण का सेवा है। निर्स्वाथ भाव का सेवा है। परस्पर विश्वास का सेवा है। आत्म संतुष्टि का सेवा है। डाक्टरों का समाज में अधिक मान सम्मान है। इस मान सम्मान की रक्षा करना भी डाक्टरों का उद्देश होना चाहिए।

आत्म संतुष्टि का भाव होना बेहद जरूरी : डॉ. विनित सिंह

शहर के दंत रोग के विशेषज्ञ के रूप में अपनी पहचान रखने वाले डा. विनित सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय डाक्टर दिवस डाक्टरों को अपना पेशा इमानदारी पूर्वक करने का बोध करता है। उन्होंने कहा कि एक चिकित्सक को जब डिग्री दी जाती है तब उसे शपथ में मरीजों की सेवा निस्वार्थ भाव से पैसों के लालच के बिना सेवा करना और उसे स्वस्थ बनाकर भेजना प्रण कराया जाता है। इसके अलावा शपथ में जब मरीज स्वस्थ होकर घर जाता है तब उसके चेहरे पर संतुष्टि का भाव दिखता है। साथ ही चिकित्सक को आत्म संतुष्टि होता है कि चिकित्सक उसे भगवान व मरीज का आशीर्वाद मानता है। इससे समाज में विशेष सम्मान मिलता है। उन्होंने कहा कि डाक्टरी पेशा के नाते मरीजों का सेवा करना आत्संतुष्टि का बोध कराता है।

मरीज को संतुष्ट करना पहला उद्देश्य : डॉ. अरूण कु. शुक्ला

शहर के प्रख्यात हड्डी रोग विशेषज्ञ डा. अरूण कुमार शुक्ला ने कहा कि मरीजों को भगवान का रूप मान कर वह सेवा करते हैं। वह पिछले 40 सालों से पलामू को अपनी कर्म भूमि मान कर डाक्टरी पेशा कर रहे हैं। मरीज का इलाज करने के बाद उनका पहला उद्देश्य होता है कि मरीज उनके यहां से संतुष्ट होकर जाए। मरीजों की संतुष्टि ही डाक्टर का असली प्रमाण पत्र होता है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय डाक्टर दिवस मनाने से नहीं बल्कि डाक्टर विधानचंद राय के जीवन को आत्मसात कर चिकित्सा पेशा करने से ही डाक्टर दिवस मनाने की सार्थकता सही साबित होगी।

सेवा भाव से इलाज करना प्राथकिता : डॉ. सुशील पांडेय

शहर में सर्जन के क्षेत्र में विशेष से पहचान रखने वाले एमएमसीएच में असिस्टेंट प्रोफेसर डा. सशील कुमार पांडये ने कहा कि डाक्टर को धरती पर भगवान का दूसरा रूप कहा जाता है। इसलिए डाक्टरों को भी मरीजों का इलाज सेवा भाव के तहत करना चाहिए। राष्ट्रीय डाक्टर दिवस डाक्टरों को कर्तव्यबोध का उत्तरदायित्व याद दिलाने के लिए मनाया जाता है। डाक्टरों की छवि समाज में अच्छी होनी चाहिए। कभी ऐसा भी हो जाता है डाक्टर मरीज का जान बचाने का प्रयास करता है, लेकिन वह जान नहीं बचा पता है। उस स्थिति में मरीज के परिजनों को भी धैर्य के साथ काम लेने की जरूरत है। डाक्टरों पर आरोप-प्रत्यारों का दौर नहीं होना चाहिए। इस डाक्टरों का मनोबल पर असर पड़ता है। हमेशा अपने मरीजों को स्वस्थ्य करने का प्रयास करता है।

निर्स्वाथ होना चाहिए मरीजों का इलाजः डॉ. श्वेता सिंह

शहर के महिला दंत सर्जन के रूप में अपनी पहचान रखने वाली डा. श्वेता सिंह ने कहा कि मरीजों का सेवा आत्मसंतुष्टि का भाव डाक्टरों में होना बेहद जरूरी है। राष्ट्रीय डाक्टर दिवस मनाने की अच्छी परंपरा है। डाक्टरों को पृथ्वी का दूसरा भगवान माना जाता है, इस नाते सभी डाक्टरों का फर्ज बनता है कि वह पूरी इमानदारी से मरीजों का सेवा निर्स्वाथ भाव से करें। डाक्टर समाज के आर्दश होते हैं इस कारण भी डाक्टरों को पूरी तन्मयता के साथ अपने मरीजों का सेवा करना चाहिए। डाक्टर के प्रति समाज का विश्वास तभी बनेगा जब मरीज उस पर विश्वास का भाव रखेगा। आत्मसंतुष्टी मरीजों के चेहरों पर दिखेगा।

समाज में डाक्टरों को मिलता है ऊंचा स्थानः डॉ. राजीव कुमार

शहर में फिजिशियन के रूप में पहचान रखने वाले डा. राजीव कुमार ने कहा कि चिकित्सा सेवा भगवान का दूसर रूप है। उन्हें मरीजों का सेवा करने में अंदर से आत्म संतुष्टि का एहसात होता है। राष्ट्रीय डाक्टर दिवस मनाने की शुरूआत डाक्टरों के लिए सरकार की अच्छी पहल है। उन्होंने कहा कि समाज में डाक्टर को बहुत उंचा स्थान दिया गया है। डाक्टरों को भी अपने गरिमा व पेशा केअनुकूल काम करना चाहिए। इससे समाज में गरिमा बनी रहेगी।

पेशा की गरिमा को बनाएं रखें : डॉ. कादिर परवेज

एमएमसीएच में सीनियर सर्जन डा. कादिर परवेज ने कहा कि चिकित्सा सेवा को भगवान के रूप में देखा जाता है। राष्ट्रीय डाक्टर दिवस मनाने की परंपरा अच्छी है। डाक्टरों को मरीजों का सेवा समर्पण भाव से करना चाहिए। मरीजों को संतुष्ट करना डाक्टरों का पहला मकसद होना चाहिए। उन्होंने कहा कि मरीज व डाक्टरों के बीच परिवार की तरह व्यवहार होना चाहिए। डाक्टर का पेशा पहले मरीज का सेवा है। इस बात को हर डाक्टर को समझना होगा। डाक्टरों को ज्यादातर प्रयास करना होगा कि वह मरीजों को कम से कम खर्च में इलाज का निरोग करें। डाक्टर दिवस मनाने का मकसद तभी सार्थक होगा जब मरीजों का विश्वास डाक्टरों का बढ़ेगा।

मरीजों की बेहतर सेवा करना लक्ष्य : डॉ. राजेश कुमार

शहर ख्याती प्राप्त जेनरल फिजिशियन डा. राजेश कुमार ने बताया कि राष्ट्रीय डाक्टर दिवस मनाने का मकसद है सभी डाक्टरों के अंदर सेवा भाव की भावन के तहत मरीजों का सेवा करना। डाक्टर दिवस हर साल एक जुलाई को डा. विधानचंद्र राय की याद में मनाया जाता है। यह दिवस इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि डा. विधानचंद्र राय अपने पूरे जीवन में तमाम तरह की सुख सुविधाएं छोड़कर सिर्फ मरीजों के रोग का निदान करते थे। हम सभी डाक्टरों को भी उनके जीवन से प्रेरणा लेकर मरीजों का सेवा करना चाहिए। उन्होंने कहा कि डाकटर दिवस के मौके पर हर साल जिले में चिकित्सा के क्षेत्र में बेहतर करने वाले डाक्टरों को सम्मानित करने की परंपरा भी राज्य सकार की ओर शुरू की गई, जो एक अच्छी पहल है।

सेवा भाव से कार्य करते हैं : डॉ. रोहित पांडेय

शहर के युवा जेनरल फिजिशियन डा. रोहित पांडेय ने कहा की बचपन से उनका सपना डॉक्टर बनने का ही था। इस प्रोफेशन में सेवा भाव से कार्य किया जाता है। एक डॉक्टर होने के नाते उन्हें सबसे अच्छा क्या लगता है इस बात पर उनका जवाब था कि इस पेशा में लोग सेवा भाव से कार्य करते हैं। सामने मरीज चाहे कोई भी हो एक डॉक्टर का परम कर्तव्य बनता है कि वह उसका इलाज करे।

गरिमा के साथ सभी मरीजों का सेवा करें डॉ. अमरजीत शर्मा

शहर के होमियो पैथिक चिकित्सक डा. अमरजीत शर्मा ने कहा कि चिकित्सक सेवा पृथ्वी पर भगवान का दूसर रूप में देखा जाता है। राष्ट्रीय डाक्टर दिवस डाक्टरों को इमानदारी पूर्वक समाज में सेवा करने का एहसास कराने के लिए मनाया जाता है। किसी भी क्षेत्र के डाक्टर हों उनके अपने क्षेत्र में गरिमा व इमानदारी पूर्वक सेवा करना चाहिए।

मधुमेह जीवनशैली से संबंधित एक बीमारी है जो लोगों के अनियमित रहन-सहन, अनियमित दिनचर्या, तनावपूर्ण जीवन, अनियंत्रित खान-पान एवं शारीरिक सक्रियता की कमी से होती है। आज जहां लोग आधुनिकता और कैरियर के भागदौड़ में आगे निकलने के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे है वहीं वो अपने स्वास्थ्य को दांव पर लगाकर मधुमेह और उच्च रक्तचाप, थायरॉयड रोग जैसी बीमारियों को तनाव लेकर गले लगा रहे हैं। मच्चुमेह कुछ प्रतिशत में आनुवंशिक भी होती है। खान-पान में, काबोर्हाइड्रेट की मात्रा सीमित करने, कम से कम 30 मिनट प्रतिदिन शारीरिक व्यायाम करने, तनावरहित जीवन जीने की कला, नियमित योग एवं ध्यान करने की आदत लोगों को मच्चुमेह एवं उच्च रक्त- चाप से दूर रख सकती है। तनावरहित जीवन एवं स्वस्थ जीवन शैली व्यक्ति को उच्च रक्तचाप एवं मच्चुमेह से बचा सकती है।

डॉ0 आशुतोष सिंह
फिजिशियन, मधुमेह एवं थायरॉयड रोग विशेषज्ञ, रांची।

प्रिय मित्रों,

डॉक्टर्स दिवस के अवसर पर, मैं उन सभी समर्पित डॉक्टरों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं जो जीवन बचाने और हमारे समुदाय के स्वास्थ्य में सुधार के लिए अथक प्रयास करते हैं। आपकी अटूट प्रतिबद्धता और निस्वार्थ सेवा वास्तव में सराहनीय है। गंभीर देखभाल सेवाओं के संरक्षक के रूप में, मैंने अपने सहयोगियों द्वारा किए गए असाधारण प्रयासों को देखा है, खासकर चुनौतीपूर्ण समय के दौरान। आपका लचीलापन और करुणा हम सभी के लिए प्रेरणा है। आइए हम अपने चिकित्सा पेशेवरों का समर्थन और सराहना करना जारी रखें जो हमारी स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली के स्तंभ के रूप में खड़े हैं। हम सब मिलकर एक स्वस्थ और खुशहाल समाज बना सकते हैं।

डॉ. तापस कुमार साहू
एसोसिएट निदेशक और प्रमुख, क्रिटिकल केयर मेदांता अस्पताल, रांची

हैप्पी डॉक्टर्स डे

आंखें हैं अनमोल

- आपकी आँखों को स्वस्थ रखने के लिए कुछ सूझाव।
- स्कूल जाने से पहले बच्चों की आंखो की जांच जरूर करवाएं।
- स्कूल जाने वाले बच्चों को अगर पीछे बैठ के देखने में मुश्किल होती है तो आंखों की जांच जरूर करवाएं।
- गर्मी के मौसम में आंखों में एलर्जी की वजह से आंखों का लाल होना और आंखों में खुजली होना बहुत आम है इसके लिए डॉक्टर को दिखाना चाहिए जिससे एलर्जी को कंट्रोल किया जा सके।
- घर और बाहर खेलते हुए छोटे बच्चों को हमेशा निगरानी में रखें। नुकिली चीजो और केमिकल वाले पदार्थो से बच्चों को दूर रखें।
- मोबाइल स्क्रीन और कंप्यूटर स्क्रीन का उपयोग करने वाले लोगो को हर 20 मिनट में 20 से 30 सेकंड का ब्रेक लेके नजर को दूर करना चाहिए जिस से आँखों पर जोर नहीं पड़े।
- आंख में किसी भी तरह की चोट लगने से या केमिकल गिरने पर डॉक्टर की सलाह जरूर ले।
- आँखों में लाली जलन या चुभन महसूस होना आँखों में सुखेपन की वजह से हो सकता है इसके लिए डॉक्टर से सलाह ले।
- डायबिटीज और ब्लड प्रेशर वाले लोगो को हर वर्ष अपनी आंखों के परदे की जांच करवानी चाहिए।
- कॉर्निया जनित दृष्टिहेंता का इलाज नेत्र प्रत्यारोपण से किया जा सकता है।
- मृत्युपरांत नेत्रदान करें और किसी और के जीवन में रोशनी लाएं।

डॉ. निधि गडकर कश्यप
मोतियाबिंद, पुतली और नेत्रप्रत्यारोपण विशेषज्ञ कश्यप मेमोरियल आई हॉस्पिटल, रांची।

प्रिय साथियों,

आज डॉक्टर डे के अवसर पर, हम सभी चिकित्सकों को हार्दिक धन्यवाद और सम्मान प्रकट करते हैं। विशेष रूप से, मैं एक न्यूरोलॉजिस्ट के रूप में यह कहना चाहूंगा कि चिकित्सा क्षेत्र में डॉक्टर अपनी निःस्वार्थ सेवा और समर्पण से लोगों की जीवन रेखा बनते हैं। अक्सर हमारे प्रति कुछ नकारात्मक धारणाएं भी बन जाती हैं, जो हमारे समर्पण और परिश्रम को कम करके आंकी जाती हैं।

मैं आप सभी से निवेदन करता हूं कि डॉक्टरों के प्रति अपनी सोच में सकारात्मक बदलाव लाएं। हमारा मुख्य उद्देश्य हमेशा आपकी सेवा करना और आपको स्वस्थ रखना है। डॉक्टर अपने परिवार और निजी जीवन की परवाह किए बिना दिन-रात आपकी सेवा में तत्पर रहते हैं। साथ ही, कृपया अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहें और स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं। यह भी महत्वपूर्ण है कि आप 'गूगल डॉक्टर' और अप्रशिक्षित डॉक्टरों से बचें। किसी भी स्वास्थ्य समस्या के लिए हमेशा योग्य और प्रशिक्षित चिकित्सक की सलाह लें। इंटरनेट पर मिली जानकारी अक्सर अधूरी या गलत हो सकती है, जिससे आपके स्वास्थ्य को नुकसान पहुंच सकता है। सभी डॉक्टरों से भी अनुरोध है कि वे अपनी निःस्वार्थ सेवा को और अधिक समर्पण के साथ निभाएं और मानवता की सेवा में अपने कर्तव्यों का पालन करें।

धन्यवाद।

डॉ. गोविंद माधव
एम डी मेडिसन, डी एम न्यूरोलॉजी एम्स, डायरेक्टर, सेंटर ऑफ न्यूरो साइंसेज (सीएनसी) रांची।

नागरमल मोदी सेवा सदन के हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ विनय कुमार ने डॉक्टर्स डे पर लोगों को बधाई दी और कहा कि सभी लोग स्वस्थ रहें और अपनी सेहत का ख्याल रखें। अभी के परिवेश में हेल्दी लाइफ स्टाइल रखने की आवश्यकता है। फिजीकल एक्टीविटी जारी रखें और खास तौर से ध्यान रखें कि स्ट्रेस नहीं लेना है। काम करने के बीच आराम का भी ध्यान रखें, भरपूर नींद लें। स्वस्थ जीवन जीने के लिए भरपूर नींद लेनी भी बहुत जरूरी है। धूम्रपान, अल्कोहल से दूर रहें और जंक फूड का कम इस्तेमाल करें।

- डॉ विनय कुमार
हृदय रोग विशेषज्ञ, नागरमल मोदी सेवा सदन, रांची।

निराशा में भी आशा की लौ जगा देते हैं, असंभव को भी संभव बना देते हैं। डॉक्टरों की सेवा भावना से, उनके महान कर्मों से हम इंसान उनको धरती पर भगवान की संज्ञा देते हैं।

- नीतू शर्मा,
अस्पताल प्रशासक, नागरमल मोदी सेवा सदन

नागरमल मोदी सेवा सदन के शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ डॉ अभिषेक अग्रवाल ने डाक्टर्स डे पर सभी को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि अभी बरसात का समय शुरू हो रहा है। बच्चों की सेहत का खास तौर पर ध्यान रखना जरूरी है, क्योंकि बरसात में हमलोगों की इम्यूनिटी सबसे कमजोर होती है। इस समय में खान-पान विशेष ध्यान रखने की आवश्यकता है। बाहर की चीजों और स्ट्रीट फूड से बचना चाहिए। मैदे से बनी वस्तु या बाहर की पानी वाली वस्तुओं को खाने सें दूरी बनानी चाहिए। बच्चों को भीगने से बचाना चाहिए। अगर भीग गए हैं, तो उनको अच्छे से पोंछना चाहिए, ताकि उन्हें ठंड न लगे। छाता या रेनकोट को अपने पास हमेशा रखना चाहिए। हमें अपने घर और आसपास पानी जमने से रोकना चाहिए, जिससे कि मच्छरों से हमारा बचाव हो सके। इस मौसम में खासातौर से मलेरिया, चिकनगुनिया, डेंगु जैसे मच्चछरों एवं मक्खियों के पनपने की संभावना बनी रहती है। घर के गमले या आसपास गड्ढे हों, तो इसकी नियमित सफाई करनी चाहिए। अगर सफाई करनी मुश्किल हो, तो किसी भी प्रकार का तेल उसमें डाल दें, ताकि मच्छरों के पनपने की संभावना न रहे।

- डॉ अभिषेक अग्रवाल,
शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ, नागरमल मोदी सेवा सदन, रांची।

डॉक्टर दिवस पर, हम उन सभी डॉक्टरों के समर्पण और बलिदान का सम्मान और सराहना करते हैं जो दुनिया को स्वस्थ बनाने के लिए अथक प्रयास करते हैं।

डॉ ओंकार कुमार झा
सलाहकार - पल्मोनोलॉजी, पारस एचईसी अस्पताल, रांची।

डॉक्टर्स डे के अवसर पर हमारे विशेष संवाददाता ने मेडिका के विभिन्न विभागों के डाक्टरों से बात की

नेशनल डॉक्टर डे 1 जुलाई को मनाया जाता है। यह दिन महान डॉक्टर बिधान चंद्र रॉय को सम्मानित करने के लिए मनाया जाता है, डॉ. रॉय एक प्रसिद्ध चिकित्सक थे। उन्होंने 1948 से 1962 तक पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री के रूप में भी सेवा की। डॉक्टर रॉय के चिकित्सा विज्ञान और स्वास्थ्यकर्मियों के प्रति उनके योगदान के लिए 1 जुलाई को नेशनल डॉक्टर डे के रूप में मनाया जाता है। मैं इस अवसर पर सभी मेहनती डॉक्टरों को उनके निस्वार्थ कार्य के लिए बधाई देना चाहता हूँ। मरीजों के इलाज में समर्पित सेवा ही हमारी शपथ है.

डॉ. रोहित सेंगर
प्रमुख, इमरजेंसी विभाग, मेडिका, रांची

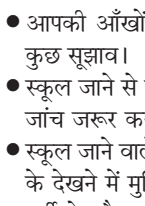

डॉक्टर होना सिर्फ सफेद कोट पहनना नहीं है। कोई भी सफेद कोट पहन सकता है। यह सिर्फ एक डिग्री नहीं है... यह लोगों की मदद करना डॉक्टर का प्रमुख ध्येय है. एक न्यूरो सर्जन के रूप में अपना समय रोगी मदद करने में लगाना, इलाज करना और जिंदगियाँ बदलना है। आप इसे इसलिए करते हैं क्योंकि आप करना चाहते हैं, यह आपका पेशा मात्र नहीं बल्कि जुनून है।

डॉ. अमित कुमार
कंसल्टेंट, न्यूरो सर्जरी विभाग।

नेशनल डॉक्टर डे की शुभकामनाएं, क्रिटिकल केयर में गंभीर अवस्था के रोगी एडमिट होते है, हम बहुत सावधानी, सजगता और सहयोग की भावना के साथ जो अपने मरीजों को हमेशा सर्वोपरि रखते हैं, हर दिन एक जीवन बचाने के लिए अथक परिश्रम करते हैं, स्वास्थ्य का उपहार देने के लिए निरंतर प्रयासरत रहते हैं।

डॉ. राजेश सिंह
कंसल्टेंट, क्रिटिकल केयर विभाग।

सभी डॉक्टरों को नेशनल डॉक्टर डे की हार्दिक शुभकामनाएं। सेवा, समर्पण और निष्ठा लिए जीवन है. अपने हृदय रोग मरीजों की देखभाल में कठिन परिश्रम और लगातार ध्यान देना ही हमारा मकसद है। हर दिन आप अपने ज्ञान, कौशल और दयालुता के माध्यम से अनगिनत जीवन को बेहतर बनाते हैं।

डॉ. रोहित कुमार, कंसल्टेंट, कार्डियोलॉजी विभाग।

नेशनल डॉक्टर डे 2024 की थीम है 'हीलिंग हैंड्स, केयरिंग हार्ट्स' डॉ. अंजना कहती है 'जहाँ भी चिकित्सा की कला से प्रेम किया जाता है, वहाँ मानवता का भी प्रेम होता है।' चिकित्सक का कैरियर अत्यंत पुरस्कृत और संतोषजनक होता है। एक डॉक्टर को जाति और पंथ की परवाह किए बिना लोगों की सेवा और सहायता करने का अवसर मिलता है, जो भी हमारे पास पास आता है, हम पूरी उदारता, समर्पण और धैर्य के साथ रोगी का इलाज करते है।

डॉ. अंजना गांधी
कंसल्टेंट, जनरल सर्जरी विभाग।

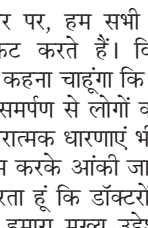

नेशनल डॉक्टर डे के इस विशेष अवसर पर, मैं अपने नेफ्रोलॉजी मरीजों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता और समर्पण को दोहराना चाहता हूँ। किडनी रोग से पीड़ित मरीजों के इलाज और देखभाल के प्रति हमारी टीम हमेशा तत्पर रहती है। हमारे नेफ्रोलॉजी विभाग में हम यह सुनिश्चित करने के लिए प्रयासरत हैं कि हर मरीज को सर्वोत्तम देखभाल मिल सके। किडनी रोग से जूझ रहे मरीजों को उच्चतम मानकों के अनुसार चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने का हमारा लक्ष्य है। हम यह समझते हैं कि किडनी रोग न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक और भावनात्मक रूप से भी चुनौतीपूर्ण हो सकता है और इसलिए हम अपने मरीजों की संपूर्ण देखभाल में विश्वास रखते हैं।

डॉ. पंकज मिश्र
कंसल्टेंट, नेफ्रोलॉजी विभाग।

डॉक्टर्स डे पर सभी को शुभकामनाएं। हमें डॉक्टरों का सम्मान करना चाहिए। ये दिन-रात परिश्रम कर हमलोगों की सेवा करते हैं। प्रश्न पूछना चाहिए, लेकिन व्यर्थ की बहस नहीं करनी चाहिए।

- अनंत सिन्हा
निदेशक, देवकमल हॉस्पिटल, रांची।

सभी डॉक्टर्स को डॉक्टर्स डे की शुभकामनाएं।